

सं० 5] No. 5] नई बिस्सो, शनिवार, फरवरी 4, 1984 (माघ 14, 1905)

NEW DELHI, SATURDAY, FFBRUARY 4, 1984 (MAGHA 51, 1905)

इस माग में भिन्त पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाष III—**धन्य** 1 [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं [Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृष्ट मंत्रालय

का० एवं प्र० सू० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली दिनांक 11 जनवरी 1984

सं० एम-6/73-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एम० इमामुद्दीन, लोक अभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को, तदर्थ आधार पर दिनांक 23-12-1983 के अपराह्म से दिनांक 31-12-1983 कक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिये स्थानापन्न वरिष्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते

राम स्वरूप नागपाल प्रशासनिक अधिकारी (स्थापना) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

महानिवशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० एफ० 2/32/83-स्थापना (के० रि० पु० बल)— राष्ट्रपति पुलिस उपअधीक्षक श्री यू० जो० मोरवाणी जो कि 1—4 46GI/83- (2319) सिविल एकोएशन सोक्यूरिटी में प्रतिनियुक्ति पर है सहायक कमानेण्ट के पद पर दिनांक 28-6-83 से प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

ए० के० सूरी सहायक निर्देशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 17 जनवरी 1984

सं० 11/8/80-प्रणा० -1 (खण्ड-II):---राष्ट्रपति
भहाराष्ट्र सरकार के अधिकारी और महाराष्ट्र बम्बई में
जनगणना कार्य निदेणक के आर्यालय में प्रतिनियुक्ति पर
सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री
एम० टी० अनासपूरे को तारीख 30 नवम्बर 1983 के
अपराह्न से महाराष्ट्र सरकार को सहर्ष प्रत्यावित करते
हैं।

संव 11/37/80-प्रशाव 1 (खण्ड II)— इस कार्यालय की तारीख 14 जून 1983 को समसंख्याक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति निम्नलिखित अन्वेषकों की उनके नामों के सामने दिशत कार्यालयों में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की तारीख 29 फरवरी 1984 तक की और अवधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जायें जो भी अवधि पहले हो सहर्ष बढ़ाते हैं:---

क्रम सं० अधिकारी का जिस कार्याच्य में कार्यरत हैं ाम

 श्री एम० तेज किशोर सिंह

जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलांग

2. श्री के॰ एस॰ लिगदोह जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मेघालय, शिलाँग

-3. श्री एस० एस० बाहरी भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली।

4. श्री एम० एन० सरकार जनगणना / कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल

कजकता।

5. श्री शमशेर दिह

जनगणना टार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर

6. श्री एम० एल० शर्मा

जनगणना कार्य निदेशक दा कार्यात्रय, पंजाब, चण्डीगढ़

7. श्री एम० जी० मोहरिल जनगणना कार्य दिवेशक का कार्याजय, मध्य प्रदेश भोपाल

8. श्री के० आर० नारायण जनगणना कार्य निदेशव का कार्यालय, कर्नाटक, बंगलीर

9. श्री एम॰ एस॰ रामचन्द्रन जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय कर्नाटक बंगलीर

10. श्रीएच० एस० मीणा

जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार पटना।

11. श्रीए० सी० रेड्डी

जनगणना कर्य निदेशक का कार्यालय, आध्य प्रदेश हैदराबाद।

12. श्री निर्मल भट्टाचार्य

जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, असम, गोहाटी।

13. श्री एम० पी० झाला

जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय गुजरात अहमदा-बाद।

14. श्री जे० सी० दत्ता

15. श्री डी० के० चौधरी

16 श्री लखन सिंह

17. श्री जी० एस० गिल

18. श्री एम० एल० शर्मा

19, श्री सी० एल० शर्मा

20. श्री एमर् पी० देसाई

भाषा प्रभाग, तल कत्ता।
जनगणना कार्य निदेशक का
कार्याजय, निपुरा, अगरतला,
जनगणना कार्य निदेशक का
कार्यालय, उत्तर प्रदेश लखनऊ
जनगणना कार्य निदेशक का
कार्यालय, पंजाब चण्डीगढ़
जनगणना कार्य निदेशक का
कार्यालय, दिल्ली, दिल्ली।
जनगणना कार्य निदेशक का
कार्यालय, हिमाचल प्रदेश
कार्यालय, हिमाचल प्रदेश
कार्यालय, शांवा, दमन और

दोव पणजी।

2. उपरोक्त पद पर तदर्थ नियुक्तियां संबंधित अधि-कारियों को सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर नियमित नियुक्ति के लिये कोई हक प्रदान नहीं करेंगी। तदर्थ आधार पर उनकी सेवायें उस ग्रेड में विश्विता और आगे उच्च पद पर पदोन्नति के लिये नहीं गिनी जायेगी। उपरोक्त पदों पर तदर्थ नियुक्तियों को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेक पर किसो भी समय बिना कोई कारण बताये रह किया जा सकता है।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1983

सं० 8 वि० आ० 2(28)-ए/82--इस आयोग की दिनांक 25 नवम्बर 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के सिलिसिले में, श्रो वी० बी० तुलसीधर को आठवें वित्त आयोग में उन्ही शर्तों पर 1-2-1984 से 29-2-1984 तक स्थानापन्न परामर्शदाता के पद पर जारी रहने की अनुमित दी जाती है।

दिनांक 11 जनवरी 1984

सं० 8 वि० आ० 2(25)-ए०/82—इस आयोग की दिनांक 25 नवम्बर, 1983 की समसंख्यक अधिसूचना के सिलसिले में डा० अतुल शर्मा को वित्त आयोग में 1-2—1984 से 29-2-84 तक उन्हें शर्तों स्थानापन्न रूप से आर्थिक सलाह-कार के पद पर बने रहने की अनुमति दी जाती है।

तरलोक चन्द नन्दा प्रशासन एवं ठेखा अधिकारी

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग न गुरुवाकार विहार का कार्यालय रांची -2, दिनाँक 11 जनवरी 1984

सं० आ० प्र० II 1306 — महालेखाकार विहार रांची अपने कार्यालय स्थाई ग्रनुभाग अधिकारी श्री दामोदर प्रसाद को अपने कार्यालय में ही दिनांक 30-11-83 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के मद पर सहर्थ प्रोन्नति करते हैं।

सं० का० आ० प्र० 11 1307-महालेखाकार-1, बिहार रांचो अपने कार्यालय के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री मिहिर रंजत चौअरो को अपने कार्यालय में दिनांक 22-11-83 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

सं कार आर प्र 2-1308--महालेखाकार बिहार रांची अपने कार्यालय स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री विश्वनाथ प्रसाद सिन्हा को अपने कार्यालय में ही दिनांक 25-11-83

के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी	19. एस० सूब्रमण्य अथ्यर (सं० 3) . 1-4-82
के पद पर सहर्ष प्रोन्नति करते हैं।	20. के० मुक्रमण्य अय्थर (सं० 2) 1-4-82
हा० भ्रपठनीय	21 एम० शंकर सुम्रमण्य अय्यर 1-4-83
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) बिहार ।	22. आर. रामवर्मा 1-4-83
and the second of the second o	23. एस० वेंकटरनम
	(10-6-83 से बी० एच० ई० एल० में आशोषित)
महालेखाकार का कार्यातय, केरल	24 के० गोपाल पिल्लै 1-4-83
त्रियेन्द्रम्, दिनाक 22 दिसम्बर 1983	25. एन० विश्वनाथन (सं० 1) . 1-4-83
•	26. टी॰जे॰ सेवियर . 1-5-83
मं ० स्थापना/प्र/7/9-86/खण्ड 2/542 निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मूल नियुक्ति को प्रत्येक के नाम के	27. के० के० कुट्टप्प कुरुप 1-7-83
सामने लिखित तारीख से पूर्व दिनांकित करने के लिये महा-	एस० गोपालकृष्णन,
लेखाकार केरल सन्तुष्ट हुए हैं:	वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)
• •	- (
सर्वश्री/श्रीमती	
1. ए० आर० यशोधरा 1-4-79	कार्यालय भहालेखाकार-प्रथम मध्यप्रदेश
2. ए० भास्करन 1-4-79	ग्वालियर, दि नांक 6 जनवरी 1984
3. जी॰राम मोहनकृरूप 1-10-79	•
4. के० एम० वेबी 1-10-79	ां० प्रणासनएक/प्र० नि० ले० अ 5/372-∺श्रो ए० मुखर्जीस्थाई लेखा अधिकारी को भारतीय सड़क निर्माण
5. टी॰एल॰ वर्की	निगम लीमिति में स्थाई संबिलयन के फलस्वरूप दिनांक
6. टी॰ वेलप्प व नायर 12-11-79 7. सी॰ जे॰ जोर्ज 1-11-80	30-9-1983 श्रपराह से शासकीय सेवा से सेवानियृत्त समझा
	जाता है
8. एम० जे०मात्यू	•
9. पा० लक्ष्मानारायण थमा 10-1-81	(प्राधिकार महत्वेखाकार प्रथम मध्य प्रदेश के आदेश
इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारियों	दिनांक 4–1–1984) I
(लेखा परीक्षा, लेखें) को प्रत्येक के नाम के सामने लिखित	सं० प्रणा० 1/प्र० नि० बी०/एफ० जी एल० आर/
तारीख से रू० 840-40-1000-इ० बी-40-1200 की	373:-श्री जी० एल० रामचन्द्र स्थाई लेखा अधिकारी
ग्रेंड में मौलिक क्षमता में नियुक्त करने की भी महालेखाकार	को रूरल इनैक्ट्रोफिकेशन कारपोरेंगन लिमिटे ड में स्था ई
केरल सन्तुष्ट हुए हैं। ,	सिंबिलयन के फलस्वरूप दिनांक 1-7-1983 पूर्वाह्न से
1. एस०नारायणन नायर 1-3-81	शासकीय सेवा से निवृत्त समझा जाता है।
2. एम०के० माधवन कुट्टि नायर 1-5-81	(प्राधिकार महालेखाकार.–प्रथम, मध्यप्रदेश के आदेश
 आर० श्रीधर वार्यर 1-4-82 	दिनांक 4-1-84)
4. ई ० जे० मात्यू 1-4-82	एम० के० पोदार,
 पी० दोरेस्वामी 1-4-82 	पुनर कर पादार, वरिष्ठ उप महाक्षेखाकार प्रशासन
 सी० एम० रामचन्द्रन 1-4-82 	यारण्य उन महाराखाकार प्रशासन
(30-6-83 को सेवानिवृत्त)	* ************************************
7. के० जी० मंकर 1-4-82	कॉर्थाना पहालेखाकार -प्रथम राजस्थान
8. एन० माधवन नायर 1-4-82	जयपुर, दिनांक 12 जनवरी, 1984
9. सी॰ सी॰ ऐसक 1-4-82	, "
10. के० पी० राम कुरूप 1-4-82	सं० प्रशाः II/राज० अधिसूचना/702—महालेखाकार
11 आर० नीलकण्डन नायर 1-4-82	प्रथम राजस्थान ने निम्नलिखित प्रवर अनुभाग अधिकारियों को पदोन्नत करके उनके आगे विये गये दिनांक से अग्रतर
(30-9-83 को सेवा निवृत्त)	आदेशों के जारी होते तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा
12. के० बी॰ मसाई 1-4-82	अधिकारियों के पद पर नियुक्त किया है:—
13 एल० राजम्माल	<u>-</u>
14. पी० विजयन	सर्वश्री
15. के० कृष्णननायर 1-4-82	(पूर्वाह्न)
16. सी॰ रामचन्द्रननायर 1-4-82	1 सिया राम वार्णीय
17. पी० हरिहरसुष्र मण्यअस्यर . 1-4-82	2 मोरानी हीरो लीलाराम "
18 जोसफ स्टीफन 1-4-82	3. लाल चन्द्रनारग . ,,

5. जे० पी० दास

वाई० वी० अमीत

7. एम० एम० महाजन

4. श्रीपाल जैन 5. फकीर चन्द्रस्याल . 26-12-83 पुर्वाह्नन

> एस॰ राजाराम, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशा०

उद्योग मंत्रालय

ं औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० 12(684)/71 प्रमा० (राज०)---राष्ट्रपति विकास आयुक्त (ल० उ०) का कार्यालय नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के श्री राधारमण फौजदार को इसी कार्यालय में विनांक 31-12-से 16-2-84 तक उप निदेशक (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

> एच० एल० जुनेजा, उप निदेशक (प्रशासन

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई विल्ली, दिनांक 13 जनवरी, 1984

सं० ए० 17011/243/84-प्र- 6--- महानिदेशक, तथा निपटान उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के भण्डार परीक्षक (अभि०) श्री एस० सी० गोयल को 4-1-1984 के पूर्वाह्म से अगले आवेश दिये जाने तक नई दिल्ली स्थित पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के मुख्याालय में तदर्थ आघार पर स्थानापन्न सहायक निरीक्षक अधिकारी (अभि०) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> एस० एल० कपूर, उप निदेशक (प्रशासन). कृते महानिदेशक पूर्ति सथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 11 जनवरी 1984

सं \circ प्र-I/2(440)-महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन)

(ग्रेड-Ⅲ) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते

क्रम सं० नाम	कार्यालय जहां सहायक निदेशक कार्यरत हैं (प्रशा) (ग्रेड —II) के रूप में निय- मित आधार पर नियुक्ति की तारीख
सर्वश्री	
 श्री पी०भेंगरा 	निरीक्षण निदे- 13–10–83 शालय, कलकक्षा
2. एल० जी० काम्बले	पू० नि० नि०, 28-12-83 बम्बई
3. ए० के० चकवर्ती	पू॰ नि॰ नि॰, 13–10–83 कलकत्ता
4ं. बी० एस० मुरदेश्वर	पूर्ति निदेशक (वस्त्र) 13-10-83
	बम्बई (30-11-83
	को सेवा निवृत्त

उपर्युक्त अधिकारी उनके नाम के सामने वी गई तरीख से दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

कलकत्ता

बम्बई

पुर।

लय,(धातु), वर्न-

एस० बालासुम्रमणियन, उप निदेशक (प्रशासन)

हो गये)

निरीक्षण निदेशालय, 13-10-83

निरीक्षण निदेशालय, 13-10-83

निरीक्षण निदेशा- 29-12-83

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग) लोहा और इस्पात नियंद्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 10 जनवरी 1984

सं ० ई० **I** 12(59)/83(.)—अधिवर्षिता की आय प्राप्त होने पर, श्री प्रयाग सिंह, ने 31-12-83 (अपराह्म) को कलकत्ता स्थित लोहा और इस्पात नियंत्रक के कार्यालय में सहायक भुगतान आयुक्त का कार्यभार छोड़ दिया।

विनांक 12 जनवरी 1984

सं० स्था॰ I(12)(3)/81(.)—वार्धंक्य की अवस्था प्राप्त करने के फलस्वरूप, श्री अमल कुमार दास, सहायक लोह और इस्पात नियंत्रक ने दिनांक 31-12-83 (अपराह्म) से अपना पदमार छोड़ दिया है।

> सत्यनारायण दास, संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

खान विभाग भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनांक 7 जनवरी 1984

सं० ए०-19011(342)/83-स्था० ए०--राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० वाय० फाझा, सहायक अनुसंघान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 19 दिसम्बर 1983 के अपराह्म से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 जनवरी, 1984

सं० ए० 19011(347)/83-स्था० ए०---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री शामजी सिंह, सहायक रसायनज्ञ को भारतीय खान ब्यूरो में रसायनज्ञ के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 19 दिसम्बर 1983 के पूर्वाह्म से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 जनवरी 1984

सं० ए० 19011(337)/83-स्था० ए०—-राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्रीपी० डी० गंगणे सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 19 दिसम्बर 1983 के अपराह्म से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 10 जनधरी 1984

सं० ए० 19011(338)/83न्स्था० ए०—राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर श्री एम० बी० राव, सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को भारतीय खान ब्यूरो में सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पर्द पर स्थानापन्न रूप में विनांक 19 दिसम्बर 1983 के अपराह्म से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> आशा राम कश्यप, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी कृते महानियंत्रक

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संप्रहालय

कलकत्ता, विनांक 16 मार्च 1984

मं० 4-192-83/स्थापना-संघ लोक सेवा आयोग के सिफारिश पर डा० (श्रीमती) भारती देवी को इस सर्वेक्षण के केन्द्रीय क्षेत्र, नागपुर में सहायक मानविक्षानी, ग्रुप बी राजपितित वेतन्मान 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880 40-1000 द० रो०-40-1200 के पद पर दिनांक 20 दिसम्बर, 1983 अपराह्म से अगला आदेश तक नियुक्त किया है।

> एम० एस० राजगोपालन वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई विल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० 10/46/77-एस० तीन/एस० चार- श्री बी० के० विटिनस, सहायक इंजीनियर दूरदर्शन केन्द्र बम्बई के स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति के अनुरोध को स्वीकार करने के परिणाम स्वरूप उन्हें 30-11-1983 (अपराह्म) को दूरदर्शन से कार्यामुक्त कर दिया गया है।

यतेन्द्र वर्मा प्रशासन उपनिदेशक कृसे महानिदेशक

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैंटिक मानचित्रण संगठन कलकत्ता-700019, दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० 35-2/83/स्था--श्री के० के० चक्रवर्ती, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी को विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशांसा के अनुसार राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन में उस पद पर 6-1-84 से भावी आदेश होने तक पदोन्नति किया जाता है।

ज्ञानेन्द्र कुमार दत्त, निदेशक

सूचना और प्रसारण मंद्रालय विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली-1, 17 जनवरी 1984

सं० ए-12025/1/83 स्था०---निदेशक, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय ने, इस निदेशालय के स्थाई क्षेत्रीय प्रदर्शनी अधिकारी श्री रा० ना० खन्ना, जो इसी निदेशालय में सहायक उत्पादन प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत हैं, को 2 नवम्बर, 1983 के पूर्वान्न से, श्रमले आदेश तक, इस निदेशालय में सहायक उत्पादन प्रबन्धक (बाह्य प्रचार) के पद पर नियमित रूप से नियुक्त किये हैं।

 श्री खन्ना को उक्त पद पर नियमित रूप से नियुक्त होने की तारीख से अगले वो वर्ष के लिये परिवीक्षा अविधि पर रखा गया है। परिवीक्षा अवधि को नियुक्ति प्राधिकारी के विवेकानुसार बढ़ाया भी जा सकता है।

> जे० एस० तुली उप निदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन श्रौर दृश्य प्रवार निदेशक।

ग्रामीण विकास मंत्रालय विपण्न एवं निरीक्षण निवेशालय फरीवाबाव दिनांक 28 दिसम्बर 1983

सं० ए० 19025/9/83-प्र०-III—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री अवधेण चन्द्र अग्रवाल को इस निदेशालय के अधीन फरीवाबाद में दिनांक 15 दिसम्बर, 1983 (पूर्वाह्म) से अगले आदेण होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग II) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 13 जनवरी 1984

सं० ए० 1902.5/26/81-प्र०-III—इस निवेशालय में श्री आर० पी० गजभिये द्वारा सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद से दिया गया त्याग पत्न दिनांक 17-5-83 (अपराक्ष) से स्वीकृत किया गया है।

सं० ए० 19023/8/83-प्र०-III—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग "ख") की संस्तुतियों के अनुसार श्री आर० वी० कोठे, सहायक विपणन अधिकारी को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 14-12-83 (पूर्वाह्म) से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में पदोन्नत किया जाता है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने के उप-रान्त श्री कोठे ने 12-12-1983 (अपराह्म) को बम्बई में सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग II) के पद का कार्य-भार छोड़ विया है।

दिनांक 17 जनवरी 1984

सं ए० 19023/10/81-प्रः III—श्री ई० एस० पालूज, सहायक विपणन अधिकारी को दिनांक 2-12-83 (पूर्वाह्म) से पूर्णंतया तदर्थ आधार पर 3 महीने की अविधि के लिये या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में स्थानापन्न विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में पदोन्नत किया जाता है।

2. विषणन अधिकारी के रूप में पदोन्नत होने के उपरान्त श्री पालूज ने फरीदाबाद में दिनांक 2-12-83 (पूर्वाह्न) से सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गोपाल शरण शुक्ल कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

भाभा परमाणु अनुसम्धान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 6 जनवरी 1984

सं० पी० ए०/76(1)/83-आर०-III——नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री सुभाष वामन पाटिल, किन्छि लेखा अधिकारी भारतीय डाफ एवं तार विभाग, महाराष्ट्र टैलेकाम सिंकल, जी० पी० ग्रो० बम्बई (टेलीग्राफ, इंजीनियरिंग प्रभाग, कह्याण) को दिनांक 22 दिसम्बर, 1983 (पूर्वाह्न) से दिनांक 21 दिसम्बर, 1985 (अपराह्न) या आगामी आदेश जारी होने तक, जो भी पहले हो, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी पद पर वेतन कम रुपये 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

बी॰ सी॰ पास उप स्थापना अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग विद्युत परियोजना अभियांत्रिकी प्रभाग बम्बई-5, दिनांक 29 दिसम्बर 1983

र्सं० वि० प० अ० प्र०/3(236)/83-स्थापना-I/1252:— विद्युत परियोजना अभियोद्धिकी प्रभाग, विम्बई के निदेशक (इंजिनियरी) इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को अगस्त 1, 1983 के पूर्वाह्म से अगले आदेश तक के लिये उसी प्रभाग में अस्थाई रूप-से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी० नियुक्त करते हैं:

ऋम संख्या नाम	वर्तमान ग्रेड
1. श्री एन० सी० गुप्ता	वैज्ञानिक सहायक ''सी'' (स्थाई वैज्ञानिक सहायक ''बी'')
2. श्री एच० आर० शुक्ला	वैज्ञानिक सहायक ''सी'' (स्याई वैज्ञानिक सहायक ''बी'')
3. श्री परेश गुप्ता .	वैज्ञानिक सहायक "सी" (स्याई वैज्ञानिक सहायक "बी")

आर० व्ही० वाजपेयी, सामान्य प्रशासन अधिकारी

क्रय भीर भण्डार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 4 जनवरी 1984

सं० डी॰ पी॰ एस/41/1/83-प्रशा०-292:---परमाणु ऊर्जा विभाग के कय और भण्डार निदेशालय के निदेशक ने सहायक क्रय अधिकारी श्री के० बी० नायर को क्रय अधिकारी (तदर्ष) के पद पर नियुक्त किये जाने पर स्थाई क्रय सहायक श्री कृष्ण लाल अहलुबालिया को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में तारीख 17-10-1983 (पूर्वाह्न) से 22-11-1983 (अपराह्न) तक के लिए तदर्थ आधार पर इसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक क्रय अधिकारी नियुक्त किया है।

दिनांक 16 जनवरी 1984

सं० डी० पी० एस०/41/16/83-प्रशा०-1351—
परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय और भण्डार निर्देशालय के निर्देशक ने सहायक भण्डार अधिकारी श्री एम० बनर्जी की छुट्टी मंजूर किये जाने पर स्थाई भण्डारी श्री पी० रमेश चन्दर को रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के वेतनमान में तारीख 10-10-1983 (पूर्वाह्न) से 12-11-83 (अपराह्न) तक के लिय तदर्थ आधार पर इसी निर्देशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक भण्डार अधिकारी नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रशासनिक अधिकारी

रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र

कलपानकम-603102, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

सं० आर० आर० सी०/ए-32014/7/83 आर/18686—
रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक ने इस केन्द्र के स्थायीवत वैज्ञानिक सहायक (बी) और स्थानापन वैज्ञानिक सहायक (सी) श्री एन० जी० मुरलीधरन को 1 अगस्त, 1983 के पूर्वाक्ष से अगला आदेश होने तक के लिए र० 650-30740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस बी" के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

सं० आर० आर० सी०/ए० 32023/1/83/आर/18756— रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक ने इस अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई वरिष्ठ आशुलिपिक और स्थानापन्न आशुलिपिक ग्रेड III श्री के० जवन्टीश्वरन को उसी केन्द्र में 8-12-83 से 18-1-84 तक की अबधि के लिए सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति सहायक प्रशासनिक अधिकारी श्री एम० कृष्णमूर्ति के स्थान पर की गई है जो आई० एस० टी० एम०, नई दिल्लो में प्रशिक्षण के लिये गये हैं।

एस॰ पदमनाभन, प्रशासनिक अधिकारी

निर्माण तथा सेवा वर्ग बम्बई-400094, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

सं० सी० एण्ड एस० जी०/ए/2(6)—परमाणु ऊर्जी विभाग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के निर्देशक ने श्री के० कृष्णन को 13 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से अगला आदेश होने तक के लिये निर्माण तथा सेवा वर्ग में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड "एस० बीठ" के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 30 दिसम्बर 1983

सं क्षी ० एण्ड एस० जी/ए/2/16—परमाणु ऊर्जा विभाग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के निर्माण तथा सेवा वर्ग के मारतीय डाकः तथा तार विभाग के एक कनिष्ठ लेखा अधिकारी श्री के० महबूब बाशा को 7 दिसम्बर, 1983 के पूर्वाह्म से प्रथमतः दो वर्ष की अविधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त किया है।

टी० पो० राजस्य, प्रशासनिक अधिकारी—II

अन्सरिक्ष विभाग

विकम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिसवनतपुरम-22, दिनांक 29 दिसम्बर 1983

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/ए/83— निवेशक, बी० एस० एम० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुवनतपुरम में निम्नलिखित कर्मबारियों को वैज्ञानिक/इंजीनियर "एस, बी", के पद पर ६० 650—30—740—35—810—द० रो०—35—880—40—1000—द० रो०—40—1200 के ग्रेड में उनके नामों के सामने दिये गये तारीखों से आगामी आवेश तक केवल अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

ऋम् सं०	नाम		प्रभाग	नियुक्ति की तारीख
1	2		3	4
श्री/श्रीमती/कु	मा री			
1. आर० रे	णुका		ई० एल० ए	र्स० 8−8−83
2. राघवेन्द्र	आर० पाट	ील	आई० एस	o আর্ছ <u>1-9-83</u>
3. ए० सोम	नाथन		ई०एफ० ए	एक० 17-11-83
4. पो० जेस	म्माल		ई० एल० ए	स्य० 23-11-83
5. सी० आ	विपगवान		आई०आर	एस॰ 23-11-83
6. के० मल	रमणी		आई०आर	र्स० 24-11-83
7. जे० जेस्स	ी फ्लोरा		ई० एल० ए	(स॰ 25-11-83
8. के० मुक	ोशन		एस० एम०	₹î ∘ 25-11-83
9. बी० भा	रती	•	ई० एल०।	एस॰ 25-11-83

1	2	3	4.
11.	धर्म राज . आर० मनोहर राव ए० कालिस्वामी		
		प्रशासन अधिकारी-	आर० मेनोम, II (स्थापना) ज,वी एस एस सी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नर्ष दिल्ली, दिनांक 5 जनवरी 1984

सं० ए० 32013/6/82-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 23 जुलाई, 1983 की अधिसूचना सं० ए० 32013/6/82-ई० सी० के कम में, राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकारियों की संखार अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति प्रत्येक के सामने दी गई अवधि तक अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले ही जारी रखते की स्वीकृति देते हैं:—

क्रम र्स० नाम		अवधि		
		से	तक	
1	2	3	4	
सर्वश्री	·			
1. टी॰	एस० प्रकाशन	1-7-83	. 31-12-83	
2. एस०	कृष्णामूर्ति		;	
	गोपालकृष्णन	, ,	11	
4. স্থীত	पी० चौहान		"	
5. एस०	सरकार	,,	,,	
6. एस	के० नियोगी	11	,,	
7. के०	बी० वासुदेवन	,,	,,	
	आर० श्रीनिवासन	,,	,,	
	डी० तुली	11	7.7	
	एल० खेरा	1.7	,,	
	एस० चौघरी	,,	11	
	एस० बेदी	żŢ	,,	
	के० सिद्धार्थन	11	, ,	
	सी० विश्वास	, ,	,,	
	आर० नायर	7.7	11	
16. पी०		7.7	,,	
	भट्टाचार्जी	11	,,	
=	एस० पाल	"	, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	
19. पी०	•	J J	,,,	
_	एस० स चदेव	11	3 3	
21. बी०		,,	"	
22. बी०	बी० दक्ता	11	,,	

1	2	3	4
सर्वश	ft		
23.	रामजी सिंह	1-7-83	31-12-83
24.	एस० के० सेन	, ,	, ,
25.	के० सी० सेनगुप्ता	,,	,,_
26.	ए च० देब	,,	11
27.	एस० गोबिन्दराजन	1.7	,,
28.	एस० बसु	, ,,	1 f
29.	आर० बी० खरे	,,	, ,
30.	पी०एन०मलिक	, ,	"
31.	एस० एम० दत्ता	,,	,,
32.	एस० एम० सेन	,,	,,
33.	सी० आर० नारायणन	7.1	٠,
34.	साइबल गुप्ता	,,	2.3
35.	ए० के० मुख र्जी	, ,	13
36.	के० एस० गोपासन	1)	,,
37.	पी० ए.स० सुबैयः।	1.1	31-10-83
38.	डी०पाल .	, ,	31-7-83
39.	टी० वी० नटराजन	11	30-9-83
40.	एस० एल० चोढ़ा	7.1	30-11-83

दिनांक 10 जनवरी 1984

सं० ए० 32014/2/83-ई० सी०--महानिदेशक, नागर विमानन ने संचार निम्नलिखित संचार सहायकों की जी इस समय सहायक संचार अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत हैं। विनाक 31 विसम्बर, 1983 से और अन्य आदेश हीने तक सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया हैं:--

र नियुक्त क्या ह:	
क्रम संख्या नाम	,
सर्वश्री	
1. वी० जी० सुम्दरा रमन	
2. जी० एन० ग्रोका	
 एम० एस० गोगटे 	
4. एस० बर्मन	
5. टी॰ पाल	
 एम० के० चक्रवानी 	
 एस० पी० सेनग्प्ता 	
8. एच० एस ० तुली	
9. सी० आर० गुष्टा	
10. टी० एस० कृष्णमूर्ति	
11. ए० एन० विश्वास	
12. वी० एन० सरकार	
13. ब्रार० के० क्षी० चौधरी	
.14. जे० पी० गुप्ता	
15. एम० एस० दियोल	
16 एन० आर० बोस	

कम संख्या	नाम	
17. एम०	टी० राजपि	
18. पी जी	० चन्द्राना	
19. एम०	जी० संदल	
20. तीर थ	सिंह	
21. जे० अ	ार० देशमुख	
22. ए० पे	रियास्थामी	
23. के० ए	ल० पटवा	
24. पी० ह	के० मजूमदार	
25 वी०	जे० हुद्र	

ओ० पी० अप्रवाल सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1984

सं० ए० 12025/2/82-4 ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की अनुशंसा पर राष्ट्रपति ने श्री वी० के० अरोष्ट्रा को दिनांक 30-11-1983 से और अन्य आदेश होने तक ए० 700-1300 के वेतनमान में नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षक (समूह "क" पद) के पद पर स्थानापस रूप में नियुक्त किया ह।

बी० भौमिक, सहायक निवेशक प्रशासन

वन अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 11 जनवरी 1984

सं० 16/118/66-स्थापना-1-अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री एस० के० गुष्ता, अनुसन्धान अधिकारी, वन अनुसंधान प्रयोगणाला, बेंगलूर की स्वैच्छिक सेवा निवृत्ति दिनांक 8 नवम्बर, 1983 की अपराह्न से केन्द्रीय सविल सेवा (सेवा निवृत्ति) नियमावली 1972 के नियम 48 के प्रावधान के अनुसार सहर्थ स्वीकार करते हैं।

(ह०) श्रपनीय उप कुल सचिव वन अनुसन्धान, संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्ता का कार्यालय बम्बई-400 020, दिनांक 9 जनवरी 1984

मं० 11/3 ई० (ए2/77 पार्ट-॥—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने प्रोन्नति पर अपने नामों के आगे दर्शायी गई तिथि से केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समाहर्तालय, बम्बई-1 में स्थाना-2—446 GI/83

पन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समूह 'ख' के रूप में -यार्थभार संभाल लिया है :---

फ्र० सं० नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री	<u>.</u>
 आर० ही० गुंडाले 	9-12-1982 पूर्वा०
2. एस० आर० निकाल	ी 2-4-1983 अ प ०
 एम० एस० घटकाम्बले 	14-4-1983 पूर्वी०
4. डी० एच० तरे	31-3-1983 খ্ৰবত
5. वाई० के० तिमनपट्टी	6-4-1983 पूर्वा०
 ए० बी० वाघेला 	14 -4-1983 पूर्वा ०
7. एल० एम० अगर	7-4-1983 पूर्वा०
8. एम० आर० साल्बी	30-4-1983 দুৰ্বতি
,9. एन० आर० नारेखेडे	26-4-1983 पूर्वी०
10. एल० वी० पाटणकर	30−4−1983 पूर्वा०
11. एम० एम० गैलाड	21-4-1983 पूर्वी०
12. एम० ए० सावंत	11-4-1983 पूर्वी०
13. एच० जी० मांजरेकर	8-4-1983 पूर्वी०
14. जे० एन० डाबके	11-4 - 1983 पूर्वा०
15. एम० के० पांसरे	13-4-1983 বুৰা৹
16 वी० के० देखने	16−7 − 1983 पूर्वा०
17. डी० एन० भोजवानी	167 1983 पूर्वा०
18. वी० बी० शानभाग	31-8-1983 पूर्वा०
19. वी० म्रार० धुरी	31—8—1983 अप०
20. एस० जी० फडनिस	31-8-1983 पूर्वी०
21. डी० टी० सावंत	31-8-1983 पूर्वी०
22. बी० ए० सरदेसाई	31-8-1983 पूर्वी०
23. बी० एस० आबेसकर	31-8-1983 पूर्वी०
24. आर० डब्ल्यू वागले	30-8-1983 पूर्वी०
25. पी० एम० छाबलानी	29-8-1983 স্বৰ্
26. एम० एल० जोशी	22-8-1983 अप०
27. ए० एस० जोशी	30-8-1983 पूर्वी०
. 28. वाई० जी० सावंत	31-8-1983 पूर्वी०
29. वी० एल० जोशी	22-8-1983 पूर्वा०

संव II/3ई (ए) 7/77 पार्ट-II-केन्द्रीय उत्पाद मुल्क बंबई-1 के निम्न कार्यालय अधीक्षकों को केन्द्रीय उत्पाद मुल्क समाहर्तालय, बंबई-1 में सर्वथा तवर्थ आधार पर स्थानापन्न समूह "ख" प्रशासनिक अधिकारी/सहाव मुल्ले अविकारी/सहाव मुल्ले अविकारी परीक्षक ग्रेड के रूप में उनके नामों के आग दर्शायी गई तिथि से प्रोन्नत किया जाता है:—

ऋ० सं०	 नाम	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्रं। एस लेखा परी	o एस० कुलकर्णी,	16-6-1983 पूर्वी०
2 श्री बीव मु ० लेट) पी० णिन्दे सहा्० अधि०	17-8-1983 अप ०

फां॰ संं॰ II/3ई (ए) 2/77 पार्ट-II--केन्द्रीय अत्पपाद शुक्क समाहतीलय बंबई-1 के निम्न अधीक्षक/प्रशासनिक अधिकारी/परीक्षक/सहा॰ मु॰ ले॰ अधि॰ समृद्ध "वा" के राजपन्नित अधिकारी अपने नामों के आगे दर्शीयी गई तिथि से अधिवाधिकी पर/स्वेच्छा लेवा नियुत्त हो गए हैं:--

ক। सं०	नाम व पदनाम	मेगानिनृत की तारीख
	1. श्री बी० एस० गुप्ते, अधीक्षक	31-12-1982 अप ०
	2. श्री वी० जी० राणे, अधीक्षक	31-12-1982 अप ०
	3. श्री एम० जे० डावर, प्रमा० अधि० (स्वेच्छया)	31-12-1982 अप ∘
	4. श्री एम० आर० विजरानी लेखा परीक्षक	
	ठ. श्री एम० जी० वाक्रनिस अधीक्षक	,
	6. श्री एन० एम० चनानी,	
	अधीक्षक 7. श्री एस० डी० म्हास्ने,	30-4-1983 अप०
	परीक्षक (स्वेच्छ्या) 8.श्री वी० के० वैद्य, सहा०	30-4-1983 अप०
	मु० ले० अ०	31-7-1983 अप॰

फा० सं० II/3ई- (ए) 2/77 पार्ट-II— बंबई-1 केन्द्रीय उत्पाद शुरू समाहर्तालय में तैनात श्री आर० टी० नागरानी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुरूक समृह "ख" का 9 जनवरी 1983 को स्वर्गवास हो गया।

फा० सं० 11/3ई (ए) 2/77 पार्ट-II—जिम्नलिखित प्रमा० अधिकारियों/लेखा परीक्षकों/सहायक मुख्य लेखा अधि-कारियों की उनके नामों के प्रागे वर्णीयी गई तिथि से नियमित आधार पर नियुक्ति की जाती है:—

ऋ०. सं०	नाम	कार्यभार संमालने की तारीख	
1.	श्रीमती पार्वती गणेशन	7-4-1983 पুৰ্বা৹	
2.	श्री आर० एस० डोपले	7-4-1983 पूर्वी०	
3.	श्री एम० के० माने	7-4-1983 पूर्वी०	
4.	श्री एस० जी० गुप्ते	7-4-1983 अप-	
5.	श्रीमती एस० डी० म्हावे	7-4-1983 पूर्वी०	
6.	श्री एम० एस० साने	7-4-1983 पूर्वी०	
7.	श्री पी० एस० विवे	74-1983 पूर्वा०	
8-	श्री एन० जे० करन्डे	7-4-1983 पूर्वी०	
9.	र्श्वार प्राप्त विश्व माने	7-4-1983 पूर्वी॰	
10.	श्री आर० बी० बाम	7-4-1983 अप	
11.	श्री रामस्वामी क्रुणमूर्तिः	7 ~4 ~1983 পুৰ ি	

फा॰ सं॰ II/3ई (ए).2/77 पार्ट-II--निम्नलिखित कार्यालय अधिक्षक ने के॰ उ॰ शुरुक के समूह "ख" में परीक्षक/प्रशा॰ अधि ॰ के रूप में केन्द्रीय उत्पाद शुरुक समाहती-लय, बंबई-1 में प्रोन्नति पर उनके नाम के आगे दर्शायी गई तिथि से छुट्टी रिक्ति पर कार्याभार संभाल लिया तथा वे उसी तिथि से प्रशा॰ अधि०/सहा॰ मुख्य लेखा अधि०/परीक्षक के समूह में कार्यरत हैं:--

গ	नाम	कार्यभार संभालने की
গ ০		तिथि
1.	श्री बी० एस० काणे	17-12-1982 पूर्वाः

एच० एम० सिंह समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बंबई-1

केन्द्रीय जल आयोग

नई विल्ली-66, दिनाँक 12 जनशरी, 1984. `

सं० ए०-32012/1/84-स्था०-पाच-विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिणों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय खल आयोग अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (सिविल एवं गांक्षिकी) के रूप में तदर्थ आधार पर कार्य कर रहे निम्नलिखित अधिकारियों को उसी ग्रेड में रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 26-12-1983 की पूर्वीह्न से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं:--

क∘सं∙	श्रविकारी का नाम	
	सर्वं/श्री	
1.	के० सी० उपाध्याय	
2.	डी० मजूपदार	
3.	सुनील जैम	
4.	एस० यू० भास्कर राव	
5.	प्रकाश चन्द्र	
6.	गुरअभन लाल	
7.	आर० एम० रंभावा	
8.	के० सी० अग्रवाल	
9.	वी० के० मेंदीत्सा	
10.	नी० नी० माथुर	
11.	रवि किरण खुराना	
12.	एस० सी० चोपड़ा	
. 13.	एस० सी० गुप्ता	
14.	पी० के० राज वान	
15.	एस० के० अरोड़ा	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·

- उपर्युक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उक्त तारीख से दो माल की अवधि तक परीबीक्षा पर रहेंगें
- उपर्युक्त अधिकारियों की पदोन्नति कलकत्ता के माननीय उच्च न्यायालय में निलम्बित मामलें में 1980 के सिविल नियम सं० 10823 (खब्ल्यू) के परिणाम के अध्यक्षीन हैं।

एस० महादेव अय्यर मवर सचित्र इ.से : म्राध्यक्ष, किन्द्रीय जल मायोग

नई दिल्ली, विनांक 17 जनवरी 1984

सं० ए० 9012/941/81-स्था० पांच-विभागीय पदोनिति समिति (समूह-ख) सिकारिशों पर' श्रध्यक्ष केन्द्रीय
जन आयोग एतद्द्रारा श्री सी० डो० होवली, पर्यवेक्षक
जा कि चुखा जल विद्युत परियोजना में प्रतिनियुक्ति पर थे
तथा विदेश में गैर-संवर्ग पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहते हुए
अगले नीचे के नियमों की शतों को पूरा करते हैं, को रू०
650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000
-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में स्थानापन्न क्षमता
में 10 जून, 1981 में अर्थात, जिम दिन से उनसे कनिष्ठ
अधिकारी को इस ग्रेड में नियमित आधार पर पदोन्नत किया
गया था, श्रगले आदेशों तक अतिरिक्त सहायक निवेशक/
सहायक इंजीनियर के ग्रेड में नियुक्त करते हैं।

2. श्री सी० डी० हीवली, अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपर्युक्त बताई गई तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवक्षा पर रहेंगे।

> एस० महावेब **ध**रयर अवर सम्बद्ध नेब्रीय जल्ञायोग

सम्पद्मा निदेशालम

नई दिल्ली, तारीख 22 नवम्बर 1983

सं० 44/4/71-प्रशा० "ख"--राष्ट्रपति सहर्ष श्री मुन्दर लाल, उप सम्पदा निदेशक, सम्पदा निदेशक, सम्पदा निदेशक को केवल 1-11-1983 से 30-4-1984 (अपराह्न) तक 6 माह के लिए सेवा में बृद्धि प्रदान करते हैं।

वीना प्र**ह्या** उप सम्पदा भिदेशक विधि, न्याय और कम्पना कार्य मंत्रालय,

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ध

कम्पनियों के रजिस्ट्रार, का कार्यालय,

कम्पनी अधिनियम, 1956 और शकुन्तला टरेड इंबेस्ट-मेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 27 अक्तूबर 1983

सं० 4902-2780-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा है सूचना दी जाती है कि इस तार्राख से तीन मास के अवसान पर शकुन्तला टरेड इन्वेस्टमेन्ट प्राईवेट लिमिटड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाय गी।

बी० एम० आनन्द सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बरहीन केखिट एन्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना-800001, दिनांक 22 दिसम्बर 1983

मं० (1092) 560/5914—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसार एतद्द्वारा यह मूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बरहोन के जिट एन्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी प्रा० का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिवा न किया गया तो रिजस्टर से नाम काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

ए० **वहाय अ**न्सारी कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री शिव सुन्नहमण्यम ट्रान्सपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पांकिनेरी, दिनांक 31 दिसम्बर 1983

सं० 46/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस तारी खासे तीन माह के अवसान पर श्रंशिय सुब्रहमण्यम ट्रान्थपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिमा जाएगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

नी० कोटेग्वरराव कम्पनी रजिस्ट्रार पांडिकेरी कम्पनी अधिनियम 1956 एवं सन्चार पश्लिसिटी कन्स-ल्टैन्टस प्राईवेटं लिमिटेड के विषय में ।

वम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1984

सं० 645/14661/560/3—कम्पनी अधिनियम 1956
सन्चार पिल्लिसिटी कन्सलटन्टस प्राईवेड लिमिटेड के विषय में।
कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा
(3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि
इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सन्चार पिल्लिसिटी
कन्सल्टैण्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
विषत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा
और उक्स कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

ओम प्रकाण जैन कम्पनियों का सहायक रजिस्टार महाराष्ट्र, बम्बई.

कम्पनी अधिनियम 1956 और मै०ओसरा बोटलिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी 1984

सं०-4733/320—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ओसरा बोर्टालंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिया ना किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दो जायेगी।

एच० एस० भाटिया सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार दिल्ली एण्ड हरियाणा

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 9 जनवरी 1984

सं० एफ-48-एडी (एटी) 1983 (II)—श्री एन० सी० चतुर्वेदो, स्थायी हिन्दो अनुवादक आयकर अशीलीय अधिकरण, इताहाबाद न्यायपीठ जिन्हें तदर्य आधार पर, अस्थायी क्षमता में महायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण में दिनांक 16-8-1983 से तीन माह की अविधि के लिए कार्य करने की अनुमित दो गयी थी, देखिये इस कार्यालय की अधिसूचना सं० एफ-48-एडी (एटी)/1983 दिनांक 24-10-1983 को अब आयकर अपोलीय अधिकरण दिल्ली पीठ, दिल्ली के पद पर दिनांक 16-11-1983 से और तीन माह की अविध के लिए याजब तक उक्त पद हेतु नियमित भर्ती नहीं को जाती जो भी पहले हो कार्य करते रहने को अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्त तदर्थ आधार पर है और यह श्री एस० सी० चतुर्वेदी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किए जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

एफ-48-एडी (एटी) 1983 (11) :---श्रो एस० व्हो० नारायण वरिष्ठ आश्वलिपिक आयकर अपोलोय अधिकरण, हैदराबाद पोठ इन्दराबाद जिन्हें तदर्थ आधार पर अस्थायो क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अवीलीय अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई में तीन माह के लिए दिनांक 1-9-1983 से 30-11-1983 तक स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान को गयो यो देखिये इत कार्यालय को अधिसूचना दिनांक 13.10.83 कुमांक एफ 48-एडी (एटी) 1983 की अब उसी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपोलोय अधिकरण, बम्बई न्यायपोठ, बम्बई में और तीन माह की अवधि के लिए दिनांक 1-12-1983 से 29-2-1984 तक या जब तक कि उक्त पर पर नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधारपर है और यह श्री एस० व्हो० नारायण को उस श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थे आधारपर प्रदक्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में गिनी जावेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किये जाने को पांतता ही प्रदान करेगी।

> टी० डी० सुम्ला अध्यक्ष

2331

प्ररूप आर्ह टी. एन. एस.------

्षायकर अधिनियम, 1931 (1961 हा 43) की धारा 269-व (1) के मधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 9 जनवरी 1984 निर्देश सं ० एन० सी ० 673/83-84---यतः मुझे, पी ० जे० तोमसकुद्दी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है जो कोट्टारक्करा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय कोट्टारक्करा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान, दिनांक 3 जून 1983

को पूर्विक्त संपरित को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः, या धन-क<u>र</u> विधित्विमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, स्टिपाने में सुविधा के दिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो के० पी० कोट्टारक्करा,

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षीअम्मा अंबिका कुमारी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारी**स** से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थ अरोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में . दिया गया है।

∾अनुस्ची

उप रजिस्ट्री कार्यालय, तारीख 3-6-83, कोट्टारक्करा के दस्तावेज सं० 2014/83 में संलग्न अनुसूची के अनुसार कोट्टारककरा विलेज में सर्वे सं० 139/9 में 38 सेंट भूमि और एक मकान ।

> पी० जॅ० तोमसकुट्टी, सक्षम प्राधिकारी, सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक: 9-1-1984

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एम - 165---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षय प्रशिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुत से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 116/121 है तथा जो हासियारों मंडी, मोती लाल बोस रोड़, लखलऊ में स्थित हैं (और इसमें उपावद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप ये विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलांक 3 मई 1983

प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथाणुविक्त कृष्यित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्ति में वास्तिवृक्ष हुए से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के ज्योग केर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुजने में सुनिधा के किए; और/या
- (ख) एको जिस्सी आप या किसी धर था जन्य आहिनायों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निल्खित व्यक्तियों, अर्थात् ≟—

- (1) 1. बेगम बदरुजजमां उर्फ सायरा बानो
 - 2. श्री मोइनजमा
 - 3. श्री साबिरजमा
 - 4. श्री वसीजमा
 - 5. परवीनजमा
 - 6. नसरीनजमा .

(अन्तरक)

(2) श्री मुतव्वर अली

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त यिकेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में

भ्रम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तासीक से 30 दिन को अविधि, जो भी स्विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विधि वाद में संगिष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विधि वाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विधि वी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना छे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जन्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास । सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ क्षा, भो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्सुची

एकं किता मकान नं 1161/121, पैमाईसी 1962.50 वर्ग फिट स्थित घसियारो-मंडी, मोती लाल बोस रोड़, लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फर्म 37-जी संख्या 9575 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 5-12-1983

प्रस्प नाइ².टी. एन. एस्. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

निर्देश सं ० जी० आई० आर० संख्या ए-123/ए० मी० क्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० दो मंजिला मकान नं० 106/118 है तथा जो ब्लाक "ए" विरकत गंज रोड़, नजरबाग, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25 मई 1983

को पूर्वाक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभे यह निक्वास
करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एक दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है (और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है..--

- (क) अन्वरण ते हुइ कि बी आम की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रांशाम कुमार बजाज

(अन्तरक)

(2) डा० आयमा मनीय

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता और किराएदार, श्रीमती पो० जी० सिन्हा,

(बहुब्बक्ति जिसके ग्राधिभोग में

सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

एक दो मंजिला मकान नं० 106/118, ब्लाक "ए" स्थित बिरकत गंज रोड़, नजरबाग, लखनऊ (पिलिन्थ एरिया—1440 वर्ग फोट) और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल-डीड व फार्म 37-जी संख्या 6139 में वर्णित है जिसका पंजीकरण सव-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 2-12-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1983

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या एस-285/ए० सी० क्य०-- अतः स्झे, ए० प्रसाद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा एक कोठी और आराजी है तथा जो 7, तिलक मार्ग, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10 मई 1983

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उत्तर जिथिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर्स वयने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (खं) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रो बनारसी दास
 - श्रीमती प्रमिका राती.
 - अधा अदानी श्री प्रदीप कुमार
 - 4. श्री प्रदीप कुमार

(अन्तरक)

(2) स्व॰ श्री संजय गांधी सहकारी आवास समिति लि॰, 10, शिवपुरी, लखनऊ द्वारा सचिव, श्री नुपेन्द्र कुमार पाण्डेय

(अन्तरिती)

का यह सुमना वारी करके पुर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृतुषी

एक निर्मित कोठी का हिस्सा और आराजी पैमाईसी 30,000 वर्ग फीट स्थित 7 तिलक मार्ग लखनऊ और सम्पत्ति जिल्ला सन्पूर्ण जिल्ला सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 10126 में लॉग है जिल्ला पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यात्व में दिनाक 10-5-1983 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण<u>),</u> अर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

विनांक: 15-11-1983

मोहर 😗

प्ररूप आहाँ, टी. एम. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 नवम्बर 1983

निर्देश मं० जी० आई० आग० मंख्या एस-284/ए० सी० क्यू०---यतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं प्लाट नं 3 है तथा जो रेडची रोड़ (जापित्म रोड़) लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- "(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणियत स्वित्सर्यों, अर्थात् ः— (1) 1. श्री युसुफ जहां
 2. एस० एम० अलिम

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सी० बाजपेयी

(अन्नरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त भम्पति के अर्ज के जिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रहभ कि सी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरी।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनससी

प्ताट नं० 3 पैमाईसी 5170 वर्गफीट स्थित रेडची रोड़ (जापिलगरोड़) लखनऊ और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 9902 में वर्णित है जिसका पंजीकरण भव-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायेक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक: 21-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ दिनांक 15 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० जी० आई० आग० संख्या एस-273-यतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकीसं० एक मकान है तथा जो नं० ए-101व ए-102, गांधी नगर मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 मई 1983।

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, असत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचके में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1977 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जातिए था, जिलाने से स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं; उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) दी मुरादाबाद कोआपरेटिक हाउँसिंग सोसायर्टः लिमिटेड, गांधी नगर,
 - म्रादाबाद द्वारा।
 - ा. श्री राम कुमार सिंघल (अध्यक्ष)
 - 2. श्री ओ० पी० वैश्य (सचिव)
 - 3. श्री संतोष गुप्ता (कोषाध्यक्ष)

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स इंडियन आर्ट एन्टर प्राङ्गेज गांधी नगर मुरादाबाद, द्वारा पार्टनर्स.
 - 1. श्री सुरेश चन्द जैन
 - 2. श्रीमती शशि जैन
 - 3. श्री अरविन्द कुमार जैन
 - 4. श्रीमती रेनु जैन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उत्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अपिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के जीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किरिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

एक मकान पैमाईशी 448.40 वर्गमीटर स्थित नं ० ए-101 व ए-102 गांधी नगर मुरादाबाद और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण संजडीड र फार्म 37-जी संख्या-2168/10/83 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 5-5-1933 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद-सक्षम प्राधिकारी ाहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

दिनांक: 15-10-1983

प्रस्प् भारं टी. एन. एस.-----

शायकर श्रीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० जी० आई० आए० संख्या यो – 61/ए० सी० क्यू० – अतः मुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खासरा नं० 469 का 1-ए है तथा जो शेखपुर अलीगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20 अक्तूबर 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चुक्ति कर से से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की नाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

जत: सव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्री डी० पो० बौरा2. श्री पंकल बौरा

(अन्तरक)

(2) श्रीवीरेन्द्र कुमार

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ष्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 469 का 1-ए जो कि शेखपुर अलीगंज लखनऊ में स्थित है और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण संलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5218 में नींगत है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 13~5-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-10-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अन्तूबर 1983

निर्देश सं ० जी० आई० आर० संख्याएम—159/ए० सी० क्यू०—— अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी मं० भूमि खसरा नं० 469 का 1-ए हैं तथा जो शिखपुर, अलीगंज, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण कर के विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधि-कारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 13 मई 1983

को पूर्वोक्स संपित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विरुवास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्स का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल के पत्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुई िकसी आय की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: जब, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निर्मित व्यक्तियों, अर्थात् :— (t) 1. श्री डी० पी० बोरा

2. श्री पंकज बोरा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती माया देवं

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त केता

(3) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में केंद्र आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा। संपीत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अनुसूची

भूमि खसरा नं० 469 का 1-ए जो कि पोखपुर, अलीगंज, लखनऊ में स्थित है और सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेल-डींड व फार्म 37-जी, संख्या 5219 में विणित है जिसका पंजी-करण सब रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में 13-5-1983 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 20-10-1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

नायकर जीधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारूरा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 नवम्बर 1983

मिर्देश सं० जी० आई० आर० एच--47/ए० सी० क्यू०---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार्त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव भवन संख्या 117/166 है तथा जो जम्बूर खाना, घिसयारी मंडी, थाना केसरबाग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27 मई 1983

का पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्याम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाउार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

जतः अभ, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उभत अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्रीमती मिथिलेण माथुर
 - 2. श्रीमती दीपा माधुर
 - 3. श्रीमती गीता वर्मा
 - 4. कुमारी आरती माथुर
 - कुमारी रोली माथुर

(अन्तरक)

(2) हाजी अली अहमद

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त विकेता (वह व्यक्ति, जिसके अधियाग में सम्पत्ति है)

को यह सुभना जारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षर। के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूचीं

भवन संख्या 117/166, पैमाईमी 11125 वर्ग फीट स्थित जम्बूर खाना, धिसयारी मंडी, धाना कैसरबाग, लखनऊ श्रौर सम्पत्ति जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या 6156 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27—5—1983 को किया जा चुका है।

> ्रण अलाव, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 24-11-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

1) के अधीन सृष्धना

(2) गौर हरि माइनि

(1) श्री बट क्रुब्ण घोष

कार्यवाहियां करता है।

(अन्तरक)

(अन्तरितीः)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, कलकता

कलकत्ता, दिनाक 2 जनवरी 1984

निर्देण सं० ए० सी०/रंज-11/कल०/1983-84--यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनीयम., 1961 (1961 का 43) (जसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 41/एफ है तथा जो सिनलानला लेन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० सियालदह मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6 मई 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-रिनयम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सूनिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों परि सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होरे हिंहो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4 उदिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

जमीन-5 कठा, 2 छटांक एवं 14 वर्ग फीट जमीन का साथ मकान ।

पता—41/vफ, सिनलानला लेन, थाना—नारिकेलडांगा, कलकत्ता— Π

दलिल संख्या-- 1983 का 217

गृस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II/कसकत्ता

विनाम : 2-1-1984

माहर:

प्ररूप आहाँ दी, एन. एस --------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सभना

शास्त्र सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2. कलकत्ता

कलकसा, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० एक्वी/रेज-II/कल०/1983-84---यतः मुझे, एस० के० बनर्जी.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यातु 'उक्त अधिनियम' कहा गर्याहै), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका** उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो मौजा-सिरिनि, थाना बेहाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलीपूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रातकाल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कता. निम्नतिषित उववास्य से उस्त अन्तरण सिवित में बास्तविक **क्प से कथित नहीं किया गया है:---**

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के नभीन कार दोने के नन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अवने में स्विधा के लिए: और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार **मिनियम, 1957** (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था फ़िपारे वो सविधाके सिए;

अतः, अब, उक्स अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भै, जनस अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हाराधन माईति

(अन्सरक)

(2) 1. श्री अणोद कुमार घोष थी अभ्विका प्रगाद राय

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो ।

उक्त सम्पांता के सक्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्रय :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रका**शन की सारीय** से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त ज्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिल के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति. में हितबब्ध किसी अन्य स्यक्ति दुवारा सभोहरताक्षरी के पास निष्वित में किए जा सकरो।

थ्यक्टीकरण: --इसमें अपवत शादों और पदों का, जो उक्त अधिकारणा के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हारेगा जो उस अभ्याय में दिया

वनसूची

जमीन--5 कठठा 4 छटांक 24 वर्ग फीट जमीन। पता---मीजा--भिरिनि, थाना-बेहाला, जिला 24 पर्गना दलिल संख्या--1983 का 1575

> एस० के० बनर्जी, मक्षम प्राधिकारी, भवायक अधिकर अधिक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, कलकत्ता

दिनांक: 28-12-1983

प्ररूप चाइ . टी. एत. एस .----

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-हा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 28दिसम्बर 1983

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल०/1983-84—प्रतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रत्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 र से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 49/6 है तथा जो गोपाल मिश्र रोड, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में द्यौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलीपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोतशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धेन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट गती किया गया था विषया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

(1) श्री सरनी कान्त घोष

(अन्तरक)

(2) मांनि सेन गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परः सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—5 कठ्ठा जमीन का साथ मकान पता—49/6, गोपाल मिश्र रोड, कलकत्ता—34, थाना— बेहाला, जिला 24—परगना दिलल संख्या—1983 का 2829

> एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक⁷आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

त अब उक्त अधिनियम का शहरा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

दिनांक: 28-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निवेष सं० ए० सी०-रेज- /कल०/83-84-यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 3 ए है तथा जो नब बेलियापाड़ा रोड, थाना-बेहाला में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 18 मई 1983

का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्फ (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) 1. श्री सूर्य नारायण राय

2. चिल्ला राय

(अन्तरक)

(2) 1. श्री देश प्रसाद राय 2. श्री प्रमयनाथ मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन—3 कठ्ठा 20 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान पत्ता—3ए, नव वेलियापाड्य रोड, मौजा-मुरादपुर, थाना-बेंहाला।

दलिल संख्या-1983 का 4908।

एस० के० बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्न्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :— 4—446 GI/83

विनांक: 28-12-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता कलकत्ता, दिनांक [#]5 जनवरी 1984 निर्देश सं० ए० सी०49/रेंज-II कल०/1983-84~--अतः, मुझे, एस० के० बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिप्तको सं० 3िम है तथा जो सुरा इस्ट रोड, कलकत्ता 10 स्थित है (और इमले उपाबक्क अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय एस० आर० ए० कलकता में, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, नारोख 26-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्विय से उक्त अंतरण लिखित मा बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सुविता के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

(1) श्री साधनेण्वर चट्टोपाच्यास

(अन्तरक)

(2) श्रीमतो सरस्वनि देवी पोद्रदार

(अन्तरिती)

को ,यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सभ्यत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई अन्य आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टोकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

जमोन 3 कठा 8 छिटाक 6 वर्ग फुट पता 3 सि, सुरा इस्ट रोड़, थाना वेलियाधाटा, कलकता 10 दिलल संख्या — 1983 का 5174।

एस के० बनार्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11,
54, रफीअहमद किदवाई
रोड कलकत्ता-16.

सारीख : 5-1-84

प्ररूप आर्द. टी. एव. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकता कलकता, दिनांक 5 जनवरी 1984 निर्देश सं० ए० मी०- 48 /रेंज 11 /कलकत्ता/1983-84 अतः, मुझे, एस० के० बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- के. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 224-ए एच है तथा जो सितन मेन सरिन, नारिकेनडांगा स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर, पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनियिस व्यक्तियों, नथीन् —

(1) श्री वैद्यनाथ घोष

(अन्तरक)

(2) आलेन लयाबोरेटारि प्राईवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्यष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन 3 कठा 10 छटाक 40.11 जवर्ग फुट जमीन का साथ मकान पता ~ 224 ए एव, सितन सेन सरिन, थाना नारिकेलडांग, कलकता 54 दिलल संख्या 1938 का 4698 ।

एस० के बनाजीं सक्षम अधिकारी महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, 54,रफीअहमद किदबाई रोड कलकत्ता-16

तारीखा : 5-1-84

मोहर 🕃

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक, 26 दिसम्बर 1983 निर्देश नं० 16/आर०/ के०एन० एस०/83-84/502---असः, मुझे, पी० एन० फाठक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रा. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 13011 है तथा जो ब्लाक सी स्कीम र्न० 1 गोविन्द नगर कानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर ;, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य, से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण संहुद्दं किसी भाग की बाब्त, उनस्य अधिनयम में अभीन कर दने के अन्तरक में वाष्ट्रिय में कमी करने या उत्तरी ब्यने में सुविभा में मिए; और/मा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धम या अप्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के अप्रः

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियों, अर्थात् हु--- (1) विद्यादेवी, विधवा जगदीश नारायन रामवत्ती, विधवा लक्ष्मी नारायन सुमन देवी, पत्नी राधेश्याम, नि० ग्रा० टिकरा, कानपुर कुसुम देवी, पत्नी कमलेन्त्र कुमार, ग्रा० रिवाडी फतेहपुर

(अन्तरक)

(2) श्री राम गोपाल , पुत्र श्री बद्री प्रसाद श्रीमती राधा देवी, पत्नी श्री राम गोपाल, निः 48/15, लाठी मोहाल, कानपुर

को यह स्वना आरो करके पृतािकत सम्पत्ति के वर्जन के सिए कायनाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और दशों का, जो उक्त अधिनिय≠ के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुनर हैं।

अनुसूची

प्लाट र्न० 3 ब्लाक सी, स्कीम र्न० 1 गोविन्द नगर, कानपुर

> पारस नाथ पाठक सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,कानपुर

्तारी**ख**ः — 26**-12-83** मोहर⊹ प्रस्पः आर्षः, दीः एनः एसः - - - -

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण् (1) के अभीन सूचना

ब्रार्थ सङ्ख्य

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 26 दिसम्बर 1983 निवेश नें० 19/आर/केएमपी/83-84/503--अतः मुझे, पारस नाथ पाठक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/नरः से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 12970 है तथा जो 15/96 सिविल लाइंस में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-4-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाग की वान्त, उक्त जिम्मिन्यम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्शे में सुविधा की सिष्ट; जोरु/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए— श्री धीरेन्द्र स्वरूप एर्व, नरेन्द्र स्वरूप, ए९/13--ब, बसन्त विहार, नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री फ शिंग चुंग, फू चिंग चुंग फू नाथो चुंग, फू ऐ चुंग, के चुंग, जेनी चुंग, 15/96 सिविल लाइन्स कानपुर

(अन्तरिती)

(3) श्रंतरंगी

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूंं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्बों और पतों का; जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

15/96 सिविल लाइन्स कानपुर का हिस्सा

पारस नाथ पाठक) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

'तारीख :-- 26-12-83 मोहार :

प्रकष् नाष्ट्री, टी., एत्., एत्.----

आयकर आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-म (1) के बधीन स्वना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 26 दिशम्बर 1983

निर्देश सं०

अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं 12093 है तथा जो 119/558 वर्णन पुरवा प्लाट नं 56 जूही स्कोम नं 1 कानपुर में स्थित है (और इससे उपादक अनुसूचों में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री क्ता अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 27 अप्रैल 1983

को प्योक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित् व्यक्तियाँ, अर्थात् क्ष्म- (1) श्रो महैश कुमार व सुरेश कुमार नेत्रराज व नेवराज भाटिया वरूद लाला बिहारीलाल साठ 121/633 शास्त्री नगर कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री हंतराज भाटिया बल्द नाना बिहारी लाल भषण भाटिया व सुनील कुमार व अनिल कुमार आत्मज हंसराज भाटिया ला० 119/1088 दर्शन पुरवा ओम नगर कानपुर

(अन्तरिती)

(3) श्री हंसराज भाटिया वल्द बिहारी लाल भूषणभाटिया सुनील भाटिया अतिन कुमार आत्मज हंसराज सा० 119/1088 दर्शन पुरवाओम नगर कानपुर। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थनु के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारी वां सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मकान नं० 119/588 दर्शन पूरवा, कानपुर ।

पो० एन० पाठक सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 26-12-1983

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 जनवरी 1984

निर्देश सं० एम-1401/83-84/570-अतः मुझे, पी० एन० पाठक,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० 4011 है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यातय देहरादून में रिजिस्ट्रो-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमती लूसी प्रकाण,
पत्नी श्री सत प्रकाश,
नि० 27-ई० मी० रोड,
(अब 54 ई० सी० रोड),
देहराद्वन।

(अन्तरक)

(2) श्री गुंजन अरोड़ाू पुत्न श्री अमर नाथ एवं अन्य-नि० 11 मालवीय रोड, देहरादून ।

(अन्तरिती)

(3) श्री गुंजन अरोड़ा पुत्र-श्री अमर नाथ एवं अन्य नि० 11 मालवीय रोड देहरादून।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दो और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसुधी

सम्पत्ति नं 27 ई० सो० रोड एवं 1 म्युनिसिपल रोड, देहरादून में स्थित।

पी० एन० पाठक मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

विनांक: 12-1-1984

मोहर

प्ररूपः आहे. टी. एन्. एसः -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सर्कार

कुार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर दिनांक 30 नवम्बर 1983

निवेश सं० आई० ए० सी० एक्वी 21/11/83—न्यतः मुझे, एम० सी० जोशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं क्षान नं 469 है, जो वार्ड नं 60 न्यू काक्षोनो, नागपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेट सं 2912/83-84) में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13 मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिय अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उजित बाजार मृस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफन से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफन का पण्डह प्रतिशत से प्रक्रिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मसिबित उहेश्य से उक्त प्रन्तरण बिखित में वास्तविक एप से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया वाला वाहिए था, कियाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के उपभारा (1) के बधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--

(1) श्रोमती सावरो बेगम सावीर अहमद अंसारी, हरीगामजीद के पासाकामठी जि०---नागपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीछती कुसुम मदनलाल मेहता मकान नं० 469 वार्ड नं० 60 न्यूकालोनी, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त संस्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किस्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसुची

नार्देत योशींन आफ हाउस नं० 469 वार्ड नं० 60 न्यू कालोनी; नागपुर।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आ**युक्त (निरीक्ष**ण) अर्जन रेंज, नापुर

दिनांक: 30~11-1983

प्रकप बाइ .टी .एन .एन . -----

आयकर अधिनियम, 196; (1961 का 43) की भारा 269-म (1) की जभीन सुमना

भारत बरकार

कार्यालय, सहस्यक क्षायकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1983

रिदेश तं० आई० ए० सी० एक्वर 22/11/83 — प्रतः मुझे, ए म० सी० जोशरं,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के धारीन मझन प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

अौर जि की मं० 33/2 प्रोटोस नं० 569 है तथा जो रो निल पी. सि ट्रेनिंग स्कुल रोड़ अजनः सुरेन्द्र नगर नागपुर में स्थित है (और इं.से उपादक अनुसूच। में और पूर्ण हप से विणत

- है) रजिस्ट्री तो अधि ारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट संव नंव 2734 3970 से 3987) हु भारतीय रजिस्ट्र कर अधिनियम 1408 (1908 का 16) के अधान दिनांक 6 मई 1,983
- को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे श्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिल, जिम्निलिसत उद्देश्य से उक्त क्न्तरण निकात में बास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--
 - . (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधाः के लए: और/या
 - ता) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों का , जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया धा था जिया जाना चाहिए था स्थिपाने में मृथिया के निए;

अत: अब, जन्म अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में प्रभीन निम्निलिखित व्यक्तियमें अथित् :— () डा० श्रीतनो हासोनाथ थिडो अ.र० पो० टो० एत० रोड़ नागपुर।

(अन्तरक)

(1) श्राएस० पा० बाबडें 269/बा लक्ष्मो नगर नागपुर और 18 लेग।

(अन्तरिसी)

को यह स्थना जारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्ष्रेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयूक्त शब्दो और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसुची

स० नं० 33/2 पाटो सं० नं० 869 आर० को० टो० एस० रोड: अजनो मुरेन्द्र नगर नागपुर।

> एम० सी० जोशा सभाग अधिक रो महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अकीत रेंज, नागपुर

विनास : 30-11-1983

मोहर:

5 -446 GI/83

प्ररूप आई टी. एन. एस. - - -

नायकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1983

निर्देश सं० अण्डि० ए० सो० एक्वो 19/11/83-84--यतः मुझे, एम० सी० जोशो,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25.000/- रा से अधिक ही

और जिनकी सं० बिल्डींग है जोिक प्याट नं० 5 ब्याक एख लक्ष्मोनगर नागपुर में स्थित है (और सक्षे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोर्क्स अधिक रो के कार्यात्रय नागपुर (डाकुमेंट सं० 3844/83-पी) में भारतीय रिजिस्ट्रोक्सण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक 5 मई 1983

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथ्यपत्राक्ति संपत्ति का उच्च बाजार मृत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्ट्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हय पाया गया प्रतिकल निम्नोलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी कभी करने या उससे अपने में स्वांत्रधा असे सिए; और/मा
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत जीनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनमरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निकालियित व्यक्तियों, अधीत के (1) ले० कर्नत मञ्जूष्टर मारोतो देवरयले रा० छ प्पडा पुर्ण-1

(अस्तरक)

(2) श्रो केशव कुनार पुतालाल अप्रशान एच 5 लक्ष्मोनगरनागपुर।

(अन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पृथाँक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सिप्-कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

एक्स सम्पत्ति के अपन के सम्बन्ध में अपेड़ भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वा कत क्या कत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस स्वना के राअपत्र में प्रकाशन की तार्राण से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किमी अन्य ध्याक्त द्वारा अधाहस्ताक्षरी **क पान्** लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्शकरण:---इसमा प्रयक्त शब्दों झीर पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वया है।

अनुसूची

बिल्डीग जोकि प्लाट न० 5 एच ब्लाक लक्ष्मीनगर नागपुर में स्थित हैं।

> एम० सां० जोशां सक्षत प्राधि तारो ाडायक आयहर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 30-11-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन मुचना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक भायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) अर्गेत रेंग, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्बी० 20/11/83-84--अतः मुझे, एम० सी० जोशो,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास धारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक है

अंर जितकी सं० प्राट नं० 378 मकान के साथ है तथा जो गांधानगर नागपुर में स्थित है (और इन्ति उनाबढ़ अनुपूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र कर्ता अधि ार के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 4032/83~84) में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक 10 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृके यह विष्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक क्ष से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख में अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायित्व में कमी करने या उसम बचन में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोधनार्थ अन्तिरिती द्धारा प्रकट नहीं किया बढ़ा था किया बाना चाहिए बा, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ण के, अन्सरण भौं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री गोतिक आर० लानवाणी 378, गांधोनगर नागपुर ।

(अन्तर्क)

(2) 1. श्रीमती साधना देवी विनेश कुमार खंडे नवाल 2. श्री दिनेशकुमार के० खंडे नवाल 402, सेवासदन सी०टी० रीड, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवाध या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यावत द्वारा, अथाहस्ताक्षरा के शस लिक्स में किए का सकेगे।

स्पष्टीक्र रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाना, जा उस अध्याय में विया नया है।

वर्स्ची

ट्रस्ट प्लाप्ट नं० 378 मकान नं० 1071/0-1, गांधीनगर, नागपुर।

> एम० सी० जोशी सञ्जन प्राधिकारी महासक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 30-11-1983

प्रस्प बाह्रं. ट्री. एन. एस.-----

कायकर लुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्गे। रेंग, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1983 🕝

.निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी० 18/10/83-84---अत. मुझे, एम० सो० जोगो,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिप्तो संब खेती गती तंब 9, मौजा कोठा जिब नांदेड में स्थित है (और इ.जि. उपायद्ध अनुपूत्तो में और पूर्व रूप से जिंगा है) रिनिट्रोहर्ता अग्रेडारी के कार्यात्य नांदेड (डाकुमेंट संब 2431/83 म रिनिट्रोहरण अजिनियम 1908 (1908 का 16) के अज्ञोन दिनांक 7 मई 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्वोदय से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्रं लिंबक दत्तारामजी काले रा० कौथा तह० नांदेड जिल्नांदेड।

(अन्तरक)

(2) संत गांडमें महाराज सहनारी गृह निर्माण संस्था दयानंदनगर नांदेड चंफ प्रमोटर श्रो पंठरोनाथ पृडलोत केन्द्र सह० रामल् मन्या पोनमपलो रा० नदिड ।

्अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्षत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेत जमीन जोकि मीना कौथा तहपील नांदेड जि० नांदेड गलीनं० 9 है और जिलमें स 5 एकड़ और 2 गंटे जमोन।

> एम० सी० जोशी सक्षम प्राधिक∵री सहायक आयकर अ⁻युक्त (निर.क्षण) अजन रेंज, नागपुर

विनांक: 30-11-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की। धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1983

निर्देश सं० एक्बो॰ 14/9/83-84---यतः मुझे, एम० मी० जोशी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संग्रम साइड म्युबोन वार्ड नंग्र / 2 है तथा जो शाट तंन् 51 पश्चिम साइड म्युबोन वार्ड नंग्र 41 अतो हा में स्थित है (और इन्हें उराबद्ध अनुपूर्वों में और पूर्व का से विणत है) रिविस्ट्राहर्ती अविकारों के कार्यात्रय अकोतः (डाहुमेंट तंन् 4243) में भारतीय रिविस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अवान दिनांग्र 6 मई 1983

को प्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरणं लिखित में वास्तिबक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- अरेत र चन्द्र रामचन्द्र शर्मा
 श्राम्त, गोदादर,बाई रामचन्द्र शर्मा
 दोनाश्र, रा० नानंद ता० म्राद
 जि० रादनमान
 फिलहाल पद्या: -- कुमा प्लाट स्टेशन रोड अकोला।
 (अन्तरक)
- (2) श्र िमल तुवारास ढगेवार रा० जवाहरनगर अकेला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति (द्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा स्कोगे।

स्पाष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त काइकों और पदों का, जो उक्त कांधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्सूची

मी० आई० मीट की फ्रोप्रटी जैता रूफ और खुकी जगह (प्राट) हाउगनं० 159 नं० 8306 प्राट नं० 7/2 मीट नं० 51 पश्चिम ताईड म्य्नि० वार्ड नं० 41 अकोना म्राया 3508 प्रतिय फीट।

> एम० सी० जोशी सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

दिनांक: 31-10-1983

प्रक्रेन बार्' टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** (969-प (4) के अधीन सुकरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 31 अक्तूबर 1983

िदश सं० अवव/13/9/8384 अतः, मुझे, एम सी जि.शीः, शायकर अधिनियम, 1961 (1961'का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है .

अीः जिस्की सं विद्धींग फस्ट पलीर है तथा जो अविभक्त अधा हिस्सा, प्लाट नं 13/2 जार 1,4/1 शीट नं 21-बी छतिती नारपुर में स्थित ह (आर इससे उपाबद्ध अनुरूर्ची में खीर पूर्ण रूप से विधित है), रिस्ट्रिंग्ची अधियारी के बार्यालय नारपुर (डाबुमेंट सं 4,355/83 (पी) में भार्तिय रिजिस्ट्रें बरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित आजार मूल्य, उसक स्वयमान प्रतिफल स एस स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारात्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात-फल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा को लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनीयम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उवन बिधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमिती मंगला वा०/आफ मनोहर देरूकर, रा० पुणे।

(अन्तरक)

(2) श्री मकरंद निलकंठ नाईक, रा० 'ओं बार' छतोलं: नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

पहलाभाग, बिल्डींग जिसका प्लाट नं० 13/2 और 14/2 सी नं० 21-वी छतोत: नागपुर जिनका अविभक्त आधा हिस्सा एवं। 10,000 स्वते० फीट।

एम० सी० जोशी सक्षम अधिक.री सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण), अर्जन रेंज, नाग५र

दिनांक: 31-10-1983

मोहर 🛭

्प्ररूप आर्दं. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायकत (जिस्सिक्) अर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांफ 23 नवम्बर 1983

निवेंश सं अर्ह ए० सी ० एवर्ष ० 16/10/82-83---अतः । मुझे, एम० सी ० जोणी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतन्हें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जितको सं० ग० रि० 67-डी प्ताट नं० 50/1 है तथा जो राजापेठ अमरावतीं में स्थित हैं (और इसत उपाबत अनु सूर्व मं और पूर्ण इस से दण्डि हैं), रेटि ट्रेंड क्ती अधिशारी के कार्यात्र अमाप्ति। (डाकुमेट सं० 2579/83) में भारतीन, रिजर्ट्डिएएण अधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के अजान दिनांक 20 अहे 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र वाजार मूच्य से कम के दश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नोलिसित उद्यायण से उधह अन्तरण लिखिश में बास्त कत, निम्नोलिसित उद्यायण से उधह अन्तरण लिखिश में बास्त विकार स्था से किथित नहीं विगान गया है:--

- (क) अन्यरण से हुंई किसी आय को जाजर, उथर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे यसने मी सृविधा के लिए। और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिर्यं को जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अक्ट नहीं किया गंध था या किया जाना चाहिए, या खिपाने में स्थिश के लिए;
- अर अर्थ, उचन क्षितियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितियन वानित्तगों, अर्थाय : --

(1) श्रा यशवंत वासुदेव भट्ट,भा० मुधोल्करपेठ असदादर्शः ।

(अन्तरक)

(2) डा० अअभारत लक्ष्मण पारीडे, ग० स्वस्तीक नगर अमरावती ।

(अन्तरिसं।)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कायशाहिया करता हूं।

जनस्य सम्परित को अर्जन की सम्बन्ध में कांद्र भी बादोर :-

- (क) इस न्या के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीध मा तत्सम्बन्धा न्यायतयाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत व्यावतयां में से किसी स्वीवत द्वारा;
- (स) इस सुषरा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंक्ति मा हितबद्ध
 किसी अग्य व्यक्ति दवारा अवाह्यताक्षरी के पास
 । शिक्षत मी किए शा सकीपं।

स्पध्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसुधी

महान का आधा हिस्सा जो वर्ष्मार नंर 67-डॉ., लाट नंर 50/1 राजापेठ अभरावती में रिवत है।

> एमर्ज साठ जोशी. ंस्क्षम अधिकारी सन्नायक आयक्ष (किरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

धिनाक: 23-11-1983

मोहर 🕛

प्रस्प आहें. टी. एट एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८७-६ (१) के अधीन स्वरा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंच, नागपुर

नागपुर, दिनांक 23 नवस्वर 1983

निर्देश सं० आई० ए० मं(०/17/10/83-84--पत:, मुझे, एम० सं० जोशीं,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह धिरवाम करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जि.कि सं० थ० रि० 67-डी प्याट नं० 50/1 है तथा जो राजापेठ अभरावती में रिथा: है (और इसो: उपावड अनु की में और पूर्ण रूप से विजित है), रिक्ट्रिंग ती अक्रि. एरी के कार्यालय अभरावती (डाकुमेट सं० 2079/83) में भारतीय रिक्ट्रिंगरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनाक 20 मई 1983।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय गया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक एप से विश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से इंड किसी अप को बाबत, अवत अधिनियम के अधीन कर दांने के अन्तरक के दायित्व में किसी करने या उससे बचने में , सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय था किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिक्षे द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया गरा व्यक्तिए था, जिलाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री यसपंत वासुदेव भट्ट, रा० मुथोलसरपेठ अनरावती ।

(अन्तरक)

(2) डा० सं१० शोभा जयभारत पारोडे, रा० स्वस्तील नगर अमरादर्ता ।

(अन्तर्भरता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकृत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इमम प्रयक्त राज्यां और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मशान का आधा हिस्सा जो न० शाट न० 67-ई। प्नाट नं० 50/1, राजापेठ अमरावर्तः में स्थित है।

> एम० सी० जोर्शाः, सक्षम अधिजारीः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, नागपुर

अतः अद, उन्हा जिथि । एक की पास 269-म के अनुसरण मो, मौ, उन्हा अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिमिन राजित्यों, अर्थाः :--

दिनांक: 23-11-1983

मोहर .

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 2. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश स० आई० ए० सिं०/एक्यू०/2/37 है० ई०/5-83/32—अतः मुझे, बी एल० धवन,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य '5,000/-रु. से बिधिक हैं

और जिसकी मं० 152, ब्लाक ए-एल है तथा जो शालीमार बाग, नहें दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थात दिनाक मई 1983।

ा पृथांकत संपृत्ति को उचित् बाजार मृत्य से कम के दश्यमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विषवास रित का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह े. उत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती न्तिरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित सास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ातः अव, उक्त क्धिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निम्निलिधिन व्यक्तियों, क्ष्यीत् :----

(1) श्री राम शंकर मिश्रा,
मुपुत्र श्री रोगन लाल मूम्श्रा,
निवासी 109, सरकारी फ्लेट्स,
हनुमान रोड़,
नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक रानी मदन,निवासी ई-86, बेस्ट पटेल नगर,नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ल अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्त्री

प्लाट नं० 152, ब्लाक नं० ए-एल, भालीमार खोग, नई दिल्ली एरीया-35 वर्ग मीटर,

> बीठ ए**ल० ध**यन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-1-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं • आई० ए० सी ०/एक्यू ०/2/37 ई० ई०/5-83/ 33--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 22 जी-एफ है तथा जो प्लाट नं० ए-2/1,
 नित्याला बाग, आजादपुर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्द्रीकर्त्ता अधिकारी के बार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 के अधीन, दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिवक कृप से कृथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृषिधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निलिखित व्यक्तिशों, अधीत :--- (1) मैं० आर० सी० सूद एंड कं० प्रा० लि०, इरोज सिनेमा बिल्डींग, जंगपुरा एक्सटेनशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० सी० नारंग,
सुपुत्र श्री डब्ल्यू० मी० नारंग और
श्री के० एस० गंभीर,
सुपुत्र श्री एल० एस० गंभीर,
निवासी-6 शास्त्री मार्केट,
आजादपुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) श्रम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से.
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ
 किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

स्पेस नं० 22. ग्राउन्ड फ्लोर, प्लाट नं० ए-2/1, नैनीवाला बाग, आजादगुर, दिल्ली, एरीया 197 वर्गफीट अस्यधिक ।

> बी० एन० धवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-1-1984

प्रस्पु आई. टो. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, गई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांच 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/37 ई० ई०/5-83/ । 35---अतः मुझे, बी० एन० धपन,

आयकर अधिजियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 167, है तथा जो शक्ति बिहार (ग्राम-भादी-पुर), नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूर्च) में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोक्ती अधिकारी के कार्यालत, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय आगकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक मई 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिश्वित में गस्तिवक रूप से करिशत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्भ में, में, अक्त अधिनियम करे भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) श्री नरेश कुमार चावला,
 तिवासी-29/30 राजेन्द्र नगर,
 नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार, निवासी--कलकत्ता बैटरी कं०, डब्ल्यू० एच--/79, मायापुरी, भाग-1, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपन को प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्ताट नं० 167, शक्ति विहार (श्राम-पादीपुर) नई दिल्ली, एरीया-186.66 वर्गगज ।

> यो० एल० धवन, सक्षम प्राधिकारी प्रज्ञायन आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

विनोक: 10-1-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ----

भायकर भाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम०-आर-1/5→83/ 81--अत: मुझो, बी० एल० धबन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित गाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1557, 1558 है तथा जो और 1594/भाग 1595 से 1599, दरीव कलां में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन दिनांक मई 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्यों से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुर्च किसी जाय की बाबत, उक्त जिथानियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए∄ जोंद्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

नतः नन, उनत निभिन्यम की भारा 269-ग के ननुसरण में, मैं, उनत निभिन्यम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- (1) श्री अशोक कुमार गुण्ता. मुपुत्र श्री राम नाथ. निवासी-1551-54 कुचा सेठ, दरीबा कलां, दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री संजीत कुमार जैन और नवनीत कुमार जैन,
सुपुत्रगण श्री जगिमन्द्र दास जैन,
निवासी—1609, गली बहार वाली,
दरीबा कला,
दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पार्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्सचा

प्री० नं० 1557, 1558, 1594/भाग, 1595 में 1599; दरीबा कलों, दिल्ली, तादादी 88.25 वर्गगज ।

> त्री० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-I-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984 निर्देश मं० आई० ए० सी०/एनयू०/2/एम-आर-1/5-83 82--अन: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एच-49, है तथा जो राजोरी गार्डेन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यातय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 1983।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सविधा के किए अदि/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कत्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय दाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः--- . (1) श्रोमतो कृष्णा देवी क्पूर, पत्नी श्री जगदीण क्पूर, निवासी मकान नं एच~49, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री पृतपान सिंह चावला, मुपुत्र स्व० श्री हरी सिंह चावला, निवासी-बी/45-47 कनाट प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास जिबिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, ने अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

धनुस्ची

प्रो० नं० एष-49, तादादी 315 वर्गगज, राजोरी गार्डन, नर्ज दिल्ली ।

बी० एल० धवनः, सक्षम प्राधिकारोः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण), अर्जन रेंज-२, नई फिल्मीः,

दिनांक: 10-1-1984

मोहर 🗅

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एवयू०/2/एरः—आर-2/5-8385—अतः मझे बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० 92 है तथा जो इन्द्रा मार्केट सब्जो मंडी दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अंनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबोन दिनांक मई 1983।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसे किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अमर नाथ मुपुत्र श्रो ईण्वर दास निवासी 92-इन्द्रा मार्केट सक्जो मंडी दिल्लो।

(अन्तरक)

(2) श्रो अणोक कुमार गम्भीर और श्रो राकेण कुमार गंभीर सुपुत्रगण स्व० श्री मनोहर लाल गम्भीर दोनो निवासी—79 कृष्ण टोला अलोगढ़ यू०पी०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) एस सूचना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों मीं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित- धद्ध किसी व्यवित द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्वोग।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मे परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूखी

मोप नं० 92 शुल्द्रा मार्केट सर्व्जी भंडी दिल्ली।

बी० एन० धवन सक्षम अधिकारो सहायक आयक्षर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज २, नई दिल्ली

दिांक: 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांस 10 जनवरी 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर- 1/5 -83/ 98--अत:, मुझे, बी० एक० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी गं० मी-169 है तथा जो मान सरोवर गार्डेन नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983।

को पूर्विकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से केम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम किसने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक हम से किथत नहीं किया गया है:——

- क्न क्लरण से हुई किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिद्धी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता साक्षिप, था सिमाने भे सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकत व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री केसर सिंह सुपुत्र एस० सुजान सिंह निवासी एन-46 डबल स्टोरी वेस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री भूपिन्द्र सिंह, श्री जगतार सिंह और श्री दिवन्दर सिंह, सुपुत्रगण श्री सुरजन सिंह, सभी निवासी--2265/2, मिंदर वाली गली, शादीपुर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्थी

प्लाट नं भी-169, तादादी 300 वर्गगज, स्थापित-मान-मरोवर गार्डेन, नई दिल्ली।

> बी॰ एस० धवन, सक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निक्षीरण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

दिनांक: 10-1-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्धेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/5-83 101--अतः, मुझे, बी० एल० धवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसेका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 3526/ए, है तथा जो बार्ड नं० 12, मेन बाजार सब्जी मंडी, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक गई 1983।

को प्रेंचित सम्पत्ति के उमित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्बरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरित (अंतरित्याँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुयाँ. किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के बधीन कर दोनें के अंतरक के दामित्व में कभी करने या उसमें भवने में मुनिधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन मा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थां या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मित्रभा के लिए;

अत: जब, उक्त गांधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बधीन, जिस्निलिशित स्पक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमती लीला वन्ती, पत्नो श्री सतराम दास, निवासी—10/के, काहलापुर राड, सब्जी मंडी,

(अन्तरक)

निवासी ई/9 अंधा मुगल सञ्जो मंडी दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्रवित्रत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्सी

सोप नं० 3526/ए वार्ड नं० 12 मेन बाजार, अपोजिट पोस्ट आफिस सब्जी मंडी दिल्ली एरोया-220 वर्गफोट ।

> यो० एन० ध्रबन सक्षम अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, नई दिल्लो

दिनांक: 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निर्देश त० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस-आर-1/5-83/ 102-अतः, मुझे, बो० एल० धवन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्द्रार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3526/बो है तथा जो वार्ड नं० 11 मेन वाजार अपो० एस० मंडी में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूण रूप से विणित है) राजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) को बीच एसे अंतरण के लिए उच पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ाथ, एसो किसी अप या किसी पर या अन्य आसियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. जिसाने भी अविया के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमतो लोला वर्ता पत्नी श्रो सतराम दास निवासी-10/के कोहलापुर रोड़ मकला नगर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ज्ञान सिह सुपुत श्री संत राम नियासी—जी/63 अंधा मुगल सब्जी मंडी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कांई भी नाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करी 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का मकोगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के बध्याय 20-क में पुरिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

शाप नं० 3526/बी, वार्ड नं० 11, मेन बाजार, अपोजिट पोस्ट आफिस, सब्जी मंडी, दिल्ली, एरोया -220 वर्गफीट,

> बो० एल० धवन, सक्षम अधिकारो, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 2. नई दिल्लो

दिनांक: 10-1-1984

मोहर:

7 --- 446 GT/83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनभरो 1984 निदेण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०--1/5 83-/103---अतः मुझे, बी० एस० धवन,

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

अ़ीर जिसकी सं० 20/23, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इत्पन्ने उपापद अनुसूची में पूर्णच्य ने वर्णित है), रिजस्ट्रोक्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रोक्त ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः जयः, उप्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उपना अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित् व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री परशोतम लाल आनन्द मुपुत्र श्री शित्र राम आनन्द, निवासी—20/23, पंत्रात्री आहुन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री पाती राम सुपुत श्री मोलड मल, निवासी—-20/23, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिय़ों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्न की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकींगे।

स्रुब्बिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वभूस्ची

1-1/2 मंजिया मकान बना हुआ प्याट नं० 20 रोड, नं० 23/ तादावी 285.72 वर्गगंत्र, पंजाबी बाग, नर्छ दिल्ली।

बो० एउ० धवन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली--110002

विनांक : 10-1-1984

प्ररूप आई. 'टी. एन. एस. ------

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली -

नई दिल्लो, दिनां ह 10 जनवरी 1984

निदेश मं० आर्थि० ए० घो०/एक्यू०/2/एस०-आर०-2/5-- 83/104---अतः मुझे, बी० एल० धवन,

श्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिन्नकी सं० 1853 (भाग) है तथा जो 185 । और 1855 - बी०, भागारेष पैलेंग, चान्दनी चौक में स्थित है (और इनसे उपा-बढ अनुसूची में पूर्णस्य से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यानय, दिल्नी, में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र मिन्निलिखत उव्दोदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियंत्र के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कभी करने या उससे वचने में सृत्रिभा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्भात:——

- , (1) श्रीमती गेण्डो बाई परती स्वय् श्री विशम्बर ना**ण,** निवासी —1797 बिसुमन कॉलोनी, भागोरथ पैलेम, चान्दनी चौक दिल्ली । (अस्तरक)
 - (2) श्री अशो क कुमार (माइनर) मुपुत्र श्री सुखबीर सरन, द्वारा उसके मदर श्रोमती पुष्पा देवी अग्रवाल, सोप नं० 1853 (भाग) 1854 और 1855—बी०, भागीरथ पैलेस, चान्दनी चीक दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य- वाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकायन की तार्राहर से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यतित्यों में में किसी व्यक्ति ध्यारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हुँ।

अनुसूची

सोप मं< 185 (भाग) 1854 और 1855-ची०, भागी• रूप पैलेस, चान्दनी चौक , दिल्ली एरिया 85 वर्गगण।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज⊶2,दिल्ली,नईदिल्लो→110002

दिनांक : 10-1-84

प्रकृप बाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की आगु 269-भ (1) के अधीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्लो नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं ० आई० ए० मो०/एक्यू०/2/ए.स०-आर०-1/ 5-83/610---अतः मक्षे, बो० एल० धवन,

आमकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक बाजार मध्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 7575, है तथा जो बर्फखाना, रामनगर, पहाज़ गंज, दिल्ली म स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप के बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्न अन्तरण लिखित में नास्तिमक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उन्तर अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिखें, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया पया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

- (1) श्री हेमचन्द जैन सुपुत श्री दाता राम जैन निवासी—7575 राम नगर, दिल्ली । स्वयं व मृख्यारतन मिन जानी व श्री हरीण जैन । (अन्तरक)
- (2) मंजीव जैन. राजीय जैन पुत्रगण श्री कंबर ब्रहादुर जैन, निवासी—8518, अराकसी रोड. राम नगर, प्रहाड्गंज. दिल्लो ।

(अन्तरिती)

की बहु सुबना बारी करके पूर्वोवत सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबिभ था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- अड्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

जनुसुची

एक विकित्रगएक मंजिला पुस्तादरोवस्त वभय तहत अराज्भे लगभग 87 वर्गगज, प्रो० नं० 7575, वाक्यावर्फखाना, राम नगर, गली नं० 1, पहाड गंज, इ.लाका नं० 15. नई दिल्ली।

> वी० एस० धवन सक्षम प्रीक्षिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जनरोज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

असः अब, उक्त अधिनियम की शास 269 प के अनुसरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 10-1-1984

मोहर्∴

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश संव आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एम०-आर०-1/5-83/113--अत. मझे, बी० एल० धवत.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित काजार मृल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

और जिसको सं० 500, है तथा जो मैंत बाजार, सञ्जी मण्डी. दिल्ली, में स्थित है (और इनके उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो इर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिम में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय आ किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ब अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिनाने हें मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-ध के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्रीमती पिस्ता देवी विधवा पत्नी श्री लक्ष्मी नरायण वर्मी शो करा जरायण, विक्रमादित्य, ईश्वर चन्दर सुपुत रवर श्रुवा लक्ष्मी नरायण, कुमारी राजेश्वरी, राज-तुलारी, विजय लक्ष्मी, सुपुत्नीगण स्वर श्री लक्ष्मी मरायण वर्मा समी निवासी—-इल्ल्यू०-जैड-173, पालम.. दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) डा॰ रिवन्दर चावला सुपुत्र श्री राजिन्दर चावला, निवासी—-ए-22, गुजरनवाला टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्स सम्परित के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्स्ची

सोप नं ० 500. भैन बाजार. सब्जी मण्डी, दिल्ली।

बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जनरेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-1-1984

, मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

काधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यात्रम, सहामक श्रीयकर आपृत्त (निरीज्ञण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्यो

नई दिल्ला, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/ए यू०/2/एप०आर०→1/5→83/116 -~अनः मुझे, बी० एक० धवन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी गं० सी०/18, है तथा जो सत्यवती नगर, दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरज लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (पा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे बभने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्धिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए.

अतः लव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, 'क्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्राह्मी: निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) श्रो संतोग कुनार सुपुत्र श्री मुकृत राम, निवासी—-4551, अधिपुरा, सब्जी मण्डी, दिल्ली---7,

(अन्तरक) 🕝

(2) श्रीमती पुष्पा जैन पत्नी श्री विनोद जैन, निवासी—5230, दूयरी मंजिन, सदर शाना रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पा स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त ' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

प्री० नं ० मी०/18, नाबादी 200 वर्गगज, स्थापित-मत्यवती नगर, दिल्ली ।

> बी० एत० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनां कः 10-1-1984

प्ररूप आर्थ . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भाग्त सरकार

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--2. नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 10 जनवरो 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए यू०/2/ए५०-आर०-1/ 5-83/119--अतः भुझे, बी० एन० धवन,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिलकी संव 10, है तथा जो सोय-कन-निवासीय प्रेमिसेज-पंजाबी बाग, नई दिल्ला में स्थित है (और इसमे उपायड़ श्रनसुची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक भई, 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुनिका के सिए; शौर/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ं भन-कर-जिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिप्टेम् सविधाके लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उफ्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीत निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थातु:---

(1) श्री चरनजीत सिंह सुपूत्र श्री तरलीचन सिंह, निवामी - ए० - 2/6, राजोरो गार्डेन, नई दिल्ली, एस० परिवन्दर पाल सिंह सूपूज स्व० एस० तरलीचन निवासी---ए०--2/6 राजीरी गार्डन. नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो मुणील कुमार मुपुत्र श्री हंस राज, निवासी----39/6, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके प्यानित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थलाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीचासे 45 डिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त श्रावितयों में सं शिमी त्यांक्त दवारा;
- (अ) इस सुचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्पत्ति में हित-बद्द्ध िक श्री अन्य व्यक्ति द्वारा, अधांहस्ताक्षरी 🕏 पाम लिक्सित में किए जा सकी गै।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ हागा, जो उस मध्याय में विया गया

अमुसुची

सीय-क्रम-तियासीय प्रेमियेज, बना हुआ प्लाट नं ० 10, मार्केट से उर्ते । तादादी 119. 33 वर्ग गज, पंतार्याबाग, नई दिल्ली।

> बो० एउ० धवन सक्षम प्राविकारी पहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 10-1-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सो०/ ए $u_0/2/v_0$ ००-आर०--। 5-83/123--अनः मुझे, बो० एल० धवन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्योत्ति, जिसका अनित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 43, है तथा जो इण्डस्ट्रीयल एरिया योजना नजकगढ़ रोड, दिल्लो में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वृणित हैं), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्लो में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के त्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक्त कप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण संहुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के - दायित्व में कभी करने या उक्त बचने में स्विधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा एक र नहीं किया गया था या किया आमा काहिए था, कियाने में सूबिधा के निए;

अत:, अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसंरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के सधीन, निम्निलिखिट व्यक्तियों, अधीत:—— (1) 1. श्री चान्य प्रकाण दत्ता

2. इन्दर प्रकाण दत्ता

3. कृष्म लाल दत्ता

सुपुत्रगण श्री सरदारी लाल दत्ता

मार्फत दिल्ली पल्लर एण्ड पेण्ट्रम मार्ट फतेहपुरी,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) दिल्लो आईरन एण्ड स्टोल स्टाकिस्ट (सिवित सप्नाइज) एसोसिएशन प्रा० वि० 4634 अअमेरी गेट, दिल्लो ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारो करके पूर्विक्स सम्पात्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्त्रारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्योकारण: --- इसमी अय्वत शब्दों अरि पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिशाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

नन्स्यो

प्ताट नं 43, तादादी 1091. 5 वर्ग मोटर, इण्डस्ट्रीय 5 एरिया योजना, नजफगढ़ रोड, दिल्लो ।

> बो० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायम आयक्तर अ(युक्त (निरोक्षण) अर्जनरोंज -2 दिल्लो, नई दिल्लो ~110002

दिनांक : 10-1-1984

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/ 5-83/131--अतः मुझी, बी० एल० धवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 226, ब्नाक-बी०, है तथा जो वजीरपुर, दिल्ली में स्थित है (और उपमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली म रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति की उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष से उक्ते अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
8—446 GI/83

(i) श्रो जय जुमार सुपुत स्थ० श्री जणन मल, जेनरल अटानीं श्री राम कुमार जोली, नियासी---डी०-14-ए/19, माडल टाउन दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री ठाकुर दास सुपुत श्री जशन मल, निवासी-सी/109 न्यू सङ्जी भण्डी, आजादपुर, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो०नं० 226,ब्लाक नं०बी०,वजीरपुरनिवासीय योजना, विल्ली एरिया 487.463 वर्गमीटर ।

> बी० एस० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-1-1984

मोहर

प्रकप बाई । ही । एन । एस ।

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धारीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/ 5-83/143--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं ० 3908, है तथा जो वार्ड नं० 11, गली जगत सिनेमा, जामा मस्जिद , दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णि त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का यालय, दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनाक मई, 1983

को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व के कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना भाहिए था, कियाने में सृविधा, के लिए;

वतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री हरी चन्व सुपुत्त श्री राम चन्द,
 निवासी—2/29, अंसारी रोड, दिया गंज,
 नई दिल्ली—2 ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इल्यास सुपुत श्री ज्ञासुद्दीन; निवासी---1608 गली अंधेरी पहारी भोजला, बाजार चितली काबर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस झूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्लब्बीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, वो उस क्ष्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

प्रो० नं० 3908, तादादी 80.01 वर्गगज, गली जगत सिनेमा, नियर—जामा मस्जिद, विल्ली ।

> बी० एल० धवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरॅज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-1-84

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, नई विरुली नई दिल्ली, दिनांक 10 जमवरी 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/5-83/162--अत नृष्टो, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 525, वार्ड नं० 5, है तथा जो ईएवर भवन, खारी बावली, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपायक अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकाल से ऐसे स्थमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवास अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उभत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; औरु/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमें की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तिया, सुधीत् ६—

- (1) श्रीमती रेखा देवी पत्नी श्री बाब् ईष्टवर चन्द, निवासी—चर्खी वादरा जिला-भिवानी (हरियाणा) (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मान्ती देवी पत्नी श्री पृथ्वी राज लोंगानी, प्रो० मे० मालीन्दरा एक्सपोर्ट कारपोरेमन, 11/9, पूसा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवृह्मिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

सोप नं० 525, वार्ड नं० 3, ग्राउण्ड फ्लोर, कार्ता ईम्बर भवन, खारी बावली, दिल्ली, एरिया-35 वर्गफीट।

> बी० एल० घवन सन्नम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

विनांक 10~1-84 मोहरु 🏿 प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 10 जनवरी, 1984

निषेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस०-आर०-1/5-83/187--अत: मुझे, बी० एल० धवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

अौर जिसकी सं० 6-भी०, रोड-12, है तथा जो पंजाबो बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम स्थामान प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में वास्तिक रूप से किथत से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर पेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् क्

(1) श्री किनोद कुमार माटिया सुपुत श्री देव राज भाटिया वह स्वयं और अटानीं श्री अनिल भाटिया, सुनिल भाटिया, श्रीमती कमला भाटिया, पत्नी श्री देव राज भाटिया, और श्रीमती बीना कपूर, सुपुत्री देव राज भाटिया, निवासी—6—बी०, /12, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) श्री सुभौष चन्दर कथूरिया, श्री रमेश चन्दरकथूरिया विनोद कुमार कथूरिया, सुपुत्तगण श्री राम चन्द कथूरिया, कथूरिया, निवासी—-ए०--47, किर्ती नगर, नई दिल्ली।
- (3) (वह व्यक्ति, जिसके अधि भोग में सम्पंभि है)
- (4) (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानती है कि वह सम्पाम में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्युवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) /स स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थाया अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्स्ट किरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० प्लाट नं ० ६-बी ०, रोड नं ० 12. तादावी 1048. 70 वर्गगज, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> बी० एल० धवन सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-1-1984

प्ररूपः बाह्रैः टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे पुणे, विनांक 19 दिसम्बर, 1983

निदेश सं क्सी क एण्ड/37 जी व/1048--83-84--यतः मुझी, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कर्ने नं क 646/68/2-ए का/1-2 मी कएसक नं क 6732 नासिक है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्म से बीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक अर्जन रेंज पूना नासिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जुलाई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (ख) ऐसी कियो प्राय प्राकृषी वन या प्रत्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में लिए;

जतः अब, उक्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ृ≔— (अन्तरक)

(2) श्री दिलीप एस० शहा, चेयरमैन धनवन्तरि सी, एघ० एस० 989 मैन रोड, नासिक ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, यों उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तुची

सर्वे नं० 646/68/1-ए०1 ए०/1-2 सीटी सर्वे नं० 6732 नासिक । (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2620 जो तारीख 1-7-83 को दुग्यम निबन्धक के दफ्तर में लिखा है)।

> षशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

विनांक : 19-12-1983

मोह्नर 🦻

प्ररूप आई. टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, पुणे

पुणे, दिनांक 5 विसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० ए०-5-79-1038/83-84--यतः मुझ, गणिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी मं० सर्वे नं० 712/2 ए०/एक्स712/2 डी० प्लाट नं० 116 नासिक सिटी है तथा जो नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक नासिक में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृहें हैं और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) श्री ए० लोबो० और जी० लोबों०
 12 हिल रॅंज अपार्टमेंट पालीमाला रोड;
 बम्बई-50 ।

(अन्तरक)

(2) वत्सला एस० पिनकेश्री भागीदारा द्वोजन एण्टरप्राइजैस नासिकः। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्रीहयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सर्वे नं० 712/2 ए० तथा 712/2 डी० फ्लैट नं० 116 नासिक । (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2165 जो तारीख 25-5-83 का दुस्यम निबन्धक नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> णशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 5-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन, एस. ------

स्रायकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण् (1) के स्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 23 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/37 जी०/1058/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सं० 83 हिस्सा नं० 1 है तथा जो लुतुगाणी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ह हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायतः, उचतः अधिनियम् के अधीन कार बोने के अंतरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आग वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती सुवारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अधीत् डि— (1) श्रीवाब्सहादू णिवेकर और अन्य।

(अन्तरक)

(2) इन्दिरायनी कोआपरेंटिय हाउमिंग सीसाइटी लिमिटेड, चीफ प्रामोटरश्री डी० बी० खाडे, 2/23, पत्रकार, बांद्रा (ईस्ट), बस्चई-400051 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसूची

जमीन सं० 83, हिस्सा सं० 1, गांव लुतुगी श, लेन क्षेत्र 1 एकड़ और 31 गूंठा ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 917 ता० मई, 1983 को दुय्यमनिबन्धक, मावल के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-12-1983

मोहर 🙄

प्ररूप जाइ[‡].टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 23 दिसम्बर 1983

् निदेश सं० सी० ए० 5/37 जी॰/1059/83−94--अतः

मूझो, शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी०टी० एस० नं० 705 और 706 है तथा जो तलेगांव दामाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरक के बिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तम् विक कथ से कवित नहीं किया गया है:—

- (स) अन्तरण से हुई किंकी बाम की बाबत क्का प्रधि-निवस के सनीम कर देने के अन्तरण के वानित्य में कमी करने या क्कारे बचने में सुनिधा के किए। मीर/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हैं, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, विकासिक ख्याक्तरों, अर्थात् :---

(1) डा॰ (मिसेस) विमल आनन्द केलकर, 1062, सुभाप नगर, गुक्रवारपेठ, पूना ।

(अन्तरक)

 (7) श्री दल्लानय सदाणिय केलकर और अन्य, 'सुवर्ण' नगरी', जी-3, कर्वे रोड, पूना-411009।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवास्हियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यापा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

'गुरु कृपा बंगला फ्लैंट नं० 7, गाह कालौनी, चाकम रोड, तलेगांव दामोह सी० टी० एस० नं० 705 — क्षेत्र 146.2 स्के० मीटर्सऔर 706 क्षेत्र 493.8 स्के० मी०।

(जैसे कि रेजिस्ट्रोकृत नं० 68 ता० 13 मई 1983 को दुम्यम निबन्धक, मावल के दफ्तर में लिखा है)।

गणिकांत कुलकर्णी

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 23-12-1983

मोह्यु 🖫

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना . पूना,दिनांक 3 जनवरी, 1984

निदेश सं० मो० ए० 5/1060/83-84--अनः मुझे, णश्चिकांन कुलकर्णी,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको मं० सर्वे नं० 383, संगमनेर बुद्रुक गुंजालवडी, जिला नगर है तथा जो गुंजालवाड़ी नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवन्धक, गमनेर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मई, 1983

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य बसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने यें सुविधा के लिए;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ध⁺रा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 9—446 GI/83 (1) श्री लक्षम किशन गुंजाल, राठ गुंजालबाड़ी, पोस्ट राजापुर, नाठ संगमनेर, जिलानगर।

(अन्तरक)

(2) नियोजिस सहमाछी सहकारी गृह निर्माण संस्था मर्मादित : चोफ प्रमोटर श्रोतानाजी माधवराव कोनवेड, णेती और विकठी, संगमनेर, जिला नगर।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पुर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनवृथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 383, गुंजालवाड़ी, ता० मंगमनेर जिला नगर।

(जैसा कि रजिस्ट्रोकृत विलेख सं० 953 जो मई 1983 को दुय्यम निबन्धक, संगमनेर के दफ्तर में लिखा है।)

> र्णाणकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, प्ना

तारीख : 3-1-1984

प्रकृप बाह् .टो. एत .एस .----

बायकर कांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन स्चरा

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 जनवरी 1984

, निदेश सं० सो० ए० 5/1062/83-84--अत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० मौजे बिरोन गट सं० 424, जिना कोल्हापुर है तथा जो शिरोन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, दुय्यम निबन्धक, शिरोन के रजिस्ट्रीकरण अधि— नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षण कि विस्कृतियों से उस्त अन्तरण कि निष्त के दास्तिब का प्रस्तिव का प्रतिक्षण में किश्वत के विष्य स्था के किश्वत के स्थान के किश्वत की स्थान के किश्वत की स्थान के किश्वत की स्थान के किश्वत की स्थान कर स्थान के किश्वत की सिक्त की स्थान के किश्वत की सिक्त की स्थान के किश्वत की सिक्त की सिक्त की स्थान के किश्वत की सिक्त की सिक्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर के अन्तरक के दायित्व प में कमी करने या उस्तानिक में स्विधा के लिए; और/या
- (ज) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य का स्तयों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छियातं में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन विक्रितिक्षत व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) सौ० रूक्मीणि पांडुरंग सक्तपाल और अन्य, पोस्ट शिरोल, ना० शिरोल, जिता कोल्हापुर।

(अन्तरक)

(2) मैं तर्स फुईल लाईन सरोज इन्जीनियर्स, जयसिंगपुर ना० जिरोल, जिला कोल्हापुर।

(अन्तरिती)

को ग्रह मुखना जारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उदा सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिए की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ंअन्सची

मौजे शिरोल गट नं० 424, ता० शिरोल, जिला कोल्हापुर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 808/83 जो तारीख मई 1983 को दुग्यम निवन्धक, शिरोल के दफ्तर में लिखा है)

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारो तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-1-1984

मोहार :

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकार

कार्बानय, सञ्चायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 4 जनपरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 जी०/1064/83-84-अतः क्षे, णशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम गाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 12, फाईनल प्लाट नं० 194 टी० पी० एस० नं० 1, थाना है तथा जो थाना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुय्यम निबन्धक, थाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जारीख मई, 1983

को पूर्वीबस सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण में लिखित बास्त-विक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बीर/वा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) शा उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती लोला यशवन्त गावंड, गांवड बाग, वार्गेल इस्टेट, थाना।

(अन्तरक)

(2) श्री केदार की० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, प्लाट नं० 12, गायंड बाग, वागले इस्टेट, थाना-400604।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चलत तम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित भद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा त्रकांहरताक्षर के पास सिक्ति में किए जा सर्वोर्ग

स्वक्टीकरणः - - इसमें प्रयुक्तः शब्दी और पत्री का, जी तकत्र अधिनिधम् के अध्याद्य 20-क मी परिकास्य है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद्य में विधा मना है।

अनुसूची

ण्लाट नं 12, फाईनल प्लाट नं 194, टी० पी० एस० 1, थाना/क्षत्र 1325.94 स्के० मीटर्स।

(जैसे कि रजिस्ट्री इंत नं० 1059/मई, 1983 को दुय्यम निबन्धक, थाना के दफ्तर में लिखा है।)

> ्रणृशिकांत कुलकर्णी "मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 4-1-1983

प्रकथ् बाइं.टी.एन्.एस्.,------

बावकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)-

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई 0/313/83-84--अतः मुझे, णशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलाट नं० 9, प्लाट नं० 136, सं० नं० 89, 90, 91/2; पार्वती, पूना-9 है तथा जो पूना-9 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2135/मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रितफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अप्तरण से हुई किसी जाय की कावत अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कारने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) मैं ० दाहे रूईकर, 22, मुकुन्द नगर, पूना-37।

(अन्तरक)

(2) डा० विजय के० कर्णिक और अन्य, पुष्पकराज, गौरेगांव, जिला रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकागे।

स्वक्टोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्वा है।

अनुसूची

प्लैट नं० 9, फ्लैट नं० 136, सं० नं० 89,90,91/2 पर्वती पुना-9

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 2135/मई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के क्ष्यत्र में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 3-1-1984

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- (1) के अधीन स्पना

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 जनवरी 1984 निदेश सं० सी० ए० 5/37ईई0/315/83-84 सुझे, शशिकांत कुलकर्णी.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० बी.3. श्रीलीजा अपार्टमेटम, मं० नं० 116/1 + 2/150 + 153 ए. मोहन वाड़ी छेखड़ा, पूना-6 है तथा जो पूना-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2709/मई, 1983

का पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंस्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी नाय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० के० प्रोमोटर्स, 58/ए, कस्तूरबा हाऊसिंग सोसाइटी, विश्रीतवाड़ी, पूना-15 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० टी० मथाई और श्रीमती,22, बम्बई पूना रोड,किरकी, पूना-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारा कर क पूजाचल संपरित के अर्थन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्पष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

अनस ची

फ्लैंट नं० बी 3, श्रीलीजा अपार्टमेंट, सं० 116/1 + 2/150 + 153 ए, मोहनवाड़ी, खेखड़ा, पूना-6।

(जैसे कि रजिस्ट्री कृष्ठ नं० 2709/मई, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

गरोख : 3—1—1984

प्ररूप आहै.टी.एन.एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 जी०/1047/83-84-अतः मुझे, प्रशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जमीन सर्वे नं 35/1ए, सावेडी, जिला अहमदनगर है तथा जो सावेडी में स्थित है (और इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निबन्धक, अहमद नगर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय कौं बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निष्णु; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन यां अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत् अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के सिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्री रामचन्द्र विनायक कुलकर्णी, टाकली, ता० राहरी, जिला अहमद नगर।
 - श्री बंसीलाल रामचन्द्र फिरोदिया, देवलाली प्रवरा, ता० राहरी, जिला अहमद नगर।
 - श्री विट्ठल दास मोती लाल झंबर, मांडब गण ता. श्री गोंदा, अहमद नगर।
 - 4. श्रीहेमराज मोहन लाल पोखरणा, मांडव गण ता० श्रोगोंदा, अहमद नगर।

(अन्तरक)

- (2) मैं । त्रिमृति विल्डमं भागीदारः
 - श्री केन्ह्रैया जान मोती लाल मनोत, झेंडीगेट, नरोष टक्तिंज के पामने, अहमद नगर।
 - श्री सोमनाथ एगाम रात्र देवलालीकर, झोंडोगट, सरोप टॉकोज के सामने, , अहमद नगर।
 - श्री माणेपणा रूम्त्रमजी हाथोदा, झेंडीगोट, थरोषटॉकीज के सामने, जहमद नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त संपितत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

साबेड़ी अहमद नगर, सर्वे नं० 35½ ए/ 1 हे. 20 आर०।

(जैसे कि रजिस्ट्रीइट्स विलेख नं० 263 जो तारीख 6 मई, 1983 को दुग्यम निबन्धक, अहमदनगर के कार्यालय में लिखा है)

शशिकांत युलकर्णी सक्षम प्राधिकारी राहायक आयगर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅंज, पूना

गरीख : 7-12-1983

प्रस्थ आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) . अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/1051/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 31 गट नं० 41/1-1 मोहडी ललीग, धुले है तथा जो घुले में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुय्यम निवन्धक, धुले में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 मई 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (छ) एसे किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उन्दर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः —

(1) श्री राजेन्द्र शंकर लाल अग्रवाल, अग्रवाल नगर, 'वन्दना बिल्डींग, धुले ।

(अन्तरक)

(2) नियोजित गुरु गोविन्द को०
अपरेटिव हार्ऊसिंग सोसाइटी लि०,
श्री राज कुमार ग्रोंम प्रकाश वसीन,
(चीफ प्रमोटर)
पंजाबी शा मिल,
परोला रोड, धुले।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्रू) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 6 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ं

जमीन सर्वे नं० 31 गट नं० 41/1-1, मोहाडी लिलग, धले।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2969 जो ता० 20 मई 1983 को द्रय्यम निबन्धक, धुले के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 20-12-1983

प्ररूप बार्ड . टी. एव. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/341/83-84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

वायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौरिजिसकी सं० फ्लैंट नं० 12, सं नं० 9 ग्रौर 10, कोथक्ड, पूना—29 है तथा जो पूना—29 (क्षेत्र 527 स्क्वे० फीट) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता) अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं० 145/दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरितं की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रति-फल निम्नलिखित स्ट्रेंट्व से उक्त मृत्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधिन्यिस के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसे किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम, की भारा 269-म के जनुसुरण को, की, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्रे जभीन निम्नितिचित व्यक्तियों, जर्माकु ६(1) मैं० मूथा असोसिएट्स,
 1184/4, शिवाजी नगर,
 एफ० सी० रोड,
 पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कृषाणी महेश प्रभूणे, 259, सोमवार पेठ, पुना-11 ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हरू

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उच्क स्थानर संपत्ति में हित-ब्युध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 12, स० नं० 9 श्रौर 10, कोथरूड, पूना-29।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37ईई०/145/विसम्बर, 1983 (पशेरात) को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)

गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, पूना

तारीख : 19—12—1983

प्रस्प बाइ . ठी. एत. एव .-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना वै पूना, दिनांक 3, जनवरी 1983

निषेश सं० सी० ए० 5/37ईई०/316/83~84—अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात (जिसे विश्वास करा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उ. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी 5, स० नं० 116/1 श्रीर 2, 150 श्रीर 153 ए, येखडा, मोहनवाडी, पूना—6 है तथा जो पूना—6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, अर्जन रेंज, पूना में रजि—स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं० 2723/मई 1983

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निज्निस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण म हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अध्वरक के दायित्व के कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिये; और/या
- अ) लुसी किया आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत विधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंकारा प्रकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए;

जतः जब, उपल अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिक्त व्यक्तियों, अधीत :----

(1) मै॰ के॰ प्रोमोटर्स,
58/ए, कस्तूरबा हार्ऊसिंग
सोसाइटी, विश्रांतवाडी,
पूना-15।

(अन्तरक)

(2) श्री बी० जी० कुमार,
 फ्लैंट नं० 3,
 हिल वियू, 107/13,
 15 लेन, प्रभात रोड,
 पूना-4।

(अन्तरिती)

का यह सूचना भारी कार के पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तैत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यदा हाँ।

अनुसुची

फ्लैंट नं० बी 5, स० नं० 116/1 श्रीर 2, 150 श्रीर 153 ए, मोहन वाडी, येखड़ा, पूना-6।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2723/मई 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी संभ्रम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 3-1-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

ि निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई॰ /83-84--अत: मुझें, शक्षिकांस कुलकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० आफिस नं० बी 9, आपेट रोड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजि—स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीखं 23 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिकतः के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्रशास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल कि निम्मलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा है लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने से सुविधा के लिए;

शतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण कों, भीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थाक्काः— (1) श्री एम० बी० चितले,
 1233 ए, आपेट रोड,
 साई छाया, अपार्टमेंट,
 पूना-411004 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० बी० गोडेबोले, 33/10, प्रभात रोड, लेन सम्बर 15, पूना-411004।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अनसची

आफिस नं० बी 9, पहली मंजिल, सकसेस चेम्बर्स, आपटे रोड, पूना/क्षेत्र 243 स्के० फीट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/पूना/419/83-84 ता० 23 मई, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 7-12-1983

प्ररूप बाद. टी. एन्. एस्.-----

भारा 269-च (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

मिर्वेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/342/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य +25,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, स० नं० 9 और 10, कोयण्ड है तथा जो पूना—29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कृतित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे थलने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना वाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

कतः सब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के सनुसूरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) मेसर्स मूथ एसोसिएट्स,1884/4, शिवाजी नगर,पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री अमलूर एन० सुम्रह्मानियम, 21, मयूर कालोगी, कोयस्ड, पूना-29।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकी।

स्पव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ज्ये उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लट नं० 2, कोथरूड, पूना-29।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 146/दिसम्बर, 1983। (पोजेशन) को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> गणिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-12-1983 :

त्रक्ष आहें. दी. इत्. स्व . -----

नायकर निमित्रम् 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याचय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निर्वेण सं० सी ० ए० 5/37 ईई ०/343/83-84--अत: मुझे, शशिकांत कूलकर्णी,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 4, स० नं ० 9 और 10, को थरूड पूना—29 है तथा जो पूना—29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुंक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नं ० 154/दिसम्बर, 1983 (पोजीशन)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत बन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वाक्तिय में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा के लिए;

ंश्तः, श्व, उन्त वाधिनियम, की धारा 269-ग के बनुसरण् में, में, उन्त वाधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निकाशियित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं० मृथा एसोसिएट्स,1184/4, शिवाजी नगर,पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० नारायणन्, 21, मयूर कालोनी, कोथरूड, पूना-29।

(अन्तरिती)

को यह सुप्ता पादी करके पूर्वोक्त सम्मृति में अर्थन के सिध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी शक्षेत् :---

- (क) अस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियां में किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीवर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकीगे।

स्पच्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का जो उन्हण अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, कोथरूड, पूना-29।

(जैसे कि रजिस्द्रीकृत नं 174/दिसम्बरं को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शणिकांत कुलकर्णी स**क्षम प्राधिकारी** ∙स**हायक अायकर आवृक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

तारीष : 19-12-1983

मोहर ः

प्ररूप बाहाँ, टी., एन., एस., - - - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायुक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/344/83~84--अत्त मुझे, गणिकांत कुलकर्नी

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेणात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पसेट बिल्डिंग नं० सी०-20 कोथरूड पूना-29 है तथा जो पूना-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक् आयकर आयुक्त नं० 2033 (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्धित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित्त का उजित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसल अन्तरण निश्चित्य में वास्तविक रूप से किया गमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं० मूथा एसोसिएट्स,
 1184/4, शिवाणी नगर,
 पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एच० पैगणकर, मार्फत चित्रा नाईक, 47, नय केंत्रन सोसाइटी, कोथरूड, पूना-29।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धों व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाल निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मयुज्जी

पलैट बिल्डिंग नं० सी-20, कोथरूड, पूना-29 (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 2033 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शणिकात कुलकर्णी सक्तय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-12-1983

मोहरू

शक्त आहूर ां. एन. एस --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/345/83-84---अत मुझे, शशिकांत कुलकर्णी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य

25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं प्लैट सं नं 9/10, कोथरुड पूना—29 है तथा जो पूना—29 में स्थित है (और इससे उपा ब अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त नं 0 1079 (निरीक्षण— अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नुजिचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त को जिन्ह[ा] भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए.

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अमृतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैं०मा । एसो सिएट्स,
 1184/4, शिवाजी नगर,
 पूना-- 5।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रकाश मधुकर पूरंदरे,
 मार्फत एम० टी० पुरंदरे,
 1410, संदाशिव पेठ,
 पूना-30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा क्ष्यह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अमुसूची

पलैट नं० 7, बिल्डिंग नं० सी-20, कोश्वरूड, पूना-29 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 1079/ को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> शशिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, पूम

ा/ोब : 19−12−1083

मोहर 🗵

प्रकप बार्ड. टी. एन. एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/346/83-84---अतः मुझे, शशिकास कुलकर्णी,

कायकंर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक है

और जिसकी सं० पलेंट नं० 11, बिल्डिंग नं० सी 20, कोयरूड पूना—29 है तथा जो पूना—29 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणतहै), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नं० 1080/दिसम्बर, 1983 (पोजेशन)

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने ब्षने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) म० मूथा एसोसिएटस1184/4, शिवाजी नगर,पूना-- 5।

(अन्तरक)

(2) श्री अमर नाथ राजाराम, माडवलकर, 'मिनस सोसाइटी', 73/1, एडंरवणी, पूना--4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त' सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

Market 1

फ्लैंट नं॰ 11, बिल्डिंग नं॰ सी 20, सं॰ 9 और 10, कोथरू ४, पूना-29।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1080/दिसम्बर; 1983 (पीजेशन) को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

गशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पून

तारीख : 19-12-1983

प्रक्रम नाह. टी. एम. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आश्क (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई० पूना/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाकार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट कोयरूड सर्वे नं० 9 भीर 10 (हिस्सा) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27 जून, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृस्य से कन के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उणित बाजार रूप, उसके रवयमान प्रतिफल से, एसे रवयमान प्रतिफल का जंदह प्रतिकास से बिधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकार निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिकार कि स्पार से कार्या करी कि सा ग्या है :----

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बायत, उन्क नियानियम के सुधीन कर दोनें के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने वा उससे अजने में सुविधा के न्तिए; बीर/या
- (स) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य अधिस्तरों को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में स्विधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैंसर्स मृथा एसोसिएट्स, 1184/4, शिवाजी नगर, एफ० सी० रोड, पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० डी० संचेती और श्री के० डी० संचेती, नारायण गांव, तालुका जन्नर, जिला पूना ।

(अन्तरि ी)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कैलिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट, कोषरूड, सर्वे नं० 9 और 10 (हिस्सा)। (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 37 ईई०/978/83-84 जो तारीख 27 जून, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के वफ्तर में लिखा है।)

> मशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 19-12-1983

मोहर ः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/पूना/83-84--यतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के विभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- एउ. से विभिक्ष है

और जिसकी सं पलैंट नं 7, इमारत नं 21, मर्वे नं 9 और 10 (हिस्सा), कर्वे रोड, कोयरूड, पूना-4 है तथा जो पूना-4 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कंस के क्रयमान प्रतिफल को लिए जन्तरित की यह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया यसा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उसत जन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से शुक्ष किसी आय की पावत उनत अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उभत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनुनरण मों, मीं, एक्त जिथिनियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, जभीत् :—— 11---446 GI/83 (1) मसर्स मुथा एसोसिएट्स,
 1184/4, एफ० मी० रोड,
 शिवाजी नगर
 पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री विनायक बी० पागे, 278, गुरुवार पेठ. पूना-2।

(अन्तरिती)

को **भह सूचना जारी करके प्**रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण: -- इसमें प्रयुक्त प्राव्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्यी

पलैट नं० 7, दूमारत नं० मी० 21, सर्वे नं० 9 और 10 (हिस्से) कर्वे रोड, कोयरूड, पुता-29।

ं (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 37 ईई०/163/83-84/पूना जो तारीख 22 जून, 1983 को सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दक्तर में लिखा है।)

> शशिकात कुतकर्गी सजस प्राधिकारं सडायक अध्यक्ष अध्यक्त (निरीक्ष) अर्जन रेंज, पुता

ता**रींख** : 14-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज, पूना पूना,दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई० पूना/83-84--मतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 3, इमारत नं० सी 24, सर्वे नं० 9 और 10 (हिस्से), कोयरूड, पूना-29 है तथा जो पूना-29 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजर्ट्रीक्रण अधिन-म, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 8 जून, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियमें, सर्थात् :— (1) मैं० मुथा एसोलिएट्स,
 1184/4, शिवाजी नगर,
 एफ० मी० रोड,
 पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री संजीव आर० मराठे. 106/3, एरंडवना, पूना-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्प्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिसरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस ची

फ्लैंट नं० 3, इमारत नं० सी 24, सर्वे नं० 9 और 10 (हिस्से), कोथरूड, कर्वे रोड, पूना-29।

(जैसे कि रजिस्ट्रें। इत नं 37 ईई ०/860/पूना/83-84 जो तारीख 8 जून, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

णणिकात कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरक्षिण) अर्जन_्रेंज, पूना

तारीखं : 14-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आहाँ ती एन .एस . -----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्पना

भारत सहकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

·अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निवेश सं० सो० ए० 5/37 ईई०/पना/83-84--यत:, मुझे णिकांत कूलकर्णी

नायकर अभिनियम, 1961 (1,961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट कोथरूड, सर्वे नं० 9 और 10, कोथ-रूड, पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-9-83

को पूर्वों करा संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाें) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की वावत, उक्त मिशिनियम को अभीन कर वाने की अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिवियम, मा घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वंवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1), के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थाम् :--

(1) मैं० मुथा एसोसिएइस, 1184/4, शिवाजी नगर, एफ० सी० रोड, पूना-5।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्त वासूदेव गाइगिल, द्वारा: श्री आर० एम० कुलकर्णी, 416/5, नित्रासी रघुवोर सीसाइटी, म्कुन्द नगर, पूना-37 ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता 🗲 ।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा---

- (क) इस स्वान के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी क्वीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्येंक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ब) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रबंध्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्त्र्ची

फ्लैट कोथरूड, सर्वे नं० 9 और 10। (जैसे कि रजिस्ट्रो इत नं० 37 ईई०/1904/पूना/83-84 जो तारीख 6 सितम्बर, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना के वपतर में लिखा है)।

> भागिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख: 19-12-1983

मोहर 🙏

प्रकृष बाइ . टी. एन . एस . -----

श्रीयकार श्रिविनियन, 1961 (1961 का 43) की घारा 268 प(1) के श्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक **धायकर धायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84--अतः; मुझे शश्यिकात क्लकर्णी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्यान करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट कोथरूड, पूना में सर्वे नं० 9 और 10 (हिस्से) है तथा जो कोथरूड, पूना में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रकर्ता अधिकारों के कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 जून, 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिएत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तिबल रूप से बाल्य नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को शायतः, उक्त अधिनियम् के अभीन कर दने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे श्रेणने में सूब्धि के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अस, अकत की धनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन किम्मितिबत व्यक्तितयों, अपनित अभाग

(1) मैं • मुथा एसोसिएट्स, 1184/4, शिथाजी नगर, एफ० सी० रोड, पुना--5।

(अन्तरक)

(2) श्री माधय हनुमन्त हसमिनस, 'कमरठा निवास', पाण्डुरंग वाड़ी, डॉबीयली (ई), जिना ठाने ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोच्छ अम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाद्वियां करता हूं:।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की जनभिया तत्स्य किया स्थापता पर
 स्वान की तामीस से 30 दिन की जनभि, को भी
 जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के स्थापता है
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी, अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्वध्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का को खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

नन्त्रची

पलैट कोथरूड में स्थित है। सर्वे नं० 9 और 10। (जैसे कि रिजिस्ट्रीइट्स नं० 37 ईई०/1040/83-84 पूना, जो तारीख 13 जून, 1983 की सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है)।

> शांशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

तारीख: 19-12-1983

प्र**चन बाह**े ट**्रे**ं हुन_ः हुन्_{ये} स स 🗷 स्टब्स

भागकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के नभीत सुचता

भारत सडकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/37 ईई०/83-84--अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथमत् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 4, पहली मंजिल, तृतीय अपिट मेंटस् है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय गहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1983

को पूर्वेक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफन के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार जूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ए'से बन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुनिधा के लिए; अरि/बा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए, था खिपाने में सुविभा के सिए;

नतः नम, उन्त वीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में:, उन्त विधिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कं अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात् ६--- (1) श्री मोहन लाल ताराचन्द परमार,525/26, फुले पेठ,पुना ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेन्द्र सिंह मलांकयत सिंह सुनेहरा, 11/22, यमुना सदन, घानोरी,पना ।

ं (अन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बांधेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अक्षेहस्ताक्षरी के पास विख्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

'भेन्स्ची

क्लैट नं० 4, पहली मंजिल, तृतीय अपार्टमेंट्स, मुनेरी पूना। क्षेत्र 908 स्के० फीट।

(जैस कि राजस्ट्रीइन्त नं० 37 ईई०/400/पूना /83-84 ता० 27 मई, 1983 को सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है।)

णणिकांत कुलकणी सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 21-12-1983

माहर ए

प्रकाप आएं. टी. एन. एस.------

बाय्क इ ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

. निरेंज, पूना

पूना, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० ए० 5/83~84-अतः मुझे, शशिकांत कुलकर्णी,

जायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्यु 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जमोन प्लोर नं० 66, नवधर, वसई, जिला ठाने हैं तथा जो नवघर, बसई में स्थित हैं (और इउसे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी गय की नावत उक्त गिथ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी अन् या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अवं, जवतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उनतं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितित् व्यक्तियों हैं सर्थात् :--- (1) श्री एम० ए० भट्ट,
'यणवन्त', 4/13,
'ग्लैर नम्बर 10, 11,
जी० ही० स्कीम रोड,
सोड न० 2, मुलुण्ड (ईस्ट),
वम्बई-81।

(अन्तरक)

(2) श्रो जे० एफ० डायस,
प्रो० मैसर्स हेमा इन्टरप्राइसेज,
'वीना अपार्ट मेंट',
पत्नैर नम्बर 62,
नवधर बसई,
जिला थाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके प्रांचित सम्बत्ति को नर्बन के जिल्ला कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई शाक्षीपृट-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्युंक्टियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 66, सर्वे नं० 43 ए, नवधर, वेसई रोड, थाने ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 37 ईई । पाना | 726 | जो तारोख 25 मई, 1983 को सहायक आयकर आयुक्त निरोक्षण), अर्जन रेंज, पूना के आफिस में लिखा है।)

णशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 20-12-1983

मोहर ३

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पुणे,

पुणे, दिनांक 2 दिसम्बय 1983

निर्देग सं० मी० ए-5/37ईई/83-84/411--यतः मुक्षे प्रशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को., यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रू. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट जो सर्वे नं० 9 और 10 (भाग) की यह इसे हैं। तथा जो की यह इ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे यिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरिक्षण अर्थन रेंज पुना में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 का 16) के अशोन नारीख 14-7-83

को पृशांक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकम के सिए अन्तरित की गई हैं, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मृस्य, उसके दृश्मान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्नुसिचित उद्देश्य से उपत अन्तरण निविषत में बास्तिकक सूच से कमित नहीं किया गया हैं:----

- (क) बन्तरण से हुई किती श्राम की नागत उक्त अधि-निवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनसे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आये या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् (1) मैं सर्स मुखा अमोसिएटस
1184/4
शिवाजी नगर
पृना : 5

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल केशव तांबे 555 नारायण पेठ — पुण[‡]—30

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ब) इस मूचना के राजाब में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवब किसी जन्य व्यक्ति दारा, प्रधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा हैं।

ननुस्ची

फ्लैट जो सर्वो नं० 9 और 10 पार्ट कर्वे रोड़ कोथरूड़ में है । क्षेत्र 527 स्कवे फीट

(जैसी की रजीस्ट्रीकृत नंबर 37 ई० ई०/1097/पूना/ 83-84 तारु 14-7-1983 को सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पुना के दफ्तर में लिखा है)

> णांशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

तारीख: 2-12-83

प्रारूप बाई .टी.एन्.एस . ------

• **आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)** की भारा 269-व (1) के अवीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० III 886/अर्जन/83~84 ~-अतः मुझे. प्रयोध कुमार दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- अप अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाकार मृत्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० तौजी सं० 5854 खाता सं० 152 प्लाट सं० 447 वार्ड सं०-2 है तथा जो मौजा रोस्तमपुर णाहपुर परगता फुनवारी थाना दानापुर जिला-पटना में स्थित है (और इन्नसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्ति है) रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय दानापुर में रजिस्ट्रोक्तरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 19-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित वाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रश्च प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नसिश्ति उद्देश्य से उस्त अन्तरण निश्चत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय था किसी धन या अस्य जास्तिनों को जिन्हों भरतीय जासकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था कियाने के किया जया के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन गिम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री शकलदेव भगत अन्द रवर मनोहर भगत निवासी नासरीगंज थाना दानापूर, पास्ट ओकिस दिवा, जिका पटना ।

(अम्बरक)

(2) मोदी म्लासिटकस लिमिटेड नं० 107 पाटलिपुत्न कौलोनी पटना~13 द्वारा श्री हरिश कुमार मोदी जायरेक्टर पुत श्री महावीर प्रसाद मोदी, निवासी 107, पाटलीसुन्न कलोनी, पटना

(अम्परिती)

का बहु सूचना कारी करके पुताबत सम्पृतित के कर्जन के तिहा कार्यगृहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त स्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अ से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्थ किसी अन्या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किस या सकों गे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त जब्दों कीर पर्यों का, को उक्त विधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अभूस्यीं

जमीन जिसका रकवा 9 डिसमल साथ में मकान जो मौजा रोस्तमपुर शाहपुर परगना फुलवारी थाना दानापुर जिला – पटना में स्थित है तथा जो पूर्णरूप से बसिका संख्या 2468 दिनांक 19-5-83 में विणत है एवं जिसका निबंधन अबर निबंधक पदाधिकारी दानापुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> प्रवोध कुमार दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पटना

तारीख : 2-12-83

साहर ३

प्रस्यु बाह्रै. टी. एनः एस्. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के वधीन चुन्ना

भारत सरकार 🕝

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 83

निष्मा नं० पी० आर० नं० $2562^{\left|I\right|}/83-84$ —-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 357, 358, 359, है। तथा जो खोरीज में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और सूर्णस्प से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-5-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नीनिचत उद्वर्ष से उचत बन्तरण लिखत में बास्तिवक क्षेप से किशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृष्यिध के लिए; औड/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य वास्तिबाँ को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

(1) श्री जगजी वनराम पूंजीराम मनुभाई पूंजीराम खोरज जिला गांधीनगर

(अन्तरक)

(2) (2) श्रीरमेणकुमार परपोत्तमदास (1) भालीभैन परपोत्तमदास 21 रंजन सोसायटी नं 1, नारोपुरा, अहमदाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं ।

उक्त सम्पर्दित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीता में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन के किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या है।

अनुसुची

जमीन जिसका सर्वे नं० .357, 358, 359 है और कुन क्षेत्रफत 3 देक्ट्रेयर 29 ग्ठा है। सब रजिस्ट्रार, गांधीं नगर में 550, 548, 546 नम्बर पर ता० 13-5-83

> आर० आर० साह, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में अहमदाबाद

तारीख :- 8-12-83 स्पें**हर** 🛭 प्रकृप आहे. टी. एन. एस. - -

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को श्रीन सुचुना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाम्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमवाश्राद अहमवाबाद; विनांक 8 विसम्बर 83

निर्देश नं० पी० आर० नं० 2563/II/83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- य॰ से प्रक्षिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 356, 357, 358 है। तथा जो खोराज गोधीनगर में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अनिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10-5-83

को प्वाँकत संपत्ति के जियत बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य, जसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिवात से बिधक है बीर बंतरक (वंतरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नतिचित उद्देष्य से उक्त बन्तरण में सिचित वास्तिवक स्प से क्षियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किवी बाव की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कुट को के अन्तरक के वागित्व में कमी कुटने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और्./या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्त जाधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्धारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए वा, ख्रियाने में सुविधा के जिए;

जतः अब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निल्**चित व्यक्तियों, अर्थात्**ं—

- (1) श्री दारयाभाई श्राहमाराम पंचाल
- (2) श्री प्रहलादभाई आत्माराम पंचाल
- (3) श्री कालीबीन ग्रात्माराम पंचाल
- (4) श्री मनीबीन आत्माराम पंचाल खोराज जि० गांधीनगर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री रमेण कुमार परणोत्तम दाग 2. श्री मनी भानी वींग परणीत्तम दास, 21 रंजन मोसाइदी नं0 1 नारनपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्ची

जमीन जो खोराज ता० गांधी नगर में स्थित है जिसका सर्वे न० 356, 257, 358 है और कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 28 गूटा है। सब रजिस्ट्रार गांधी नगर में 513,511 507 न० परतारीख 10-5-1983 को रजि— स्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० णाह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख : 8-12-1983

मोहरः .

प्रकप मार्च. टी. एन्. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के जभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11 अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निर्वेश सं० पो८ आर० नं० 2564/II/83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सर्वे नं० 357 358 है तथा 'जो खोरज गांधी नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबज्ज अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मई 1983

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित् नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुद्दं किसी भाग की वावत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिभा के निए; और/या
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों, मर्थाल :---

- (1) 1. श्री मंकर भाई मानजी माई।
 - 2. श्रीमती गंगू सरन शंकर भाई।
 - 3. श्रीभीखाभाई बनाभाई।
 - श्री अम्बालाल बंबा भाई खोराज गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश कुमार परवोत्तम दास श्रीमती भाली बहुन परवोत्तम दास 21, रजन सीसाइटी-1 नारणपुरा,अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जमीन जो खोराज गांधी नगर में स्थित है और जिसका सर्वे नं 357, 358 और कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 20 गूंठा है। सब रिजट्रार गांधी नगर में 483, 485 नं पर ता 3 मई 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० अनर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 8-12-1983

मोहर 🛊

असप आहाँ. टी. एन्. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)। अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पो० आर० नं० 2565/II/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके प्रचात 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 359, 378 है तथा जो खोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10 मई 1983

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कृथित नहीं किया गुमा है ——

- (क) शुन्तरण से हुई किसी नायु की धावत्, उक्तः अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी कड़ने या उत्तसे ब्लाने में सुविधा के स्मिर; बीर/मा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

्र अ स्व. अवत मिधिन्यम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्कर अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्री डाया भाई आत्मा राम पंचाल
 - 2 श्रीप्रह्लाद भाई आत्मा राम पंचाल
 - 3. श्रीमती कल्लो बहन आत्माराम पंचाल
 - श्रीमती मिन बहुन आत्माराम पंचाल खोराज गांधी नगर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीन कुमार परषोत्तम दास 21, रंजन सोसाइटी-1, नारनपूरा अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पर्ध्यक्तिरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

जमीन जो खोराज में सर्वे नं० 359 और 378 पर स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 39 गूंठा है। सब र्राजस्ट्रार गांधीनगर में 515 509 नं० पर ना० 10 मई 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह, ्रृंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II; अहमदाबाद

तारीष : 8-12-1983

मोहर 🗯

प्ररूप आईं.टी.एन.एस., -----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जावकर जायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸II, अहमदाबाद

नई दिल्ली, विनांक 18 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2566/II/83-84—अत मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 378 379 है तथा जो खोराज गांधी नगर में स्थित है (और इसेसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किन्तिसित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्य से कि शित नहीं किया गया है:---

- (क) जुलाउन से हुई किसी जाय की वादत, अजल जिल्लाक के जभीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉड/बा
- (ण) एती किसी भाग या किसी धन या मन्य भारित्यों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, गर्थात् !---

- (1) 1. श्री शंकर भाई नानजी भाई।
 - 2. श्रीमती मुगूबह्त बाह्रा भाई।
 - 3. श्री भीखा भाई बाबा भाई।
 - 4. श्री अम्बालमल बाबा भाई। खोराज जि० अहमदाबाद।
- (7) श्री नवीन कुमार परषोत्तम दास
 21, रंजन सोसाइटी-1,
 नारनपुरा
 अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पर्दों का, वा उक्छ अभिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में विया गया है।

नन्त्रची

जमीन जो खोराज सर्वे नं० 378; 379 पर स्थित है जिसका कुल क्षेक्षफल 2 एकल 5 गूंठा है। सब-रिजस्ट्रार गांधी नगर में 486 484 नं० पर ता० 3 मई 1983 को र्राजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, अहमदाबाद

गारी**ख** : 8--12--1983

मो हरः

प्रस्थ जाइं, टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961. (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन स्वना

भारते सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

🛩 अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं०पी० आर० नं० 2567—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 378 है तथा जो खोरज में स्थित है (और इसके उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 13-5-1983

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रोत्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जतरण सहुद्ध किसा वास् का बावत, उनत अधिनियम के स्थीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

जतः वन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जगजीवनराम पूंजीराम
2. शिवाभाई पूंजीराम
3. मनुमायी पूंजीराम
खोरज,
जिला—भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री नवीनकुमार परसोक्तम वास 21, रंजन सोमायटी, नारयाणपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थानर अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

जमीन जो खोरज में स्थित है जिसका सर्वे नं० 378 है और कुल क्षेत्रफल 32 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार, गांधीनगर में 552 नम्बर पर ता० 13-5-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

दिनांक : 8-12-1983

मोहर 🕆

प्रकृप बाह्य ती एन् एस .------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प् (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशाण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2568/11/83-84--अत: मुझे आर० आर० शाह,

मायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मृ**ल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 49 है। तथा जो अंसाजी में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दाता में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-5-1983.

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं एसे दृश्यमान प्रतिकल का 1 पन्द्रह प्रतिचत अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित् उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: बरि/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया **गया था** किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारां (1) के अभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् 🖫---

(1) श्री जायनाराम जंसाराम पटेल अंबीका कालोनी अंसाजी जिला अमृतसर । (अन्परक)

(2) 1. थी चीनुदाई सौमयन्द पटेल

2. शंकरा आई जी०

3. अशोकभायी पी०

4. अंसालाल आर०

बासुभायी ए०

महेन्द्र कुमार सी०ै

7. धनाभायी जी०

 भूपेन्द्र कुमार एम०, कला कुंज सोसायटी,

घाटलोडीआ अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवा**हियां करता ह**ै।

उक्त संपरित के कर्जन संबंध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव्य सम्बद्धि में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही कर्ष होगा, जो उस कुभ्याय में दिया नया

जनसूची

जमीन जो अंसोजी में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 49 और कुल क्षेत्रफल 1138 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार दाता में 352 नम्बर पर दिनांक 27-5-1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह प्राधिकारी सक्षम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनोक : 8-12-1983

मोहर ः

प्रकृष् वार्^र. टी . **एन् . एस** . ----------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्याल्य., सहायक आयंकर आयुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेंज-JJ, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर, 1983

निकेश सं० पी० आर० नं० 2569/II/83-84--अतः मुझो, आर० आर० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह") की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 49 है। तथा जो अंसाजी में स्थित है (और इससे के उपाबद अनुसूची में और पूर्णेक्प से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दांता में रिजस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-5-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निष्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, (957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवती सरन उत्तमधन्द वनजानी अंसाजी त० बनामकांठा

(अन्तरक)

(2) श्री चीनुमाई सोमनाथ पटेल और अन्य गलाकुंज सोसायटी, याटासोडीया, अहमदाबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कड़के पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हूं।

उनत् सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितयों में से किसी स्थित बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सें
 45 दिन के भीतर उवत त्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए ला सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जो असाजी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 49 है और कुल क्षेत्रफल 31138 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार, दांता में 351 नम्बर पर ता० 27→5→1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० **माह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज~II, अहमकाबाद

विनांक : 8-12-1983

प्रस्य नार्ह्य टी तु एन तु एस _{तिन स}ार सन्तर-

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कामिलय, सहायक बांगकर नागुक्त (निर्धिक्षण) अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर, 1983

मिदेश सं० पी० आर० नं० 2570/II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाहु,

जागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जिथिमियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के जधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं , सयायीगंज, अजनास है। तथा जो नड़ीदा में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य के कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उपित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल निम्निसिश्वत उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त जीवनियम के जभीन कर देने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उससे यकने में स्विभा के लिए; जीर/या
- (च) एसे किसी जाम का किसी भन मा अन्य जास्सियों को जिन्ही भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना किहा, था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मतः अन उनत मिनियम की भाष 269-ग के नन्सरण मों, मों, उनत निभिनियम की भाष 269-थ की उपधारा (1) के भर्षीन, किनिविधित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 13—446 GI/83 (!) 1. वजा खेबलपमेंद्र कारपोरेशन द्वारा अजलाल मूलजाजीमाई तालाटी 2. देवोलाबेन अध्यकुमार 3. मैं० अमीन कन्स्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट 'स्रज निवास', कस्तुरवानगर । बडीवा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कीरित कुमार रितलाल परमार 5 बी, त्रज निवास दिनेश टाईल्स के सामने अलैम्बक रोड बडौदा।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सक्यों

स्पष्टीकरण :---ध्समं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्लैट जो स्थाजी गंज में स्थित है। जिसका कुल अहेसफल 975 ची जुट है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 2410 नम्बर पर मई 83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह् नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 3-12-1983

प्ररूप नाहरू टी. एत. एस. - - - ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2571/॥/83-84--अतः मुझे,आर० आर० शाह, है

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० शिट नं० 51 सर्वे नं० 10934 है तथा जो पालनपुर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रधीन दिनांक 3~5~1983

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) कल्पना कारपोरेशन द्वारा दीनुमाओ जोगीः पालनपुर ।
- (2) बिहार को० ओ० हा० सोसायटी (अन्तरक) द्वारा भावनेपचन्द्र शांतिलाल नन्दी पालनपूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति. द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्यो

जमीत जो पाननपुर में स्थित है, जिस हा सर्वे र ० 10934 शीट नं० 51 है और जुल क्षेत्रफन 7499 चौ० फुट है। सब रिजस्ट्रार पालनपुर में 8.84 नमर र नम्बर पर ता० 3-5-83 की रिजस्टड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 7-12-1983

प्रक्य काइं.टी.एन.एस.---

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2572/II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

मायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त मिविनियम' कहा बया है), की धारा 269-ख के मिवीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

और जिसकी सं क्यां नं कि 235/1 है। तथा जो कड़ी में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कड़ी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-5-1983

में शास्त्रिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:---

(क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उकत मिछ-नियन के मबीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमें बचने में मुबिधा के लिए; श्रीर/या

को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वाटा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुत्रिभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुतरण को, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) 1. श्री पालीसरण सोमाभायी पटेल
 - भीखामायी " '
 - 3. **जरनसरन** ""
 - मय्सरन " "
 - दामोदर "
 - कान्तासरन रामआयी
 - जीवीसरन '' ''

कड़ी ता० महेसाणा ।

(अन्तरक)

(2) यीतिल को० ओ० हा० सो० द्वारा गुणवन्तमासी जोयताराम पटेल करणनगर ता० महेसाणा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुस्यी

जनीन जो कड़ी में स्थित है, जिसका कुल क्षेत्रफल 10941 चौ० मी० है। सर्वे नं० 235/1 है। सब-रजिस्ट्रार, कड़ी में 1213 नंसर पर ता० 23-5-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 8-12-1983

मोहर 🗈

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. - - - - --

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नाम्कर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-॥, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2573/11/83-84---अतः मुझे, आर० आर० गाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं क्षेत्र के 235 है। तथा जो कड़ी में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजर्स्ट्री क्षित अधिकारी के कार्यालय कड़ी में, रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-5-1983,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एण्यमान प्रतिफल से, एसे दशमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित यो वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण मं हुन्दं िकसी आय की भाषत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा मा किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नीविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ए——

- (1) 1. श्री पालीसरन सीमामायी पटेल
 - 2. भाखाभायी
 - 3. जसासरन
 - 4. मधुसूदन
 - 5. दामोदर जीवाभायी
 - 6. कान्तासरन रामभायी
 - 7. जी**बीस**रन

कड़ी, सा.० महेसाणा ।

(अन्तरक)

(2) ओल सी० ट्रेडर्स (कड़ी) द्वारा भुराभायी मोतीभायी मिस्सी सोसायटी आमन्द, ता० आमन्द

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के कर्जन के लिए कार्यविष्ट्रियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की धारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 विन की अविध , जो. भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकींगे।

स्पटनेकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रको

जमीन जो कड़ी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 235 है और सर्वे नं० 235 में 3567 चौ० विस्तार मीटर है। सब रिजस्ट्रार, कड़ी में 1212 नम्बर पर ता० 23-5-83 की रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥,अहमदाबाद

दिनांक : 8-12-1983 - मोहर इ प्रस्पा, आहर्, टी. एन. एस. ----

नायकर नाभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2574/॥/83-84--अतः मुझे, आर० आर० णाह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 550 हैं। तथा जो कलोल में स्थित हैं (और इसके उपावद्ध अनुभूची में और पूर्णस्प से बर्णित है), हैं रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनिश्रम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिलाक 6-4-1983,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसितयों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था. छिपाने में मूर्निया के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्।—— (1) श्री विनोदचन्द्र जीवणलाल श्रीनगर सोसायटी न्यूस्त्रामीनारायण मन्दिर के पाने कलोल । ना० महेसाणा ।

(अन्तरक)

(2) थ्री वाद्धीलाल सोमाभोयी साराटे 72 श्री अंसीका नगर को० ओ० हा० सो०-2 कलोल । ना० महेसाणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स् भी

जमीन और मकान जो कलील में स्थित है, जिसका ब्लोक न० 72 है। सब-रजिस्ट्रार कलील में 450/83 नम्बर पर ता० 6-4-1983 में रजिस्टर्ड किया गया है।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजे--।।, अहमदाबाद

विनांक : 8-12-1983

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं 3 $2575/\mathrm{H/83-84--}$ अतः मुझें, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं क्षेत्र नं 252/192 है। तथा जो कलोल में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 10-5-

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उववरिय से उवत अन्तरण निश्वित में बास्तविक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुड़ी किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन सर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्से बचने में सुविधा के लिए; बीर्/या
- (क) ऐसी किसी आय गाउँ किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अंब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निम्निचिकत स्थितमों,, अर्थात क्ष--- (1) श्री अहमदमायी अमीरमायी चौहान श्र**ौर** अन्य मटवा कुपा, कलोल ।

(अन्तरकः)

(2) श्री कार्न्तः लाल नाथालाल और अन्य कल्याणपुरा, कलोल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जमीन जो कलोल में स्थित है जिसका सर्वे नम्बर 252/192 हे थार कुल क्षेत्रफल 4 एकड़ 5 गूंठा है। सब-रजिस्ट्रार, कलोल में 569 नम्बर पर ता० 10-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० म्रांर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II; अहमदाबाद

दिनांक: 8-12-1983

मोहर 🔅

प्ररूप बार्ड. टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर, 1983

. निदेश र्स० पी० आर० नं० 2576/H/83-84—अनः मझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० सर्क्षे नं० 562/2 है। तथा जो करमसद में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, करमसद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-5-83

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्रयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उच्चेदिय से उच्न अन्तरण निस्ति में वास्तिक हुए से कथित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृषिधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ इन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री कान्तीभायी श्यामभायी पटेल 2. माझी जसमायी करमसद-ता श्रामंद 3. ईश्वरमायी चादरमायी आजुपुरा, ता० आमंद ।

(अन्तरक)

(2) कैलास को० भ्रो० हा० सो० द्वारा श्री अगोक आर० गज्जर करममद ना० आमंद ।

(अन्तरिती)

का यह भूषना पारी करके प्योंक्त सम्परित के बर्धन को सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी

> अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

त्वस्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त घट्टों और वदों का, को उनक विधीनयम, को अध्यान 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गराही।

मनसंची

जमीन जो करमसद में स्थित है जिसका सर्वे नं० 562-2 है और 1 एकड़ 10 गूंठा का कुल मिलाकर विस्तार है। जमीन जो करमसद ; स्थित है, जिसका सर्वे नं० 562/2 है सब रजिस्ट्रार, आमंद में 2651 नम्बर पर ता० 23-5-83 को रजिस्ट के नि गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी • महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिन।क : 8-12-1983

भोहर:

प्रकार बाई.टी.एन.एस.----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के मभीन सुभूता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2577/11/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्त को भनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका बहुतत, वाजार मृस्य 25,000/-छ। से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 4 है। तथा जो आणंदे में स्थित है (श्रांर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 5-5-1983.

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिकल से, एसे द्वयमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक स्था से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उनस अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करते या उससे उचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विजया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तिथा के सिए;

अतः अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री बाबुभाई हरमानभाई गोहेल • स्वापुरा ना० आणंद

(अन्तरकः)

(2) श्री सत्येन्द्र सत्यदेवराज चौधरी श्रौर अन्य योगीराज सोसायटी, बद्धलभ विद्या नगर ना० आणंदे ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में श्रकाधन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोत्तरकाक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनस्थी

जमीन जो आणंद म स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 805 चौ॰ मी॰ हैं। सब-रजिस्ट्रार, आणंदे म 2492 नम्बर पर सा॰ 5-5-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० साह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाह्माद

तारीख: 8-12-83

प्रकृत बार्ड टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरका

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2578/II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्वीर जिसकी सं० सेन्सस नं० 818 है। तथा जो वल्लम विद्यानगर में स्थित है (और इसके उपायड अनुसूची में और पूर्णक्र से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3~5~1983,

जो पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त बंतरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहाँ किया गया हैं है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाब्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर्या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अअ उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
14—446 GI/83

(1) श्रीमती जशोदाबहुन अंबाखाल पटेल व्हाईट हाउस, वस्लभ विद्यानगर ता० श्राजंद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुमुदीनीबहन चन्द्रकाना पटेल व्हाईट हाउस वस्लभ विद्यानगर । ता० आणंद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्**स्**ची

जमीन जो बल्लभ विद्यानगर में स्थित है जिसका सेन्सस नं० 818 है और कुल क्षेत्रफल 419 चौ० मी० है। सब-रजिस्ट्रार आणंद में 2454 नम्बर पर ता० 3-5-1983 को रजिस्टर्ड कि गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्राहमदाबाद

तारीख : 16-12-1983

्प्ररूप आर्द्राटी एन एस - - -

भायकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ज(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सह्ययक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ष्ट्रमदाबाव, दिनांक 8 विसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2579/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रेसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- के. स आधिक हैं
और जिसकी संबंधनें नंव 119 है। तथा जो भर्मसद में स्थित हैं
'और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आणंद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-5-1983,
को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के स्व्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार
मूल्य उसके दरयमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूल्य उसके दरयमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूल्य उसके दरयमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूल्य उसके दरयमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूल्य उसके दरयमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूल्य उसके दश्यमान पितकल में, एसे दश्यमान प्रतिकत वाजार
मूलक उसके दश्यमान पितकल में अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी माय या किसी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय धायकर मिलियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मिलियम, या धन-कर मिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) मे० आयर-पटेल एण्ड पुव वस्लभ विद्यानगर । ता० आणंद ।

(अन्तरक)

(2) नन्दनवन को० ओ० हा० सोसायटी द्वारा संजिप एम० यार्ड गांव—विद्यानगर । ता० आणंद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकः ण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया : गया है।

वनसंची

जमीन जो करमसद में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 119 और कुल क्षेत्रफल 22 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार, आणंद में 2475 और 2648 नम्बर पर ता० 17-5-83 की रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहंमदाबाद

विनांक : 8-12-1983

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. - - - ----

कायकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-ष् (1) के ब्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-॥, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर्० नं० 2580/II/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रतापनगर रोड है तथा जो बड़ीदा में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) -रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्यत् बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार, मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिधित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या जन्म आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विभा के लिये;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है अधीन, निम्निलिसित व्यक्तितमों, अर्थात् ।—— (1) मे० पार्वती कोमणियल एस्टेट प्रतापनगर रोड, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) मे० एम० एम० श्वीरा एण्ड कं० पार्वती चेम्श्वर्स, प्रतापनगर, बड़ौदा।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा ग्या है।

अनुसूची

निचला स्तर पर शोरूम जो पार्वतीनगर में स्थित है, जिसका कुल अलफल 2075 चौ० फुट है। सब-रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 2529 नम्बर पर मई-83 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 9-12-1983

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजना।, अहमद्राबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी'० आर० नं० 2581/॥/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 30 है तथा जो भोलाब भवन में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भवन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-5-1983,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के जीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उज्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, बिधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) श्री अंबालाल जादव और अन्य जिंद्यवर, ता० भरुच ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुक्तानन्द बिल्डर्स भूपेन्द्रभायी रूपजीमाई पटेल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ' है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो भोलाय में स्थित है जिसका सर्वे नं० 30 है और 2123, 2124, 2127 चौं० मी० का कुल क्षेत्रफल है। सब-र्रिजस्ट्रार, भरूच में 963, 964 और 965 नम्बर पर ता० 4-5-1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह ाँसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।।,अहमदाबाद

दिनांकः : 9-12-1983

प्ररूप आहु ० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कायीलयः सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जहै रॉज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर, 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2582/11/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं॰ सर्वे नं॰ 228/2/1+2/2/1 और 229/2/7 है तथा जो बीजलपुर-नबसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान मितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की नावत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी कहने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी जाम या किसी थन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौधारा 269-स के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम कीधारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मे० देसाई और देसाई एसोसियेट्स बम्बई, श्रंघेरी

(अन्तरक)

(2) श्रोमती भारतीबहृत रमेशचन्द्र मिस्त्री और अन्य 7/235 मद्रेसा हाईस्कूल के सामने नबसारी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या ही।

मनसची

जमीत् $\sqrt[4]{}$ जो विजलपुर में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 228/2/1 +2/2/1 और 229/2/1+2/2/1 है और 476.50 **पोरस** मीटर का कुल क्षेत्रफल है । सब-रिजस्ट्रार, नवसारी 1389 नम्बर पर ता॰ 2-5-83 को रिजस्टिंड की गई है ।

आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।।, अ**हमदाबाद**

थिनांक : 13-12-1983

मोहरः

प्ररूप बाहें. टी. एन्. एस.. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 13 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2583/।।/83-84---श्रतः मुझे, आर० आर० शाह,

प्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से प्रधिक है

और जिसकी सं० 228/2/1+2/2/1 और 229/2/1+2/2/1 है। तथा जो विजलपुर, नवसारी में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई. 1983, को पूर्वोक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उच्च रेप से उक्त बन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है ए-

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बुजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिनह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उंक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हु---- (1) श्री मनोरमाबहृत हरेशलाल पंचाल पारस शेरी, ज्यारा जिला—सूरत ।

(अन्तरक)

(2) मे॰ देसाई एण्ड देसाई अमोसियेटस बम्बई।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त अक्कों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमोन जो विजलपुर में स्थित है जिसका सर्वे नं० 228/2/1+2/2/1 और 229/2/1+2/2/1 है और 525 चौ० वर्ग गज कुल क्षेत्रफल है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 1388 नम्बर पर ता० 2-5-83 को रजिस्टर्ड किया गय $^\circ$ है।

आर० म्रार० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनोक : 13-12-1983

माहार 🗦

प्रक्य वार्<u>ड</u> टी. पुन_ः पुस्_-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

मारत स्रकार

र्म्म्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2584/।।/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 665 और 710 है तथा जो हुमास, ता० चोर्यासी सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप में बर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 25-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उत्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप, से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के सिए; औड़/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था डिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण में., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री जयन्तीलाल हीराचन्द शाह, मांडवी बाजार, जिला—-सूरत ।

(अन्तरक)

- (2) 1. हाडणगोपाल ठाकोरदास जरीवाला सूरत
 - मोहनलाल मोरारजी जरीवाला व्यक्ता रोड, सूरत ।
 - 3 मोरारभायी मकाजी सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सुम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप रू⊸∽

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्यस्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो डुमास में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 665 और 710 है और कुल क्षेत्रफल 11 एकड़ 23 गूंठा है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 4741 नम्बर पर ता० 25-5-83 की रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

दिनांक : 15-12-1983

प्रकृत बार्षः टी. एम. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के अधीन स्चाना

भारत स्टकार

कार्यालय, सञ्चयक भागकर नायुक्त (निर्दीकन्)

अर्जन रेंज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2585/॥/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रु. से अधिक है

औरजिसकी सं० 228/2/1+2/2/1 तथा 229/2/1+2/2/1 है तथा जो बीजलपुर ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है); रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983, को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थाप्त्रोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिवात से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नितिचात उद्वेदम से उन्त भून्तरण लिखित में वास्तविक स्य से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उपस अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरका के ग्रीयत्व, में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के बिगर; बाह्र/वा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

ब्तः वन, उक्त गीर्थानियम की थारा 269-य के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की आरा 269-य की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मे॰ देसाई एण्ड देसाई एसोसियेट्स अंग्रेरी, बम्बई ।

(अन्तरक)

(2) श्री विभासरन भरतभायी पंचाल, काठोर, जिला---स्रत ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना चारों करके पूर्वांक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की संबंध में काह भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ " किसी बन्ध व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मूर्च होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया

अनुसची

जमीन जो बीजलपुर में स्थित है, जिसका सर्वे नं० 228/2/1+2/2/1 और 229/2/1 है और कुल क्षेत्रफल 460.90 चैं। मी० है। सब-रजिस्ट्रार, सूरत में 1390 नम्बर पर ता० 2-5-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।।, अहमदाबाद

दिनांक: 13-12-1983

प्रस्प बाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज⊸।। अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सॅ०पी० आर० नं० 2586/॥/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्श्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 125,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बनाक नं० ए०-2 प्लाट नं०--22 है। तथा जो उर्पना सूरत में स्थित है (और इसके उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि श्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भेल्य, उसके द्रियमान प्रतिफाल से, एसे द्रियमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित नौ सास्तियक रूप से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धीयत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्मियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धार 269-ग के अन्सरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीतः, जिल्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 15—446 GI/83 (1) श्री भरतकुमार बाबूलाल गांधी
 पालकेम्बर रोड
 बम्बई ।

(अन्तरक)

- (1) 1. एस० टी० गाईन एण्ड कं० कान्तीलाल एस० गांधी और अन्य
 - 2. महेन्द्र साकरलाल
 - 3. प्रदीपचन्द्र साकरलाल
 - 4. हेमेन्द्र साकरलाल अंसाफी रोड

सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत जो उर्दना में स्थित है जिसका समीप नं० ए०-2 प्लाट नं० '22 है जिसका कुन क्षेत्रफल 501.67 चौ० मोटर्स है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 4734 नम्बर पर ता० 13-5-83 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० गाहै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥ अहमदाबाद

दिनांक : 15-12-1983

मोहर ह

प्ररूप आई'. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥ अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2587/॥/83-84--अतः मुझे आर० आर० शाह

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमक्रे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वें नं० 136 हिस्सा-- 1 है। तथा जो उधना, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है); रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रोक्रण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके क्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिसित उद्योग्य से उदस अन्तरण निखित में यास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मी, मी, टक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

- (1) 1. श्री श्रोमाय सोरावजी दादा भाई
 2. जमणेवजी सोरावजी और अन्य
 नानपुरा सूरत ।
 3. रोडा बहुन सोरावजी ----सूरत ।
 (अन्तरक)
- (2) 1 श्री दिनेशचन्द्र चीमनलाल और अन्य लुहारपोल---सूरत ।
 2. प्रकाश चिमनलाल
 3. परेश " लालगेट सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यंत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मं हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो उर्देना में स्थित है जिसका सर्वे नं 136 और हिस्सा---। और कुल क्षेत्रफल 603 80 चौ घर है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 4603 नम्बर पर ता 9.5-83 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-II अहमदाबाद

दिनांक: 15-12-1983

प्ररूप आइ. दी. एन. एस. ------

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥ अहमदावाद अहमदाबाद दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2588/।।/83—84——अतः

मुझ/ आर० आर० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 142 टी० पी० एस० नं० 6 है। तथा जो मजुरा-सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णकृप से विणित है); राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-5-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चहम से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनूसरण कों, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा ज्योतिसरन शंकरलाल वैद्य दर्णकं की० ओ० हा० सी० लि० छोड़-दोड़ रोड सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री छगननाल राममायी नायक शिवदात झवेबेरी की पोल । संप्रामपुरा सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारां क्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उत्पत्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूस्ची

जमीन जो मजुरा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 1142 टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ .6 फाईनल प्लोट नं॰ 61 ए० है और कुल क्षेत्रफल 170.71 चौ॰ मी॰ है। सब-रजिस्ट्रार सूरत में 4696 नम्बर पर ता॰ 13-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।। अहभदावाद

दिनांक : 15-12-1983

युक्द बार्<u>द थी एवं . एवं . -----</u>

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-॥ अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983 निदेश पी० आर० नं० 2589/॥/83-84-अत: मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

और जिसकी सं० वार्ड नं० 2 नोद नं० 4476 हैं। तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन दिनांक मई 1983

को पूर्वा क्षेत्र सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त लंपीति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्छ बिचित्रम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने मा सससे अवने में सुविधा के जिए; ब्हीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने सें सुविधा के लिए;

जतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- इकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री शीरीम खंडुभायी देसाई सुफलाम पलैट आश्रम रोड अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रो वाडीनाल हीरालाल झंडावाला सम्रामपुरा सिद्धार्थ सणिपटी सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वस सम्मिरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की. तारी से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षाय अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंकी

स्पन्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में पिया गया है।

जन्स्**ची**

मिलकत जो बोर्ड नं० 2 में (सूरत) स्थित है जिसका नोद नं० 4476 है है और कुल क्षेत्रफन 124 चौ० वार है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3586 नम्बर पर मई-83 में रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।। अहमदाबाद

दिनांक : 15-12-1983

मोहरु अ

प्ररूप आर्थः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंग II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश नं० पी० ग्रार नं० 2590/H/83-84 अतः मूझे आर० आर० भाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियभ' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बोर्ड नं० 1 नं० 2780 से 2782 है तथा जो नानपुरा सूरत में स्थित है नोंध और (इसमे उपायद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रुप से विणत है), रिजस्कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1986 1908 का 16) के अधीन दिनांक 27-5-83

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्रास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) ह**बी**बहन शरद कुमार शाह बाव ता0 कामरेंज

(अन्तरक)

(2) मीरा बहन ए० सङ्बाबाला 3, श्याम भवन नं० 3 तिसरी मंजीला चीरा बाजार, बम्बई -2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उथत सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट जो नानपूरा, सूरत में स्थित है जिसका वार्ड नं० 1 नीर्व नं० 2780 से 2782 है और कुल क्षेत्रफल 825 चो० फुट है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 5156 नम्बर पर ता० 27-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I^I अहमदाबाद

तारीख: 15-12-83

मोहर

प्रकृप काई.टी.एन्.एस्.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-जु (1) के ज्यीन स्पृता

भारत सरकार

धार्मालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्धिण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख कं अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और िसकी सं बोर्ड नं० 13, नीह नं० 23 है। तथा जो आठवां लाईसेन्स, दुकान नं० 9, 10,11,सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्णरूप से विणत हैं), रिजट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16) के अधीन दिनांव मई 83

का पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक, है और सन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष जिल्ला निम्नति छित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तु- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अभिनियम की बजीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कनी करने या उससे बचने में स्पिधा के सिए; सार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् €—— (1) म० योठी ठक्कर असोसीयेटेस C/O मनोरंजन भारकर योटी, 17 पंचवंटी सोसाईटी, सुरत

(अन्तरकः)

(2) श्री विजय कुमार केशव लाल शाह गोपीपुरा, मोटीपोल, सुरतः

(अन्तरिती)

भ्ये सह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्द्रित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दुरुगन जो आठवीं लाईन्स, सूरत में स्थित है जिसका वार्ड नं० 13 , नोर्द नं०, 23 है । सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4081, 4082 और 4083 को में० 83 में रजिस्टर्ड किया गई है ।

> आर० आर0 माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख :- 15-12-83 मोहर :- प्ररूप बार्द्ः, टी., एन_, एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण अर्जन रेंज II, अहमदाबद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निर्दोश नं० पी० आर० नं० 2592/13/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 195 नोध नं० 1000 है तथा जो उधना, सूरत में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सून्त में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-5-83

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित ताजार मूल्य से कम को द्रश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्निसिखत उद्देश्य से उनत अंतरण लिखित में बाम्सिक रूप से किशत बहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभारिती द्वारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थास् :-- (1) र्थामती गांताबेन युसफअली उधना, रेलवे यार्ड के पीछे, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अब्दुल लतीफ, अब्दुल रजाक उधना उद्योगनगर सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के शजपत्र मो प्रकाश की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मर्म्मात में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिक्षित मों किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरणः — हममें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो जबत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हम्या जी उस अध्याम में दिया गया हो।

बन्सकी

मिलकत जो मजूरा सूरत में स्थित है जिसका सर्वे नं 1000 है भौर कुल क्षेक्षफल 183.67 वर्ग गज है सब-रजिस्ट्रार सूरत में . 1981 नं पर मई, 83 को रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आरकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

तारीखा : 15-12-83

मोहर:--

अरूप आई. टी. एन. एस .------

बायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारतं बेरक्स

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, II अहमदाबाद

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर' 1983

निर्देश नं ० पी० आर० नं ० 2593—II 83—84——अतः मुझे, आर० आर० शाह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे नं ० 456 है तथा जो डूमस में स्थित है (और इससे उपाबद अनुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार कृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह घिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित याजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्मिरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, पा अति किया गरा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामभाई प्रभुभाई भगत और अन्य कूमस, जि॰ सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री बेनीलाल डी० दयाल और अन्य 9/1302 बालाजी रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

अनुसुची

जमीन जो डूमस में स्थित है जिसका सर्वे नं० 456 है और कुल क्षेत्रफल 2एकड़, 25 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 439 नं० पर दिनांक मई 1983 में रजिस्ट्री की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक 13-12-1983 **मोहर**ः

प्रस्य बाई .टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत बरकार

कार्याजयः, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 🔟, अहमदाबाद

अहगदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर, 1983

निर्देण नं० पीर्ण आर्र्ण नं० 2594/11/83 - 84 - -अतः मुक्के,

आर० आर० गाहू

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

- ♦ और जिसकी संख्या नोंध नं० 3/7735/7 पक वार्ड नं०1 है तथा जों अंबिका अपार्टमेन्ट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16)के अधीन, दिनांक 13-5-83
- को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—
 - (क) अन्तरण से हुई किती बाय की वावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के सिए; और/व।
 - (वा) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपान में स्विभा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलियत व्यक्तियों, अधीत् :---16---446 GI/83 (1) श्रो चन्द्रकान्त मगनलाल ग्रमीचन्द्रव ला श्रंनिका अपार्टमोट, नाना भाई राँड, सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णाकांत विभूवनदास ठक्कर लिमडा चौक, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पर्हित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

अन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्च से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकोंगे।

रथव्दिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

क्लट जो अधिका अपार्टभेन्ट में स्थित है जिसका सर्वे नं० 3725/7 है। राज राजिस्ट्रार, सूरत में 4701 नंबर पर दिनांक 13-5-1983 को राजिस्टर्ड किया है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाव

तारीख: 13-12-1983

माहर :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

भारत 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 🛭 अहमदाबाद

अर्भशबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983

निर्देण नं० पी० आर० नं०--2595/II/83-84---**]** अतः मुझे, आर० आर० शाह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 1000, प्लाट नं० 54 है तथा जो सूरत, मज़रास्ट्रीट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण मिनित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय का बाबत, जनत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की धारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कलावतीचेन रतीलाल पारेख हवाडिया शेरी, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री जनककुमार चंपकलाल व्यास 43, ऑनन्दमंगल सोक्षायटी, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तंपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति च्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमां गया हैं।

अनुस्पी

मिलिकियत जो मजुरा , सूरत में स्थित है जिसका सर्वे नं 1000 है और कुल क्षेत्रफल 183.67 स्केट गार्ड है । सब रिजिस्ट्रार सूरत में 1981 नंबर पर मई 83 को जस्टर्ड की गई है ।

> आर ० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयफर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 11, अक्षमदाबाद

नारीख : 13~12-83

मोहर ः

प्रकृष बार्ष, टी. एन्. एस.----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सृच्ना

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983

नामकार अधिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. में अधिक ही

और जिसकी संव बार्ड नंव 13. सर्वे नंव 4 है तथा जो भूठिकी लाईन्स, सूरत में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16 के अधीन दिनांक 5 मई 1983

ा पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बिथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (१) ∴ें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मैंसर्ग पांडोल हा० आरपोरेणन आरक्षा अरदेसर पांडोल नरीमन हाल के सामने सुरत ।

(अन्तरक)

(2) दूगरणीभाई वालाभाई णाह्नपोर, चिताभणी देहरासर के नजवीक सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ां भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनुसूची

मिलिकियत जो आठवां लाइन्स सूरत में बार्ड नं० 13, सर्वे नं० 4, पैकी प्लाट नं० 2 जिसका कुल क्षेत्रफल 4448 ता० 5-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्शन रेंज, ^II, अहमदाबाद

नागीख: 13-12-83

मोह्नर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

भागकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के जधीन सुभना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 83

िनर्देश नं० पी० आर नं० 2597—11/83—84——— ए मध्ये आरु० आरु० णाड

अतः मुझे आर० आर० णाह

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० बार्ड नं० 13 मर्वे नं० 4 प्लाट नं० 2 है नथा जो अथवा लाइन्स , सूरत में स्थित है (और इसके उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप मे वर्णित है) रजिस्टरी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में अस के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष में उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि- नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या बिज़्सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाले में सविधा के निए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिसित व्यक्तियों. जर्भात :— (1) डूंगरकीभाई वालाभाई णाहपुर मूरत

(अन्तरक)

 श्री रश्मीबेत सुभाष खंड राभिशी अपार्टमेन्ट सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना **धारी कुछुन्नै पुर्वीक्स इंपरितः के श**र्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भीई अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तियों द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कार पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्ताट जो आठवां लाइन्स, मूरत में स्थित है जिसका बोर्ड नं० 13 सर्वे नं० 4 और कुल क्षेत्रफल 104.051 बी० मी० है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4604 नंबर पर ता० 1-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० घाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रे^{ा 1}, अहा*सा*

तारीख : 13~12-83

प्रस्प आर्थः टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयक्तर आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज II, अहमहास्राद

अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983

निर्देश नं ० गी० आर० नं० $2598/\Pi/83-84$ --अतः मुझे आर० आर० गाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० मर्वे नं० 142, टी० पी० एस नं०-6 है। तथा जो मजूरा- सूरत में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्सी अिक्शरी के कार्यालय,सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय,सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 कारी के अधीन दिनांक 13-5-83

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए पंजीकृत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्विकत समालि का उचित बाजार मृत्य, असके द्रयमान प्रतिफल सं, एमें द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्रात से अधिक है और अंतर-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित हो वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बागित्य में कमी करने या उसमें क्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

(1) भी धौरूभाई सम्माई नापक शीवदास सबेरी पोल, संप्रागपुरा, पुरन

(अन्तरक)

(2) श्री रमेणवद्र आर० नायक, सम्रामपुरा, भूरत

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुक करता हुं।

जक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस स्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर ज़ुक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निरित्त में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूचीं

मिलकत जो मजुरा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 142 टी० पी० एस० नं० 6 प्लाट नं० 61 ए० है और कुल क्षेत्र फल 170.71 चौ० मीटर्स है। मब रजिस्ट्रार, सूरत 4694 नंबर पर ता० 13-5-83 को रजिस्टर्ड की गई

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक अग्यकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

कतः गय उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के जनसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपभाग (1) को अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अवित्:—

तारीख: 13-12-83

प्रथम , कार्यं , जी , एम , एस , ----

बायकर रूधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 83 ै

निर्देश नं० पी० आर० 2599/II/83-84---अतः, मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 140 है तथा जो चावजी भारूम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूचि में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भारूम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 13-5-83 की

को पूर्वेक्ति संस्थिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, राज्य अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित में कभी करने या छससे बचने में सुनिधा के जिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने भें ब्रीक्श के बिए;

जतः जन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनुबरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (·1) श्री नौरायण गोवालाभाई पटेल जाडेजेर ता० भरूच

(अन्तरक)

(2) डाकोरभाई पोतीभाई पटेल आडोल तार्भक्ष्च

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उन्का सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

जमीन जो चावजी का भरूष में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 6928 चौ० मी० है और सर्वे नं० 140 है। सब-रजिस्ट्रार भरूष में 1030 नवंर पर ता० 13-5-83 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> आर० आर० णाह यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज 11, अहगदाबाद

तारीय : 9-12-83

मोहर .

प्ररूप नार्षः टी. एन., एव.,---

कायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्यीन स्वा

भारत सरुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1983 निर्देश नं० पीं० आए० 2600/II/83-84---० आर० शाह

बायकर अभिनिय्मं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसका सर्वे नं० 3 है तथा जो आली भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अमूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक 11-5-83

को पूर्वोक्त संपर्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जिभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे जचने से सुविधा के निए; आर/वा
- (क) एमी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपपारा (1) के अधीन,, क्मिनिसित व्यक्तियों, अर्थात्— (1) श्री चपकलाल परसोसमवास गुर्जर धोलीकुई भरूच

(अन्तरक)

(2) गोपालजी बसनजी नायक पं० राउ सोपू पाटिल और अन्य देसाई फालिया भरूच

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृशाँकत संपरित के वर्णन के जिल्ला कार्यशाहियों करता हूं।

उन्त संपरित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाश्रंव :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबीध, जो भी अविधि नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्योकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गता ही।

मनुस्ची

जामीन जो आली में स्थित है जिसका सर्वे नं० 5 है और 218.50 चौरस वास का कुल क्षेत्रफल[,] है । मब रजिस्ट्रार भरूच में 1011 पर ता० 11-5-83 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> आर० ग्रार० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-11, अहमवाबाद

गारीख : 9-12-83

मोहरु 🛭

' प्ररूप आई'. टी. एन. एस. ---

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौंक 9 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पी० आ र० नं० 2601/II/83-84--अतः मझे, आर० आर० शाह

सायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इरामें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रह. में अधिक ${\it E}^{3}$

और जिसकी सं० सर्वे नं० 30/35 है तथा जो भोलाव, भरुच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणितः है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरुच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 मई, 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उसा अधिनियम के अधीन कर को के अन्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिकी को, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसरा अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अन्मरण ंगें, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--

- (1) 1. श्री प्रबोधचन्द्र भालचन्द्र **णुक्ला** 2. श्री वेजुभाई एम० पटेल
 - सरभान, ता० आमोद।

(अन्तरक)

(2) श्री मनीया पार्क को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लि०, प्रमुख्यक्षी : श्री शंकरलाल जीनाभाई बीरावाला। वेजलपुर, भंध्व ।

को ग्रहस्थना पारी करके पुत्रीयत संपत्ति के वर्षन् को लिए कार्यबाहियां शरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर -सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (स) इस सचना क्रे राजपत्र मे प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरा के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुउ।

जमीन जो भोलाब में स्थित है जिसका सर्वे नं० 30/ 35 है और 1517.25 चौ० मी० है। सब-रजिस्ट्रार, भरुच में 983 नं० पर ता० 6 मई, 1983 को रजिस्टर्ड कियागयाहै।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी गृहायक ग्रायकर अ।युक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-12-1983

मोहर 🛭

प्ररूप् आर्घ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $-II_{j}$, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2602/II/83-84--अतः मुझे, आरं० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रू. में अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 70 है तथा जो भोलाव, भरूच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भरूच में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1983

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री डाखाभांई गंकरभाई पटेल,52, कुंज सोसाइटी,अलकापुरी बड़ौदा ।

(अन्दरक)

(2) श्री ठाकोर भाई परपोत्तम दास पटेल, आडोल, हाल, वेजलपुर, जैन मन्दिर के पास, भरुच।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितअद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

.सरस ची

जमीन जो भोलाव भरुच में स्थित है और जिसकी सर्वे नं० 70 है और कुल क्षेत्रफल 34 गूंठा है सवरजिस्ट्रार, भरुच में 948 नं० पर ना० 4 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आरं० आरं० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख: 9-12-1983

मोहर 🖫

प्रस्पं आइ टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1983

निदेश थं० पी० आर० नं० 2603/IJ/83—84—-अनः

म्,झे, आर० आर० शह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यातः 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी यं सर्वे नं 170 है तथा जो नावज, ता अफच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावय, भर्मच में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8 मई, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिवक रूप मे किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव्, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उपन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ईसप उमर मुलेमान, पगुजान, ना० भरुच ।

(अन्तरवः)

- (2) 1. श्रोमती सरस्वती वंसीधर मेह्सा, वस्वई।
 - श्रीमती निरंजन अरविन्द मेहता, वम्बई।
 - श्रीमती भानुमित नरेंद्रा मेहता, अम्बई ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवारा;
- (श) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विजित में किए बा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्या है।

मधसर्वी

जमीन जिसका सर्वे नं 170 जो बावज में स्थित है और कुल क्षेत्रफल 2 एकड़ 16 ग्ठा है। सब रजिस्ट्रार, भरुष में 1120 नं पर ता 8 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II; अहमदाबाद

तारीख : 9-12-1983

मोहर 🖰

प्रकृप मार्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनाक 16 दिसम्बर 1983 निवेश सं० पी० आर० नं० 2604/II/83-84--अतः

मुझे, आर० आर० माह

बाय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 321 है तथा जो अन्नामा, तां० वलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिसत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री परागजी माकन जो देताई (संयुक्त कुटुम्ब), अक्रामा, ता० वलसाउ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री हरगोविन्द दास करसनदास विठलानी।
 - 2. श्री सतीम धीरज लाल विठतानी।
 - श्री धीरजलाल करसनदास विठलानी ।
 - 4. श्री इसमख राम मावजीभाई मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (के) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में

अनुसूची

जमीन जो अबामा गणव में स्थित है जिसका सर्वे नं० 321 है और कुल क्षेत्रफल 11940 चौ० भी० है। सब रिजस्ट्रार, भरुष में 871 नं० पर ता० 12 मई, 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० ार० णाह पक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

तारीख : 16-12-1983

मोट्रर:

प्ररूप बार्ड, टी., एन., एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत संडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1983

निर्देश मं० पी० आर० 2605/एक्वी II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह

मायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 83/2 है तथा जो ग्राम धमदाची, ता० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे मृन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अस्तरण से हुइ किसी बाय की वाब्त, जनत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वास्यित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्धिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिपाने में सुविधा के जिए;

अतः जन उनते अधिनियम की भारा 269-ग को जनसङ्ख्या में , उनते अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, नुधीत हिन्स

- (1) 1. श्री सुबोध राय मोहन लाल देसाई।
 - 2. श्री अम्बालाल दह्या भाई देसाई।
 - 3. श्रीमती पुष्पा देहन मोहनलाल देसाई।
 - 4. श्री सतीणचन्द्र मोहनलाल देसाई ।
 - 5. श्रीमती सोभना डेहन मोहनलाल देसाई।
 - 6. श्रीमती रक्षा बेहन मोहनलाल देसाई।
 - श्रीमती रमीला बेनन मोहनलाल देसाई। ग्रांम धमदाची

्ता० बलमाड।

(अन्तर्क)

(2) श्री रामन लाल नागरजी नायकः धमदाचीः, ता० बलसाड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधिया त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबूध किसी मृन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्वों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो धमदाची गांव में स्थित है जिसका क्षेत्रफल सर्वे नं० 83/1 और कुल बर्ग क्षेत्रफल 2 हेक्टेयर 77 एकड़ 21 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार, बलसाड में 921 नं० पर ता० 20 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1^I, अहमदाबाद

तारीख: 16-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आदे , टी. एन., एस्.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मृ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II,अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० 2606/ /83-84-अत; मुझे, आर० आर० गाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सर्वे नं० 186/2 और 237/2 है तथा जो अग्रामा, ता० बलसाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5 मई, 1983.

की पूर्वों कत संपत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल्चित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अचने में तृतिभा के लिए; आर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अग उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ६-- (1) श्री लवजी भाई नागजी भाई अजुगिया; गांव अन्नामा, ता० बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) श्री तुलसीभाई दामजीभाई अटक पारडी; ता० बलसाड।

(अन्तरिती)

को यह सूँचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का को उन्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुंबा हैं।

अनुसूची

जमीन जो अन्नामा गांव में स्थित है जिसका सर्वे नं० 186/2 और 237/2 है और कुलक्षेत्रफल 4 एकड़ 12 गूंठा, है। सब रजिस्ट्रार, बलसांड में 458 नं० परता० 5 मई 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० गाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, अहमदाबाद

तारीख : 16-12-1983

मोहर 🛭

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) $\label{eq:start} {\rm अ} \vec{\mathbf{f}} + \vec{\mathbf{t}} \vec{\mathbf{s}} - \mathbf{H}, \ {\rm M} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} = \mathbf{H} \vec{\mathbf{s}} + \mathbf{H} \vec{\mathbf{$

अहमवाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1983.

निर्देश सं० पी० आर० 2608/II/1983—84—अतः, मुझो, आर० आर० शाह,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 591, 592 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5 मई, 1983

को पूर्वोक्त संपक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयुकी बादत, उपस् कीभीनय के वभीन कर दोने के अन्तरक के सादित्य में कभी करने या उपसे बुवने में सुविधा के चिए; और√वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धोंरा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रीमती गंगा बेन परणेत्तम दास पटेल, लक्ष्मी कालोनी, रेसकोर्स, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री कमले शभाई नाथु भाई पटेल और अन्य, तुलसी दास मैनसन, तीसरा मंजिल, कोठी, बखीदा ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

अनुसूची

जमीन जो नन्दन वन सोसाइटी, बड़ौदा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 591, 592 है और कुल क्षेत्रफल 497.95 वर्ग मी० है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2541 नं० पर ता० 5 मई, 1983 को रजिस्टई की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 19-12-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज-II, अहमदावाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निर्देशसं० पी० आर० 2609/U/1983—84——अतः म्झो, आर०आर०शाह,

गायकर गिंधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे नं० 3440 3049, 3450, 3519 हैं तथा जो देसरा, ता० गनदेवी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गनदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) कें अधीन, तारीख 10 मई. 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके स्रथमान प्रतिफल के एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती. (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिन में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः जम उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, गिनम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

 शी भोहनलाल गोलाभाई गांधी बीलोमोरा, महादेव नगर, ता० गनदेत्री।

, (अन्तरक)

(2) श्रीमती गोदावरी बेंनन मनुभाई पटेल, वेक्टी, ता० चिखली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ares

जमीन जो देसरा गांव में स्थित है जिसका सर्वे 340, 3440, 3449,3450 और 3519 है प्लाट नं० 24 और क्षेत्रफल 3721 वर्गफीट है जो ता० 10 मई, 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

ारीख: 27-12-1983

मोहर ः

प्ररूप आई.टी,एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्भना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (नित्रीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2611/II/83-84—अतः मुक्षे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 417/2, 17/22, सर्वे नं० 2872, 2873, 2874 है तथा जो देसरा, गणदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्री— कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बानता, उक्त जिथानियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसौँ भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अधिह :--- (1) श्री रमेण गणीलाल देसाई, बीलीमोरा, ता०:गणदेवी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दमयन्ती विपिन चन्द्र पटेल और अन्य, बीलीमोरा, माः गणदेवी।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जो देसरा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 417/21, 417/22 सेल्सस नं० 2872, 2873 और 2874 है और कुल क्षेत्रफल 556 चौ० गज है। सबरिजस्ट्रार, गणदेवी में 384 नं० पर ता० 9 मई, 1983 को रिजस्टर्ड की गई है।

आर० आर० णाह मक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~II, अहमदाबाद

तारीख: 27-12-1983

मोहरः

प्रकृष काइ . टी . एन . एस . ------

थाय हर अधिनियम 1961 (1961 का 43)की धारा 269•व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदावाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निर्देण सं० पी० आर० नं० 2612/11/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), -की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- इपये में भा**धिक** है $m{k}$ और जिसकी सं० 433+439+456 m/2 और 456/2 है तथा जो देसरा, गणदेवी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गणदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 मई, 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई **है ग्रोर मुखे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित वाजार मुख्य, इसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है धौर बन्दरक (अन्तरकों) भोर प्रनारिती (अन्तरितियों) के बीच ः ऐसे मन्तरण 🕏 लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिते उद्देश्य में उक्त भन्तरण निश्चित रे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो आय या किसी धन या धन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भिधानयम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त भिधानयम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, फ़िपामें में
 सुविधा के लिए;

(1) श्रोमती कांता बहुन ठाकोर भाई देसाई, बीलीमोरा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती तारा बहन धोरनभाई देसाई और अन्य, महादेव नगर, नव जीवन सोमाइटो, बीलीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं। इक्टन सम्पत्ति के प्रजेन के पम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप !---

- (क) इस सुनता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दित की श्रवधि, जो भी प्रविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण 1—-इसमे प्रयुक्त शब्दों प्रौर एवा का, जा जेक्स अग्नि-नियम के अवध्याय 20-क में परिभाषिते हैं, बही प्रयाहीना, जो उत्त प्रशास्त्र में देशा नगर है

भनसची

मिलिक्यत जो देसरा में स्थित है जिसका सर्व नं 438+439/1+456/1+456/2 है और कुल क्षेत्रफल 226 चौ० मोटर्स है। सब रजिस्ट्रार, गणदेवी में 386 नम्बर परता० 9 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्गन रेंज-2, अहमदाबाद

सारीख: 27-12-1983

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अ हमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2613/II/83-84--अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं ० 171 और 196/10, बीजलपोर, नवसारी है तथा जो विजलपुर, नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची नें और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारों में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 मई, 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल से विध्य है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उच्च अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमासिकित व्यक्तियों, अर्धातु:—— (1) श्री छोट्भाई करसनजी नायक, विजलपुर, ता० नयसारी

(अन्तरक)

(2) श्री मनसुख भाई मणीभाई पटेल और अन्य, लुन्सी कुई, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए -कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्यू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितन्द्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्ष्री के पास सिलित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

जमीन जो विजलपुर में स्थित है जिसका संवें नं० 171 और 169/10 है और कुल क्षेत्रफल 1 एकड़ 33 गुंठा है। सब-रजिस्ट्रार, नवसारी में 1416 नं० पर ता० 4 मई, 1983 को रजिस्टड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 27-12-1983

प्र**रूप आह**ै,, टी., एन_ः एस्,,-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाद, विनोक 27 दिसम्बर 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2614/II/83-84-अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 95/1 है तथा जो बीजलपुर, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 मई, 1983

की 'पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, इस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) वितरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविधा के बिए;

बतः बृद्ध, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कीरोट कुमार रामजी भाई नायक, पार फलिया, नवसारी। ता० नवसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री विजेन्द्र भाई अनबरमाई ठाकोर, अंग्र चार रास्ता, ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवैधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त श्रुक्तें और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो बीजलपुर ता० नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 95/1 और कुल जेन्नफल 49 एकड़ (49000 चौ० मी०) है। सब रजिस्ट्रार, नवसारी में 1663 नं०पर सा० 17 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायंक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

सारीखा: 27-12-1983

(अन्तरिती)

प्रस्प भाइं.टी.एन्.एस्. ------

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-IJ, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 6215/II/83—84—— आर० आर० शाह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 286 ग्रीर 287 है तथा जो ग्रंकलेश्वर हसोर रोड में स्थित है ग्रीर इससे उपबाढ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंकलेश्वर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 मई, 1983

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) सन्तर्भ ते हुई फिली बाय की बायुक, उपक् ज़िम्मियम को शृथीम कुछ वोने की सन्तर्भ को बाकित्य में कमी करने वा उत्तर्भ न्यने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः उत्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत् :---

- (1) 1. श्रीमती मनिबा पत्नीं भाई लाल माई पटेल
 - 2. श्रीमती लोला बहुन नगीन भाई पटेल
 - श्री जगदीश नगीनभाई पटेल ।
 की रमन लाल मुलर्जा भाई पटेल
 - श्री रमन लाल मूलजीभाई पटेंल,
 बाछेलाक्षाद ग्रंकलेश्वर। (अन्तरक)
- (2) श्री जयकृष्ता नगरको० आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, प्रमुख श्री डी० जेड० मोदी, ग्रंकलेश्वर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में आई भी शाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस म्चना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकेंगे।

स्पच्चीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, को उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, को उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्स्वी

जमीन जो हासोर रोड, ग्रंकलेश्वर में स्थित है जिसका सर्वे 286 ग्रोर 287 है ग्रोर कुल क्षेत्रफल 9084 चौरस वार है। सब रजिस्ट्रार, ग्रंकलेश्वर में 236, 810 ग्रीर 857 नं० पर ता० 3 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1983

प्रकृष काइ. टी. एन. एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2616/II/82-84--अतः मुक्को, आर० आर० शाह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 97, 271/1 भीर 342 है तथा जो छापरा, ता नवसारी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 मई, 1983

का पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के ,दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतिकत संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीष ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किती नाव की नावत, उक्त अभिनियम के संभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट बहुर किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री भगवान जी केसवजी पटेल, जमालपुर, ता० नवसारी ।

(अन्तरक)

(2) श्री नथुभाई डी० पटेल, छापरा, ता० नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🕾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त संस्वां और पर्यों का, जो उक्त किंपिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

ननुसूची

जमीन जो छापरा में स्थित है जिसका सर्वे नं० 97, 271/1 भौर 342 है भौर कुल क्षेत्रफल 6 हेक्टियर, 38 एकड़ है। सबरिजस्ट्रार, नवसारी में ता; 12 मई, 1983 को 1628 नं० पर रिजस्ट्राई की गई है।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 27-12-1983

प्ररूप आहाँ हो . एन . एस .: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत 'सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ' अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2617/II/83-84—अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावह सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 346 है तथा जो छापरा, नवसारी नें स्थित है और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26 मई, 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) के बीच एसे अन्तरण के चिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भगवानदास केशवभाई पटेंल, ईटालवा, ता० नवसारी।

(अस्तरक)

(2) श्री मनुभाई दयाल भाई नायक, छापरा, ता० नवसारी,

(अन्तरिश्वी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
 - (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निसित में किए जा सकोंगे।

स्पल्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गंबा है।

मन्त्र्यो

जमीन जो छापरा, ता० नवसारी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 346 मौर 3 एकड़ 6 गूंठा का कुल खेंबफल है। सब रिजस्ट्रार, नवसारी में ता० 23 मई, 1983 को 1705 नं० पर रिजस्टर्ड की गई है।

> आर० आर० शाह नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख 27-12-1983 मोहर: प्रसप भार्ष, टी. एन. एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

<u>भारत सरकार</u>

कार्यालय, सहायक मायकार मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, अहमदाबाव अष्टमदाबाद, विनोक 28 दिसम्बर 1983

निदेश सं० प० आर० गं० 2618/II/83-84—अतः मुझे, आर० क्षार० शाह

जायकर सिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसकें परकात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं सर्वे नं 215, पैकी प्लाट नं 2-3 है तथा जो आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 मई, 1983

ते पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निलिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण सं धुर्द किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्य में फमी अपने शाउसमें स्वन मासुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय वा किसी अन या जन्य जास्तिकों को जिल्हा भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ज्यिनियम, या धनकर ज्यिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में स्विका के सिएं।

तः जन, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) धीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. श्रीमप्रफुलचन्द्र मनुभाई मजमुदार ग्रीर अन्य, हरि निवास, अम्बा, सुरत ।
 - श्रीमती मंजरी बहुन जयन्ती लाल हरी निवास, आम्बा, सूरत ।
 - श्री महेशजी आर० रेशम वाला बिल्डिंग, दूसरा मंजिल, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री लालभाई नटवर भाई पटेल, आम्बा, सूरत । श्री जयराम भाई नटवर लाल भाई पटेल, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोंक्स संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हों।

चक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वांग के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी इसे 45 विनुकी वनिध या तत्सम्बन्धी स्मितिस्यों पर स्वांग की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानिस्यों में से किसी स्थानित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास निविक्त में किए या सकोंगे।

स्थब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बगुसुची:

मिलकियत जो आम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है। जिसका सर्वे नं० 115 पैकी प्लाट नं० 2-3 पैकी 572.60 को० मीटर्स है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 4957 नं० पर ता० 19 मई, 1983 को रजिस्टर्ड की गई है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, अहमदाबाद

· तारीख: 28-12-1983

प्रकप आई. टी. एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक भायकार भायकत् (निरोक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदादाट

अहमदाबाद, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पी० आर० नं० 2619/2/8384— अतः मुझे, आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं क्षेत्र नं 2288/11 है तथा जो अ.म्बा, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकर), अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं बौर अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबर, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; औड़/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- '(1) डायाभाई प्रागजी भाई पटेंल
 - 2. बीकानेर ।
 - श्री दीपक कुमर दुर्लभभाई पटेल।
 - श्रीमगन भाई गोविन्द जी पटेल। बाकानेप ता० बारकोली।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रकाश प्रवीनचन्त्र झवेरी। 452, गांधी बिल्डिंग, पांचवां मंजिल, एस० पी० ई० रोड, बस्वई।
 - श्रीमती पीला अमरीण पारीत, सवेरो हाऊस,
 62, हमुजीस रोड,
 बम्बई।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्ध किसी अन्य व्यक्ति च्नारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उक्त विशिवयम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो अर्णीवा, सूरत में सर्वे नं० 2788/11 नैं० पर स्थित है जिसका कुल जेनफल 934.50 पैकी 1/2 हिस्सा है । सथ रिजस्ट्रार, सूरत में 4058 नं० पर मई, 1983 में रिजस्टर्ड की गई है ।

आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-12-1983

त्रुक्पुः आर्थः, टी. एन्. एसः. -----

नायकर नौभनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाव, दिनांक 13 दिसम्बर 1983 निर्वेश सं० पी० आर० नं० 2755--अतः मुझें, आर० आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एक. से **अधिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 52, सर्वे नं० 408, 409, 418, 419 है तथा जीजी० आर० जी० सी, नरोडा इंडस्ट्रियल टाउन शिप नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है); निम्न दस्तखत 37रर फोर्म पर से रेंज के कार्यालय अहमदाबाद में के अधीन 17-5-1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- '(क) अंतरण से हुई किसी बाय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; गौर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग् के अनुसरण में, भी, उक्त मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीज, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स जय हिन्द मेटल वर्कस की फ्रोर से श्री रामजी कल्याणजी (एच० यू० एस०) ग्रीर अन्य के/ग्री मामजी कल्यानजी (गुजरात) रोयल विल्डिंग, रिलीफ रोड, अहमदाबाद-380001।

(अन्तरक)

(2) मैंसर्स जयहिंव भेटल वर्कस की ग्रीर से श्री जे० चंपालाल जैन भ्रौर अन्य, 52, नरोडा (जी० आर० डी० सी०) इंडस्ट्रियल टाउनशिप, नरोडा, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या सत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थनाके राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

फैक्ट्री बिल्डिंग भौर जमीन जो जय हिन्द मेटल वर्कस प्लोट नं॰ 52 नरोडा इंडस्ट्रियल टाउनिशाप, नरोडा, अहमवा-बाद में स्थित है तथा मिलकत ट्रांसफर किया हुआ 37रर फोर्म निम्न दस्तक्षत किया हुआ आफिसस दिनांक 17-5-1983 में मिला है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजः I, अहमदाबाव

दिनांक 13-12-1983

मोष्ठर:

19 -446 GI/83

प्रक्रम बाह्" . टी . एम् . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- जु(1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाक 13 दिसम्बर 1983 निदेश सं० पी० आर० न० 2756—अतः मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 6755 ग्रौर 6756 एस० पी० नं० 12 ग्रौर 13 (बल्डिंग), शाहपुर II है तथा जो रीलीफ रोड के रिलीफ सिनेमा पार्क सामने, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसके उपावद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-5-1983

को पूर्वात्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवाँ कत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफस, निम्निसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिवित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) जे० गनपत बायुजी मोहिले, 4 अबोली एपार्टमेंट, लीकोलेज रोड पूने-4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश रामनाथ जाजु (एच० यू० एफ०), मिस रानी जगदीश जाजु, मास्टर हेमन जगदीश जाजु की श्रोर से मुखस्यार पिता जी श्री जे० आर० जाजु, दफनाला, शाहीबाग, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

(3) 1 मेसर्स पीटर II डीसोजा टेरलर (2) स्पेन्सर एड कम्पनी (3) डी० सी० दत्त (4) गुजरात गवर्नमेंट आफिस रिजस्ट्रार मनी लेन्डरस ऐक्ट, (5) डी० नाथुभाई ऐच० पटेल, रीलीफ रोड, रीलिफ सिनेमा के सामने, अहमदाबाद ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई 'री आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निज्ञिन में किए जा सकेंगे।

स्थळोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विया नवा है।

अम्स्यो

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 292 वर्ग गज यार्ड है जो रिलीफ रोड रिलीफ सिनेमा के सामने अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 7001/16-5-1983 है।

आर० आर० माह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 13-12-1983 ।

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक **आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)** अर्जनरेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983 निदेश सं**्पी० आर० नं० 2757/ग्रर्जन** रेंज-23-I/83/.

84—अतः मुक्के आर०आर० शाह,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा
269-ख के अधीन एक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रतः संअधिक है
श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग ब्लाक नं० 10 है तथा जो अलका
को० आ० हो० सोतायटी, सुरेन्द्रनगर में स्थित है (ग्रीर इससे
उपाबद्ध अनुयूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वडवान में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम;
1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए अल्तरिन को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापशीका जन्मों। का छन्ति बाजार

मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया

ाया प्रतिफल, निम्नलिखित उदब ह्या से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अधः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री प्रवीतवन्द मनीलालगांधी ईश्वरनगर सोसायटी, सुरेन्द्रनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री नागरदास लालजीभाई ब्लाक नं० 10, अलफा को० ग्रो० हा० सोक्षायटी, सुरेन्द्र नगर। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रदों का, जो उक्स अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बिस्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 482 वर्ग यार्ड है जो सुरोंद्रनगर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार वढवान रजिस्ट्री-कर्ती विकीखत नं० 1585/9-5-83 है।

> आर० आर० णाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), सर्जन रें**फ-1, अह**मदाबाद

दिनांक: 13-12-1983

मोहर 🏻

प्रकप् भार् दी पुन् एस् .-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 विसम्बर 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2758/एनवी 23/I/83-84--- अतः सूक्षें आर०आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रह. से विधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 6, एफ० पी० नं० 16-बी, क्की ऐस० पी० नं० 11 है तथा जो पालंडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतारितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिख्त में वास्त्विक स्प से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बुखुने में सुद्धिश के शिए; नौर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उच्त जीभीनयम की भारा 269-य के जनसरण बो, मों, उच्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभाष (1) को अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थित ६—

- (1) श्री रोहित कुमार वीनुभाई देसाई बंगला नं० 85, लावण्य सोसायटी, वासना, पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरक)
- (2) श्री धनवदनभाई हिमतलाल बंगला नं० 4, विखा-कुंज सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्थन के हिस्ए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खु से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराह
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

पर्लंट जिसका क्षेत्रफल 105 वर्ग गज है जो पालडी अहमदाबाद स्थित तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्री-कर्ता विक्रीखत नं० 4739/मई 1983 है।

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-I, अहमवाबाद

दिनांक: 13-12-1983 मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० पी० आर०नं० 2759/23-I/83-84---अतः मुक्के आर०आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 104-2-ए-14, एफ पी० नं० 104-2 पैकी है तथा जो शेखपुर खानपुर उर्फे नवरंगपुरा अहमदा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदा-बाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों). और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण मिन्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण मिन्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण

- (क) जन्सरन में हुई कि भी आध की बाबत उक्त अधि-दिन्यक के जभीत कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँद्र/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों भारतीय आयकर जिन्हों से कर सिंपिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्दिती च्वाय प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिंप्

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमा, अर्थात् :—

(1) श्रीमिति धणलक्ष्मीबेन जयवंतराय गाह की ग्रोर से कुल मुखत्यार श्री जसवंत राय प्रभुदास गाह हिमालय पार्क सोसायटी गुजरात आयुर्वेदिक भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री हस्तीमल कीमतलाल बोहरा हिमालय पार्क सोसायटी, गुजरात आयुर्वेदिक भवन नजदीक, नवरंगपुरा अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स् ची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 123 वर्ग गज है जो गेंखपुर-खानपुर अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्द्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6415/मई 1983 है।

> आर० भ्रार० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज; अहमवाबाद

दिनांक 13-12-1983 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद अहमदाबाद, विनाक 13 दिसम्बर 1983 निर्देश सं० पी० आर० नं० 2760—अत: मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 887 एस० पी० नं० वी० टी० पी० एस० 3, कीचरस (फ्वैट) ब्लाक नं० ए 3, है तथा जो नीरंत को० श्रो० हा० सो० डालीया वित्रिंड ग केपीछे, वी० ऐस० अस्पताल नजदीकी ऐलीस बिज अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमाबाद में राजस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय अहमाबाद में राजस्ट्रीकर्रा अधिकार, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-83

कर पूर्वाक्त सम्पास के रिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वाक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कॉर्थानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे क्षने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी साय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) (1) अमीताबेन महेंद्र कुमार गाह (2) श्री निरुद्ध कुमार रसीकताल गाह ऐ-3, डालीया धिर्विडग बी० एस० अस्पताल के नजदीक, ऐलीसिब्रज, अहमदाबाद-380006।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायनदास रामदयाल वीडला (2) श्री द्वारका-दास फोजमल नं० 3, फिफथ फ्लोर, रवी चेम्बर्स सलपास रोड, रीलीफ सिनेमा के नजदीक, अहमदा-याद-380001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथित्वत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उत्तर संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंबी व्यक्तियों पर अ स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अवाब बाद में सगाप्त हाती हो, के भीसर पूर्वेदित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिल्लिस में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण: --- क्समें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

अनुसूची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 118 वर्ग गज है जो ऐंलीसिक्रिज अहमदाबाद में स्थित है तथा सम रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्री कर्सा विकीखत नं० 6840/9-5-83 है।

> त्रार० आर० पाह, सक्षम प्राधि कारी; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद

दिनांकः 13-12-1983 । मोहर 🛚 प्ररूप आईं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I अहमदाबाद
अहमदांबाद,दिनांक 13 दिसम्बर1983
निर्देश सं० पी० आर० नं० 2761—अतः मुझें आर०

आर० शाह

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 54-1, ग्रौर 56 बी० पी० टी० एस० 21, एफ० पी० 413 पैकी है तथा जो फ्लैंट नं० 4, ब्लोक नं० 2, पूरवी फ्लैंट ऐसोसिएमन छड़ापड़, आंबाबाड़ी, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसके उवाद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-83

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निश्चित उद्देश्य से उन्तर बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अस्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यब, उनत अधिनियम की बारा 269-भ क अनुसरण मों, मीं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री नवीनभाई उर्फ नरेंद्र कुमार वकोरभाई पटेल दरबार का डहेला, गरनालाकी पोल, शाहपुर, ग्रहम-दाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित हंसाबेन जयंतीलाल पुरोहीत ब्लोक नं 2, ग्राउन्ड फ्लोर, फ्लोर नं 4, पूरवी फलैंटस, छड़ाबड़, आंबापाडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्पष्टोकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 92 वर्ग गज है जो छडापड़, आंत्रावाडी, अहमदाबाद में स्थित है तथा सत्र रिजस्टारण अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ती त्रिकीखत नं० 6491/9,5-83 है।

> आर० आर० शाह सक्षत प्राधारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रंज I अहमदाबाद

दिनांक 13-12-1983 मोहर ः प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 13 दिसम्बर 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2762——अतः मुझे आर०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नें० ग्री०-3, है तथा जो न्यू संजय को० भ्री० हा० सीसायटी पंचवटी, आम्बावाडी, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसके बाद अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अग्रीन 10-5-1983

को पृथेनित संपत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह, विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेनित संपत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क)' अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अव, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (१) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चंद्रकांत भाईतात तात् 40, सार्थी रो० हाउस, ब्राइव इन सितमा क तजदीक पेनगररोड, तथरंग प्रा अहमदाबाद।

(अन्तरका)

(3) श्री जयेशमाई मुर्यकांत शाह 431, जेंडाभाई की पोल, खाडिया, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आहरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अनु**स्**ची

फलेट जिसका क्षेत्रफल 118 वर्ग गज है जो पंचवटी सेकंड लेन अहमदाबाद-380006 में स्थित है तथा सब रिज-स्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीखत नं० 6921/10-5-83 है ।

आर० आर० **शाह,** सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज । अहमदायाद

दिनांक 13 दिसम्बेर 1983 । मोहर : प्ररूप बाई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, । अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1983 निदेश सं० पी० आर० नं० 2763/23-I/83-88--अतः **पुझे आंर० आर०** शाह ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें तके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्या \$,000/- रा. से अधिक हैं प्रौर जिसकी सं० जमीन जामखनालिया में है तथा जो स्टेशन रोड, बोर्ड नं० 4 प्लोट नं० £16 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्री हर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जाम खंभालिया में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान तफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित दाजार त्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यभान प्रतिफल का दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने क उससे बदने में स्विधा के तिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार में व्यविभा के लिए।

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण ने, सै, उक्त अधिनियम की धारा 209-म की उपधारा (1) अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 20—446 GI/83

(1) श्रीभगवती स्पीनिंग श्रोर वीविंग वर्जेत के भागादार, स्टेशन रोड, जामखंभालिया, जिला जामनगर, पीन नं० 361305 ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन चन्द्र कालीदास ई/2 मनमोहन भारकेट, जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीप पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश् गया है।

अनुसूची

जमीन जो जाम खंभालिया, स्टेंशन रोड, बोर्ड नं० 4, प्लोट नं० 116 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ती रिजस्ट्रेशन नं० 701/82 मई 1983 है ।

आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

दिनांक: 14-12-1983

प्रकृप बाइं.टी. एन. एस . ------

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लभीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज । अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निर्होंग सं० पी० आर० नं० 2764/23-I/83-84---अत: मुझे आर० आर० शाह

कायकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 2227, 2228 ए/1, है तथा जो किस्लील बालमंदीर के पीछे भाषनगर, में स्थित है (और

किल्लोल बालमंदीर के पीछे भाषनगर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-5-83 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार धेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 17922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) शांतगीरी मगनलाल पंडया लोकनाथ 50, बारीयां प्लाट नं 196-ई भोषारोड, सरदारनगर, भाव-

(अन्तरक)

(2) मैसर्स धनलक्ष्मी कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रोपायटर—भोगीलाल देवसीभाई प्लाट नं० 1541 घोवा सर्कल, भाव-नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

तकत सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानत्यों में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनस्थी

जमीन जो प्लाट नं० 1227-1228 ए/1 किल्लोस बालमंदिर, घोघा सर्कल भावनगर में स्थित है तथा रिजस्ट्री-कर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1835/23-5-83 है।

आर० आर० **माह**, रक्षम प्राधिकारी, महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज 1, अहम**दाबा**द

दिनांक : 14-12-83

मोहर 🎓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1 अहमवाबद

अहमदाबाद दिनांक -14 विसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर०नं० 2765एसी-423/[/83-84---अतः मुझे आर० अर० शह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० किशन नगर, घोघा सर्कल, है तथा जो भाव-नगर में स्थित है (ग्रौर इसके उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-1983

ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में कास्तिक रूप से किथा गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिथ-पियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के निए: ओर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के सिए:
- ं अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुरूरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) डे अभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) श्री बाबुभाई परमाभाई चुनीलाल परमाभाई धोषा सर्कल, छायर हाल के सामने, भायनगर।

(अन्तरक)

(2) माधव एपार्टमेंट को० भ्रो० सोसायटी प्रमुख तुलसी-भाई रामजीभाई मोनपरा म्युनिसिपल डेरी के सामने, प्लोट नं० 903, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांवत संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनस ची

जमीन जो किशनगर घोषा संर्केल प्लोट नं० 1254 पर स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1949/31-5-83 है।

> जार० आर० शाह, 'सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज I अहमदाबाद

विनांक: 14-12-1983

मोहर 🤊

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

अध्यक्तर लिभिन्यम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 276/श्र०रे० 23-I/83-84- अतः मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्राके पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/--रु. सं शिधक है

श्रीर जिसकी सं भावनगर राजकोट रोड है, तथा जो चित्रा सर्वे नं 259-1 से 280 भावनगर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 31 मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का जाचत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिक्रत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतीरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है त्यान

- (क) ज़लरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुनिभा के निए; और/सा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, चिन्हें भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के निए;

अश. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभुतरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : --

- (1) श्रीमित पेरीन प्रेमुणा सिंस प्रीति भरूचा ब्लोक नं० सी-5, णाहीबाग, वाघवाडी रोड, भावनगर । (अन्तरक)
- (2) चौहान अब्दुल रहीम जीवाभाई वकील नीसारभाई जाकरभाई शास्त्रीनगर, एल० आई.० जी० नं० 147. भावनगर ।

(अन्तरिती)

का यह त्यना वारो करके पूर्वोंक्त सम्मित के वर्जन के [स् कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---.

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों के स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) ३स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियं गया ही।

जन्स्ची

जमीन जो भावनगर राजकोट चित्रा सर्वे नं० 259-1 से 280, ऐस० पी० नं० 56 पर स्थित है तथा सब राजस्ट्रारै राजिस्ट्रोगरेन नं० 1947/31-5-1983 है।

आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज 1, अ**हमदा**बाद

विनांक: 14-12-1983

प्रकृष आहुर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज । अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15, दिसम्बर 1983

निदेश सं०पी० आर० नं० 2767 एसं क्यू 23/1/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० गोडाउन खरकपरा विस्तार से है तथा जो महुवा, जिला भावनगर, में स्थित है (श्रीर इसके उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महुवा (भावनगर) में रजिस्ट्रीकरण अधिकाम, 1908 (1908 16) के अधीन 6-4-83 में प्राप्त किया

को पूर्वेक्स संपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल कत निम्नलिसित उद्देश्य से जवन अन्तरण निम्ति में भारत-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; औह/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

नतः अव, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1)

- (1) श्री माधुरदास विभोवान वास योगी (एच० यू० एस०) कर्ती भोगीलाल धनजीभाई योगी लाटी बाजार, महुवा, जिला भावनगर । (अन्तरक)
- (2) श्री चिमनलाल डारकादास महता, गोल बाजार, महुवा, जिला भावनगर।

(अन्तरिती)

का यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सापरित के अजन क सम्बन्ध में कोई में बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अश्रेष्ट्राक्षरी के पास निभिन्न में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों साँर पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोडाउन जो खरकपरा विस्तार महुवा में स्थित है नथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 727/6-4-83 है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1 अहमदाबाद

दिमांक: 15-12**-1983**

माहर

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983
निदेश सं० पी० आर० नं० 2768-23-I/83-84—अतः
मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, लाटी बजार में तथा जो अमरजी मानंजी इहला, महुवा जिला भावनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय महुवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-5-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त रंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों क्योंत ---

(1) श्री माथुरदास तिभोवानदास योगी एच० यू० एफ० नं० कर्ता भोगीलाल घनजीभाई योगी लाटी बाजार, महुवा जिलाँ भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री भावजीभाई गनेशभाई भाद्रोल, तालुका महुवा, जिला भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति, के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति म[ि]हतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट जो महुवा, लाटी बाजार, अमरशी मापशी डहेंलाज में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 1170/31-5-83 है ।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Iॄ अहमदाबाद

दिनांक: 15-12-1983

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एए . ------

जायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज । अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० न० 2769ए सी क्यू 23/I/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

शायक र आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य, 25,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट जो तक्षणीला फो० थ्रो० रा० सोसा हो में है तथा जो बिल्डिंग नं० 2, तीसरी मंजिल, फ्लेंट न० 231 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1-5-1983

को पूर्वोभत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्बेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण किंगिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सिंवधा के लिए; और/या
- (थ) एसे किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उप्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भूपतराय कीरचंद सेठ, गायत्री बिह्डिंग, अर्थना सोसमटी, ऐंशेंड्राम रोड के नजदीक, राज-कीट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति जय।बेन जगर्जावनदास घामीची 8 विजय ऐस्टेट, फर्स्ट फ्लोर, राजापाडी, बाटकोपर, बोम्बे (अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, बो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

फलेट जो तक्षणिला फो० ग्रो० रा० सोसायटी, बिल्डिंग नं० 2, तीसरी मंजिल फलेट नं० 231 पर स्थित है तथा सब रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेंगन नं० 2447/ में 1983 है।

> आर० आर० शाह, अज्ञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज रे अहमदाबाद

विनांक: 15-12-1983

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I अहमदाबाद

· अहमवाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निवेश सं०पी० आर० नं० 2770 ए सी क्यू 23/I/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं विलिंडग आनन्दनगर को ग्रो० सोसायटी के पीछे है तथा जो साधना मंदिर को श्रो० सोसायटी राजकीट में स्थित है (ग्रौर इसके उपावड अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकीट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-5-83

को प्वींक्त सम्पत्ति के उश्वित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विसित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दवारा भवत नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) वासन्तीबेन कान्तीशाल वगाम गोंडल रोड, अजय मेंगन, राजकोट ।

(अतरक)

(2) श्री बाबुभाई नागजीभाई पटेल, 17, गूंडाबार्डो, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

बिल्डिंग जो आनन्वनगर कोलोनी के पीछें, सापंना मंदीर को॰ ग्रो॰ सोसायटी, राजकोट में स्थिन हैं तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं॰ 3068/13-5-83 है।

> आर० आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ।, अहमदाबाद

दिनांक: 15-12-1983

मोहर 🖫

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजि / अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

अहमदाबाद, दिनाक 15 दिसम्बर 1983

निदेण सं० पी० आर० हं० 2771 ए ही क्यू 23/I/83-84 अतः मुझे आर० आर०. शाह

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'जन्त अधिनियम' कहा नगा है). की धारा १६९-ल के अधीन राज्ञम अधिकारी को, यह विह्यास करने त कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विरुद्धा उत्ति। बाजार मुल्य १५,०००/-रा. से अधिक है

मोर नि कि मंग्र सर्वे रंग्य 1159, प्लाट नंग्य है तथा में सत्याप्रह छात्री रेण नगर, अत्यवाचाद में स्थित है (और इसने उपाबद्ध सन्पूची में और पूर्ण रूप ने विभिन्न है); रिजस्ट्री-किनी अविकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अप्रीत 16-5-1983 के एवंकित सम्पत्ति को उचित बाजार मन्य में क्रम के दृश्यमान निकल के लिए अन्तरित की गर्भ है और मूले यह विश्वास उर्च का कारण है कि रूथाण्यांत्रत गम्यित का रूपित बाजार ज्ञा, कारण है कि रूथाण्यांत्रत गम्यित का रूपित बाजार ज्ञा, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दशामान प्रतिफल का दृह प्रशिवत से प्राथम प्रतिफल से, एसे दशामान प्रतिफल का दृह प्रशिवत से प्राथम एसे अन्तरण हो लिए तय एया गया प्रतिकल निम्नाणिसित उद्देश्य से उन्त अंतरण विस्तित में वास्तिवक स्थ में किथत नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण सं हार्र फिलि आय की बाबस, उक्त अधिनियम को अधीत कर दोने को अस्तरक को अधिन्य में कामी परने या उपमें बचने सो सुविधा को लिए; और/या
- (स) एसी किनी आय राजियी पन्या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय जान्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ये उन्ना अधिनियम, या पनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था दिएपने में स्विधा के लिए।

अतः अध राज्य आंधिताम को जाग १८०-६ को अनुसरण , मी, अवत अधिनियम की धारा १६९-घ की उपधारा (1) आधीत - रिप्टिनिवत स्मिन्द्रकों, अर्थात . 1 —446 GI/83 (1) गुजबदन महेरबानजी बाम मनतुरी बिल्डिंग, मिरजापुर रोड, अहनदबाद।

(अन्तरक)

(2) दीनकभाई जयन्ती लाल शाह, बी-1, वीनीजा एनार्ट-मेंट, नरेशनगर, अम्बावाडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहम्हाक्षरों के पास जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो. उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग गज जो सत्याग्रह छावनी, वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता विक्रीखत नं० 7228/16-5-83 है।

> आरण्या ० जाह. संक्षम प्राधिक री महायक आयंकर अध्युक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

दिनांक 15-12-1983 मोहर : प्ररूप् भाई .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज I, शहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2772/एक्बं:० 23-I/83-84--- अतः मुझे आर० आर० भाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 57, 58-1, 67-1, 67-2 श्रीर 68 सर्वे गं० 292 से 295 है तथा जो सी-4, मय पंख को० आ० हा० सो० निमटेंड, सेटेलाईट रोड, अह-मबाबाद में स्थित है (श्रीर इन्धे उपाबद्ध अनुपूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिकल के लिए अतिरिती की गर्ध हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे खश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिकास में अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त . अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; सौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

कत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) श्री शिरिशचंद्र हीरालाल शाह, 1295, शेठकी चोल, मांट.वीनी, चोल, अहमदाबाद।
- (2) श्री जसवंतलाल जजमशीभाई मालवाणीया सी-4, मयुरपंख सोसायटी, सेटेलाईट रोड, जोधपुर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

(अन्तरकः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमस्ची

टेनामेट जिसका क्षेत्रफल 90 वर्ग गज है जो वेजलपुर में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिक्री-खत नं० 7126/13-5-83 है।

> आर० आर० शाह, सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज], अहमदाबाद

विनांक 15-12-1983 मोहरः प्ररूप आई, टी. एन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सं० गो० आर० नं० 2773/एक्वंः 23/1/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह,

बायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिनकी सं० सर्वे नं० 1141 स्रोर 1142 पैकी एस० पी० नं० 7 मैंको है तथा जो सरय प्रह छावना को० आ० हो० सोलायटा, वेजलपुर, अहमदाबाद में स्थित है (स्रार इसके उपाबद्ध अनुसूचा में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है); रिजिस्ट्रीं कर्ता अविनयम 1908 (1908 का 16) के अवान 17-5-1983

का पूनाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान प्रातकल का लए अन्तारत का गद्द हा आर मूक्त यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूनाक्त सम्मित्त का जांचत बाजार मूल्य, उसक धरममान प्रातकल स, एस धरममान प्रातकल का पन्द्रह प्रातक्षत स आधक है आर अतरक (अतरका) और अन्तारती (अन्तारातया) क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नालांख्त उद्वस्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तायक रूप स काथत नहा किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स आधानयम के अधान कर दन के अन्तरक के बायत्व म कमी करन या उसस वचन में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आरिस्तयों का, जिन्हें भारतीय आय-कर आधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधीनयम, या धनकर आधीनयम, या धनकर अधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज-गाथ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधीतः :--

- (1) श्रां कानैया लात गेठालाल पंचाल, 632, घी कांद्रा रोड, आर० सी० हाई स्कूल के पाठे, अहमदाबाद । (अन्तरक)
- (2) इलाबेन अशोकभाई शाह 74/13, जगाभाई पार्क, एल० जी० अस्पताल महाजन का वंडा के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि श तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गुया है।

अन्सची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 505.25 वर्ग मीटर है जो सत्याक्रह छावनी, वेजलपुर, अहम शबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाह्माद रजिस्ट्रीकर्ता विकीकत नंग 7351/17-5-83 है।

> आर० आर० णार् सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I. अहमदाबांद

दिनांक: 15-12-83

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चनी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जारेज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पो० आर० नं० 2774—आ: मुझे आर० आर० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/ रा. में अधिक है

अगर जिन्नों सं सर्वे नं 273/वी 1/वो पैकी टेनमेंट नं 11 है ज्या जो जय महाब र को अं हा सो पटो महीवाग, अहमदाराद में स्थिश है (और इसके उपाबद्ध अनुप्ता में और पूर्ण रूम से विगत है); रिजस्ट्राती अधि-वारा के रायीलय अहादाबाद में रिजस्ट्री रण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अपीन 17-5-1983

को प्रांचित संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्धरमार प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बासत, उबत अधिनियम की कधीन कर दीने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या फियो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

------- (1) शाजेन्द्र कुरार प्रचसोतम थाउ अप्रताल 11, जस म (ावारको० ओ० हा० सः तबर्टा, शाहरदार, अहमदा-बाद ।

(अस्तरक)

(2) श्री पुरोत कुतार बीतराज गुण्ड 116, रयुकुल की० आ० ८० नामा छाट माहाबान, अहमदाबाद। (अटारिको)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त गम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-- 2

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अर्जाध, जो भी अर्जाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्व कित व्यक्तियों में से किसी प्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना को राजण्य में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर तकत स्थापर सम्पत्ति में हित्यद्व चि.सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किक्ति में किए जा सके।

स्पष्टीकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों और एको का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क प्रां परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हत्या जो तस अध्याय प्रे दिका गया हैं।

अनुसची

टेपापेंड नं० 11, जिल्ला आहेलफल् 110 वर्ष गण जो सहीबार अहरकाराद में स्थित है तका वि स्थित्य अहरवा-वाद रिन्स्ट्रावर्ग विकोल्या नं० 8425/17-5-83 है।

> हारा आर० णहा. यक्षा महीक्रारों, यक्षा अभिज्ञ हायुक्त (हिराक्षण). वर्ग रोंग 1 अक्षमहाबाद

ंदिनांच 15-12-1983 मोहर: प्ररूप बाइ³. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदादाद दिनां र 15 दितम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० सं० 2775—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाह करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

अरि जिसकी सं० हर्वे नं० 96, टी० पी० एस० 19 एफ पी० नं० 325 पैक: एस पी० नं० 325 ए 2 है स्था जी करूपा एसर्टेट सेकंड पनीर, नं० सी० 2 1, शखपुर खानपुर अञ्चादावाद में स्थित है (और इसके उपावड अनुसूचा में और पूर्ण रूप स विणित है)! रिजिल्ट्रा ती अधि तरा के दार्यालय, अहमदाबाद में रिजिल्ट्री देरण अधिनियम; 1908 (1908 दा 16) के अवान 30-5-1983

को पूर्वोक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स, एस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अतरका) और अतरिती (अतरितयो) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधानयम के अधीन क्षेट्र दन के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; बार्य अ
- (क) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थर, छिपान में सूविधा के लिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) था तर कुतार अनीवन्य उर्फ अनरवंद अग्रवाल, णाहीदाम रोड, 1453, न्यू मावपुरा, अहमदाबाद (अन्तरक)
- (2) श्री अभाकुतार रघुतीत बताबाड 6 ए, सुभम मोताबटा, श्रीके त्रकाकोलीनी के नवदीता नेमनगर फालर ब्रिक स्टेबन के नवदीता नकरंगपुरण अहम-बाबाद ।

(अब्र्तारती)

को यह मुचना जारी करके प्रतिकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का जबाब या तत्सवाभी व्यक्तिया पर सूचता की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवाथ याद ना मदान हाती हो, के भीतर पूर्वक्त का जिल्हों में भागा हाती हो, के भीतर पूर्वक्त
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं

 ▲ 5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष

 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 विक्षित में किए जा राके थे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त काणानग्रम, वा अध्याय 20-क मा परिभाषित वही पर्य होता जो उन अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

पतेट जिता क्षेत्रफण 115 वर्ग गण है जो अहगदाबाद में स्थित है ज्या तर प्रतिस्टार प्राप्तकात रजिस्ट्रीकर्ता बिकी-खा नं प्राप्त 7997/30-5-1983 है।

> और० आर० शाह, सक्षम अधिउरो, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (तिरंक्षण), अर्थन रें I अहमदाबाद

दिनांक 25-12-1983

प्रसप् बार्यः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 15 दितम्बर 1983

निदेश सं० पो०म्रार० नं० 2776—अतः मुझे आउ० आर०भाह

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब क अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ओर जिल्लो सं० सर्वे नं० 96, टो० पो० एस० 19, एफ पो० नं० 325 पैका एस० पो० नं० 325 ए 2 है तथा जो कल्पना एप टेनेंट, सेकंड फ्लोर, नं० सी० 2, 2 शोखपुर-खालपुर अनुमताबाद में स्थित है (और इनके उपाबद्ध अनुभूनों में और पूर्ण रूप न विजाह है); रिज्ल्ड्रा जिल्ला अधितार के के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिल्ड्रा रण, अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अबीन 30-5-1983

का प्वाक्त सम्पादत के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक ध्रयमान प्रतिफल स, एस ध्रयमान प्रतिफल का पेवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अतारात्या) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त नामनालिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में बास्तु-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्ह भारताय आध-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के भधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) अमरचंद जानकीदास अग्रवाल 1453, न्यू माधु पुरा, शहासाग रोड, अहमदाबाद ।

(अनारक)

(2) श्रीमित होना अभयकुमार वासवडा 6 ए सुभम मसो प्रायटः, प्रोफोर की कालं नं। के कजदीक, स्व-. रंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्दरितो)

का यह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्प्रित के सूचन के हिस्ए कायबाहिया करतां हु।

उपत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेपः ज

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ते , 45 दिन की अवाध या तत्मम्बन्धी क्यां अत्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त हाती हा, के भातर पृथा कर क्यां क्साया में से किसी क्यां कर दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित्त में हितनव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकाग ।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया नेया है।

अनसची

फलेंट जिप्तका क्षेत्रफल 115 वर्ग गज है जो अहमदाबाद में स्थित है, तथा पत्र रिजस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रोकर्ता बिकी- खत नं 8006/30-5-1983 है।

आर० आर० पाड् सक्षान अक्षित रो, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज[ी], अहमदाबाद

दिनांक 15-12-1983 मोहरः त्ररूपुमाइ^क. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

'अर्जनरेज अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 15 दिसम्बर 1983

निवेश सं० पी० आर० नं० 2777—-अतः मुझे आर० आर० श⁻ह

और जिसकी सं० एफ० पी० नं० 166-6 और 166-7. टी० पी० एम 3, है प्या जो फलेट नं० 2, शेखर का पुर अ मदा-बाद में स्थित है (और इ के उपाब अनुप्ती में पूर्ण रूप से विगत है); रिजिस्ट्रा हो विवार के बार्यालय अहमदावाद में रिजिस्ट्री बारण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधान 31-5-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके टश्यमान प्रतिफल से, एसे रूबमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिथा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एोसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रामिति प्रभावती केत हरी लात साह चेतर तथोपार्क सीता हो, हाई होई के नजदीक, नवरंगपुर, अहमदाव वाद-380009।

(**अ**न्:रफ़)

(2) श्री हरीवहन हीमसलाल गन्जरदाद साहेब का फालाके नजदीक नवरंगपूरा, अहमदाबाद ।

(अटारिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यजाह्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त किनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्भू ची

फलेट विद्वार को लफल 120 वर्ग गण है जो टी० पी० एप० 3, शक्षपुरा खानपुर अहमदाबाद में स्थित है दथा सक-रजिस्टार अहमत्वाबाद रजिल्द्राहर्ता बिकीखर नं० 7478/ 31-5-1983 है।

> आर० अ र० शाह० सक्षम प्राधि गरी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज, अहमदाबाद

ंदिनां रू 15-12-1983 । मोहरु: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत भरकार

कार्यालय, महायक जागकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज -- 23-II/83-84 कार्याज्य अहमदाबाद

ग्रहम शबद तारीख 15-12-83

निदेश नं० पी०आर०नं० 2778—-अत मुझे आर०आर० णाह

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्नत अधिनियम' करा गया हैं), की धारा 269 का के उधीन महाम प्राधिकारी को यह विज्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,006/- रह. से अधिक हैं

और चिल्ही सं० सर्वे नं० 336 पैकी है तथा जो वेकर-पुर अहादाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित्त है); रिजिल्ह तो अधिकारी के ज्यितिय अहादाबाद में रिजिल्ह वरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधन 19-5-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजरि मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियां) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिविक रूप से शिथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हार्ड किसी अप को बाबत उपत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्नों में स्विधा के लिए;

जतः जव, उक्त अधिनिष्या की धारा 269-ए को अनुसरए मों, मों: उक्त अधिनिष्या की धारा 269-ए उपधार (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) कोहि सबेन सुर्या हान्तकाई जवेरी सनोर अस्टिमेन्ट अंबेरी बोम्बी।

(अन्तरक) '

(2). कोनुभाई ठाक्रलात शाह बो-3 राजकोयपार्क सीजापटी कोहरोया शाहआसम अहमशाबाद-380028।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को आरोक से 4.5 दिन को अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपूचो

परोट जिल्ला को कार 9 को अर्ज है जो केनापुर अर्लाकाद में देशा है तथा उपजिल्लार अर्लाझाबाद रजिस्ट्र-कत्ती विकायन नं० 7486/19-5-83 है।

> आर०आर० शाह मझा अधिकारो, महायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण), अर्जा रेंज 1, अध्यक्षाबाद ।

तारीख: 15-12-83

प्ररूप आई, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारतः सरकार

कार्यालय, नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ---23-1/83-84 कार्यालय अहमदाबाद । श्रहमदाबाद, तारीख 15-12-83

निर्देश नं० पो०आर० नं० 2779—अत: मुझे आर० आर० शाह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० एक०पो० नं० 71 पैको टो०पी०ऐस०

\$22 प्लेट नं० 5 है तथा जो पासडा अहमदाबाद में
स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप
स विणित है); रिजस्ट्रोकिती अधिकारी के नार्यालय अहमदाबाद
में रिजस्ट्राकरण अधिनियम— 1908(1908 का 16) के
अधीन 17-5-83 को

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उपचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तं अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सूविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक्षार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलीखित व्यक्तियों, अर्थात :---

22 -446 GI/83

(1). मेसर्म बोल्डोल साह एन्ड कंपनी 12 हरशान्ती सोसायटी नारायन नगर रोड पालडी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2). तरुलताबेन राजेन्द्र भाई शाह , 7 नारयन भुवन स्वामीनारायन के मंडी के नजदीक कालुपुर अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

अनुसुची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 120 वर्ग यार्ड है जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रोकर्ता विकोखत नं० 7339/17-5-83 है।

> आर०आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज 1 अहमदाबाद।

तारीख: 15-12-83

प्ररूप बाई. टी. पुन्, पुर्व -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--23-1/83-84 कार्यालय अहमदाबाद। अहमदाबाद, तारीख 15-12-83

निदेश नं० पी०आर० नं० 2780—अतः मुझे आर० आर० शाह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ग्राफ० पी० नं० 390/ टी॰पी॰एस० 20 है। तथा जो न्युगिरधर पार्क शेलीसन्नीज मादलपुर फ्लेट नं० डी०-3 'फर्स्ट फ्लौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी अहमदाबाद के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908(1908 का 16) के अधीन 20-5-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजारु मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कुर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उस्ते बचने में तृष्णि के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष- (1). श्री डाह्याभाई लल्लुभाई देसाई डी-3 न्यु गीरधर पार्क को-ओ-हा० सीसायटी आंबावाडी अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2). मृगांकभाई विजयदत्त देसाई डी-51 गुजराती सोसायटी नेहरु रोड वेले पारले (ईस्ट) बोम्बे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर 'उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्त्यें।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 91 वर्ग यार्ड है जो मादलपुर आंबावाडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्प्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7602/20-5-83 है।

> आर०आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 अहुमदाबाद।

तारीख : 15-12-83

प्रकृष् आहें दी एन एतं ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज---23-1/83-84 कार्यालय अहमदाबाद अहमदाबाद नारीख 17-12-83

निर्वेण नं० पी०आर० नं० 2781——श्रत मुझे आर० आर० गाह।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर, सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंं हैं एफिज्पीन नं 499 टीज्पीन एसन 3 फ्लेंट नं 12 अर्ड फ्लौर है। तथा जो जलदर्शन कॉन ओन हान सीसायटी नटराज सिनेमा के सामने आश्रम रोड अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-83

को पूर्वोंकत संप्रित के उचित बाजार मृस्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह ियशास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मृन्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्च से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम, के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए:

सतः अत्र, उक्त आधिरियम कौ धारा 259-ग क ग्रामुरण मीं,मी एक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) श्रोमती सरोजबेन जसवंतलाल कारतीय 'गरयुतीयाय' शाहीबाग पोस्ट ओफिस के पीछ अहमदाबाद-38000 41

(अन्तरक)

(2). परेशकुमार वासुदेव पंचाल फ्लेट नं० 12 थर्ड फ्लोर जनदर्शन एस-ओ०डा० सोसावटी नटराज सीनेमा के सामने आश्वमरोड, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्ध होगा, जो उस अध्याय में विया नवा है।

अन्स्ची

पर्नेट जिसका क्षेत्रफल 131 वर्ग यार्ड है जो आश्रमरोड़ अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7035/30-5-83 है।

> आर०आर०णाह् मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजैन रीज 1 अहमदाबाद ।

नारीख: 17-12-83

मांहर:

प्रकृप बाइ . टी., एन्. एस्.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (५) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, तारीख 15-12-83

निदेश नं० पी०आर०नं० 2783—अतः मुझे आर०आर०

शाह

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एफ पि०नं० 16-बी०, टी०पी० एस०-6 एस०पी० नं०-11 है। तथा जो थालडी अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से व्याजित है); रजिस्ट्री नर्ता अधिकारी के नार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्री करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-83

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसन व्यक्तियों, अर्थात :---

(1). श्रीमती गोदापरीबेन जराभाई अमीन की ओर से कुल मुखत्यार— श्री जयंतीभाई कालीदास अमीन, लाब्ण्य सोसायटी, वासना, पालडी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2). श्रीमती चंपावेन चीनुभाई शाह श्रीमती लीनाबेन चीनुभाई शाह 11/4, फारमीरा सोसायटी. पालडी, अहमदाबाद-380007।

• (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लेट जिसका क्षेत्रफल 105 वर्ग यार्ड है जो पालडी अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रीवर्ता विकीखत नं० 1782/42/3-5-83 है।

> आर०आर० शाह सक्षा अधितारी.

महायक आयकर आयुवत (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज 1 अहमदाबाद।

तारीख 15-12-83 मोहर:

प्ररूप आई. टी., एन., एस.,——====

गायकर गीर्भानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा ≏69-च (1) के उप्तीत श्वाप

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज⊸ा

अहमदाबाद तारीख 14-12-83

निदेश नं० पी० आर०ं नं० 2784——अतः मुझे आर० शाह।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन, साईबाबा को०आ० सोसायटी में हैं। तथा जो मडीला फोलेजफे पीछे भ वनगर में स्थित हैं (और उसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण क्प में बणित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भ वनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908(1908) का 16) के अधीन 2-5-83 की।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से किथह नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बीप/या
- (क) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः

(1) भी शंकरलाल शंभुप्रसाद पंडाया बी-7, सीटी एम कोलोनी, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मुम्ताबेन जीवराजभाई पटेल फ्लेट नं ० 863 ए, महीला कोलेज के पीछे, भावनगर, (सौराष्ट्र)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्तत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (स) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त जब्बों और पदा का, आं उनतः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

वनसर्ची

जमीन जो साईबाबा को०ओ० सोसायटी फ्लोट नं० 7. महीला कोलेज के पीछे, भावनगर में स्थित हैं, तथा रजिस्ट्रीक्सी रजिस्ट्रेणन नं० 1520/2-5-83 है।

> आर०आर० माह् सक्षत अधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद ।

सारीख : 14-15-83

मोहरः

प्ररूप बाह्र , टी. एन्. एस. - - - -

भायकर भिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मुं (1) के अभीतृ सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद। अहमदाबाद, दिनांक 20-12-83

निदेश नं० पी०आए० नं० 2785—अतः मुझे आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका सचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंद फ्लेंट जो तक्षमीला सोमायटी में हैं। तथा जो गीरनार सीनेमा के सामने, फ्लेंट नंद 474 सेंबन्थ फ्लोर, में स्थित हैं (और इसके उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908) का 16) के अधीन 25-4-83 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शक्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाक् :--- (1). रोजीत कुमार लक्षमीदास अमी सोसायटी, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री डीरजीभाई मुनजीभाई तक्षणीला सोसायटी, फ्लेट नं० 474, संबन्ध फ्लोर, गीरनार सीनेमा के सामने, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी काशि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकाँगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

फ्लोट जिसका सर्वे नं० 403, जो तक्षशीला सोसायटी में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 24-5-83 हैं।

> अ।र०आर० माह पक्षम प्राधिकारी सहायक आवक्र आवक्त तिर्शक्षण

> > अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद।

नारीख: 20-12-83

मोहर 🖰 🚆

प्ररूप बाह्र^क्र दीं , शुन*े* एस<u>. ----</u>----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा अहमदाबाद श्रहमदागाद दिनांक, 20-12-83

निवेश नं० पी०आर०नं० 2786—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट जो तक्षशीला मोमायटी में हैं। तथा जो गीरनार सीनेमा के सामने प्लंट न० 473, सेबन्थ प्लोर, में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजकोट के कार्या-लय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908) का 16) के अधीन 12-5-83

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफाल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाल् ः—— (1) श्री लक्ष्मीदास अम्बापी भाई अमी सोसायटी, राजकोट।

(अन्तरक)

(2). श्री जमनादास दरजीभाई पछवामी सक्षणीला सोसायटी, फ्लेट नं० 473, सेवन्थ फ्लोर, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिंदन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त औधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो तक्षणीला सोसायटी में स्थित है जिसका सर्वे नं० 403, जमीन फ्लेट नं० 473, सेवन्थ फ्लोर है तथा राजकोट रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3066/12-5-83 है।

> आ**र**०आ*र*० शाह यक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अ**हमदाबाद।**

नारीख: 20-12-83

प्र≖प्, आद्भृ, टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेंज-! अहमदाबाद। श्रहमदाबाद दिनांक, 20-12-83

निदेश नं॰ पी॰आर॰नं॰ 2787—स्थतः मुझे आर॰आर॰ शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 003/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट जो तक्षशीला सोसायटी म है। तथा जो पलेट तं० 242, फोर्थ फ्लोर, नीरनार सीनेमा के सामने, राजकोट में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वणित हैं) र र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम : 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-5-83।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि त्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पित्यात, निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथिट गहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-तियस को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उस्से क्चने में सुविभा को लिए; और/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों., मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (≀) को अधीग, जिस्सिलिका स्थानिसमों, अधीत् हि— (1) श्री जमनादाय हरीभाई वाछानी नक्षशीला सोसायदी, फ्लेट नं० 242, फोर्थ फलौर, गीरनार सीनमा के सामने, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री कीरीटकुमार गांडालाल पटेल तक्षणीला सोसायटी, फ्लेट नं० 242, फोर्थ फलौर, गीरनार सीनेमा के सामने, राजकोट।

(अन्तरिती)

को ग्रह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो नी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

म्लट जो राजकीट में स्थित है बार्ड नं० 15 जो तक्षणीला सोसायटी, फ्लेट नं० 242, फोर्थ फलोर पर स्थित है तथा रजिस्ड्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3065/24-5-83 है।

> श्रार०अ।र० शाह सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्**त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I अहमयाबाद ।

तारीख : 20-12-83

महिर ह

प्रहा धाई॰ टी॰ एन० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धार

269-घ (1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेज-1 शहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनांक: 20-12-83

निदेश नं० पी०आर० नं० 2788—-अतः मुझे आर० आर० गाह

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000/- रा. से अधिक है

सर्वे नं० 180 पैकी सनद

नं० 7 हैं। तथा जो पलेट नं० 18, राजकोट में स्थित हैं (और इसके उपांबड़ अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उस है दृश्यमान प्रतिफल गे, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ू अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के कक्षी , निम्नलिखित क्यांज्यातो, अर्थात्⊁---23—446 GI/83 (1). श्री मुलकं हर धरमकी आणरा उमेणकुमार हरीलात आणरा पांजरापोल के नजदीक, बेदीपारा, राजकोट।

(अन्तरक)

(2). कुमार हरीलाल सावलानी जयेष हरीलाल सावलानी 17, पंचनाथ फ्लेट, राजकोट,।

(अन्तिरिती)

धंधाकीय सरनामा मेसर्स सुशील स्कीन प्रीन्टर्स, 3, चम्पकनगर, राजकोट।

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्ममनधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 4.5 दिन के भीतर उत्रत स्थानर सर्पान्त भा हित-बद्ध किसी अन्य व्यविश द्वारा अर्थाहस्ताक्षरों के पास लिन्डित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्ट्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में, परिभाषित है, रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग रोड जो राजकोट, सर्वे नं० 186, सनद नं० 7, नं० 18 पर स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 3217/19-5-83 है।

आर०आर० शाह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1 अहमदाबाद।

तारीख : 20-12-83

मोहर 🖫

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

अायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 20 क्सिम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 2789/23-1/83-84---अत: मुझे, आर० आर० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा में अधिक है

और जिन्नकी सं० फ्लेट जो करमसीरजी रोड है, तथा जो राजकीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने हिन्नबद्ध है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकीट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-5-83

को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह पतिरात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथुपाया गया प्रतिकृष्ट, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक एप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस अब अकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हों, वों, अबत अधिनियम की भाग 269-ध की उपधारा (1) की अभित्र जिल्लानियस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स अंबीका कोपोरिशन 'भागीखार-भद्रावेन ग्रार० खढेरीया, फरनसीहजी रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मोख फेमीली ट्रस्ट, मोठ गोन्विराव स्मृति, 83, डो० अेनी बेसन्ट रोड, बरली बोम्बे।

(अन्तरितीः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जधाहम्लाक्षरी के पास लिमित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अवृत्यी

फ्लट जो करनसीजी रोड, राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 3232/20-5-83 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज∎1, अहमदाबाद

तारीख: 20-12-83

मोहर 🤃

प्ररूप आहें. टी. एन्. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदेश नं० पी० आर० नं० 2790/23-I/83-84----अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिके हैं

और जिसकी संव प्लंट जो विद्यानगर सोमायटी में ब्लोक-बी है तथा जो फस्ट फ्लोर, फ्लंट मेंव 22, जागनाथ प्लाट, शेरी 23/39 राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इश्यमान प्रतिफल से, एमें इश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-अस निन्नी चित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण स हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृथिभा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों की, त्रिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1). चंद्रीका रजनीकान्त पटेल 22/39 व्रयु जागनाथ प्लाट, राजकोट।

(अन्तरह)

(2) भरतकुमार रमनीकलाल वोरा विद्यानगर को-ओ सोसायटी (फ्लेट), जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 23-29, राजकोट।

(अन्तरितीं)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उचत् सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की कामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य स्पित्यों में से किसी व्यक्तिय कुनरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए आ सकेंगे।

स्प्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों कह, भो उक्त प्रिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लेंट जो विद्यानगर को०ओ० सोनायटी, जागनाथ प्लाट, शेरी नं० 23-29 में स्थित है, तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 2074/11-5-83 है।

> आर० आर० माह सक्षम अधिनारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अनन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 19-12-83

ब्ररूप आई. टी. एन. एस . -----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-[ऋहमदाधाद

अहमदाबाद दिनांदा 12 दिसम्बर, 1983

निर्देश सं० पी० घार० नं० 2791—23-I/83-84 अस: मुझे; आर० घार० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के द्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी सं बिल्डिंग, भौड जो स्वामी नारायन गुरुकुल में है। तथा जो मावडो प्लार्ट, नं 24, सर्वे नं 402-4, राजकोट में स्थित है (आर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908(1908) का का 16) के अधीन 18-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रो भरत जीवनलाल भीमानी भुपन्द रोड़,
- (1) भरत जीवनलाल भीमानी राजकोट-1

(अन्तरक)

(2) मेसर्स फोस्मेट आरपेट लीमिटेड मापडी प्लेट, 'मीनेष' राजकोट---4

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवालियां करता हुं।

उत्पत्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भीकृ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास-सिखित में किए जा सकती।

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बील्डिंग में के जो इन्डस्ट्रीयल एरीया, स्वामीन।रायन गुरुकुल के सामने, मावडी फ्लोर नं० 24, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3179/18-5-83 है।

आर० आर० णाहु सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहसदाबाद।

तारीख: 20-12-83

प्ररूप आहे . टो . एन् . एस . --------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

निदेश नं० पी०आर०नं० 2793-23-1/83-84-अतः मुझे आर० आर० णाह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चान् 'उनत अधिनियम' कहा गया हुँ), यही धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रहा स अधिक ही

और जिसकी तं पर्नेट नं बन्यन ओन्सर्टमेन्ट में है। तथा जो कान्ता विद्यास गृह रोड राजकोट में स्थित है (और इसके उपायक अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजिस्ट्रोकिती अधिकारी के दार्थालय, राजकोट में रिजिस्ट्रोन करण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-5-83

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगीति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त की निम्न्तिसित उद्देश्य से उक्त अन्तुरण निष्ठित में वास्तिबक रूप से कि एटे नहीं किया गया है:--

- (क) अन्सरण शे धुद्दं किसी आग की बाबत, उनक् अभिनियम के धभीन कर धने के जन्तरक के बायत्व में कमी कर्न्या उससे ब्यूने में सुरिशा के तिए; करि/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिया के िस्पू;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त बोधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ६(1) या श्रो नंदकु भरता माधवसोजी कान्ता स्ट्रीट विकास गृह रोड राजकोट।

(अन्तरक)

(2). श्रोमती संजुलापेन ओम दोसी फो/ओ बीपीन के० शाहु, 32, करनपरा, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मध्यतित के बर्जन के मध्यन्थ में व्याह भी जाक्षय .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि मृद्ध में सम्माप्त होती हो, अ भीतर पृविस्त स्थितयों में मिसी स्थित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो नंदनवन अपार्टमेन्ट, कान्ता स्ट्रीट विकासगृह रोड, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 3442/30-5-83 है।

> आर०आर शाह सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद।

तारीख: 21=12-83

मोहर:

प्र**रूप आध**ै.टी.एन.एसं. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-I, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनौंक 21 विसम्बर 1983

निदेण नं० पो०आर० नं० 2794—अतः मुझे आर० आर० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिस्ति। सं० फ्लेट जो कान्ता स्ट्रोट विकासगृह रोड़ पर है। तथा जो नंदनवन अपार्टमन्ट राजकोट में स्थित हैं (और उसमे उपायड अनुम्की में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजिस्ट्रोक्ती पिक्तिरी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम; 1908(1908) का 16) के अधीन 30-5-83 को.

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह दिर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए, और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर ऑर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर सिभिनयम, 1957 (1957 घा ?') के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुमरण मीं, मीं अक्त अधिनियम की धारा 269-ए की रूपयाण (1) के अधीन, सिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) वा श्रोनंदकुवरका माधवमीहजी, कान्तास्ट्रीट विकासगृह रोड, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) वासुमती सुखलाल बखाई, नंदनयन अपार्टमेन्ट, राजकोट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूजा कत सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति को भर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवृष्टी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानतमों में से किसी स्थितर द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन कं.भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त विभिन्दम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असस्ची

प्लोट जो नंदनवन अपार्टमेन्ट, कान्ता स्ट्रोट विकासगृह पर स्थित है तथा रजिस्ट्रोकर्ता रजिस्ट्रेशन नं० 3443/ 30-5-83 है।

> आर०आर० गाह त्वम प्राधिकारो सहावक आयक्र आयक्त (निरीक्षण) . अर्जन रेंग-। अङ्मदादाद

तारीखाः 21-12-8**3**

मोहर:

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदावाद. दिनांक 21 दिगम्बर 1983

निदेश सं० पी०आर० नं० 2795 एक्वी-23-1/83-84---अतः मुझे आर० आर० णाह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पनेट जो नंदनया एपार्टसट है तथा जो कान्ता स्ट्रीट, विकासगृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजि है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजीत दिनांक 30-5-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्व म करने को कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रिष्ठितियम के प्रधीन कर दो के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बाँद/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

1. वा श्रा नंद कुंबर वा भाधव सिंह जी, काला स्ट्रोट, विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

पंक्रज डी० शाह
र्नदनवन एपार्टमेंट,
कान्ता स्ट्रीट,
विकास गृह रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रविकत व्यियतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोक्षरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो . राज्य गिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

जनसर्वी

फ्लैट जो नंदनवन एपार्टमेंट कांता स्ट्रीट, विकासगृह रोड, राजकोट में स्थित है तथा रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन सं 3444/30-5-83 है।

आर० प्रारः शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज I, अहमदाबाद

नारीख: 21-1?-83

मोहा :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेज- ${
m I}$, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

निदेण सं० पीं० श्रार० नं० 2796/एक्षी०/23-1/83-84---श्रतः मुझे आर० आर० णाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रापिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित वाजार मूल्य 25,000 नरा से अधिक है

अंगर जिसकी संक्लिट जो नंदनकत प्रपार्टमेन्ट में तथा जो विकासगृह रोड, राजकोट में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णा न्य में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-1983

का पूर्वीवन राम्पत्ति के उचित्र दातार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं. एतं दर्गमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंगे अंतरण के लिए तय पान गया प्रतिफल निम्नलिसित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबस, उनत अधिनियम के अधीन कार दोने के अलार के दायित्व में कभी कारने या उससे बचर में सूपिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों नर्गे, जिन्हों भारतीय अन्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रगांजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रवाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितन में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

 वा श्री नंदकुंबर के माधव शिह जी, कान्ता स्ट्रीट, विकाप गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

 श्री जयभन्त धरमदास णाह, नंदनवन एपार्टमेंट, कान्ता स्ट्रॉट, विकासगृह रोड, एककीट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राज्यन भी प्रकाशन की तारील से 15 दिए की अपिथ या तत्में भी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद मी समाप्त होंनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मीं से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिक्ष कित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गमा है।

अनुसूची

फ्लेट जो नंदनवन एपार्टमेंट कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रुष्टि ट्रेजन नं० 3445/30-5-83 है।

> आर० आर० णाह सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख: 21-12**-8**3

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जनरेंज I, श्रहमदाबाद

अहमशाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2797/एक्बी० 23-I/83-84— अतः मुझे आर० आर० माह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैट जो नंदनवन एपार्टमेंट, है तथा जो कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता के अधिकारी कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क होलए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :---

 वा श्री नदकुंवर वा माधविसह जी, कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड राजकोट ।

(अन्तरक)

श्री प्रमाद जे० जाजु.

नंदनवन एपार्टमेंट,

कान्ता स्ट्रीट विकासगृह रोड.

राजकोट ।

(अन्तरितो)

का ग्रह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कानवाहियां करता हु।

उक्स सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किस शे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

एपार्टमेंट जो कान्ता स्ट्रीट, विकासगृह रोड, राजकोट में स्थित है सथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेणन , नं० 3 1 16/30-5-83 है।

> यार० ग्राट० ग्राह मक्षम अधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज I, अहमदाबाद

तारीख 21-12-83

मोष्ठर :

प्रकृष बाइ . टी. एन. एस. ------

भागकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269का (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2798/एक्ट्री०/23-J/82-84--अतः मुझे आर० आर० णाह

भायकर प्रवित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-प॰ से प्रधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट जो नंदनवन एपार्टमेंट में स्थित है तथा जो कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिपत्त को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् याजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के जीय एसे जंतरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उप-भारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ु—— वा श्री नंदकुंवरवा, माधवसिंह जी कान्ता स्ट्रीट, विकासगृह रोष्ठ, राजकोट।

(अन्तरक)

2. श्री कर्नयालाल सी० शाह रवी किरन, राष्ट्र शाला के सामने, राजकोट:

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हा तो :

- (क) इस स्वना के शाजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की भगिष्ठ या तरनम्बन्धी व्यक्तियो पर पूचना की नाभीन से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूचींकत व्यक्तियों में ने हिसी व्यक्ति इस्तः;
- (ख) इस यूचना के राजान में प्रणाकन को नारीख से
 45 दिन के भीनर उन्त स्थागर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी प्रस्य स्थिति होरा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 निधित में किए जा सकेंगे।

ण्यव्हीकरण:--इसमें गाप्त गर्या श्रीर पदी हा, जा **उक्त** श्रविताय ह स्थाप 20-क**में यथा परिभाषित है.** बही अभे द्रागा, जा उप श्रध्याय में दिया गया **है।**

अमुस्ची

पत्रैट जो नंदनवार एउउँमींट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन, नं० 3454/30-5-83 है ।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंग I, अहमदाबाद

तारीख\$ 21-12-83 भो**हर**ः प्ररूप बार्ध ु टी⊴ पून ः पुरा ्र-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1983

निदेण सं० 23-1/पी० आर० नं० 2799--अतः मुझे, आर० आर० क्वाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी नं प्लैंट जो नंदनवन एपार्टमेंट में है तथा जो कान्ता स्ट्रीट, ज बिकासगृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किया गया हैं।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम कौं धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् धे—— श्री नंद कुंबर बा, माधव सिंह जी कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

 श्री रंजन गौरो नंनालाल कोठारी, नंदनवन एपार्टमेंट, विकास गृह रोड, राजकोट।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्क्

आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख 21-12-83 मोहर ह प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेजिली, अहमदावाद

श्रहमदावाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

् निवेज नं ० 280*0*/2*3*-1/82-84---अतः मुझे , आर० आर० श*ा*ह्य.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव पलेट जो नंदनवन एपार्टमेंट में है तथा जो कान्ता स्ट्रांट, विकास मृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्णक्ष से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिभा को लिए;

अतः अब, उत्वत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उत्वत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— श्री नंद कुंबरषा, माधव सिह जी कान्ता स्ट्रीट विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्सरक)

 श्री जयन्ती लाल के नेहता वासुमती जे नेहता, नंदनवन एपार्टमेंट, कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्पत्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई माक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की सारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

फ्लैट जो नंदनवन एपार्टमेंट में स्थित है तथा रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन, नं० 3456/30-5-83है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अमहदाबाद

नारीख 21-12-83 **मोहुर** ः प्ररूप्⊵ आर्द्द् टी. एन⊵ एस्. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज J, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर 1983

निवेण सं० पी० आर० नं० 2801/23-1/83-84---अत: मुझे, आर० आर० शाह.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लंट जो नंदनवन एपार्टमट में है तथा जो विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मह है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेष्य से बन्त बंतरण निम्निल्य में बास्तिक रूप से कचित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

।काथा आहमा ज्याहिए या छिपान संसूतिया का स्वरू,

 श्री नंद क्षुवर षा माधव सिंह जी कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रो,ड राजकोट ।

(अन्तरक)

 श्री जय कुवर षा बी० जाडेजा, नंदनवन एपार्टमट, कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट।

(अर्नक्ररती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हुं।

उक्त संपर्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्धों मौर पदों का, जो अकत जीभनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही मुर्थ होंगा जो उस सध्याय में दिवा गया है।

नग्त्रभी

फ्लैट जो नंदनवन एपार्टमट में स्थित है तथा रजिस्द्रीकर्ता रजिस्ट्रेणन नं० 3459/30-5-83है।

> आर० आर० णाह् सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

मतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिविधित स्पिन्तियों, स्थित ६——

दिनांक 21-12-83 मोहार ⊴ प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जनरेज I, श्रहमसात्राद

अहमदाबाद, दिनांक 21 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2802/23-1/83-84--यतः मुझे; आर० आर० शाह,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट जो नंदनवन एपार्टमट में है तथा जो कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

का पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— श्री नंद कुबर पा माधव सिंह जी कान्ता स्ट्रीट, विकासगृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरक)

 श्री प्रभा पी० जाजु, नंदनवन एपार्टमेंट कान्ता स्ट्रीट, विकास गृह रोड, राजकोट ।

(अन्तरिती) 🚣

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचल सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट् सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यायः 20-क में परिभाषितः है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

जन्सूची

प्लोट जो नदनवन एपार्टमेंट में स्थित है कान्ता स्ट्राट, विकासगृह रोड, राजकोट तथा रजिस्ट्रीकर्ता, रिकस्ट्रेशन नं० 3459/30-5-83 है।

> ्यार० आर० शाह .स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज[ा], अहमदाबद

तकृरीख 21-12-83 मोहर् द प्रकप नार्ष्यु टी., एत., एस.,------

जायकर जीभीनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयुक्त जायुक्त (निर्देश्य)

अर्जन रेंज 🛛 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 दिसम्बर 1983

निदेश नं० पी० आर० नं० 2803/23-I/83-84——अतः प्रमे, आर० आर० णाह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ₹25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 1077 एण्ड 1087 है, तथा जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में 37ईई फार्म पर से के अधीन दिनांक 16-5-83 और 27-6-83

को पूर्वेक्स सम्पत्सि के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बित्फल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गला था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः— अणोक मिल्म लिमिटेड, नरोडा रोड, अहम्दाबाद-380025

(अन्तरक)

मैंसर्म णिक्तधरा को०आप० हा० सोसायटी लिमिटेड, श्री मनुभाई डी० कानानी चीफ प्रोमोटर,
 2/3, णिक्त नगर, मोसायटी,
 बापु नगर, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिसवद्यभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो नरोड़ा सर्वे न० 1077 और 1087 अहमदाबाद में स्थित है तथा 37 ईई फोर्म मिला दितांक 16-5-83 और 7-6-83 जिसका निम्न दस्तखत किया ओफिस में 37ईई फार्म मिला है।

> आर० आर० ण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, अहमदाबाद

तारीख 24-12-83 मोहर ⊴ प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नाय्कर निप्तियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के न्भीन सूचना

भारत ब्रकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, श्र**हम**दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

निदेश मं० पी० आर० नं० 2,804/23-I/83-84--अत: मुझे, आर० आर० शाह,

नायकर निधिनिनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात उक्त निधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के नधीन सक्षा प्राधिकारी को, वह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रा. से नधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 150 पैकी और 151 पैकी एस० पी० नं० 153 और 154ए है। तथा जो प्लोट नं० 153 और 154ए, जी आर डी सी, इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, नरोरा अहमदाबाद में स्थित हैं (और इस उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण प रूसे बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-5-83

कों पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में भारतिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्त्रज से हुई किसी आय की आवत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायिएक में कभी करने या उससे ब्याने में स्विधा के निए; और/या
- (वा) एसी किसी नाय का किसी भन या जन्य नास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

शतः शवः, उत्तरः विधिनियमं की धारा 269-गं की वनुसरणं कों, मीं उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अथित् :--- (1) श्री मनहर अनुयमलाल णाह ए० पी० एपार्टमेन्ट, महालक्ष्मी चार रास्ता, थालडी, अहमदाबाद

(अन्तरक)

- (2) उचेम केमीकल्स की ओर से भागीदार
 - (1) श्री उमंग सुमंत शाह
 - (2) श्रीमती चंद्रिका एस० गाह
 - (3) माला उमंग शाह उमंग पंचपटी, एलीसबीज, अहमदाशाद।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कड़के पूजोंक्छ संपरित के वर्षन के हिन्द कार्यवाहियां कड़ता हुई अ

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपनित य्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए का सकेंगे।

स्वध्वीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के बच्चाय 20-क में प्रिभाविद्ध ही, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया वया है।

अनुसूची

फैक्टरी रो। जिसका जमीन का क्षत्रफल 960 वर्ग यार्ड ह जो जिल्लोटनठ० 153 और 154/ए,जी० आर० डी० मी० इक्रास्टियल एरिया, नरोडा अहमवाबाद में स्थित है तथा सब र्गजस्टार रिज स्ट्रीकर्ता विकासत नं० 6897/9य5ब83 है।

आर० आर० माह मक्ष म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षड अजटून रेंज्|1 अहमदाबाध

विनाम : 26 विसम्बर 1983

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1983 निदेश नं० पी० आर० नं० 2805/23-I/83-84---यतः

मुझे, आर० आर० शाह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं ० एफ ० पी ० नं ० 139, 140 पैकी प्लोट नं ० 4, आदित्यनगर हैं । तथा जो पुराना पायेलोट डरी के नजदीक पी पली पालो खांचों, कॉकरिया, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है'); रजिस्ट्री अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 3-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त निम्नलिखित उद्दृष्ट से उक्त ग्रन्तरण निम्बित पे वास्तविक रूप से कथित नहीं वित्या गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए उन्नर अधिनियम, 1922 धन-कर श्रीधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रीपिटी दवान प्रसाट नहीं जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---25---446 GI/83 (1) श्री रनबाडे लाल कुंथाजी, इसावास्य सोसायटी, मिस्तीः जीवरामभाई कुंभाजी के मकान में रानीय, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स अंबीका कारपोरेशन, की ओर से श्री शान्तिलाल छगनलाल दवे कामनाथ महादेव बस स्टैंण्ड के सामने, सेकंड फ्लोर, रायपुर दरवाजा बाहर, कांकरिया रोड, अहमदाबाद।

(अम्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः
- · (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथांहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होरा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 614 वर्ग यार्ड है जो आदित्यनगर, कांकरिया, अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्राकर्ता बिक्रिखत नं० 6619/3-5-83 ह ।

> आर० आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज I अहमदाबाद

दिनांक: 26-12-83

भहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक कायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, अहमददाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

निदेश नं ० पी० अार० नं ०/23-!/83-84/2806---अतः आर० आर० मुझे, शाह,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वे नं ० 230, खाडिया बोर्ड नं ० 1 है तथा जो म्यु ० सी० नं ० 151, घस राम के पोल, सारंगपुर अहमदाबाद में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्द्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4-5-83 की

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीक एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निसिंबत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि सिंबत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :— -

- (क) अस्तरण सं क्षुत्रं किया गाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी कारने या उससे विषये में सुविधा के लिए; और/बा
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री: भ रतकुमार दगरथलाल और अन्य 151, घासीराम पाल, मारंगपुर, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एसुमतो इन्द्रबदन दुर्धप्या श्रीमती भारती अरविन्द कुमार दुष्ठाया जीतेन्द्रनगर 'कामधॅनु' नारायननगर रोड, पी० टी० कालेज के नजबीक, पालडी, अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

काँग्रहसूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह**ू**।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध भी काई भी काक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर्य सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से . यह दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास िसित में किए जा सकरेंगे।

स्कब्बीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 111 वर्ग यार्ड है जा 151 घासीराम की चोल, पारंगपुर, अहुमदाबाद में स्थित है, सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकाखत नं ० ै6,623/4-5-83 है।

> आर० आर० णाह् मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I अहमदाबाद

दिनांक : <u>२</u>26-12-1983

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एसं. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

निदेशनं ०पी० आर०नं० 23-1/83-84 2807,--अतः

मुझे, आर० आर० गाह,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे नंव 41, टीव पीव एसव 4, एफव पीव नंव 9, एसव पीव नंव 37 हैं। तथा जो 37, विन्धकुं ज सोसायटी, बालीया काला रोड, ढोर बाजार के नजवीक काकरिया अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के बार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीय रण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन 24-5-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एस द्रश्यमान प्रतिफल के गंद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उस्व देय से उक्त अन्तरण के सिसत में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपध्यरा (1) के अधीन, निम्नीलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) सविता बेन जमनादास मिस्त्री 22/3, नेहरू वसाहत, महुवा, जिला ---भावनगर (सौराष्ट्र)

(अन्तरक)

(2) श्री भगवानदास खटनमल नारनदास खटनमल 37, विन्धकुंज सोसायटी, बालिया काका रोड, कोर बाजार के नजदीक, कांकरिया, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरि।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसर्थी

बिल्डिंग जिसका का जमीन का क्षेत्रफल 304 वर्ग मार्ड है जो कांकरिया अहमदाबाद में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकर्सा बिकीखत नं० 7794/24-5-83 है।

> आर० आ**र० गाह** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष) अर्जन रेंज-I अ**हमदाबाद**

दिनांक : 26-12-1983

मोहर :

प्ररूप मार्चः दीः एनः एस्.-----

जाथकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण)

अर्जन रेंज-1 अष्ट्रमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 दिसम्बर 1983

निदेश नं० पी० आर० नं० 2808 अत: मुझे, आर० आर० शा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्मसिं, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० एस० 4, एफ० पी० नं० 44 पैकी एस० पी० नं० 3 है। तथा जो 3, स्वामीनारायन सोसायटी, रामबाग के नजदीक, कांकरिया अहमदाबाद में स्थित हैं (और इसके उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप स विणित हैं) : रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 18-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त यधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया करो, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ——

(1) श्री किरीट कुमार दलसुखराम पण्डया और अन्य 22, जयहिन्द सोसायटी, जवाहर चीक, मनीनगर, अहमदाबाद ।

्अन्तरक)

(2) श्रीती एपार्टमेंन्ट ओनर्स असोसियशन संकेटरी-—श्री प्रपीनभाई एन० पर्टल 3, स्वामीनारायण कोलोनी, रामबाग के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारोख के 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर मूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि याद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमें प्रयुक्त शह्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

असमधी

जमीन जिसका क्षेत्रफल 788 वर्ग यार्ड है जो 3, स्वामीनारायन कालोनी, रामबाग के नजदीक, मनीनगर, अहमदाबाद में स्थित हैं तथा सब रजिस्टार अहमदाबाद रजिस्ट्रीकर्ता बिकीखत नं० 7460, 7461, 7465, 7463, 7464 और 7437 में मिल्कत का पूर्ण वर्णन दिया है।

> आर० आर० माह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,। अहमदाबाद

दिनांक : 26 दिसम्बर 1983

मोहर:

प्ररूप बाइ : टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद. श्रहमदाबाद तारीख 26-12-83

निदेश न ० पी०आर०न ०-2809 न ० 23-/83-84/---अत: मुझे, आर०आर० शाह.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ०पी० नं० 167. हिस्सा नं० 5 एस० पी० नं 13 ती० था० एस० 4 है तथा जो बी० परेल एव्यू०, रक्षापार्क, दामीनी मोसायटी के नजदील, मनीतगर, अहमदाबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुमूचि में और पूर्ण रूप से बाँगत है). रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 के (1908) का 16) के अधीन 30-5-83

करे पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पादत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का गज़ह प्रतिष्ट अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक क्यू से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते अजने में सृविधा के सिए; आर्रिया
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीत्ः— (1). जणुनाई चतुरनाई पटेल की और में जनरल फुल मुखन्यःर—— श्री जयंतीभाई चतुरभाई पटेल, 243,एकेलेम्बीक ग्लाम कोलोनी, एलेम्बीक, रांड, बरोडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता मनीबेन मनीलाल शाह 167-5, बी-पटेल एवेन्यु, रभापार्क, दक्षिनी सोसायटी के नगदीहा, मनीनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां कररता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान कि नामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

बिल्डिंग जिसका जमीन का क्षेत्रफल 410 वर्ग यार्ड है जो मनीनगर अहमदाबाद में स्थित है तथा सबरजिस्टार अहमदाबाद रिजस्ट्रीकत्ती बिकी खत नं० 8046/30-5-83 है

> आर०आर० गाह सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद ।

तारीख: 26-13-8? मोहार: प्ररूप वाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद • भ्रष्टमदाबाद तारीख 27-1 2-83

. निदेश नं०-पी० आर० नं०-23-I/83-84 2810—अतः मुक्षे, आर०आर० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट जो सिटी सर्वे नं० 18 74/1868 तथा जो बोई नं० 15. आसोथालय अपार्टमेन्ट. जागनाथ रोरी, फ्लेट नं० 301 राजकोट में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से विणत है); "रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट है में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-5-83 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृम्में यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निचित में इस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/मा
- (क्ष) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अते: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नितिधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1). विमलिबन उमरणी णाह आसोधालय अपार्टमेन्ट जगनाथ रोरी नं० 25-26 फ्लेट नं० 301, राजकोट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ताबेन भगवानवास हुरनवानी फ्लेट नं० 301, ओसोपालय अपार्टमेन्ट, 25, न्यु जागनाथ प्लौट, राजकीट।

(अन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्सि को अर्जन को संबंध में कीहा भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में हो किसी ज्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाय लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ , वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लेट जो राजकोट सीटी सर्वे नं 1878/1868 बोर्ड नं 15, फ्लेट ओसोथालय अपार्टमेन्ट 302 शेरी नं 25 स्य जागनाथ राजकोट में स्थित है रजिस्ट्रीकर्ता रजिस्ट्रेशन न 2785/2-5-83 है ।

> आर०आर० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-^I अ**हमदाबाद**।

तारी**ख**: 27-12-83

मोहर 🖫

प्ररूपः बाह्रः टी. एन. एस्. - - - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-—! अहमदाबाद

अहमदाबाद तारीख 27-12-1983

निदेश न'ः पी:०आर०नं० 23-1/83-84, 2811,---अतः मुझे, आर०आर० शाह,

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं बिल्डिंग जो परेल कोलोनी शेरी नं 6 रोड नं 1 है । तथा जो बर्नर "रघुनंदन" बिडिंग में स्थित और इसके जपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप ने विजित्त है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-5-83

को पूर्वेक्स सम्परित के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, जक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने मों सुविधा के लिए; जीड/वा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या ग्रम्म भतिस्ता का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त पश्चितियम, या घन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा का या किया जाना चाहिए का, खिणाने में सविधा के सिए:

नतः शतः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के नन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ६--- (1). ज्**लीताये**ग कोठलदास कारानी भानगोर, जीला—जामनगर।

(अन्धरक)

(2) श्री दर्षदराय शान्तीलाल चोटार 'र्घुनन्दन बिल्डिंग' पटेल कालोनी, श्रीगी न'० 6, रोड न० 1, (कोर्नर), जामनगर (सौराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्थिकतयों में से कि दरि स्थिकत द्वारा;
- त्(त) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अस्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्स्ची

बिल्डिंग जो पटेल कोलोनो घोरी नं० 6, सीटी सर्वे नं० 39, जी०5, फ्लोट नं०6, चौको फ्बौट नं० 31/2 है जो जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रेशन नं० 1355/4-5,83 है। आर०आर० माह पश्चा प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीख: 27-12-83

मोहर:

प्ररूप बाई तो.एनं.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक रायकार जाज्ञक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज— अहमदाबाद ग्रहमदाबाद तारीख 27 दिसम्बरा 983 निदेश नं०पी०आर० नं० 2812 23-1-83-84—अतः

मुझे आर आर० शाह,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रूपम प्राधियारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- का कार्यक है

और जिसकी मं० विजयराज तगर के सामने गौरी शंकर तालाव रोड, है। तथा जो दीलपुर बाग को०ओ० सोमायटी, आयनगर में स्थित है और इसके उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप के वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तीवक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) असारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या वित्या जाना चाहिए था, छिपान में युविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) युसुफअली शेराली परतेजी प्लोट नं० 87, लो कोलेज के सामने, विद्यानगर, भावनगर।

(अन्तरक)

(2). अखीरहुसेन युसुफअली नायानी सगेदीया बजार, दुधवाला खाकी, भाबनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत्र में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकर्ग।

स्पष्टिकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बिल्डिंग जो बोर्ड नं० 7, शीट नं० 237, सर्वे नं० 2261-2263 दीलहुर बाग को०ओ०सोसायटी, गौरीशंहर तालाब रोड, भावनगर में स्थित है तथा भावनगर रजिस्दी-कर्त्ता रजिस्ट्रेशन नं० 637/3-5-83 है।

> आर०आर० शाह) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षणे) अर्जगरेंज 1 अहमदाबाद ।

तारीख: 27-12-33

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद,दिनांक 27 दिसम्बर 1983

निदेश सं० पी० आर० नं० 2813/23-1/83-84---अतः मुझे, आर० आर० शाह,

अभायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं बिल्डिंग है तथा जो 1, वसंत-रजव सोसायटी सुरेन्द्र मंगलदास रोड, अहमवाबाद में स्थित है (और इससे डिपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय स्वाप्त कर स्वाप्त के कार्यालय स्वाप्त कर स्वाप्त

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 27-5-83 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितौ (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निमिचित उप्रवेध में उक्त अन्तरण निम्हित में बास्तविक रूप से किया गर्ही किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिधा के लिए।

नतः नव, उन्त जीधीनयम की धारा 269-य के, अनुसरण में, में उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन. निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—446 GI/83

- (1) श्री अभावाल, भूराशाल व्यास 'यगाश्रम' मानेक-वाग के पोर्छ आंगापाड़ी, अहमदाबाद-15 (अन्तरक)
- (२) श्री अध्वन भाई अम्बालाल पटेन 1, वसंत-राव सोपायटो, सुरेन्द्र मंगल दास,ग्रहमदादाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ल संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हरूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना दो राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स् श्री

बिल्डिंग जिसका जमीन काक्षेत्रफल 741 वर्ग यार्ड है जो सुरेन्द्र मंगजवास रोड, अहमदायाद में स्थित है तथा सब-राजस्ट्रार अहमदाबाद राजस्ट्रीकर्ता राजस्ट्रेणन नं० 7958/ 7-5-83 है।

> आर० आर० जाह सक्षम प्रधिकारो महायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रोजना, अहमदाबाद

दिनांक: 27-12-1983

माहर ध्र

प्ररूप . आई. टी. एन. एस. - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, अहमदाबाद अदमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1983

निदेण सं०पी० आर० नं० 2814/23-1/83-84---अतः मुझे आर० आर० शाह

षायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रु. से अधिक हैं और जिपकी संव्या गर्ने नंव 175/1/2 पैकी टीविपोव एसव 19 एकंव पोव 149-150 पैक है तथा जो एसव पोव नंव 8 पैकी 8-एव, श्रोखपुर-खानपुर, अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबट अनुसूर्च में और पूर्ण रूप से विणित हैं),

रिजस्ट्रेक्ती अधिकारी के कार्यात्म, अहमदाबाद में रिजस्ट्री-करण अधितियम 908 (1908 का 16) के अधीन, 30-5-83 को पृवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

का प्रवादित सम्पारत के जानत बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपतित का लिनत बाजार मूल्य उसके देश्यमान प्रतिफल को पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण सं हाई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भानतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी इवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

लतः अत्र, उस्त लिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त लिभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीबालू भाई मूरचाद पडेल दर्शन सोसायटी नवरंग-पुरा, श्रहमदाबाद-380009

(अन्तरक)

(2) कोआपरेटिव बैंक आफ अहमदाबाद आबाद बैंक चैम्बर्स, रोलोफ रोड, पत्थर कृवा के सामने, अहमदाबास।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) /स सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स . व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखीं

बिल्डिंग जिसकी जमीन का क्षेत्रफल 403 1/2 वर्षु यार्ड है जो गेखपुर-खानपुर, अहमदाबाद में स्थित है तथी सब रजिस्ट्रार अहमदाबाद रजिस्ट्रोकर्ता बिकीखत नं 0 802 8/ 30-5-83 है।

> आर० आर० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

दिनांक: 27-12-1983

मोहर ः

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर दिनांक 19 दिसम्बर 1983

निदोश सं० 65 — यतः मुझे, के० एल तिलकचन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28, ∩00 /- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं खुला जगह है तथा जो आर पांस नं 93/4 5, कृष्णापुर ग्राम, हुबली तासुक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हुबली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दि 19-5-83

ो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
ातिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुफ्ते यह विश्वास
ारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण
निज्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (घ) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य अपितयों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) यां उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, जनूसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अधीत :---

- (1) श्रो नारायण रामचन्द्र जिनूरी (2) श्रो मोहन रामचन्द्र जिनूरी (3) बोक्स १०/आ० हरपनहुस्लोगजोनूरू नावोर मठरोड, हुवली (अन्तरक)
- (2) (1) श्रो गुहारामसा सुपुत तुनजागदाजिनूरी
 - (2) श्रीमती अंबूबायी पत्नि तुकारामसा जिन्ही
 - (3) श्रो सुरेश तुहारामसा जिनूरी (4) श्री जयवन्द्र तुहारामसा जिनूरो निवसी हरपनहल्ली गली, मूर्झाबीर मठ रोष्ठ, हुगली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यवि तयों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बा दमें समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 486/82-83 दि० 19-5-1983) खुल्ला जगह जिसका आर० एस नं० है 97 4 5. ए० प्ताटस कृष्णापुर ग्राम हुबली तालुक में उपस्थित है।

> के० एल तिलकचन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर।

दिनांक: 19-12-983

मोहरः

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . -----

भाषक दुक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज बंगलूर वंगलूर, दिनांक 14 दिसम्बर, 1983 निदेश सं० 38223/83-84--यतः मुझे. मंजु माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 565 है तथा जो 22 ए कास, वनशंकरी-II स्टेज बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्त्रम, जयनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (190 का 16) के अधीन दि० 15-5-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का , निम्मलिखिय उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुईं किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिषाने में सुविधा के लिए;

बद्ध स्व, उक्त विभिन्तियम की धारा 269-ए के बन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित अधिकतयों, अधीन :--- (1) श्री ए० बी० गोपाल सुपुत स्व० खा० केटेशय्या नं० 52 8ए०, शशि विजया 17 कास, II स्टेज, इंदिरानगर, बेंगसूर-38

(अन्तरक)

(2) त्रो के० त्रो० सुप्रताकरा गुप्ता सुपुत्र एस० एन० वेंकटरमनय्या शेटटी गूलूर विलेज, भागे-पल्ली तालुक, कोलार विस्ट्रिक्ट

(अन्तरिती)

को यह स्थान भारी करके पृष्टिकत सम्परित को अर्थन के स्मिर कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रसूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी . पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिव गया है.!

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 369/83-84 दि० 15-5-1983) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 565, जो बनशंकरी TI स्टेज, वेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्ज रेंज, बंगलूर

दिनांक: 14-12-1983

मोहरः

प्ररूप मार्ड .टी .एन . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 29 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सि० आर० 62/39651/83-84--यतः मुझे मंजू माध्यन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है:

और जिसकी सं० 543 है तथा जो 16 'ए' मैन, कोरामंगला III क्लाक, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेंगलूर सौथ तालुक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के अधीन, दिनांक जून, 83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

शतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1). के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री बी० एस० मंजुनाय, मं० 237 40 कास, V ब्लाक जयानगर वेंगसूर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कस्तूरी बी० अल्या, सं० ए०/1-1, सौथ एविन्यू ए० टी० ए०, टौनिशिप, दूरवाणीनगर, बेंगलूर 16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

त्रमुस्

(दस्तावेज सं०1341/83-84 दिनांक जुन, 1983) मय सम्पत्ति हैं, जिसकी मं० 543, जो 16 'ए' मैंन, कारामंगला III ब्लाक, बेंगल्र≣34 में स्थित है।

> मंजु माघवान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनाक : 29-12-1983

मोहर् 🖟

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म्(1) के मुभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज बोंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1983

निवेश सं० सी० आर० 62/38732/83-84/बि०——यतः मुझे, मंजु माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० एल ० 3/1 तथा पुरानी सं ० 2729 है तथा जो चर्च रोड़, लक्ष्कर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंच्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी काम की बाबत, उक्त किमियल के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कामी करने या उससे अचने मी सुविधा के लिए; जार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिशी दुशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिये था, क्षिणाने में सृष्धि के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीन, निम्निणिकित अक्तिवौक्त अभित् ह— (1) श्रीमती कमला रामन्ना और कुछ लोग, चर्न रोड, बेंगलुर।

(अग्तरक)

(2) श्री ए० के० अहमद, सं० 106, कमबेकर स्ट्रीट, बम्बई-3

(अन्सरिती)

को यह सूचना **बारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- अद्ध फिसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मम्स्ची

(दस्तावेज सं० 1614/83-84 ता० 16-7-83) सम्पति है जिसका सं० एल० 3/1(डि॰० सं० 2729), जो चर्च रोड, लशकर मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बंगलूर

दिनांक: 26-12-1983

मोहर 🕄

प्ररूप आइं.टी. एन . एस . -----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निदेश सं० सी० आर० 62/38733/83-84--यतः मुझे, मंजु माधवन,

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ंख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से बिधक है

और जिसकी सं० 2729, है तथा जो वेंगलूर अटि रोड, लशंकर मोहल्ला मैंसूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),-इजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैंसूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-7-83

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ज्या किसो आय या किया जन या प्रत्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया कथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गृबिद्या के लिए;

बतः ग्रब, उक्त मधिनियम की धारा 269-म के मनुसर ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती कमाला रामान्ना ओर कुछ लोग, नं० 2729, चर्च रोड, मैंमूर

(अन्तरक)

(2) श्री मिचिनगत्र मोहन्मद, मिचिनगत घर, अनायापुजा तिरूर तालुक, मल्लागुरम, डिस्ट्रिक, केरला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के लर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरणः—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुवा है।

बन्स्ची

सम्पात्ति है जिलका सं० 2729 जो वेंगलूर म्राटि रोड, लशकर मोहल्ला, मसूर में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 26-12-1983

मोहर 🗈

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1983 निदेश सं । सी । आर । 62/38188/83-84--यतः मुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह दिख्याय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक है

और जिसकी सं० 12(नं० 10ए) है तथा जो माग्रेट रोड बेंगलूर-25 में स्थित है (और इसमे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के उर्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निशिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) व्यक्तरम से हुई किसी आय की बानत, उक्त निधिनयम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिया के सिए; बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अगय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अदिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) श्रीयती प्लोरेंस एल० रैंट, सं० 12 (पुराना सं० 10ए०), माग्रेट रोड, बेंग्लूर-25

(अन्तरक)

(2) रिप्रैजेंटिड बाई पोटर जे० फिलिप, 11, बरलैं म्ट्रीट, बेंगलूर, आर० पी० डेविड यारकण्ड, सेलम डिस्ट्रिक्ट, के०/आर्ट एन० एस० मोटर ट्रांसपोर्ट अमल्र रोड, मेलम-9

(अस्तिरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवेंचि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्थव्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20 क में परिभाषित हु, बहु जर्थ होगा जो इस अध्याय में दिशा ग्या है।

जगलची:

(दस्तावेज सं० 222/83-84, दिनांक मई, 83) सम्पत्ति है जिसकी सं० 12 (पुराना सं० 10ए) जो माग्रैट रोड, बेंगलूर-25 में स्थित है।

> मंजु माधकत सक्षम प्राधिकयरी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक: 26±1291983

मोहर:

प्ररूप बार्ड, टी. एन् एस.----

राणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वंगलूर

'बंगलूर, दिनांक 26 दिसम्बर, 1983

निदेश सं० सी० आर० 62/39438/83-84—-यतः मुझे. मंज् माधवन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार कृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० 2(164 स्रोर 202) है तथा जो 13 कास मल्ले शवरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूणट्ट रू से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधिनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नितिक्त में बास्तिक रूप से किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती गोरम्ना और कुछ लोग, सं २ 2 , 1 3 कास रोड मारगोला रोड, मल्जे शवरम, बेंगलूर-3

(अन्तरक)

(2) श्री एन० मुरलीवर और श्रीमती एन० मीनार्त्या सं० 24, वेस्ट लिंक रोड, मल्लेशवरम, वेंगलूर-3 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा स्कॉगे।

स्यन्तोकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

(दस्तावेज सं 141/83-84, दि० मई, 83) सम्पत्ति है जिसकी सं 2 (पुरानी सं 164 ग्रीर 202 जो 13 कांम, मल्लेणवरम, वेंगलूर, में स्थित है।

> मजु माधवन तक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के बधीन, निम्कीनिश्चत स्पन्तियों, अर्थात् ६---

27-446 GI/83

दिनांन: 29-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन भ्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्सण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 20 दिसम्बर 1983

निर्देश सं० 38782/83-84—यतः मुझे मंजू माधवन आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधक हैं और जिसकी संव विकाय संपर्ति जिसकी एक्सटेंगन में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो

पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-83 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का

मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान निभ्नतिथित उद्घेश्य से उस्त अन्तरण सिथित में वास्तिभक रूप से कथित महीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सक्त बिध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के किये; बीर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- आरः एल० अनन्तरामध्या
नं० 49 ब्लाक, टी० के० एक्पाटेशन
सरस्वतीपुरम
मैसूर ।

(अतरक)

2. एम० आर० सालियाना नं० 10 बन्नीमन्टप एक्सटेंशन मन्डी_मोहन्ला मैसूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हो।

इक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए।,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- क्यं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्क अधिनयम, के अध्याय 20 क में परिभावित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूचीं

(दस्तायेज सं० 602/83-84 ता० 15-5-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 49 जो VI ब्लाक, तोनाचिकोप्पला, एक्सटेंशन, सरस्वती पुरम, एक्सटेंशन, चामराजा मोहल्ला, मैसूर में स्थित है।

> मंजू माधयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, बंगणूर

तारीख 20-12-83 [°] मोहर: प्रकृष नार्थं हो हो , एन , एस ,

नायकर ज्भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ज्भीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं्ध सि॰ अार॰ 62/38768/83-84--असः मुझे मंज्माधवन,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवाद 'उक्त निधानयम' कहा गया है), की धारा 269-स के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 348 है, तथा जो एच० ए० एल० II, स्टेज, इंदिरा नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुमूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनोंक 30-6-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिस उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क्र) बन्तरूप से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त जीधीनयम् के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के प्रिए; ब्रॉट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:— बी० एस० नरहे,
 जि० 644, एच० ए० एस० कालोनी,
 बेंगलूर ।

(अन्तरक)

के० एन० जि० नायर,
 मैसर्स एम० सरोजिनी नायर,
 सं० 137, ¹ स्टेज,
 इंदिरा नगर, बेंगलूर ।

(अन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितनदुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

(दस्तावेज, सं० 799/83-84 ता० 30-6-83) सब सम्पत्ति हैं जिसका सं० 34 जो एच०ए० एल० H स्टेज, इंदिरा नगर, बेंगलूर में स्थित है ।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुयत (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

नारीख: 4-1-84

मोहर :

प्रस्प आहर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायकः (निरीक्षण)

अर्जन रोज, बोंगलूर

ेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निर्देश सं० सी०आर० 62/38909/83-84—यत: मुझे मंजू माधवन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

आर जिसकी में 49, 41/2 एंड 41/3 है, तथा जो बन्तूर रोड, नंदनाहल्ली विलेज, कसबा होबलि, मैसूर ताल्लुक में रिधत है (ओर इससे उपाबक्व अनुसूचा में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजम्झों कर्ता अधिकारों के कार्यालय मैसूर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-6-83

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का अरण है कि स्थापूर्विक्त सम्पाद्ध का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्थिधा के लिए; अरि/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण गं, गंं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपनाग (1) के अधीन, निम्नालिसत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) ऐरल्ली गोडा,
 - (2) द्वण्चाया
 - (3) के० शिवान्ता, सन्स आफ काले, गी।। नन्दानाहत्ली, कस्त्रा होवली, मैगूर ताल्लुक ।

(अन्तरक)

2. रेवारेन्ड अप्ति आर् मोनि, सेक्रेटरी आफ वि सोसायटी आफ अरसुलैंन सिस्टर्स, आफ सोमासिया, रिसैंडइग एट एनजेला मेंरसी, कानवेंट, नं 4377, II, क्रास सेंट, मेरीस रोड, एन आर मोहल्ला, मैसूर-7

(अतरिती्)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

नमृत्यो

(दस्तावेज सं० 519/83-84 ता० 23-6-83) सब सम्मिति है। जेपका सर्वे नं० 4041/2 और 41/3 श्रीर जो नंन्दान(हल्लो विशेज, कस्बा होवली, मैसूर ताल्लुक में स्थित है।

> नं् माश्रयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, **बोंगलू**र

तारीख 4-1-84 मोहर ः प्ररूप बार्ड, टी. एन . एस 🖯 🗠 🗠 🖘 🖘 🖘

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलर, दिनांक 5 जनवरी, 1984

ि निदेश सं० सी० आर० 62/38844/83-84---यतः मुझे

ानदेश स० सा० आर० 62/38844/83-84---यतः मुझ मंजू माधवन

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० 64/1 है, तथा जी मिल्लार्स रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इसने उसवड़ प्रानमूची में और जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अखिकारी के कर्धालय गांधीनगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को पूर्वोदत संपत्ति के उत्तित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अवरित की गई है और मुक्के यह विश्वास के रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिशत से 'अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंसर्स उम्माडियास (मैन्युफैक्चर्स), प्रा० लिमिटेड, सं० ए० ७, और 8, इंडस्ट्रियन एस्टेट, गुन्छी, महास ।

(अन्तरक)

मैंसर्स फराह बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड,
 नं० 83, महात्मा गांधी रोड,
 बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता. हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यो

(दस्तावेज सं० 678/83-84 ता० 30-5-83) सब सम्पत्ति है जिसकी सं० 64/1, जो वमल्लार्स रोड, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु गामवन स**क्षम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलुर

तारीख 5-1-84 मोहर : प्रस्पुः कार्युः टीयु एन्यु एस । -----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-न (1) के नभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनङक्षेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी, 1984

निदेश सं० सी० आर० 6/39732/83-84—यतः, मुझे, मंजुमाधवन,

आंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 34, है तथा जो बिन्ना मंगला II, स्टेज, इंविरागांधी नगर, बेंगलुर में स्थित है, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 83

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिय अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से ग्रिशक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिये तय पाया गया प्रतिकल निक्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर विधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्का अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ब्वा था या किया बासा आहिए था, स्थिमने में सविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

 श्रो के० एस० नारायण राव, नं० 45, 'छाया', II मैन रोड, यादवागिरि, मैसूर-20

(अन्तरक)

 डाक्टर, सि० संदोल और श्रोमती स्प्यामा संदिल, नं० 5, बसप्पा रोड, शांति नगर, बैंगलूर-7

(अन्तरिती)

को यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त संभ्वत्ति से वर्धन के निष् कार्यवाहियां शुरु करतां हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी ⇒ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स औ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किस्ती अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाय।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो उस वध्याय में विया गवा ही।

अपृत्यो

(दस्तावेज सं० 558/83-84 ता० जून, 83) सब सम्पत्ति हैं, जिसका सं० 34 जो विन्ना मैंगला, II स्टेज, इँदिरानगर, बेंगलूर में स्थित है।

> मंद्रु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आ**गुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, **बेंगलू**र

ता**रीख:** 3-1-84

मोहरा 🛭

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ---- ---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी, 1984 निर्देश सं० सी० आर० 62/38843/83-84——यतः मुझे, मंजुमाधवन,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 5 है, तथा जो कुबेर हाउस बिल्डिंग की० आपरेटिव सोनायटी गंगेनाहरूली एक्सटेंगन, बेंगलूर-24 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणिन हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के इदयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पम्ब्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरच से हुई किसी आय की वाबत, उसत जिथिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिधा के सिए;

अतः जयः, उन्त अभिनियमं की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में उन्त अधिनियमं की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्न्लिखित व्यक्तियों, अभिन् :—- एस० एत० दयावे गौडा,
नं० 45, स्टेट बैंक एम्पलाइज कालोनी,
आनन्दा नगर, हेब्बाल,
बेंगलूर ।

(अन्तरक)

 बी० टी० चन्नेंथ्या, काफी प्लान्टर, भारत एस्टेट, सोमवार पेट क्रग, डिस्ट्रिक्ट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपन्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ं---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पिरशादित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

(दस्तावेज सं० 653/83-84 ता० मई, 83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 5 जो श्री कुबेर हाऊस बिल्डिंग को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, गंगेनाहल्ली, एक्सटेंगन, बेंगलुर-24 में स्थित है।

> मंजुमाधबन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज; बेंगलूर

तारीख: 4-1-84

मोहर ः

श्रुक्य बाह्यं हो . पुत्र , पुरु .--

मामकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के व्योग व्यना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर,दिनाक 2 जनवरी 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/3882 6/83-84---यतः मुझे, मंजु माधवन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गजार मृन्य 25,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी संव 14, है नथा जो VI मेंन, IV ब्लाक, जयनगर, बेंगजूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बाणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-5-83

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के स्थमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तविक सुप से किथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रवः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**धित व्यक्तियों, वर्धात** क्ष्म श्रीमती एत० रंगम्ना,
मं० 10, श्रीरामा मँद्रिरम रोड,
वसावनगुडि,
त्रेंगलूर -4

(अन्तरक)

श्री के० हेमन्त राय,
 श्री सुमन्त श्री कृष्णत,
 नं० 328, VI 'ए' क्लास,
 मैंन, 5 ब्लाक, जयनगर,
 बेंगलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथांक्त सम्वत्ति के वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पृत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति किस्प्रकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इस सुबना के राज्यत में प्रकाशन की नारोब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकने।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया चया है।

अनसची

(दस्ताव ज 754/83-84 ता० 30-5-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 2/14 है, जो VI मैंन, 5 ब्लाक जयनगर, बेंगलूर-II में स्थित है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

ता**रीख: 2-1-84** मोहर 🛭 प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,बैंगलूर बेंगलूर,दिनांक 3 जनवरी 1984

निदेश सं० मो० आर० 62/38415/83-84---यत:, मुझे, मंजु माधवन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसको सं० 2 (मध्य भाग) है तथा जो झस्ट पार्क, श्रीड, मल्लेरावरम, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्रो में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ना अधिकरी के कार्यात्रय, गांधीनगर, में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-5-83

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एमे अन्तरण के लिए तम पासा एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्न में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्चित स्थितितयों, अर्थान :---- 28--446 GI/83

 श्रोमतो एम० एन० भागवम, नं० 2, वेस्ट पार्क रोड, मल्लेरावरम, बेगलूर।

(अन्तरक)

2. मैंसर्म बो० एस० कन्स्ट्रक्शन्स (प्राजेक्टस), 103, I फ्लोर, 18 कास, शिशिकिरन, मल्लेरावरम, बेंगलर-3

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन को अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

(दस्तावेज सं० 518/83-84 ता०, 15-5-83) सब सम्पत्ति हैं जिसका सं० 2 (मध्या भाग) जो वेस्ट पार्क रोड, मल्लेणवरम, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजुमाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, बेगलूर

तारीख: 3-1-84

मोहर ः

प्रस्पु आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकृर आयक्त (निरक्षिण)
अर्जन,रेंज बेंगलूर
वेंगलूर, दिनांक 3 जनवरी 1984
निदेश सें० मो० आर० 39599/83-84—यतः, मुझे
मंजुमाधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (च्चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसको सं ० 4 (पोरणन) है, तथा जो देविस रोड, रिचर्डम टाउन, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचो में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय णिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के वीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिखित में शास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1). के अधीन, निम्नसिशित व्यक्तियों, अर्थातु:--- श्रो मलोमा महमद जानू,
 नं० 48/3, मारप्पा ब्लाक,
 मुनिरेड्डोपालया, बेंगलूर

(अन्त्रक)

 मैयद अर्थाफुल्ला, ुनं० 1और 2 एम० एम० राङ, बेगलूर-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हरें।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मां कांई अन्य आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधार्किताक्षरी के पास निस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्री, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं०,119६/83-84 ता 1-5-83) सम्पत्ति नं० 4 (पुराना नं० 7) मे पोरणन, जो देवीस रोड, रिचर्डम टाउन, डिवोजन नं० 18 ,वेंगनर में स्थित है।

> मंजु माध्यन गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंमलूर

तारीख 3-1-84 मोहर : प्ररूप और्इ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 जनवरी, 1984

निदेश सं० 39688/83-84-यतः, मुझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं। और जिसकी सं० एस० नं० 31, 32 में 99/डी/14, है, नथा जो I मैन रोड, मौट जाय एक्सटेशन, हनुमन्त नगर, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ·रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुडी, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असको दश्यमान प्रतिफल हो, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ड अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ध्यार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उच्क अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उच्क अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रन व्यक्तियों, अधातुः

 श्रीमती कमला, सुपुत्री श्री कृष्णाचार कृष्ण राजेन्द्रा रोड, बसवनगुडी, बेंगलूर ।

(अन्तरक)

श्री के० रवीन्द्र कुमार सुपुत्र श्री ए० कृष्णन्न, नं० 154, III, मैन रोड, चामराजयेट, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षी :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति हुवारा,
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**चैं

(दस्तावेज सं० 852/83-84 ता० मई, 83) सब सम्पत्ति में पोरशन जिसका सं० एस० नं० 31 और 32 में $99/\sqrt{31/4}$ जो I मैन रोड, माउन्ट जाय एक्सटेंशन, हनुमन्त नगर, वेंगलूर में स्थित है।

मजु माधवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

तारीख: 4-1-84 मोहर: प्ररूप आहें, टी. एन. एस्.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकारं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 4 जनवरी 1984

निदेश सं० 39688/83-84—यतः मृझे, मंजु माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 99/डी/14 एस० नं० 31 श्रीर 32 है तथा जो 1 मैन रोड, माउन्ट जाय एकसटें शन, हनुमन्त नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 83 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती कमला सुपृत्री श्री कृष्णाचार नं० 10, कृष्णराजेन्द्रा रोख, वसवनग्डी, बेंगलूर

(अन्तरमः)

2. श्रीमती सरस्वती कृष्णन्न, पत्नी श्री ए० कृष्णनन 154 I^{II} मैन रोड, चामराजपेट, बेंगलूर I

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 853/83-84 ता० मई, 83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 99/डी/14 इ सं० 31 फ्रीर 32 1 मैंन रोड, मींट जाय एक्सटेंशन, हनुमन्त नगर, बेंगलूर में स्थित है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, बंगल

तारीखाः 4-1-84 २———

मोहर 🛭

प्ररूप काई . सी. एम्. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज, बगलूर .

बगलूर, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदेश सं० 38829/83-84—यतः मुझे, मंजु मधिवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के।अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 588/30 है, तथा जो 1 मैन 44 कास, 8, ब्लाक, जयनगर बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण स्प से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-6-83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा **के स्थिए; और/या**
- (क) एेसी किसी नाय या किसी भन या भन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय भाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविभा के सिए;

बत: अब, उन्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात :-- श्री एन० श्रीनिवासा रेड्डी, ग्रोर एस० मुकुन्द, नं० 588/30, 44थ कास, I मैन रोड, 8, ज्लाक, जयनगर, बेंगलूर-।

(अन्तरक)

श्री एम० वी० आर० शास्त्री,
 नं० 66, 23 क्रांस III ब्लाक ईस्ट, जयनगर,
 बेंगलूर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पुनाँक्य सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंस- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दम्तावेज मं० 768/83-84 ता० 15-6-83) सब सम्पत्ति है जिसका सं० 588/30 जो, I मैन 44 कास 8, ब्लाफ, जयनगर बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगसूर

· तारीख: 7-1-84

मोहुर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) ं अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 6 जनवरी 1984

निदेश सं० 39622/83-84—यतः मुझे, मंजु माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार जुल्ब 25,000/रु. से अधिक हैं

25,000/ रु. स आधक हैं
शौर जिसकी सं० 191 है, तथा जो एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित
है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित
है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-5-83 को पूर्वों कर सम्पत्ति के जीचत वाजार मूल्य से दाम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वां क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की ग्रायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उत्तरं अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थातः :--- श्री एनं० मंजुनाथ,
 नं० 33 श्रीर 34, ब्यूगल जात रोड.
 कालप्पा ब्लाक, बस्थनगढ़ी,
 बेंगलूर-560004

(अन्तरक)

- 2. (1) श्री सी० आर० णिवकुमार
 - (2) श्री सी० आर० मोहन कुमार
 - (3) श्री सी० आर० प्रणांत कुमार नं० 4, के० आर० रोड, बसवनगृही, बेंगलूर-4

(अन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके भूवीं तत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुमना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्परित मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान निखित मों किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भग हैं।

अनुस् ची

(दस्तावेज मं० 350/83-84—ता० 2-5-83) मं० 491 सम्पन्तिये 1/4 भाग जो एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माधवन मक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज, बेंगलूर

नारांख: 6-1-84

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, दिनांक ६ जनवरी, 1984

सं० 39623/83-84--पत:, मृत्रे, मंज् माधवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 491 है, तथा जो एवंन्यू रोड, वेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो दुर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय गांधीनरगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-5-83

को पूर्वाक्ष्त सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशापूर्वित्रत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निमिन में वास्त्यिक एप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबतं, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्गरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यवित्यमें, अथित् :-- श्री एन० वद्रीनारायण, न ० 3 3 श्रांर 3 4 , ब्यूब्यूराल राक रोड, कालपा ब्लाक, बसवनगडी, बेंगलुर-4 (1)

(अन्तरिक)

- 2 (1) श्री सी० आर० णिवकुमार
 - (2) श्री सी० आर० मोहन कुमार
 - (3) श्री सी० आर० प्रशांत कुमार न० 4, के० आर० रोड; वसवनगुडी, बेंगलूर-560004

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इय स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45-दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारां अधोहन्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, ओ. उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दस्ताबेज सं० 353/83-84 ता० 2-5-83) सम्पत्तिसं० 491 में 1/4 भाग जो एवेन्यु रोड, बेंगलूर में रियत है ।

> मंजु माधवन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निक्षीरण) अर्जन रेज, बंगसूर

न(रीख: 6-1-84

प्ररूप बाह् ही. एन . एस ...------

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भा<u>रत ब्रकार</u>

कार्यालय, सहायक गायकर भायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, बेंगलूर वंगलूर, दिनांक 6 जनवरी, 1984

निदेश सं० 396 4/83-84—यत: मुझे मंजु माधवन बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह यिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० 491 है, तथा जो एवन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इपने उगबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकनी अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में स्विधा के सिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कर्थात् :--- श्री के० एन० हेमचन्द्रा,
 नं० 33 और 34, ब्यूगल राक रोड,
 कालप्पा ब्लाक, बसवनगुडी।
 बिगलूर-560004

(अन्तरक)

2 (1) श्री सी० आर० शिवकुमार

((2) श्री सी० आर० मोहन कुमार

(3) श्री सो० अगर० प्रणांत कुमार नं० 4, के० आर० रोड, ृंबमवनगुडो, बेंगलूर

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाभं या स्त्संबंधी स्वक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, भो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वित्सयों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा नवा है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 352/83-84 ता० 2-5-83) सम्पत्ति सं० 491 में 1/4 भाग, जो एवेन्यु रोड, बेंगलूर में स्थित है।

> मंजु माध्यन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 6-1-84

प्रक्य **भार**्, टी. एन: एस.;------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर आयुक्त (निर्देशिण) वेंगलूर, दिनांक 7 जनवरी, 1984

निवेश सं० 39625/83-84—यतः मुझे मजुमाधवन नायकर निवेश संग 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-व के निधीन सभाम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

और जिसकी सं० 491 है, तथा जो एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-5-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृतिधा से सिए;

1 श्री के० एन० महेश, न० 33 और 34, ब्यूराल राक रोड, कालण्या ब्लाक, बसवनगुडी, वेंगलूर-4

(अन्तरक)

- (1) श्री सी० शिव कुमार
- (१) श्री सी० आर० मोहनकुमार
- (3) श्री सी० आर० प्रशांत कुमार नं० 4, के० आर० रोड, बसवनगुडी,केंगलूर-1

(अन्मरिती)

को यह स्चना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सार्वे से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुनुची

्र (दस्तावेज सं० 351/83-84 ना० 2-5-83) सम्पत्ति 491 में 1/4 भाग जो एवेन्यू रोड, बेंगलूर में स्थित है।

मंजु नाधवन सक्षम प्राधिकारी महायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, बंगलूर

भतः अभ, उपत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीय, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् हैं— 29 —446 GI/83

ंतारीख़ 7-1-84 मोहरः

प्रकृष बाह्रै. टी. एम., एव्,,-----

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, महास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1983

निदेश सं 18491—यतः मुझे आर पी० पिरुले शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसर्के एरफ।त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव आरव एसव 42 37/40 है, तथा जो महास में स्थित है (और इससे उपाबन अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर में (डाकुमेंट 630/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक मई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के कावजान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित धायार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बीर अन्तरक (बन्तरका) की अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ले हुई किसी बाय की बाबत उक्त वृधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खाँगरवा में केमी करने या अससे वचने में सुविधा के लिए, बाँद/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या जिल्ही बन वा अन्य आस्तिवाँ की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपनाक (न) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. जीनती रास प्रमा

(जन्तरक)

2. श्री टी॰ बरलक्षमी

(अन्तरिती)

की बहु बृचना बारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

अवत बुन्दरिष् के बुर्वेष के स्वयंत्र में करेब' भी बाबोद ह----

- (क) श्वक स्थान के राज्यम की प्रमास्त्र की वारीब से 45 दिल की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिल की अवधि, को भी जनधि काल में चनाच्य होती हो, के धीत्र प्रवेषित कालवारों में वे किसी स्थानत हुनारा;
- (क) इंच सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीकृते 45 दिन के मीतर उच्त स्थावर संपरित में दित-बच्च किसी नग्म व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्री के गांव सिविश्य में किस का कमोंगे।

स्वक्षीकरणः व्यतमें प्रवृत्यत सम्बा और वर्षों का जो उसत सम्बोधित के मध्याय 20-क में वरिशायित ही, यहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विधा स्वा ही।

प्राप्त की

भूमि कीर निर्माण कार० एस० 42 3 में 40, महास । डाक्बेंट 63 0/43

> आर० पी० पिफलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अजन रेंज II, महास

-दापीमा तन्त्र -1983 मोहर : THE RIE ST. ST. ST. ST. CO. LEWIS CO., LANSING, MICH.

नावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रार 269-व (1) में नधीन सुक्रमा

भारत सहस्राह

कार्यालय, उड्डायक जानकर जामुक्त (निरीक्य)

अर्थन रॉज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर, 1983

निवेश सं० 18485 यतः मुखे आर० पी० पित्सी नायकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें परपाद; उन्त अधिनवर्ग क्या गया हो), जी परपा 269-प के नधीन संसम प्राधिकारी को नह निकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- राज्ये से विभक्त हैं

और जिसकी सं० मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबस अनुसूची में और जो पूण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलग्दूर, (डाक्नुमेंट 1588/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनिबम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजा मून्य से कम के दश्यमान पित्रका के लिए अन्तरित की कई है और मून्ने वह विश्वात करने का कारण है कि वथापूर्विक्त चंपरित का कियत वाचार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एते दश्यमान प्रतिकास का वन्तर्य प्रतिकात से अभिक है और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तब पामा गया प्रतिकाल, निम्नितिकात उद्योदक से जन्तर्य के जन्तर्य विविद्य में यास्तिका कप से कियत मुझे किया ज्या है है—

- (क) अन्तरण चे हुई किसी बाद की वावत, अक्ट वॉधिनियंग के नपींग कर दोने के जन्तरक के वायित्व में केनी कहने ना उक्क वजने में तृतिथा के लिए; शह/ना
- (व) एती किसी बाय वा किसी भग वा जन्म वास्तिवीं को जिन्ही भारतीय अधिकर निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उचत निभिन्नियम, या अन-कर निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्मस्ति व्वारा प्रकट न्यूरी किया गया वा वा किया जाना काहिए था, क्रियाने में सुविधा की किए।

जतः जन्, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की अमृत्यस्य में, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित म्युक्तिकों, अर्थात् हिल्ल 1. श्री एस० आसमुहम

(अन्तरक)

2. श्री सुन्दरवल्ली

(अन्सरिती)

को यह सुषना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उत्कत 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर-सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से िकसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्कत में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वाकिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि और निर्माण महास । (डाकुमेंट 1588/83)।

आर० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक्त (**निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

लापीखः 1-12-83

मोहर 🛭

प्रकृत नार्वः । श्रीः एनः एवः ---

भाक्तर विधिनिवृत्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सुवना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयर्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनां का विसम्बर 1983

निदेश सं० 18497—यतः मुझे आर० पी० प्रिल्ले लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मून्य 25,000/~रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० मंडियाखम है, जो मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपभवद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आलन्दूर (डाकुमेंट 1715/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) % अधीन दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्ये, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बात्रिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरक वे हार किसी भाव की नावत वेक्स नाम-नियम को स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए और/या
 - (स) एर गिकिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नामकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नृतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के स्विद्

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— ा श्री रामुलु चेट्टी

(अन्तरका)

. तिमलनाक्कुरा० जी० आफिसस्टाफ को -आपरेटिव बिल्डिंग संसायटी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मृतित् के बर्जन् के सिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्वा

भूमि माडियाखम (डाकुमेंट 1715/83)।

आर० पी० पिस्तै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनैरोज II, मद्रास

तारीख: 1-12-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.------

(1) श्री आर० जयर।मन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

(2) श्री विसवनासन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-Ⅱ, मद्रास

मद्रास, विनांक 1 दिसम्बर 1983

निदेश सं ० 18489—यतः मुझे, आर० पी० पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत से अधिक है और जिसकी सं० 2, बीमन्न मुदली घारठन स्ट्रीट है, जो मद्रास-

18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापूर (डाक्य्मेंट 678/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, अनांक मई, 1983,

को पूर्वोक्त संप्रति का उचित बाजार मूल्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पक्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके रूश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्देरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, _1957 (1957 का 27)⊢ के प्रयोजनार्थ अन्सरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्र) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ गर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पर्धाकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दा आर पदा का जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

फ्लैट--2, बामन्न मुदली घारठन स्ट्रीट, मद्रास-18 (डाक्युमेंट सं० 678/83)

> आर० पी० पिल्ल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 1-12-1983

प्रारुप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, मद्रास

मंब्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निदेश सं० 12914—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० सके की

और जिसकी सं ० सर्वे 38/2, 4, 5 है, जो मोठनूर रोड कुछ चो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्णरूप में व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बत्र (डाक्यूमेंट 1990/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक क्रई, 1983,

को पूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य से कंम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गे, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परसचन्द रनका

(अन्तरक)

(2) श्री महाबीर चन्द रनका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों हर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अकृत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयाहाँ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण--सर्वे नं 0 38 4 /2,4,5 कुरुचि । े (डाक्यूमेंट 1990/83)

> आर० पी० पिस्सै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II; मद्रास

दिनांक: 3-12-1983

आरुम आइ². टी. एत. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, विनांक 5 विसम्बर' 1983

निदेश सं० 12805—यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० जीएस 194/1, 2, है, जो कुरिची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से व्यणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कीयस्बट्टर (डाक्यूमेंट 2312/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1983

को पूर्वोक्स संप्रति का उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण निलिखत में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जंत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री श्रीनिवासन चेट्टियार

(अन्सरक)

(2) श्री नरसिद्धान और सरोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों मर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्क्स स्थावर संपृत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो पवनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ।

भूमि श्रौर निर्माण सर्वे 194/1,2. कृरिची (डाक्यूमेंट सं० 2312/83)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर म्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज दो, मद्रास

दिनांक : 5-12-1983 _

सोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-दो, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 विसम्बर 1983

निदेश सं० 12788—यतः मुझे, आरं० पी० पिस्लै, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं); की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० सर्वे नं० 55/1, है, जो ईगट्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षिरी के कार्यालय, तिरुप्पर (डाक्यूमेंट 677/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मई, 1983,

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, न्मिनिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हिन्स

- (1) जे के अय स्टोन इण्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड (अन्तरक)
- (2) एल० बो० आर० और ठानग इन स्टोन (प्रा०) लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों मर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—सर्वे 55/1, हिगठ्ठूर। (डाक्यूमेंट 677/83)

आर० पी० पिल्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–दो, मद्वा

धिनांक : 5-12-1983

प्रारूप नाह^र्टी एन एस _------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मदास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदर्भेश सं. 13016—यदः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेपात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसक्ती सं. 1,2,3, है तथा जो कोनमलम्मन कोयिल स्ट्रीट, इरोड में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इरोठ (अकूमेंड 1619/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींख 83

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्तत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की आबत, उक्त जिथितियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दियाल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहि/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निप्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :-- 30 -- 446 GI/83

- 1. श्रीमती सालिया बीबी और अवरम
- (अन्तरक)
- 2. श्री मुरुगसन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यव्हिकरण्: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गुया हैं।

अनुसूची

भूमी-1,2,3, कोनगलम्मन कोयिल स्ट्रीट, इंग्डिंट (जाकूमेंट 1619/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **धा**युक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ौ]ज-।।, मद्रास

ारिबिः : 1-12-1983

∙मोहर ≟

प्ररूप बार्इ.टी.एन.एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) अर्थन रॉज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 1 विसम्बर 1983

निदंश सं. 13046 — यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा ु69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 '- रा. से अधिक हैं आर जिसकी सं. टी. एस. 56/2ए2, है, तथा जो सनगनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम (डाक्रमेंट 1971/83) में भारतीय रिजरद्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन विनांक मही 83 को पुर्विकत संपत्ति के उचित राजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफेयह यिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्सरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा बास्तविक रूप संकिथित नहीं किया गया है ---

- (का) अर्म्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविभा के लिए:
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गाउक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा की लिए।

ात: यथा, ातः अधिनियम की धारा 269-गुक्के अनुसरण , मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री एस कृष्तं

(अन्तरक)

2. श्री एम रमेश और मित अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 🙀 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अर्थाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशेहस्ताक्षरी के पास लिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में किया गया है ।

अनुसूत्री

भूमी और निर्माण टी. एस. 56/2ए2, सनगनूर (अक् में ट सं . 1971/83)

> कार पी पिल्ल यक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण_ अर्जन राज-।।, मक्सास

सारीय:: 1-12-1983

प्रकृष वार्षं.टी.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भाउत् स्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-१।, मद्रास

मग्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदेश सः 18583--यतः मुक्ते, आरः पी. पिल्लै, श्चायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं आर एस 205/3, है, तथा जो तिरुवान-मियूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मन्नास ्षाजित्थे (डाक्रूमेंट 1441/83) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण प्रीध-⁹नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द्र 83 को पूर्वीक्त सम्परित के उत्तिस बाजार मृत्य से कम के धर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित गाणार मुल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उष्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आंध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बज़ने में सुविधा के लिए; आर्र्या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, एक पाने में सुविधा के लिए;

अतः अय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारः (1) के अधीन, निम्निजिद्वित अपिक्तयों, अर्थात् ः— 1 म श्री जगवीसम और अदरस

(अन्तरक)

2. श्रीएम करुप्युस्वामी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्भान की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-बार एस 205/3, तिरुवानिमयूर (अक्मेंट 1441/83)

> आर. पीं. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, मद्रास

तारीख ा 1-12-1983 मोहार : प्ररूपु बार्द्, टी. एन. एस्. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

मारत दुरकार

कार्यालय, सहाराक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, मद्रास

मदास, विनाक 1 विसम्बर 1983

निदंश सं 18759--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य. 25,,000/-ट्रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. 7 है, तथा को कोट्टूरपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाकरू-मेंट 1203/83) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गई 83 ' को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य ,। उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उस्त अन्तरण लिखित भें भास्तिनिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तर्भ से हुद्द किसी जान की बान्त उक्त अधि -श्नियम कें नधीन कर बोने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से बुक्ते में सुविधा के जिएह और/या
- (क) एसी किसी कार्य या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)) के प्रक्षांचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---

- 1. श्री आर. बालसब्मनियन
- . .

(अन्तरक)

2 श्री जे पारतसारती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्हित के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करका हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जम् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना करावपन न अकाशन का तारीख सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीं ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपील्त में हित-बद्द किसा अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताकरी के पास निधित में किए जा सकारो।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाविद्य है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।।

सतसर्वी

भूमि टी एस. 7, कॉट्ट्रप्रम (डाक् मेंट 1203/83)

> आर_ी पीं पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीक ७ 1-12-1983 मोहर्ह प्रकप् बाद् . टी . एन् . एस . ------

ग्रायकर ग्र**धिनियम, 1961 (1961 का 4**3) की छारा **26%-व(1) के ग्रधीन नुष**ना

भार्ष सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

निवंश सं. 12910--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतको पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपरित, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अभिक है अरि जिसकी सं. टी. एस. 1828/8, है, तथा जो मौरिर-पालयम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संवर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कायमबट्टार (डाकामेंट 2041/83) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 83 को पुर्वोक्ता सम्परित को उचित बाजार मृल्यु से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापनिकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एस धरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रित्यात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्नीसिवत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण सिरियत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविवा के लिए; बीड/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भने या जन्म जास्तियों को, जिस्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए जा, छिपाने में सुनिभा के जिए;

1. श्रीमती सरसवती अम्माल

(अन्तरक)

2. श्री साँवरराजन

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वी 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

गगुत्ची

भूमि-टी एस 1828/8, सौरिपालयम (डाक मेंट), 2041/83)

> आरः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, मदास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--

तारील ः 5-12-1983

प्ररूप भार्षः, टी. एन., एस., -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज-११, मदास

भद्रासः, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निवास सं. 18758--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसका मं. 19, ही, तथा जो टोम्पल एवेन्यू कालनी, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रॉकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडयार (डाकर्मेंट 1206/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक मर्घ 33 का पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उसित बाजार मुल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एोसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; औरु/या
- ह) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधितिन्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्लास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए।

1. जानकी लोकनासन

(अन्तरक)

2. डाक्टर पोलिचिकता वरकी अब्हाम और अवरसे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में विया गया है।

जन्**स्**ची

भूमि और निर्माण-19 दोम्पल एवेन्य श्रीनगर कालनी है सैवरिट, मन्नाम (जिक्क्यमेंट 1206/83)

आरत् पीत पिल्ली सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, मक्सस्

अतः अतः अकतः अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसारण भें, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वतः व्यायत्यों, अर्थात् ६---

वारीख: 4 12-1983 महर्दा प्रस्य बाह् .टी.६न्.एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 13000-यतः मुभे, आर. पी. पिल्लै, मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के बर्धान मक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा. से अधिक है और जिसकी सं, आर. एस. 3063/1ए 1ए, 1ए हैं, तथा जो अट्टी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अट्टी (डाक मेंट सं. 377/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 83 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और 'म्फ्रेंग्ह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविकं रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे अपने में सृविधा औ सिए; और/या
- (ख) एरी किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम 1953 (1922 का 11) या उका विभान का 27) कर अधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिया के जिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, रूप प्रिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मशिश्वत व्यक्तिरों, अर्थातः— 1. र्था गबरट वारटन रटे और अनदर

(अन्तरक)

2. मैं. वोलटास निमिटेड

(इन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वार्कित सम्मृतित के वर्कन ले लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबहरू सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में फिए दा तकोंगे।

स्पर्धांकरणः - इसमें प्रयुक्त धन्दों और उदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20 - क में परिभाषित है. बही कर्न हत्या को उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि-शार एए 3063/1ए 1ए, 3063/1बी 1ए अट्टी (डाकर्मोट 377/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अहिबत (निरीक्षण) अर्जर रॉज-११, मद्रास

नारीक : 12-12-1983

सहर:

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-११, मन्नास

मद्रास, दिशंक 6 दिसम्बर 1983

निद्देश सं. 18823--यतः मुक्ते, आर, पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. सर्वों 102 है, तथा जो कोयिलन चरी सिधत है (और इससे उपाबवध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तामबरम (डाक् मेंट 4697/83) में भारतीय रजिस्ट्रीक्रियण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारीस मर्द 83) का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रथमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

1. श्री पारण जान में ल्लमला

(अन्तरक)

2. घुरुलिंगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्स्ची

भूमि सर्वे 102, कोयिलनचेरी (डाक् सेंट 4007/83)

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।।, मदास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

तारीख 6-12-1983 मोहर: प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घं (1) के अधीन सुचना

भारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

निदेश सं. 18492—यतः मुक्ते, अतर. धी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1361 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पड्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- क में अधिक हैं

और जिसकी सं 11/ए7, है, तथा जो अना सालै, मद्रास में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में एर्ण रूप से दर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के लार्लिय टिगलि हें (जिक् मेंट 368/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से दाम हो तक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण हैं कि मधाएबोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का दल्दह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) श्रीर बंतिरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्यम से उबल अंतरण कि विद्या में लम्लिखक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (स) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाइत टक्त की श-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए .बीर/क
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य वान्त्यों की, चिन्हें भारतीय जायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या ज्यत व्यक्षिनियम, या धन-कर क्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिता हुगरा रकट गृहीं किया गया भा या किया चाया चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब उद्धत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, नियालिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 31---446 GI/83

1. श्री भीको बिलर्ड्स

(अन्तरक)

2. श्री सी. एन. वाशा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहियां करता है।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयक्त सन्दों और धर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भ्राम-11/ए7, अन्ता सालै, मद्राम (डाकुमेंट 368/83)

> आर. ी. िल्ली ातम प्राविकारी सहायक नावकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉजना । सम्रास

तारीख : 2-12-1983

rier.

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक । दिसम्बर 1983

निदास रा. 18764---सतः मुक्ते, आहा. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-स्त. से अधिक हैं।

अरेर जिसका सं. 20, सब्धे 9, हो तथा जो कट्टूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं) राजि-स्ट्रका अर्थकारा के कामालय, अठरार (अकूमेंट 1031/83) में भारतीय राजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीय, दिनांक मद्दी 83

का प्रांचित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मफी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसक दश्यमान प्रतिफल म, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी, जाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्व ते तो त्यार प्रकट नहीं किया गया था गर किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में., में, राक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मीलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :---- ।. शीमती रगगनायकी

(अन्तरक)

2 श्रीमसिदरप्रव

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वेक्स स्म्यति के धर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध मों कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्धी

भूमि और निर्माण सर्व 9, कोट्टूर (डाक्रमेंट 1031/83)

> आर. पी. पिल्लें सञ्जम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-११, सम्मार

तारीखः 1-12-1983

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११., मद्रास मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

· निदंश सं. 13047—यतः, म्भे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. 30ए, अन्सारी स्ट्रीट है, जो उज्जूमलापेट मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालग, उठ्यमलपेट (डाक् मेंट 975/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमं, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्इ 1983 का पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंताण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलीखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त के अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए को लिए।
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री वी. जयरामन

(अन्तरक)

2. श्री कलील रहिमान रावतर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे क्त निम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी ।
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकरा
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्ता स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निष्तित में किए जा सकरो।

स्पस्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि और निर्माण--30ए, अन्सारी स्ट्रीट, उठ्यूमलपेट (डाक्रमेंट 975/83)।

्यार पी. पिल्लें सक्षम प्रविक्तरी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदाम

अतः अव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख: 2-12-1983

/ मोहर :

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (३) के अधान सकता

श्रारण सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

निवास सं. 13045---यतः, मुभी, आर. ग्री. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर मुम्पत्ति; जिसका उनित बाजार मृत्य 25,000/+ रत. से अधिक **है** और जिसकी सं. 140/9, कामराज राड ही, जो तिरुप्र म स्थित ही (और इससे उपाबवध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर (डाक्र्मेंट रेजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 768/83) में (1908 का 16) के अधीन, मर्क 1983 का पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मुल्य से काम को एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापदीक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्तियाँ) के कीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल. निम्नलिखिए उददेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तविक रूप से कथित नष्टी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उसने स्वते में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को,- जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था रा किया जान जाहिए था, कियाने में तृतिभा के जिए;

मत: सब, उक्त निर्मित्यम की धारा 269-म की जन. . . मं, जं दक्त धरिनियम की धारा 254-म की उपधारा (!) की नधीत, निम्मतिथिस व्यक्तियों, नर्भात् हल्ल । शी ए सन्मनियम

(अन्तरक)

2. श्री आर. वरदराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृथांकत सम्परित के अर्जन् के लिए कामवाहिया करता हूं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनशि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाव में समाध्य होती हो, के भीतर प्रवासक स्थानतयों में से किसी व्यक्तित व्यादा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्न स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकार में किए आ सकेंगे।

असुसुची

भूमि और निर्माण--140/9, कामराज रोड तिरुष्पूर (डाक्ट्र मेट 768/83)

> आर पी. पिल्ली सक्षम अधि कारी, म्हायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रॉज-11, मद्रास

त्तारीष: 2-12-1983

- मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, मदास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18756--यतः मुभे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसका सं. टी. एस. सं. 9/1 है, जो एट र में विश्व है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाकूम ट 1154/ 83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कश्रित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. घनेश सावित्री

(अन्तरक)

-2. श्री एन. के मोहमद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-टी. एस. 9/1, उन्दूर (डाक्रमेंट 1334/83)

> आर**. पी, पिल्लैं,** सक्षम प्रावि∍ारा सहायक आयकर अग्युक्त (निरोक्षण), अर्जन रोंज-।।, मद्रास

कतः अर्थ, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-म की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

वारीख : 1-12-1983

प्ररूप धाईं.टो.एन.एस. ------

श्रीमती सरस्वती

(अन्तरक)

2. श्री अब्बलर

(अन्तरिती)

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक | दिसम्बंर 1983

निदोश सं 18756--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, मायकर मधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-एत. से अधिक ही और जिसकी सं टी. एस. मं 9/1 ही, जो उरूर में स्थित ही (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक्रूमेंट 1336/ 83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द 1983 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्टयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण

सिवित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोप-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि-दी. एस. 9/1, उन्दूर (डाक्र्मेंट 1336/83)

> आर पी पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, सदास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्षात :---

तारीव : 1-12-1983

मोहर 🗄

प्ररूप बाईं. टी. एन एस. - - - ---

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

वारा 269-ध (1) के नधीन स्चना

. भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।. मदास

मदास, दिनांक । दिसम्बर 1983

निवंश सं 18756--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रा. में अधिक ही और जिसकी सं. टी. एस. सं. 9/1 हौ, जो उरूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठ्यार (डाक मेंट 1335/ 83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिकरत के लिए अन्तरित की गर्ड है और मफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददोव्य से उक्त औरन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया भया है:--

- (क) जन्मरण से हर्द किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिबना के लिए समैद/दा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकार अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गण्य प्राप्तिया जाना चाहिए था. छिपाने मे सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीव निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

।. श्री त्रिलांकनाथ

(अन्तरक)

2. श्री निस्सार और हनीफ

(अन्तरिती)

को गह सुचना जारी करके पूर्वोवन संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

अन्सन्त्री

भूमि-टो. एस. 9/1, उन्दूर (डाक्रमंट 1335/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षत प्राधि कारो . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-।।, मद्रास

तारीब: 1-12-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक । दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18585--यतः, मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वो 195/13 ही, जो प्लाट 3 बी, सैदापेट मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मद्रास स्रौत (डाकू-मेंट 1455/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1983 को पर्योक्स संपत्ति के उचित गजार मन्य से कम के इन्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तय णया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्भत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के डॉयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बॉर्ट्स
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था लियाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती सरोजा बाय

(अन्तरक)

2. श्री के. गीतानाथ

(अन्तरिती) जीव के जिस

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकारन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लागे से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त अन्तां और पदी का, जो त्रक्त अधिनियम; अं अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-प्लाट 3नी सर्वो 195/13, सैदापंट (डाक्रू मेट 1455/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयेकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, मदाम

हारीच : 1-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

1. श्रीपी शिवप्रकाशम

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना 2. श्री एस. वेंकट श्वरन

(अन्सरिसी)

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकरं आयुक्तं (निरीक्षण)

^५ अर्जन र^जन-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 विसम्बर 1983

निवंश सं. 18810—यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे 154/2ए हैं, जो मोगप्पेर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल्य., अमबट्ट्र (डाक्र्मेंट 2300/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ष्ट 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ,गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अवन जिम्मीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसमे बचने में भविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

को यह स्थना जादी करके पूर्वेक्त संपत्ति के वर्षन के निए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकिंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अनुसची

भूमि - सर्वे 154/2ए, मोगस्पेर (जाक मेंट 2300/83)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मन्नास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अधित !---

मोहर:

32-446 GI/83

तारीख : 1-12-1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (६) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-१४, मद्रास मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18760--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभी इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे 320/2 है जो कोट्टियाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनम्ची सें और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठयार (डाक् मेंट 1167/ 83) में रजिस्ट्रीकरण जीवीनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्झ 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मन्य में कम वे, स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पक्ति का उचित बाजार मृल्य,. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बन्दन में सुविधा कै लिए; और/या
- (ख) एसी किसी झाय या किसी धन या बन्य आस्टियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने मा स्थित के निष्ठ;

1. श्री रगां बल राव, जी मोहन राव

(अन्तरक)

2. श्री भारत राम दोषी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप :--

NUMBER SECOND DESCRIPTION AND PERSON MADE SECOND AND ASSESSMENT OF

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुषा है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे 320/2, कोट्टिवासम (डाक् मेंट 1167/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

अतः ज्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

तारीख : 1-12-1983

गोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकार आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन राज-।।, मद्राम

मद्राय, दिनांक । दिसम्बर 1983

निद्र स सं. 18493—न्यतः मुक्तं, आर. पी. पिल्लो, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. स अधिक हैं और जिसकी सं. 834 हैं, जो अन्त साले मद्रास म स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अवसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, द्रिप्लिकेन (टाक मेट \$54/83) में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 46) के अभीन मई 1983

का प्यावत सम्पात्त का उचित वाजार मृत्य राक्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अल्परित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उमित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जलरण म हुद्दे कि.मी आय को नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उसरो बचने में मूर्विशा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी यन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्यिया के लिए;

अतः अध्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात :--- राजका एन्टरप्राइजज

(अन्तरक)

2. थी यांगंश और सुकेश

(अन्तरिती)

का <mark>यह रामना जारी करके पूर्वावत सम्परित के अर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारांख में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्धा और पद्यों का, जो जनस अभिनियम के अध्याय 20-के मी परिभावित है, यही अर्थ होंगा जा जाम अध्याय मी दिवा गया है।

अन्स्ची

भूमि 834, अन्ता सार्व गढाम (शक्त्रमोट 354/83) मदास)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, मदास

तारीख: 1-12-1983

माहर :

प्रसंप नाष्ट्री, दी, एन, एस,, =-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, भद्रास

मद्रास, दिनांक 1-दिसम्बर 1983

निक्श सं 18580---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रापये से **अधिक हैं** अरि जिसकी सं. 33 हैं, जो देवसिंगामनी मुदलियार रांड, मद्रास-14 में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदास साँत (डाक्रुमेंट 1377/83) मे र जिट्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द 1983 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उधित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उनुवाश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उन्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्व में कभी फारने वा उन्तसे बचने में सुविधा के सिए; औड़/बा
- (क) एसी किसी बाय मा किसी भून या अन्य बास्तियों की, विक्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विभिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के बिए;

जंकः जब, उक्त व्यभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ∷—— 1. श्रीमती महालक्ष्मी चेम्बरस

(अन्तरक)

2 सेनिको एस्टेंटस और फार्मस (पि.) लिमटेड (अन्तरिती) को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र-में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर् सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-33, देवसिगामनी मुदलियार रोष्ट, मद्रास-14 (डाक्रमेंट 1377/83)।

> आर पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र'ज-।।, मस्रास

ता्रीख : 1-12-1983

प्रकष आहे. टी., एन. एस., - - - ----

नायकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्पालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निवंश सं 13048—यतः म्फे, आर. पी. पिल्ले, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक हैं और जिसकी सं. 192 हैं, जो रनमें धाँडर स्टीट कोयमबटटर

और जिंसकी सं. 192 हैं,, जो रनगे घोंडर स्ट्रीट कोयमबट्टूर में स्थित हैं (और द्वासे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कायमबट्टूर (डाक्रूमेट 3067/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, जुलाई 1983

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विष्वास (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कतो, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की अधीन निम्निसिन्तित् व्यक्तियों, अर्थात् क्र— 1. श्रीबी संलवराज

(अन्तरक)

2. श्री म्लकाली चींट्टयार

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की यविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यार त्रधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् धी

भूमि और निर्माण-192., रनगं घोडर स्ट्रीट, कायमबट्टूर (डाक्मिंट 3067/83)।

> आरः पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज-।।, मद्रास

तार्गम्यः ; 1-12-1983 मोहरः प्ररूप बाइ^{*}.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-ष(1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यातक, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजन।।, मदास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

भिदाश सं. 18232--यवः मर्भे, आर. पी, पिल्ली, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. आर. एस. 1558, 1577/1 है, ज $^{\circ}$ कृष्णस्थामी बारठन मद्रास-18 मो स्थित हो (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसगटलेटस (डाक्मेंट 450/83) मो भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन म**र्इ** 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींक्त संपत्ति को उचित बाजार म्लय, उसके दृश्यमान प्रतिफाल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अन्तरण निकित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आनत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों कर जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सिरियों ब्लारा प्रकट नहीं किया गया का बा जिल्ला जाना नाहिए का, कियाने में धुनिका के हिन्हा

बता बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के बमूसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिश्वित व्यविक्षयों, अर्थाक् :-- श्री पी. विजयकमार

(अन्तरक)

2. श्री आर. वी. शंसर

(अन्तरिती)

कां यह स्थाना जानी करक पृथित त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहिमा करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वांत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूधना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्ति व्यक्ति वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिस- स्थावर संपत्ति में दिस- स्थावर क्यांकर किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकण्ण .- -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त असिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा ओ तन अध्याय में दिगा गया है।

अन्स् श्री

भूमि-अप. एस. 1558, 1577/1, कृष्णास्थामी धारठन, मद्रास-18 (ज्ञाक्रमोट 450/83)।

आर. पी. पिल्ली नक्षम प्राधिकारी पहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, मद्रास

वार्गम : 1-12-1983

मोहरः :

प्ररूप आइ. टो. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सूरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निरंश सं. 12905—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 28/164बी हैं, जो कोआपरंटिव कालोनी हास्पीटिन रोड वालपार में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमने (डाक्सेट 125/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ड 1983

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक रूप म कथित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सविधा के निए;

कतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. थी टी. सीतालक्ष्मी

(अन्तरक)

2. श्री मन्दल तंगराज और तिल्ली तंगराज। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर भूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

भूमि और निर्माण-28/164बी, को आपर्रेटिव कालोनी, हास्पीटल रोड, वालपार (डाक्मेंट 125/83)।

आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज राज्य

रागील : 1-12-1983

मोहर 🖫

प्रकृष काहाँ . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निवंश मं. 18343—यतः मुफे, आर. पी. पिल्ले, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्याम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं और जिसकी सं. 52, चित्रक जूनम नारत स्ट्रीट हैं, जो मद्रास-4 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैनापूर (डाक्रूमेंट 618, 619/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम् पामा गया प्रतिक का विश्वास के बीच एसे बन्तरण के लिए तम् पामा गया प्रतिक का में कार्यक्ति उद्शेष्य भे उक्त अन्तरण निस्त में बास्तिक कम में किथा गर्ही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अधने में सृथिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में स्विधा के निए;

सतः अव, उक्त अधिनियम की वारा 269-ण के कन्वरण मों, माँ, उथत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीनः निम्मीनियित व्यक्तियों, अथितः :-- 1. श्री टी. पट्टम्माल

. (अन्तरक)

2. श्रीमती मीनाक्षी और कामुद्रवल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंकत सम्पृतित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ववारा;
- (स) इस मृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रमुक्त गुन्यों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो नम अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

अनडिवाइडडे कोर-भूमि:-52, चित्रकें लम नारत स्ट्रीट, मद्रास 4 (डाकर्मोट 618, 619/83)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, मक्सस

ता्रीख: 1-12-1983

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रिज-।।, मदास

मधास, विनांक 1 विसम्बर 1983

निद्धेश सं. 18811—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कोम्मपासम, बाहूर पांठी ही, जो पांठी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हीं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांठि (डाक्र्येट 1500/ 1501/83) में र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस मई 1983

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था यो किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---- 33—446 GI/83

1. श्री अरुल दोनदास घांदि अरमेल और अनदर (अन्तरक)

2. श्री मोहमद और अबद्गल्ला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि - आर. एस. 165, कोम्मपासम; बाह्र्र (डाक्र्मेंट 1500, 1501/83)।

> आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-१११ मद्रास

तारीख: 1-12-1983

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. ------

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना श्रीमिती साविधी और काप्यस्वामी

(अन्तरक)

2. श्री बालस्बुमनियन और अदरस

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायक्स (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, मदास

मद्रास दिनांक 14 दिसम्बर 1983

निदेश सं. 18766— यतः म्फो, आर. पी. पिल्लं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

और जिसकी मं सर्वो 230/3, 224/4 है, जो कोट्विसम मों स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अठमार (डाक्रमेंट 1406-1408/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन मर्क 1983

को पूर्वोक्स सम्परिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसं अन्तर्ण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तिवक रूप में किथन नहीं किया गए। ही

- क्लारण से हुई किसी 'आय- की बाअत, 'उब्तू अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में अभी अरने या उससे अधने में सुधिया के लिए; और/वा
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में लगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें: प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-सर्वे सं. 230/3, 224/4, कोट्टिवासम (डाक्र्मेंट 1406-1408/83)।

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी महायक आयकरआयुक्त (निरक्षण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

. अतः अधः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दारीय : 14-12-1983

प्रेरूप आहे० ठीड एउँ ए सं०-

श्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18776--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है); की आध 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सभ्यति, जिसका उचित धाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है

🐗 र जिसकी सं. राम जी रोड, शास्त्रीनगर है; जो मद्रास में दिस्थत है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयः, सैदापेट (डाक्रमेंट 913, 914/83) में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मं, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती ू(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; क्षीर/स
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ा. श्रीमती बसन्ती सुबुमनियन

(अन्तरक)

2. श्री नटसन कल्याण रामन और नरसिमहन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्थेत के लंबंद्ये में कोई भा बाखेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्यब्दोक्रणाः = च्हनते यनुकत शब्दों तीर पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्व होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-रामजी राड़ कास्त्री नगर, मद्रास (डाकू-मेट 913 और 914/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।।, मद्रास

बतः २व, उक्त अधिनियम, जी धारा 269 ग के जनसरभ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

तारीब : 2-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी., एन., एस.,-----

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा . 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 विसम्बर 1983

निवोध सं. 18482---यतः मभ्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का अगरण है कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 2,5,000 ∕- रुट. से अभिक ह⁶ आर जिसकी सं. आर. एस. 1585/1 ही, जो मैलापूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर (डाक्रमेंट 670, 671/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसि दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया जितिकाल, निम्नलिखित उद्योषय से उत्तर अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अब्द बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्री मनमाहन रङ्डी और अवरस

(अन्तरक)

2. श्री नरहरी रोड्डी और उठवा रोड्डी

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिक्षिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

्रभूमि-आर. एस. 1585/1, मैलापूर (डाक्र्मॉट सं, 670, 6**7**1/83)।

> आर. **पी. पिल्लै** स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।।, मद्रास^{र्}

जतः जन, जनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण माँ, माँ, अक्षा अधिनियमं की धारा 269-भं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

ज़ी**रांख**ः 1-12-1983

मोहर ः

प्रका भार, टी. एन. एस.,-----

1. श्री कृष्णस्थामी और अदरस

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना 2. श्रीमती मूमदास बीबी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निविध सं. 10328—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं. 43 है, जो बकतप्री कुमबकानम में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुमबकानम (डाक्रू-मेट 970, 971/83) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ह 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और हैमूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके उद्यमान पृतिफल हो, एसे उद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वश्य से उक्त बंतरण निखित में बास्तविक स्थ ये किंगत नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी बाजत्, उक्स बिधिन्यम् के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने से बचने में सुविधा के लिए; ब्रौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्तित व्यक्तियों, अधीतः (:— को यह सूचना चारी करके पृशेक्त सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (**ए**) इस स्चना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शुर्दी और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

भूमि और निर्माण-43, बकतपुरी कृमबकानम (शक्मेंट सं ु 970, 971/83)।

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आधार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

लारी**स**ः 1-12-1983 - . मोहर ∄ प्ररूप बाइ .टी.एन.एस..----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18230—यतः मुक्ती, आर. पी. पिल्ली, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 8 है, जो कस्तूरी स्ट्रीट मदास-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),

हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैटस (डाक्रूमोंट 424/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908) का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित अने बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त क्षितियम के अञ्चीत कर देने के अक्तरक के दायिश्य में कमी करने वा सससे बचने में मुविधा के लिए, और्यात
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी वन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या अनुकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए।

बदः बद्, उक्त बाधान्यम का भारा 269-ग क जनसरम मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— . 1. श्री गोपिचंद इलनलास और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री चंद्रशेखर

(अन्तरिती)

को यह सूचना च्चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ

- (क) इन मूचना के राजनत ने त्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्ती व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील ने 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा करें?

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि-8, कस्तूरी स्ट्रीट, मद्रास 86 (डाक् मेंट 424/83)।

आर पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मदास

तारीस : 1-12-1983 मोहर 🐎 प्ररूप बाह्र / टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।,, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 विसम्बर 1983 निवंश सं. 18230—यतः, मुक्ते, और पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य , 25,000/-रा. से मधिक है

और जिसकी सं. 186 है, जो लायठस रोड में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाक्र्मेंट 412/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मही 1983.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी स्टब्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री गाँपिषंद इलनलास और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री एस. जाफर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---- इसमें प्रयक्त शन्तां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अमुसुची

भीम-186, लायठस रोड, मद्रास (डाक्-मेंड 412/83)।

आरः पीः पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[े]ज-।।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीस : 1-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आ<mark>युक्त (निरीक्षण्)</mark> अर्जन रॉज-।।., मद्रास

मुद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निवंश सं. 12933—गतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. 169 हैं, जो कामरन स्ट्रीट पोल्लाच्ची में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूनी में पूर्ण रूप से विणित हैं), एजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के का जिस्स, पोल्लाच्ची (डाक्मोंट

16) के अधीन जून 1983 को नूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ताजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहें हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिक्ति

में त्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया १---

1397/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिविधा के निए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. श्रीमती के. इनविरानी और बालाजी

(अन्तरक)

2. श्रीपी. अब्रहाम सकन्ततला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप, यदि हो तो :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षें का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-169, कुमूरन स्ट्रीट, पोल्लाच्ची (डाकू-मोंट 1397/83)।।

> आर. पी. पिल्लै सन्नम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, मदास

तारीख: 3-12-1983

मोहर 🖰

प्रक्ष बारं . टो. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन सुचना

in material date

1. शीमती वी लक्ष्मी अम्माल (अन्तरक)

`

2. श्री ए. गणेषन

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक कायकर आयक्त (निर्क्षिण)

भारत सरकार

थर्जन र्जा-।।, मद्रास मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर 1983

निवंश सं 10341—यतः युक्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 132 है, जो तनकराज नगर तिरुप्पापृलियूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुजूची में और पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यावय, कठलूर (डाक्रूमेंट 880/83) में रिजस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निति दित दृद्दिश्य से उन्तर अन्तरण निम्निति दित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क' कलपण में बुर्ज़ जिसी लाय की बावत, लक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों मुलिया के सिक्तु क्रीर/का

(स) एसी किसी आय या किसी धन या करव राशिता को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को एको जारी अल्हरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अते: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निम्मलिस्ति व्यक्तियों अर्थात—: 34—446 GI/83

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त स्मिति के अर्जन के सम्बन्ध में द्येश भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पांच लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -132, तनकराज नगर तिरुष्पापुलियूर, कठलूर (डाक्र्मेंट 883/83)।

आरः पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीब : 3-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 1 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 18230—यत:, मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर एस 1570/15, 1573/20 है, जो कस्तूरी स्ट्रीट मद्रास-86 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्नालय, तोसनटलैटस (डाक्र्मेंट 425, 426/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वीक्त सम्भीत के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिपल को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार गूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के उदांच नर्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गोपीचंद इलनलास और अदर्स

(अन्तरक)

2. श्री वासन, मीना वासन और चंद्रना

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारी अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि - आर. एस. सं. 1570/15, 1573/20, कस्तूरी स्ट्रीट, मद्रास-86 (डाक्र्मेंट 425, 426/83)।

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

तारीख : 1-12-1983

प्रस्प धाई० टी० एन० एस०---

1 श्रीमती गिजिमाल कुटियकोस

(अन्तरक)

2. श्री ए. काब्रियल और अन्य

(अन्तरिती)

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) को अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मद्रास

मद्रास्त, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निद्येष सं. 52/मई/83—यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लें, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार अल्य 25,000/- इ. स. अधिक हैं

अगैर जिसकी सं 202/83 से 204/83 है जो विलपट्टी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कांडेंक्कानल दस्तायेज सं 202/83 से 204/83 तक रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया यदा है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आमकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरारण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिया व्यक्तियों, अर्थात्:---

को यह सुचना जारी करके पृत्रों यस सम्परित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अदिध या जरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अत्रिभ, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यास निष्ठित में दिव्ह जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विलपट्टी गांव कोड क्कानल, मदुर जिला (दस्तावेज सं. 202/83 से 204/83 तक)

> आर. पी. पिल्ल, सक्षम प्राधिकारी ़ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

तारी**स** : 28-12**-**1983

मोहर ः

प्रस्त आइं. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का को की धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमती कामाक्षी अम्माल और अन्य

(अन्तरक)

2 - श्री आर विजय रगुनाथ तोन्ड मान

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवक र आग्नत (निरीक्षण) अर्जन र ज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 53/मई/83—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '209-ख के बंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

बार जिसकी सं. तिब्बक डी गांव है, तथा जो मद्रास में स्थित है (शार इससे उपाबद्ध मों और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोड क्कानल दस्तावेज सं. 206/83 से 213/83 तक मों भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्च 1983

को पूर्वोद्धत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्धत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (के दितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कि नम्मिलित उद्देश्य से उद्धत अन्तरण लिखित में क्या में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसा आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्याने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पृवींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्मत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अकिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्चीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रय्वत शब्दों तौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची '

भूमी, तिन्डिकडिंगांव, कोडेक्कानल (दस्तावेज सं 206/83 से 213/83 तक)

आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^रज-।. मदास

अतः अब उन्त अधिनियम को भारा 269-म के राज्यकमा, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

तारीन : 28-12-1983

महिर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 दिसम्वर 1983

निदंश सं. 18231--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 196) (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पर गत् 'उक्त प्रधिनियम' करा क्या है। की बारा 269-प के प्रधीन जनम जाधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपए 'श अधिक है और जिसकी सं. सर्वे 547/ए है, तथा जो स्टरिलंग रोड मद्रास 34 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है),, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तौसनटलैटस (ठाक संड 447/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1902 का 16) के अधीन मई 1983 को पर्वोदन सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के खबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्ते दितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रति-कल रिम्नलिखित इन्दरेश से उक्त अंतरण निष्तित में वास्तिवक ६५ म का यत नहीं किया गया हो :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत स्वत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा क जिए, कोर्/स
- (ध) एसी किसी आय या किसी धून या अन्य आस्त्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) ना उन्त अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या भा या किया जाना नाहिए था, जियाने प्रें स्विया के लिए;

1. श्री मोहर सिंग और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री विनाद बाटला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्स सिंपियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, अही अर्थ होगा की उम्म अध्याय मी दिका गया ही।

अनुसूची

भूमि-सर्वे $547/\sqrt{0}$, स्टरलिंग रोड मदास-34 (डाकूमेंट 447/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मग्रस

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसर्ण में, में, 'इक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 2-12-1983

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन र^नज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

नियोग सं. 60/मई/1983—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर. एस. सं 1447, हैं, तथा जो अन्नारणेटें, मद्रासे में स्थित हैं (और इससे उपावस्थ में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-।। दस्तावेज सं 1850/83 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मईं 1983

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बावस, उक्स शिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

1. श्रीमती मन्जुला अम्माल

(अन्सरक)

2. श्रीमती राजलक्ष्मी अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त् सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष सं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गंपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पध्दोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

भूमी और निर्माण आर. एस. सं. 1447 वन्नारपेटी, मग्रस (दस्तावेज सं. 1850/83)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

अतः क्रिन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (4) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारिख : 12-12-1983

महिर 🖫

प्ररूप आह. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मन्नास

मद्रास, विनांक 12 दिसम्बर 1983

निवोश सं. $63/म् $^{5}/83 - 4$ तः सुभ्रे, आर. पी. पिल्ले, **कायकर** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इयके पदचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक **हैं** और जिसकी सं. 543, टी. एच. रांड, ओल्ड वाषरभेनपेट, मद्मास भें स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण क्या से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपूरम, मद्राम दस्तावेज सं. 764/83 में भारतीय रजिस्द्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द 1983 को पुर्वात्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव हेगों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्याजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

श्री एम . एव . जी . गनेश नाटार और अन्यों (अन्तरक).

2. श्री एम. एस. के. नागराजन

(अर्न्ता रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिमबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरताकरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमी और निर्माण सं. 543, की. एच. रोड, ओल्ड वाषर-मनेपट, मदास

(दस्तावीज सं. 764/83)

आर. पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

नारी**स** : 12-12-1983

्रेट्र:

प्रकृष बाही हो . एन . एस . = ----

. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ेशारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिराम्बर 1983

निदंश सं. 68/सई 83 -- यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से अधिक हैं और जिसकी सं. 654, तिरुप्ताटियूर हाई रोड, मद्रास-81 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, रायप्रम, मद्रास दस्तावेज सं. 858/83 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1983 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित दाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संस्पतित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफूल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रेतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्ति एक रूप से कश्थित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उक्से बचने में सुविधा के लिए; आर/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियेम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियेम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. भी के. पी. धर्मराजन

(अन्तरक)

2. मास्टर आर. मुरुणवेल के चन्द जे. सौन्दरपान्डियन (अन्तरिती)

को यह सुपना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपत मा प्रकाशन को तारोख स 45 दिन की जबिश या तत्सबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त . त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीक्ष में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्बद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में जिए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों होर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीं

भूमी सं. 654, टी. एथ. रोड, मद्रास । (दस्तावेज सं. 858/83)

आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

अत., अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यकण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 12-12-1983

मोहर 🏋

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

अध्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-भ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदेश सं. 73/मर्ग/83--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करों का कारण है कि स्थायर सम्पति।, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं \cdot 31 औं1/2 है, तथा % रिकर्डन रोड वंपोरीं, मदास-७ में स्थित है (और इससे उपाववुध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उत्तर मद्रास-1 दस्तावीज सं. 1976/83 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विक्वारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अविधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत: अब, उच्चत अधिनियम को धारा 269-ग के, जनसम्ब में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपभारा (1) कं अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों , अर्थात :---

1. श्रीमती शीला देवी

(अन्तरक)

श्रीमती उषा भगरिया

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हा ।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यां≉त दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, ज़ो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण सं. 31 और 31/2, रिथर्डन रोड, बेपेरी. मदास-७ (बस्तावेज सं. 1976/83)

> आर. पी. पिल्ली सभम अधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्णन रेश, शदास

तारीब ः 12-12-1983

मोहर:

35 -446 CH /83

प्रस्प बाहां, टी इन्, एस्.-----

शायकर अभितिक्ष, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्पीत सुप्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदास

्मक्रास, दिगांक 12 दिसम्बर 1983

निदाश रः. 84/मर्ड 83--यतः मूर्फे, आर. पी. पिल्ली, आयकर धिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले उसमें इसके पञ्चात 'उक्त अधिनियम' यहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम णिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25, 000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. 129, ही, तथा जो वरदम्तियप्पन स्ट्रीट जार्ज-टौन, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबवंध में और पर्ण रूप से निर्णात ही. रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्निए, सौकारपट, मारास वस्ता कि सा. 240/33 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सर्ह, 1983 को पर्वोक्त संपरित के उचित वाजार मन्य सं कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विज्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्या, जसको दृष्यमान प्रतिफल में एमि दृष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिष्टियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उदद्येक्य से उक्त अन्तरण लिक्सित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, टब्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- ्स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिये था, लिएनों से स्विभा के लिए;

अतः अब, उकत अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण् गे. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व को उपधारा (गै) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--- 1, श्री एम. एस. श्रीनिवासन और अन्यों (अन्तरक)

2 श्री पी एम दैव सिगामनी

(अस्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चमत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य ध्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, व्ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण स. 129, वरदम्त्रयणन स्ट्रीट, जार्ज टाँन, मद्राम (दम्साक्षेत्र सं 2.40/83)

आर. पी. पिल्हें सक्षम प्राधिकारी स**हायक जायकर** आयूक्त (निरक्षिण) अर्जन र्रेज, महास

जारी**ख**ः 12-12-1983

प्रकृष बाद् ुटी, एन्, एस, ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज:, मदाम

मग्रास, विनांक 12 विसम्बर 1983 निदेश सं. 88/मर्झ/83--यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **प्रसक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा** 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्यु 25,000/-रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 55, आदियप नायकन स्ट्रीट, ही, तथा जो

मकास-1 मं स्थित है (अरेर इससे उपाबद्ध में)और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपंट मद्रास दस्तावेज सं. 216/83 में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द 1983 को पूर्वोक्ट सपित्त के उचित बाजार मृस्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उ**ष्दरिय से उक्त अन्तरण लिखित** में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय को वाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- 📹) एैसी किसी जांगया किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

1. श्री बी. परस्राम चट्टी

(अन्तरकः)

2. श्रीबी मदनलाल जैन

(अन्सरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाह्या करता हुई।

उथस सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इ.स.स्**चना के राज**पत्र म[्] प्रकाशन की तारी**या से** 45 दिन की अविधि या सत्सबधी व्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की बबिध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 विजंके भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिस-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, बधोहम्हाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थलक्षीकारण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, **जो उन्स**त् अधिनियस, के बध्याय 20-क में परिभाषित हु", बहा धर्म होना को उत्तर अध्याय में विद्या ग्या है।

मन्स्ची

भूमी और निर्माण नयी सं. 55, आदियप नायकन, स्ट्रीट, मम्रास-1 (दम्लाबेज मं 216/83)

> आर. पी. पिल्लै मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रीज, मदास

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भू-, भू-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात्:---

सार**ीस** : 12-12-1983

भोहर:

प्रस्प **भार**ं. टी. एन. एस. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, मदास

मन्रास, विनांक 12 विसम्बर 1983

निद्या सं. 89/मर्द / 83---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसक पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स कं अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य् 25,000/~ रा. से **मधिक हैं** और जिसकी सं. 14, कमार अरू मृदली स्ट्रीट ही, तथा आ जार्ज टान, मन्रास में स्थित ही (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट, मन्नास दस्तावेज सं. 218/83 में भारतीय राष्ट्रेजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्द, 1983 का पृवाभित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दश्यमान अतिफल के लिए अतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने काकारण हो कि यथापूर्वोक्त सर्पाल का उचित बाजार मूल्य, उसक इश्यमान प्रतिफल स, एस इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच एसे अन्तरण की लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निधित में नास्तिनिक रूप स किथ्त नहीं किया गया 🗲 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त आधानयम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्य में कभी करन या उसस सचने में सूर्यिभा के लिए; अर्/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

अन्तः अथ उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण अर्ज, कैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1)

के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अथात् :--

मोह 🖫 🎍

1. श्री पी. जनानस्वरम

(अन्सरक)

2. श्री वी. रामनाभन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वार;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुस्था

भूमि और निर्माण सं, 14, क्मरप्पा म्दली स्ट्रीट, जार्ज टौन, मद्रास। (दस्तावेज सं. 218/83)

> आर. पी. पिल्ली सञ्जम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रांज, मन्नास

सारी**स**ः 12-12-1983

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

न्नात्र त्र प्रितियम, १९६१ (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदश सं. 106/मई 83—यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बातार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 240, हैं, तथा जो कोलपाक गार्डन रोड, मद्रास-10 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के द्रार्शील्य, के सम्रेट, मद्रास दस्तावेज सं. 517 और 524/83 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से क दृशमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण निश्चित में वास्तविक छ्य स कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्थ घास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती संशाशिनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती वाबियाला रोडि,गो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण 240, कीलपाक गार्डन रोड, मद्रास-10 (दस्तावेज सं. 517 और 524/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधि शरी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, मद्रास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

ता्रीख : 12-12-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - -- -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।., मझास

मद्राम, दिनांक 12 तिसम्बर 1983

निदंश सं 121/सई/83--एतः मुक्ते, जार. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की धारा 269-स के दधीन सक्षप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. सं काषक है

और जिसकों सं. 39 हैं, जो मूकाताल स्ट्रीट, मद्राम-7 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विधात हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालयं, परियमेंट. मद्रास दस्तावेज सं. 503/83 रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पर्वोचन संपतित को उदिन राजार मान्य से कान को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुफी यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापर्वोचन संपत्ति का उचिन बाजार मृन्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कश्चित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की अन्तरण से हुई किसी बाय की अन्तरक के दायित्व में नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एरे विकसी आय यो किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आयक र आधीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, विकास प्रशंकरार्थ जन्मिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजरार्थ जन्मिरियम विवास प्रकट नहीं दियम प्रयास या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः इतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री एल. रमंश

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयन्ती अन्टोनी एसिडारे

(अंतरी क्षे

को यह मुचना जारी कारके पूर्वीया सम्मीत्त के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 के दिन की अड़िश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वी करू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दि। के भीतर उक्त स्थाना सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरों के पास जिल्ला में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ती अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित, है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और रिनर्साण सं. 39, म्कानाल स्ट्रीट, मद्रास-7 (दस्तावेजं सं. 503/83)।

> आर. पी. पिल्लें सञ्जम प्राधिकारी (महायक आयकर अप्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

त्रीब : 12-12-1983

प्रूप नाई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 122/5/83—यतः म्के, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिवारों को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

और जिसकी सं. 39 है, तथा को एगमोर हाई रोड, मदास-8 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं किंगित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियामेट, मदास, (दस्तावेज सं. 564/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को प्रवीक्त संपत्ति के उचित बाज़ार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके गई किक्वल्य करने का कारण है कि यथाप्रवीक्त संपत्ति का उचित बाज़ार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्योध्य में उचन अन्तरण लिखित में नास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जावत, जावत अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने प्रात्मिम बचने में स्थिध। के लिए; और/आ
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था जिला जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए

। भी राजा पात्र।

(अन्तरक)

2. श्री बिलिय राजू इसिडारे.

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पृशीक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हो।

डक्स सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील के 30 दिन का अविधि, जो भी लविध बाद में गमाप्त हाती हों, के भीतर प्वोकत व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति मों हित-बर्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पत्र विस्ति मों किए जा सकेंगे।

स्पत्नीकरणः—इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 2() क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

न्त्र्ची

भूमि और निर्माण यं 39, एवधोर हार्य रोड, मद्राम-8 (दस्तायंज स. 564/83)।

आर. पी. सक्षम प्राधिकारी महायत आयज्य आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॉज-1, मदास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में को उपवास की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिक्त

त्तरीख : 12-12-1983

शक्य बाई , टी. ६२ एस .----

शासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-सं (1) के अधीन सुचना

भारत भरकार

कार्यांत्रय, सहायक आयकर काव्क्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदोश सं. $124/म \epsilon / 1983 - 4 \pi$: मुश्ते, आर. पी पिल्ले,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की भार 269-व के विधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विध्वास कारने का कारण है कि स्थायर संपत्ति दिसका उचित याजार मूस्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं. 265 है, जो नड़ नाककर गांध, अन्ता नगर, मद्रास में स्थित है (और इनसे लपाबद्ध अन्सूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्हा अधिकारों के कार्णित , अन्ता नगर, मद्रास (दस्तावेज सं. 416/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द्र 1983 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के श्र्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्में यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फम निम्नीलिकत उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नीलिक में वास्त-विक रूप से स्निप्त महीं किया मणा है:--

- (का) अन्तरण के हुई किसी काय को बाबत उक्त की भ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व के काली करने वा उत्तरने अवने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीगती कमला

(अन्तरक)

2. श्री एन. देवराजन

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपश्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 विम को नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की सामील से 30 दिन की मंगीध, जा भी अविध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रकारत स्थितियों में किसी स्थिति द्वारा;
 - (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पास में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास रितासर पा किए का सकार्य।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो उक्त जो भीनयम, क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्भ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं. 2651, वडावाक्कर गांव, अन्ता नगर, , मदास-40 (दस्तावेज सं. 416/83)।

> आर. पी. पिल्लैं सक्षत्र प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-।, मन्नास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 26 शा के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ का उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थास् :---

तारीख: 12-12-1983

मोद्धर:

प्ररूप आहें. टी. एन एस.-----

1. श्री एम. सदासिव रेंब्डी

(अन्सरक)

2. श्रीगती मांतकाल जांतसम्मा

(अन्तरिती)⁾

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारतः सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्राम

मद्रास जिल्ला 12 विसम्बर 1983

निवोश सं 125⁹मर्द्ग/83—यतः मुक्ते, आर. पी_{ः?} पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राध्यकारी की यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

25,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकीं मं. 371 हैं, जो विल्लियाक्कम गांव, अन्नानगर, मद्रास-101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूनी में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्नानगर, मद्रास (दस्तावज सं. 1755/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इंद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिश्वात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में

पास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किर्दाबाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कह दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कहे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसिन व्यक्तियों, अधीत: :--- 36—446 GI/83

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

तक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण प्लाट सं. 371, विल्लियाक्कम - गांव, अस्ता नगर, मद्रास-101 (दस्तावेज सं. 1755/83)।

> आर. पीं. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

नारीब ः 12-12-1983

म्कृष् भाषां, टी <u>एक एक</u> ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

मार्ग पर्वास

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मदास मदास, दिनाक 12 दिसम्बर 1983

निवेश सं. 10/मर्ड/83--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभाव 'उक्त वृष्टिन्यमें' कहा गया है। की बाद्र 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **अभिक हैं** और जिसकीं सं. 17 है, जो कालेज होस्टल रोड, गांधी नगर, नामक्कल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नामक्कल (दस्तावेज सं. 365/83) में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द, 1983 को प्राक्ति संपत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के इस्यमान विकास के मिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रष्ठ प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्मनिवित उद्धेश्य से अन्त अन्तरण् शिवित में शस्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरकः की वायस्य में अभी कपुने या उससे अल्ले में सुविधा के लिए; आंद्र/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, स्टिपाने में सृविधा के लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के पासिबन

(अन्तरक)

2. श्री टी. पोन्नुस्वामी गाँन्कर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के हिस्ए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जनिश या तिक्क्षाम्यन्थीं व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की क्यों थे, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (७) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासः जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अगुसुची

भूमि और निर्माण सं. 17, कालेज हास्टल ट्रोड, गांधी नगर, नामक्कल (दस्तावेज सं. 365/83)।

आरः पीं. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

ना्री**ख**ः 12-1?-1983

मोहर 🤃

प्र**रूप् आर्ड**्टी एन .**ए**स . -----

भायकर मिंधिनयम : 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जुन रॉज-। ,} मक्रास

मद्रास, दिनांक 12 दिसम्बर 1983

निदंश सं. 22/मई/83—यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्लें, सायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 3, वार्ड सं. टी है, जो अरिसिपालयम स्लेम टाउन में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सेलम-।।। (दस्तावेज सं. 575/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ड 1983

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) बार अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबता, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उदाने बचने में सुविभा के के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्तरक में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अधीत्ः— 1 ं श्री टी. केंं रन्यानाथम प्रिल्ल और अन्यों । (अन्तरक)

2.7 श्री के पी.) रामस्वामी चेट्टियार और अन्यों (अन्सरिती)

चौ नह तृपना पारी करके पूर्वों कर सम्बन्धि के मूर्वन के तिहर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपृत्ति के मुर्णम् के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पृष्टीक पुगः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मयुस्पी

भूमि और निर्माण ब्लाक सं ा 3., बार्ड सं व्ही. अरिसि-पालयम, सेलम टाउन (दस्तावेज सं 575/83)।

> जार. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, मन्नास

तारींच ः 12-12-1983 मोहर ध प्रस्प बाह् ं डी. प्रन. एस्,=====

1. श्रीपी एल राम

(अन्तरक)

2. श्री एसः सुब्बैया

(अन्तरिती)

आयकुर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, विनांक 12 दिसम्बर 1983

निवंश सं 27/मई/83—यतः म्भे, आर. पी. पिल्लं, बायकर व्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मुज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. क्लाक सं. 22, वार्ड सं. 'सी' है, तथा जो कोमारापालयम गांव, सेलम टाउन में स्थित है (और इससे उपा- वस्थ अनुसूची में और पूर्ण, रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम-। (दस्तावेज सं. 1011/83) मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गवा इतिफल, निम्निलिसित् उद्देश्य से उन्तर अन्तरण सिन्धित, में बास्तिक रूप से किसत नहीं किया गया है :—

- (क) जलारण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तुरक के वासित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा अय्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यादा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों स्थात् हु---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स, संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्नत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थावितयों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासू विस्तित में किए जा सकारी।

स्पस्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगर, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और निर्माण ब्लाक सं. 22, वार्ड सं. 'सी', कोमार-पालपम गांव, सेलम टाउन (दस्तावेज सं. 1011/83)।

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, मद्रास

तारील ६ 12-12-1983 मोहर ॥ प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- धु (1) के सुभीन सुब्जा

भारत सुरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रॅज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 5 जनवरी 1984

निदर्श सं. 93/मर्द्ग/1983---यतः, म्रुकं, आर., पी., पिल्ली,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधियमारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 115/1 ही, जो सिविभिरिपट्टी गांव पतनी तालुक में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विभिन्न ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पत्ननी-। दस्तावज सं. 510 से 512 तक रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यपान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके दृश्यमान प्रतिफल गं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किश्त महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दिने के अन्तरक के दायित्व भें कभी करने या उमसे बजने में सुनिधा के तिछ: मृद्धि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं रिज्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

1. जयराम थियंटर

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर ु शकुन्तला और अन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत संपर्तित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हुं। उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :~~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शन से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 विन के भीतर उथस स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य ध्यिकत व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण ६---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, ओ ज़क्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याद में दिया नया हैं।

अनुसूची

भूमि एस सं 115/1, सिवागिरिपट्टी गांव, पलनी तालुका (दस्सावेज सं 510 सं 512 तक)।

आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्णन रोज-।, मक्सस

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--

नागीख : 5-1-984

मोहर 🛭

प्ररूप भाषां , दी. एन् , एस् ,------

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सुहायक आयकरु आयुक्त (निर्िक्षण)

वर्जन रंज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निव[े]श सं 18471--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात 'उक्त अधिनियमं कहा गया है'), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रान्धिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. टी. एस. 7028, सर तियागराय रोड ही, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. (डाक्यूमेंट सं. 507/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य संकम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल् से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उस्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित, को वास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया हैं :---

- (क) ब्रुन्तहरू से हुई किसी बाब की बाबत, उसल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; औट/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1), के अभीन किन्निल्लिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री मठतिल और अवरस

(अन्तरक)

2. श्री सूरोश बारटस

(बन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

जबत संपत्ति के अजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रवस्त्र ची

भूमि -टी प्रसान सं . 7028, सरतियगराय रोड,, मद्रास-17 (डाकर्मेंट 507/83)।

> आरः, पींः, पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।, मद्रास

तारींख ७ 2-1-1984 मोहर 🖫 प्ररूप आईं ुटी एन. एसं -----

1. श्री बालस्बुमिनयम अचारी

2. श्री आर. वेलायुद्म

(अन्तरक)

'(अन्तरिती)[}]

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदश सं 18377 -- यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. टी. एस. 11 है, जो बाबू राजेन्द्र प्रसाद रोड, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बद्रास भारत (डाक्यमेंट सं. 1692/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्इ 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है है-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया घर राजिया प्राप्त कर विषय प्राप्त कर स्थानिय कर स्थानिय

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविदायों में ने किसी व्यक्ति दूराराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा नृधोहस्ताक्षरी के पास बिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

भूमि - टी. एस. 11, बाबू राजेन्द्रप्रसाद रोड मद्रास-33 (डाक् में र सं. 1692/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार (1) हे अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख 2- 1- 1984 मोहर <u>१</u> प्रह्म आहे : में १७ १०

जायकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

सारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

. अर्जन रंज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निद्रिंक्ष सं. 18390--यतः, मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, बायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्प**त्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. टी. एस. 11, है, जो मामवलम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत (डाक्र्मेंट 1926/83) मे रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीनिवत उद्देश्य से उन्त मन्तरण विधित में बास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आदि/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. शी सूबुमितिय जारा े ौर अदरस

(अन्तरक)

2. श्री आवृठिय अम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूसि-टी. एस. 11, मासबलम (डाक्

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 2-1-1984

प्रस्य आई.टी.एन.एस. ------

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यालय सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मदास

मदास, दिनांक 2 जनवरी 1984

ैनिदोष सं. 18293---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- एक. से अधिक ही अर्रि जिसकी सं. 43 है, जो वाल्लरस रोड मदास-2 में स्थित ्रै (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),, र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मधास भारत (डाक्रूमेंट सं. 1877/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ड 1983 ा पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान .तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वामजे का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का फ्लाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (र्वतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-ूर **निम्नीसिंसत उद्देश्य से उक्त** अन्तरण लिखित में वास्तविक प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायिस्य वायिस्य से कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए।

जतः जय उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) जभीन, निस्तिचित व्यक्तियों अर्थात् :---

1 - श्री समपत कामरन और बालसबुमनियन

(अन्तरक)

2. श्री शंयक इसमायिल रावतर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षारी के गास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मनसूची

भूमि और निर्माण-43, बाल्बरस रोड मद्रास-2 (डाक्र्योंट 1877/83)।

> आर. पीं. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास

सारीब : 2-1-1984

मोहर 🙀

ग्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) की धा**रा** ' 269-घ (1) के अभीत मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवंश सं. 18394---यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. 8 है, जो पठमनाब पिल्लै, स्ट्रीट मधास-24 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, मद्रास भारत (डाक मेंट सं. 1866/83)। में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ह 1983 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुभ्ने, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत सं अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल निम्नानीसत उद्योदय स उन्त अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुन् जिल्ली नाय की धानत उक्त शिध-नियम के अभीन कर दर्ज के अन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; क्षेप्र/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियाँ की, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया एटा या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

क्तः अब, उक्त बिधिनियम, की धारा 269-म के बनुसरण को, की, उक्त बिधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन निक्निलिखत व्यक्तियों बचीत् ः— श्री के स्कृमनियम और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री मरमसिवम और पारवती

(अन्सरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

न्यू वर्ष

भूमि औ रनिर्माण-8, पॅठमनाब पिल्ले स्ट्रीट मद्रास-2/ डाक मेंट 1866/83)।

> आर. पी. पिल् सक्षम प्राधिकार महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रजे-।, म

तारील : 2-1-1984

मोहर :

प्रकृष् सार्वः, बीज् एन्, एस्, कार्यानाना

ा श्रीए के राज्यम्रती

(अन्तरक)

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जुमीन सूचना

2. श्री ससीदरन और उषा ससीदरन

(अन्तरिती)

भारत चुडुका

कार्यालयः, सहायक भायकर भायक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदंश सं 18397--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. 17 ही, जो मौलीयम्मन कारियल स्ट्रीट मदाम-7 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, प्रसवासम (डाक् मेंट 209/83) में रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ह 1983 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गुद्दे हैं और मुक्ते यह थिश्वास **करने का कारण है कि यथाप्**र्वोक्त सम्पत्ति का उ**चि**त बाजार मुख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (मन्तरितियाँ) के बीज एंसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नतिबित उद्देवस से उक्त जन्तरण लिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत, उन्नत् अभिनियम के अभीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (क) एसी किसी जाम मा किसी भन मा जन्म जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का. 27)) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिष्;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध् में कोई भी माक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति, में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और ५दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-17, सीलीयम्मन कोयिल स्ट्रीट, सदास-7 (डाक्-मेंट 209/83)।

आर. पी. फिल्ले सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना, मदास

अतः अस, उक्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के विधीन, निम्निणितिक व्यक्तियों, विधीत् :--

तारीब : 2-1-1984

मोहर 🚁

श्री बेसवाठा आनंद रोड्डी

(अम्तरक)

2. यूनिमेक्रस इन्टरनेशनल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) के मुभीन सुमना

भारत पुर्वमस्

कार्यालय, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरीं, 1984

निदंश सं. 18457—यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 18, 19 हैं, जो नृगमपाखम हैं रोड मझास-34 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित हैं), राजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तासटलेंट्स (1908 का 16) के अधीन मई 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निखित मे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सुविधा के चिए;

कुछः अव, उक्त जीभीन्यमं की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए को उपधारा (1) के अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्स सम्मित् के वर्षन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थिति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे जा सकेंगे।

स्याक्तीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

नगुसुची

भूमि और निर्माण-18, 19 नृगमपासम है रोड, मन्नास-34, (डाक्रमेन्ट सं. 460/83)।

आरः पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। , मग्रास

तारीख : 2-1-1984 मोहर 🛭

प्रकृष बाह्", टी., एन्., एक.,-----------

नामकर निधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के नृधीन् सृष्ना

भारत चडकाड

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निद्देश सं. 18461—यतः मुक्ते, अग्र. पी. पिल्ले, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रतपए से अधिक हैं और जिसकी सं. 645 हैं, जो मौंट रांड, मद्रास-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूषी में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, तौसंटलैटस (डाक्रमेंट 486/83) में रिजस्ट्रीकरफ अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ड 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से काश्रित नहीं किया गया है म्न

- (क) अन्तरण से हुई किची नाम की व्यवता अचल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काबित्य में कमी करने ना उससे न्यमें में वृतिभा ने सिए; औट्ट/ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 [1957 का 27] की प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिये जा, जिनाने में सविधा के सिए;

1 श्री मोहमद सलमान

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मव शिहबठीन और जहीरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी काउके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बुर्जन के संबंध में कोई आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वेक्स उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया पया हैं।

जन्सूची

भूमि और निर्माण-645, मौट रोड मद्रास-2 (डाक्यूमेंट 486/83)।

आर० यी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज-।, मद्रास

जलः नयः, उक्त जीधीनयम् की भारा 2.69-म के जनुकरण् में,, में, उक्त अधिनियम की भारा 2.69-म की उपभाद्धः (1) के सभीन्,} निम्नीनिजल ज्यक्तित्वों,, जर्मात् ध---

तारी**स** े 2-1-1984 मोहर ॥

प्रकृष कार्यः, ट्रां., एव्., एव्., एक्.,------

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के न्धीन सुमना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, मधास मदास, दिनाक 2 जनवरी 1984

निर्दोश सं. 18464--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उपित बाबार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. टी. एस. 8372, 104 है, जो जी. एम. चेंट्टि रोड मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनस्भी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,, टी नगर (डाक्र्मेट 470/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्द 1983

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कर्षित नहीं किया नवा है 5—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-रिन्त्म के नृधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उद्देश क्वने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर निधिनयम, या धम- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात —— 1. श्रीमती भगवती और वरलक्ष्मी

(अन्तरक)

2. श्रीबी. एन. तंगप्पनं

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों बत प्रक्रित प्रक्रित में से किसी व्यक्ति इवाराः
- (ख) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीक स्प: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

वन्तुची

भूमि और निर्माण-104, जी. एम. चेट्टि रांड, मद्रास-17 (डाक्रामेन्ट सं. 470/83)।

> आर. पी. पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, मद्रास

ता्रीख : 2-1**-1984**

मोहर :

प्रस्प आई.टी.एन.एस -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन र्ज-।, मद्रास

मदास, दिनांक 2 जनवरी 1984

नियंश गं. 18468—यतः मुके, आर. पी. पिल्ले, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं. 88 हैं, जो सौत वेस्ट जोगि रोड, मद्राम-17 में म्थित हैं (और इससे उपायव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक्रूमेंट 498/83) भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन महं 1983 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विज्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार

मुल्य, उसके द्धयमान प्रतिफल से, एंसे द्धयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे 'अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दुबोध्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः जय, उक्त अधिनियम की धाराः 269-ए के अनुमरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारां (1) के अधीष, निम्नतिचित व्यक्तियों, वर्धातु क्— 1. भी हलीर रहमान और अराजिया यीधी

(अन्तरक)

2. गौतम कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिए। कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पच्चीकरण: ----इसमें प्रभृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया । गया है।

सन्स्यो

भूमि और निर्माण-88, सौत वेस्ट बोरि रांड, मदास-17 (डाक्रूमेट 498/83)।

आर.्पी. पिल्लै गक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।।, मद्राम

नारीस : 2-1-1984

मोहर 🔅

प्रस्प मार्ड . टा . एन . एस . ------

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सुवना

NIZE SZENI

कार्यालय, सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निर्वोधा सं. 18463 — यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मून्य, 25.900/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. न्ंगमपायम है रोड है, जो मन्नास-34 में स्थित है (और इससे उपाबस्थ अनुसूषी मं और पूर्ण रूप, से वर्णित हैं)., रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनटलैंटस (डाकर्न मेंट सं. 497/83) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्दा 1983

को पूर्वोक्त सम्पिट्त के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया गया प्रतिफाल निम्नितिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निवित से बास्त्विक रूप से कीमत नहीं किया ग्या है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त जिपियम के अभीत कर दोने के जन्तरण के सर्वित्य में केनी करने वा उक्ते त्याने में सुविधा में हिंक्स; में हुई/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्ही भररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बन्तीरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना वाहिए वा, जियाने में स्विभा के लिए;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भों, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. कलपतरू एन्टरप्रसस

(अन्तरक)

2. श्री अभिल कुमार गांयल श्रीमती उमा डी. गुप्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

हक्त क्रम्पुरिक के वर्षन के ब्रम्भुरूप में कोई भी भारतपुर्र---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारी का ते 45 दिन की बर्बीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारा,
- (क) इस धुमता के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यह्भ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अभोहस्ताकड़ी के पाक स्थित में किए का सकेंचे ।।

स्वाधिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उन्हें जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., बही वर्ष होंगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

भूमि-नृगमपालम है रोड, मद्रास-34 (डाक्र्मेंट 497/83)

आर ृपी पिरली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रोज ्रों महास

वारीब : 2-1-1984

मोहर 🛭

प्रकप नाइं.टी.एर.एस. -----

ं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा १६७-६ (।) के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्याल्या, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रंज-।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निर्दोण सं. 18396—यतः मुक्ते, आर. पी. पिन्हें, बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का बहुरण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 162 है, तथा जो बरका रोड, मद्रास-10 में किस्थत है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से प्रणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, पुरस्वाबम (डाकू-भेट 204/83) में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मर्ड 1983

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिव हहै और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उचन अन्तरण निखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के सनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बाधीन: गनम्नलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :— 38—446 GI/83 1. मिस मेरी जनट जेम्स

(अन्तरक)

2 सिलेन पेन्टकस्टल मिशन।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारों कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास ित्तिया में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्ची

भूमि और निर्माण-162, बरका रोड, मद्रास-19 (उक्तू-मेन्ट 204/83)।

> आर. पी. पिल्लें ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, सदास

तारील : 2-1-1934

सोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र ज-।, मद्रास

मदास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निद्रेश सं. 12904—यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मरचनायखनपालयम है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनमलें (डाक्रूमेंट 554/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई 1983

कारे पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यभान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्म , निम्निलिखत स्ट्रंक्य से अब्द अन्तरण विभिन्त में अस्तर्वक क्ष्म से क्षित के क्षित नहीं किया गया हैं.—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भे स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, रुक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री रामस्वामो और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री इंप्पन और अदरस

(अन्तरिती)

का यह स्वान कर करक प्रवाक्त सम्पारत के अर्चन के जिस् कार्यवाहियों करता हुं।

ज्ञान सम्पत्ति के लर्जन के सम्मन्ध में कोई भी बासेप: --

- (क) इस सूचना के राज्यात में एकाशत की तारीं हैं। 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील स 30 दिन की जनिध, का औ अनिध नाद में समाप्त होतीं हो, के रीता पुर्वेटने जोशान के से कार्सी व्यक्ति पूर्वत
- (स) इस गुजना के १३७०७ में प्रकाशन की तारीस के 45 कि के भीग कि मधावर सन्परित माहितवयध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास किया माहित का सकेगा।

स्यष्टीकरण:--इसमा प्रयुक्त मन्दों और पद। का, आ उद्धः विधिनियम, क सध्याय 20-क मो परिमार्कित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया भया ही।

अनुसूची

भूमि मरचनायक्नपालयम (डाक् मेन्ट 554/83)।

्तर पी पिल्लै यक्षम त्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, स्ट्रास

तारीस : 🖰 1-1984

सांहर:

प्रस्प बाइं. टी. एन. एत.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निर्देश सं. 18472—यतः मुओ, आर. पी. पिल्लै, आयतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. में अधिक हैं

और जिसकी सं. 4, नार्थ बोग रोड है, तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर (डाक्ट्रमेन्ट 513/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मई, 1983

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम् के बधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूबिया के लिए; और/या
- (स) एसे किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्री ए. एन. कथारे और अदर्स।
- 2. श्री विजय नारायणस्वामी

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अक्ष के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

भूमि-4, नार्थ बोग ऱ्रांड, मद्रास-17 (डाक्रूमेन्ट 513/83)।

आर. पी. पिल्लै सक्षमं अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जे-।, मक्सस

अतः अन, उपत जाधानयम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, गक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीर किलिसित व्यक्तियों, मर्यात् :---

गारीख : 2-1-198**4** मोहर ः प्रकृप बाइर्व, टी. १५, १५, - ल - - -- ′

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भं(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिज-।, मदास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निर्देश सं. 18473---यतः म्फे, आर. पी. पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक ही और जिसकी सं. 5 ही, जो तिनकाचलम चेट्टि स्ट्रीट मद्रास-17 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज्य्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी. नगर में (डाक्रमंद 522/83) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क अंथीन मई 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रक्रिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित मी वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया 💅 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त ज्यिन्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अक्षः जब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय, िम्मलिखिल लाक्तियां, अधीय-— 1. के. बी. कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

2. श्री एल जयम

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्रान्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अंक्षिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीकर्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जां जबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुची

भूमि-5, तिनकाचल चेट्टि स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाक्र्मेन्ट 522/83)

आर. पी. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

ता्रीख ⇒ 2-1-1984

मोहर:

प्रकार आई. टी.एन.५स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदंश सं. 18474--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्लै,. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकतं अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269-ख के अधीन रुधार प्राधिकारी को उह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित उपनार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 5, है, तथा जो तिनकाचलम चेट्ट स्ट्रीट, मद्रास 17 में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर (डाक्नमेंट 523/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्इ 1983 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बस्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अंत्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, 'निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वायता, उक्त गीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

1. श्री के. बी. कनस्ट्रकशनस

(अन्तरक)

2. अलमेलु राजगांपालन और अदरस

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारा करके पूर्वाक्त ,सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर 'सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति से से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उन्हां प्यावर सज्यां के में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकेंसे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी-5, तनिकाचलम चेट्टि रोड मद्रास-17 (डाक्रमेंट 523/83)

आर. पीं. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रुजे-।।, मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु—

वारीय 2-1-1984 मोहर ध प्ररूप आई., टी. एन. एस. 🕝 - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भार्रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 अनवरी 1984

निक्षेश सं. 18475--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है,

और जिसकी सं. साबुल्ला स्ट्रीट, है, भो मग्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावव्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नपर (जाक्रूमेंट 469/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1983

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

1. श्रीकं. विठियेलु

(अन्तरक)

2. श्री आर. पंचनातम

(अन्तरिमी)

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्विक्स सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप ए--

- (क) इस सूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकारी।

स्थष्टींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-सादुल्ला स्ट्रीट मन्नास-17 (डाक्ट्रमेट 469/83)

> आर. पी. पिल्लै संक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजना । सदास

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नों अधिका अधिकायों, अर्थीत् ह

नारीय : 2-1-1984

मोहार 🕾

प्रख्य आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोजना । , मदास

मन्नास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवरेश सं. 18477--यतः मुफ्ते, आर. पी. पिल्ली, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वो 281,284,285 हो, तथा जो विरुगम-बाखम में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिरागम-बासम (अकूमेंट 1462/83) में रिजस्टीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्झ 1983 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंगरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गाया गया परि-फल भिम्नलिखित उद्घेष्य से उवत वंतरण लिखित में वास्तविक म्प् भे ऋधित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरणं से हुई किसी आयुकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के वायित्व में कमी कारने या उससे बचने में स्तिशा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें जारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

1. श्री एस रंगस्वामी और

(अन्तरक)

2. श्री राजगोपालन और बास्क्षेत्रन

(अन्तरिती)

को यह स्मना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमी-सर्वे 281,284,285, विरुगमबासम (अक्ट्रमेंट 1462/83)

> आर. पी. पिल्लें मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रॉज-। : , मद्रास

ंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, व्यत अधिनियम की धारा 269-थ की उपभाग (1) के अधीन, रिस्निलिशिय व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारींग : 2-1-1084

मोहर:

प्रमूप गार्ड . टी. ५४ . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रॉज-।।, मदास

मद्राम, दिनांक 2 जनवरी 1984

निद्या सं. 18779--यतः मुभी, आर. पी. पिल्ली, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित राजार 25,000/~ रह. में अधिक हैं और जिसकी स्/ प्लाट 27,28,29 है, तथा जो तामबरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास नार्थ (जाक मेट 1822/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (19.08 का 16) के अभीन, मर्झ, 1983 को पर्वोक्त संपीता के उचित बाजार मध्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है अगैर मुफ्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिर्ती (अन्तरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में पास्तविक अप में कथित नहीं किया गया है :--

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत उयक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और /या

> (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण हो. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिनित अधिकतयों, अर्थात् :--- श्री अल्वाठी कृष्ण्यामी

(अन्तरक)

2. श्री ती. टी. जान और अदरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत गंपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है .

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इ्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकार।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमी-प्लाट सं 27,28,29, तामबरम (अक्रूमेंट 1822/83)

> आर. पी. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

नारीस : 2-1-1984

गोहार :

प्रकृप भाई • टो ॰ एन • एन • ---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन तुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मन्नास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदोश गं. 18500—यदः मुक्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर श्रिवितियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अवितियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- अपर से अधिक है

और जिसकी सं. टी. एस. 7/14, है, तथा जो प्लियूर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध में और पूर्ण रूप से विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोठसवालम (झक्मेंट 1492/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 क्रा 16) के अधीन, यही, 1983

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविस्ति उद्देश्य मे उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अवः जवः प्रविनियम की धारा 269 मा क, प्रनुपरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

39 —446 GI/83

1. भा पठभावतो

(अन्तरक)

2. भी के. सी. बालन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहरताक्षरी के पार निस्तित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्त्र्ची

भूमी-टी. एस. 7/14, प्लिय्र (जक्तमेंट 1492/83)

> आर. पी. पिल्लं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौजनार, सहस्य

तारीख: 2-1-1984

मोहर 🖫

प्रकृप आहं .टो.एन्.एस .-----

1. श्री आर. जयलकाशमी

(अन्तरक)

नायकरु व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2 शीमती वी लकशमी

(अन्तरिती)

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदर्श सं. 18774--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 4, है, तथा जो ठाकटर सर्ठासिवम रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर (डाक मेंट 453/83) में भारतीय रजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1983

को प्रावित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार गुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्रा किया जाना चाहिए था छिपाने में भूतिया के तिए;

·को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अन्सूची

भूमी और निर्माण-4, ठाकटर सठासिवम रोड, मदास-1 (डाक मेंट 453/83)

> आर. पी. पिल्लै सक्षम अधिकारी अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मदास

अतः जब , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ों, मौ, उक्त विधित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

तारीख: 2-1-1984

मोहर:

प्ररूप् आर्ड.टो.एन्.एस. - - --

1., श्री पठनाव अययर गौर अवरस

(अन्तरक)

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

2 श्री विशव हिनद विदयाकेनदा

(अन्तरिती)

भाउत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर् आय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, मद्रास

मम्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदंश सं. 18773---यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लें, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है और जिसकी सं. 43, है, तथा जो रामानुजम स्ट्रीट, मदास-17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर (डाक्रमेंट 440/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई^{*}, 1983 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति की उचित दाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित लदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त वृधिमियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के प्रिए; बाँद/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमी और निर्माण-43, रामानुजम स्ट्रीट, मद्रास-17 (डाकुमेंट सं. 440/83)

भार पी. पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हुँज-11, महास

जतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के उपुत्ररण मे. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् हुरू

तारीख: 2-1-1984

मोहार 🖫

अरूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवांश सं. 18762--यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ले, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात्' 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- र_{ि.} से अधिक है और जिसकी सं. (डाकामेंट 1246-1250 और 1252/83) है, तथा जो पालवाखम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मं और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आयार में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, मर्द 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिष्यत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियगं की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री हासन अली भरकायर और अदरस

(अन्तरक)

2. श्री टी. जी. घोविंठन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उत्तर अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमी-पालवासम (डाक मेंड 1246-1250, 1252/83)

> आर. पी. पिल्ले सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, मन्नस

तारीस : 2-1-1984

मोहर 🖫

अरूप आइ¹.टी.एन:एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयऊर आयूक्त (निरीक्षण) अर्थन राँज, मदास

मन्नास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निदंश सं 18462--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समिति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं और जिसकी सं. आर. एस. 2/19,20 है, तथा जो कतीटल घारठन रांड, मद्रास मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध मों और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौमनटलैंटम (छाक् मेंट 492,493,494/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्ह⁵, 1983 को पुर्वेक्ति संपत्ति के उचिन बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्या, उसके इस्पेमान पनिर्णाल में एंगे इस्पेगान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत में अभिक्ष हैं और अलाख्य (अलाख्या) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्कल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना नाहिए था, कियाने में सूचिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, िकिटिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बशीर अहमद

(अन्सरक)

2. श्री मोहमद नसीराठीन और अवरस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनीयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अससचीं

भूमी और निर्माण-आरएस सं. 2/19,20, कर्तीठ्ल धारठन रोड, मद्रास-34 (डाकुमेंट 492,493,494/83)

> आर. पि. पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

तारींस : 2-1-1984

मोहर:

अरूप आई.टी..एन..एस..------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

मदास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवंश सं. 18342--यतः मुक्ते, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ह और जिसकी सं. 29, है, तथा जो ।। मेयन रोड मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाधद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्दीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भैलापूर (ठाकूमें ड 602/83) में भारतीय रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, मई, 1983 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिक व्यक्तियों अधीन, विम्नलिखिक व्यक्तियों अधीन,

1. श्री सिवकामृ सुबुमनियं

(अन्तरक)

2. श्री आर. एस. मोहन

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कांई आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क्षेत्र 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ एर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमी और निर्माण-29, ।। भेयन रोड मन्नास-28 (ज्ञक् मेंट 602/83)।

आर. पि. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, मद्रास

सारीय : 2-1-1984 -~--

मोहर:

अरूप आहु. टी. एन. एस. -----

.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, मन्नस

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निद्देश सं. 12823-यतः म्भे, आर. पी. पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अभिक है और जिसकीं सं. डाकुमेंट 365, 366/83) इलरौपोलुरमपट्टी है, सथा जो कोयमट्र में स्थित है (और इससे उपाबादध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ताँठमृत्र, कायबट्र में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अनियम, 1908 (1908 को 16) को अधीन, मर्झ, 1983 को पूर्वोक्त संपत्ति के उष्टि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकेल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ते यह विश्वास करने क्रा कारण है कि यथाध्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकाँ)। और अन्तरिती (अन्तरितियों)। के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में स्विधा के निए।

न . एस . - - - - 1 . श्री अतिमृतु घाँडर

(अन्तरक)

2. श्रीमती शानती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिपबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू**मी-इबर** पोलुरमपट्टूर (डाकूमेंट 365,366/83)

> आर. पी. पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (जिरीक्षण) अर्जन रोज-।।, मदास

अत: अब, उक्त अधिनियम की धाग 269-ग के अनुसरण मी, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नुलिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 2-1-1984

मोहर 🗓

अरूप आर्ड.टो.एन.एस.-----

1. श्री सुष्करसन श्रीनिवासन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

2. श्री अटच्त और एसशियेटस

(अन्सरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, भद्रास

मद्रास, दिनांक 2 जनवरी 1984

निवास सं. 18459---यतः मुभ्ते, आर. पी. पिल्ली, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समेत्ति, ं जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा. मे अधिक हैं। और जिसकी सं. 252, हैं, तथा जो मोबेस रोड मदास-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तौसनट्लैंटस (डाक्रुमेंट 476,477/83) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मर्इ, 1983 को पूर्वीक्स संपरित के उच्चि बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और स्के यह विस्वास करने की कारण है कि यथामुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उक्त अधिनित्तमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नुसाहाँ।

असमची

भूमी और निर्भाण-252, मौब्रोस रोड मद्रास-18 (डाक्र्मेट 476,477/83)

> ंआर. पि. पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, महास

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीय : 2-1-1984 मोहार : संघ लोक सेवा आयोग

नादिय

भारतीय वन नेवा परीक्षा, 1984

पं एफ 13/2/83-प (म्ब)

नई दिल्ली-110011, विनोक 4 फरथरी, 1984

भारत के राजपत्न विनांक 4 फरवरी, 1984 गृह मन्त्रालय (द्वारा प्रकाणित नियमों के अनुसार भारतीय वन सेवा में भर्ती के लिए सें लोक सेवा आयोग द्वारा अगरनला, अहमदाबाद, इलाहाबाद, ऐजल, बंगनीर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चर्ण्डागक, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोट्रब्लेयर, रायपुर शिलांग, णिमला, श्रीनगर, निक्पति, विवेन्द्रम तथा विशाखापत्तमम में, 22 जलाई, 1984 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

भायोग यदि चाहे तो उनत परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में प्रस्कित कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उन्त परीक्षा के लिए उमका परान्द के केन्द्र देने को सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी आयोग स्थितिवण फिसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उम परीक्षा में प्रवेण दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) को जानकारी दे दी जाएगी (अनुवन्त्र 1, पैरा 11 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्सियों की अनुमानित सं० 200 (इनमें अ० मू०ज० के लिए 30 और अ० ज० जा० के लिए 15 आरिक्षत रिक्तियां सम्मिलित हैं।) इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
- 3. परीक्षा में प्रवेश चाहुने वाले, उम्मीदबार को निर्धारित प्रप्रक्ष पर सिजब, संघ लोक सेवा आयोग, बौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए । निर्धारित आवेदन-प्रपन्न सथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये (रं० 2.00) भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए क्जा सकते हैं। यह राशि, सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनी-खाडर या सचिव, संघ लोक संवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकधर पर देय भारतीय पीस्टल आडर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआडर पीस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर पीस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी मोट स्वीकार नहीं किए आयोगे। ये आयेदन प्रपन्न आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो कपए (रं० 2.00) की यह राशि किसी मी हालत में यायन नहीं की जाएगी।

नोट: -- उम्मीद्यारों को चेताबनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पक्ष भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1984 के लिए निर्धारित मुद्रिन प्रपन्न में ही प्रस्तुन करें। भारतीय वन सेवा परीक्षा, 1984 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपन्नों से इतर प्रपत्नों पर भरे हुए आवेदन-पत्नों पर विचार नहीं किया आएगा।

4. उम्मीदवार उनत सेवा के लिए जिस राज्य/संयुक्त संवर्ग में आबंटन हेयु विचारण का दण्छुक हैं उसे उसके बारे में आवेदन-प्रपन्न के कालम 24 में अपना वरीयता कम लिखना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा आवेदन-प्रपन्न में निर्दिष्ट राज्य/संयुक्त संवर्ग हेतु वरायता कम मं परिवर्तन के अनुरोध पर कोई ध्यान तब तक नहीं विया जाएगा जब तक ऐसे परिवर्तन का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 40—446GI/83

बस्त परीक्षा के लिखित भा के परिणाम के "रोजगार समाचार" म भाषान की तारीख स 30 कि के अध्यर प्राप्त नहीं हो जाता है। प्रामीग या भारत सरकार उम्मेदधारा की कीई ऐसा पन्न नहीं भंजगा जिसमें उनसे उनके आवेदन-पन्न प्रस्तुत कर देने के बाद विभिन्न राज्य/ अ युक्त संयगों के लिए परिशोधित वरीयता, यदि कोई है, निर्दिष्ट करने दो कहा जाए।

5. मरा हुआ पत्र आवेदन-स्त आवण्यक प्रलेखों के साथ सिवत, संय लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 2 अप्रैल, 1984 (2 अप्रैल 1984 दे पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं तिकीबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, अन्यम, मेयालय, अरुणा-चल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागार्नण्ड, विपुरा, तिकितम तथा जम्मू और कश्मीर के लद्दाख डिबीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में रहने वाले उम्मीदवारों और जिनके आवेदन-प्रपत्न उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 16 अप्रैल, 1984) तक या उससे पहले डाक द्वारा अवस्य भिजवा दिया जाए या वर्ष आयोग के काउन्टर पर आकर जमा करा दिया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

बिदेशों में या अंडमान एवं निकांशर द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेषालय, अक्ष्णाचल प्रदेश, सिजीरम, मिणपुर, नागालैण्ड, निपुरा, सिनिकम और जम्मू तथा करमीर राज्य के लहाज डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लहाज डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 2 अप्रैल, 1984 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीप समृह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैण्ड, न्निपुरा, सिक्किम और अम्मू एवं काश्मीर राज्य के लहाख डिवीजन/हिमाचल प्रदेश के लाहील और स्पीति जिले में रह रहा था।

- नोट (i) जो उम्मीबनार ऐसे केहीं के हैं जहां के रहने वाले आयेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकतार हैं उन्हें आयेदन-पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकतार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात असम, मेजालय, जम्मू तथा कम्मीर राज्य का लहाब क्षेत्र आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाम न मिले।
 - (ii) उम्मीयवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्नों को स्थयं सं० लो० से० आ० के काउक्टर पर जमा करायें अथवा रिजस्टर्क हाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्नों के लिए आयोग उसरवायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदस-पक्ष के साथ आयोग को द० 48.00 (द० अड़तालीस) [अनुसुचित जातियों के मामले में द० 12.00 (ठ० बारह)] का गुल्क भेजना होगा जो कि मचिव, संब लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टक आईर या सचिव, संब लोक सेवा आयोग को स्टेट वेंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक हापट के रूप में।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित गुल्क भारत के ज़ब्ब यं बक्त, राजवूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्याचय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग—परीक्षा गुल्क" के लेखाणी। में जमा हो जाए और आवेदन-पत्त के साथ जमकी रमोड लगा। कर्ष मेजनी वाहिए। जिन आवेदन-पत्नों मे यह अपेक्षा (पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिन जाएगा। यह उन उप्कीवकार! पर लिए नहीं होता या नीचे के पैरा 7 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क मे छुट चाहते हैं।

7. आयोग यदि चाहे नां, उस स्थिति में निर्धारित गुल्क से छूट दे पकता है जब नह दा बात से संतुद्ध हो कि आवेशक या तो । जनगरो, 1964 और 25 सार्च, 1971 के बीव की अविधि में मूलपूर्व दुवीं पिकिस्तान (अब वंगला देश) से भारत आया हुआ वारतिवक विस्थापित व्यक्ति है या वर्मा से वास्त्रविक रूप में प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में आया है या वह एक वस्तुनः प्रत्यावित्त मूलतः मारतीय व्यक्ति है, जो अक्तूबर, 1964 के बार भारत श्रालंका एनझौते के अन्तर्गत । नवम्बर, 1964 को या उसके बार भारत श्रालंका एनझौते के अन्तर्गत । नवम्बर, 1964 को या उसके बार भारत आया है या आन वाला है था मूतपूर्व पश्चिम गिकिस्तान से वास्तरिक विस्थापित व्यक्ति है जो । जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अविधि के दौरान भारत प्रजन कर चुका था और निर्धारित गुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

8 जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग डारा परीक्षा में प्रवेण नहीं दिया गया हो तो उसे किन् 30¹-- (रुपये तीम) [अनुसुचित जातियों कौर अनुसूचित जन शांतियों के मामखों में क० 8.00 (रुपये आठ)] की राशि वापक कर की जाएगी।

उपर्युक्त एवं बीचे पैरा 9 में उपविचित व्यवस्था को छोड़ कर अस्य कियां भा स्थिति से आयोग को भूगतान किए गए मुक्क की वादरी के किसी क्षाब पर न का विचार किया जाएगा और ख का मुक्क की किसी अन्य परीका दा भएन के जिए आरक्षित रखा ा। सकेशा:

ज. यदि कांद्र जम्मीदवार 1983 में मा-ताथ वन सेवा परीक्षा में केत है और कह अब इस परीक्षा में प्रवेश का टक्छुक हो, तो वह परीक्षा बरिणाम अपना तियुक्ति पस्ताव की प्रतीक्षा किए हिना अपना आवेदन-पक्ष निर्मारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दें। यदि विश्व कि रिश्वा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हतुं उनकी अनुगंसा है। जाती है, जो 1984 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रह्न कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा कुल्क वापस कर दिया अएगा, किन्द्र खर्व यह है कि उम्मीदवार्स रह्न करने तथा शुल्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1983 की परीक्षाक फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकालन की तारीख से 30 दिन के अन्दर अवश्य पहुंच जाए।

. 10. अविदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीएवा की वापसी के लिए उम्मीदर्शा के कियी प्रकार के अनुरोध पर किसी मी परिस्थिति मे विचार नहीं किया जाएगा।

11. जैसा कि परीक्षा निष्माणनी के परिक्षिण्ट 1 वें उल्लिश्वित परीक्षा बोजना में निविष्ट किया गया था, सामान्य ज्ञास के प्रश्न्य पक्ष में वस्तुपरक प्रकार परीक्षण सम्बन्धी कि प्रज परीक्षण सम्बन्धी को लिए क्ष्यिया "उम्म बवार-भूचवा-बिरिश्यका" के अनुबन्ध II का अवस्ताकक करों।

नाः काला क्षण्यनः, उप सचिव संक स्रोतः सेवा आयोग

अनुबंध [उम्मीदवारों की अनुहं श

 उन्नोदवार को काबेदन पन भरते ने पत्नी अधनः पाचन समझ लेने क लिए नोश्चिम और नियमायला को ध्यान से पढ लेंडे चाहिए । निर्धारित कर्तों में कोई छूट नहीं दी जा व्यक्ती है ।

आवेदन-पत्न भरने से पहले उम्मीदधार का नोटिस अपैराधाफ 1 में शिए गए केन्द्रों में से किसी 1 को, जहाँ वं परीक्षा देने का इच्छुक है, अतिम रूप से चुन लेना चाहिए। उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन के सम्बद्ध अनुरोध की सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उनत परीक्षा हेतु अपने आबेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औवित्य बताते हुए एक पत्न रिजस्ट डांक से अवश्य भेजना च।हिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 22 जून, 1984 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्न तथा पावती-काढ अपने हाथ से ही स्याही से या बाल प्वाइण्ट पेन से भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्न अस्वीकार कर दिया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्न भरते समय उन्हें भार-तीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या इसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदिशार यह सुनिश्चित कर ले कि वे आवेदन-प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय—इसको भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-पत्न में की गई प्रविशिष्ट्यां स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि ये प्रविष्टियां अपाठ्य या जामक हैं तो उनके निर्वेषन में होने वाली घांति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंथे।

उम्मीदवार यह भी घ्यान र**बें कि आयोग आवेदब-पक्ष वै प्रतिष्ठियो** में परिवर्तन करने से सम्बद्ध किसी भी पक्ष ध्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन-पक्ष मही रूप से भरने के लिए विश्वेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भी ज्यान रखना चाहिए कि उन्हें किसी धी परिस्थिति में उस विषय को बदलने की अनुमति नहीं दी आएसी खी उन्होंने उकत परीक्षा हेतु अपने आवेदन-पश्च में निर्दिष्ठ किया था।

सभी उम्मीदनारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर्-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-पत्न आयोग को सीधे भेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदनार ने अपना आवेदन-पत्न अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो उस आवेदन-पत्न पर विकार नहीं किया जाएगा मले ही यह नियोक्ता को आखिरी तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में आकस्मिक या दैनिकदर कर्मचारी से इतर स्थायी या अस्थायी हैसियत से या कार्य प्रचारित कर्म-चारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं या जो लोक उद्यमों के अन्तर्गत सेवा कर रहे हैं उन्हें यह परिवचन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सुचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बद्ध अनुमति रोकते हुए कोई पन्न मिलता है तो उनका आवेदन-पन्न अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उनकी उम्िदवारी रह कर दी जाएगी।

 उम्मीदवार को अपन आवेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्न अवश्य भेजने चाहिए :---

- (1) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आडेर या बैंक ्राफ्ट या शुल्क भेजने के अपने दावे के समर्थन में प्रसाम पत्न की प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिक्षिप देखिए नोटिस क पैरा स्और 7 और नीचे पैरा 6।
- (2) आयु के प्रमाण-व कं अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (3) शक्षिक योग्यता के प्रमाण न की अभित्रमाणित प्रसाणित प्रति-लिपि ।

- (4) उम्मीबनार को अपने हाल ही के पासपोट आकार (लगभग 5 सें॰ मी॰ × 7 सें॰ मी॰) के फोटो की दो एक जैसी प्रसिमी चेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पन्न के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक पर निर्वारित स्थान पर चिपका देनी चाहिए।
- (5) आरोपिंग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिल पर आपका पना लिखा हो।
- (6) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रभाण-पन्न की अभित्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (7) जहां लागू हो वहां आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिक्रिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।
- (8) उपस्थिति पत्रक (आवेदन-पन्न के साथ सलग्न) विधिवत् भरा हुआ है।
- नोट (I) उम्मीववारों को आनेवन-पत्नों के साथ उपय्वत मद (2) (3), (6) और (7) पर उल्लिखित प्रमाण-पन्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसो राजपक्ष अधिकारी द्वारा प्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीव-बार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीका के परिणामों के आधार पर व्यक्तिस्य परीक्षण हेतु साक्षात्कार के सिये अर्हता प्राप्त कर लेते है उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम भोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पन्नों प्रतिया प्रस्तुत करनी सिखित परीक्षा के परिणाम नवम्बर, 1984 महीने में घोषित किए जाने की सम्भावनाहै। उम्मीद्वारों को इन प्रमाण-पक्षीं को ज्यक्तिरव परीक्षण के समय प्रस्कृत करन हेतु तैमार रखना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपं-क्षित प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करगे उनकी उम्मीदवारी रह कर ती जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावास्वीकार नहीं होगा।
- नोट (II) आवेदन पत्नों के साथ मेणी गई सभी प्रमाण-पत्नों की अधि
 प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार की हस्ताक्षर करने
 होंगे और तारी अभी देनी होगी।

खपर्युक्त पैरा 3 की मव (1) से (4) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे और परा 6 में विए गए हैं, और मव (5) और (7) के विवरण पैरा 4 और 5 में विये गये हु।

(i) (क) निर्धारित शुस्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्थर।

प्रत्येक पोस्टल आर्थर अनियायतः रेखांकित किया आए तथा उस पर सचिव, संच लीक सेवा आयो १० को नई विल्ली प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना आहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत म स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कडे-फ्टे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार महीं किए जाएंगे।

स्त्रभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर कौर जारी करने वाले बाकचर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवषय नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आरर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और नहीं सचिव, संब लोक सेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाकचर पर वेय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित है। (ख). निर्धारिस शुल्क के लिए **रेखां**कित **बैंक स्नाप्ट** :

कैंक ब्रुपट स्टेट गैंक आफ इण्डिया की किसी शाख्या से लिया जाना जाहिए और मिलवा, गंब कीक सेवा आयोग को स्टेट कैंक आफ जिख्या मुख्य शाख्या नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत रेखांकित होना चाहिए।

किसी अभ्य बैंध के माम देय किए गए वैंक ड्राफ्ट किसी भी हासत में स्वीकार नहीं किए जाएके। विरूपिन या कटेफटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए फाएंके।

टिप्पणी:-- उम्मीदवारों को अपने आेदन-पत प्रस्तुत करते समय बैंक क्राफ्ट की पिछली और सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आईरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल आईर के पिछली और इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना माम प्या लिखें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्न :---आयोग जन्म की वह तारीख स्थीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोटने के प्रमाण-पक्ष या किसी धारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पक्ष या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटों के रिजस्टर में वर्ज की गई हो और वह उद्धरण विश्वविद्यालय के सम्चित प्राधिकारी धारा प्रमाणित हो। जो जुम्मीववार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष पराक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पन्न की अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रसि-

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुन्डसी, शपथपक्ष, नगर निगम से और सेवा अभिसख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्धरण तथा अम्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं कि जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग सें आए हुए "मैं द्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यिति । परीक्षा प्रमाण-पत्न" वाक्यांश के अन्तर्गत उपगुक्त वैकिल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

कथी-कथी मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न में जम्म की तारीख नहीं होती या आयु के अंखल पूरं वर्ष या धर्द आं महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा/प्रमाण-पत्न को अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैंडमास्टर/प्रितिपक से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक अभित्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैद्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाण-पत्न में उस संस्था के दाखिका रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीण या वास्तिवक आयु लिखी होनी चाहिए। उम्मीदवारों को चेतावनी टा जाती है कि यदि आवेदन-पत्न के साथ इन अनुवेदों में यथा निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्न अस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी:--जिस उम्मीवशार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्न हो, उसे केवल आयु से सम्बद्ध प्रविध्य बासे पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

हिष्पणी 2:-- उम्मीषणारों को घ्यान रखना चाहिए कि आयोग जम्म का उसी सारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदन-पन्न प्रस्तुल करने की तारीख को मैद्रिकुलेशन/उच्चसर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न या रामकथ परीक्षा के प्रमाण-पन्न में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अन्रोध पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

हित्पणी 3: -- जम्मीदवार यह भी ध्यान रखे कि उनके द्वारा कियी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की सारीख एक बार धोदित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिनेख में वर्ज कर रेने के बाद इसमें बाद गें या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी आएगी।

(iii) शैक्षिक मोग्यता का प्रमाण-पत — गमीदवार को एक प्रमाण-पत्त की अभिप्रकाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि मेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिंच सके कि नियम 6 में निर्मादत योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पान है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) जा होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता थिशेष प्रदान की हो। यदि ऐन प्रमाणपत्र म मेजा जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अप्रय बताना चाहिए और अवेक्षित योग्यता स सम्बद्ध अपने दाये के प्रमाण में कोई अस्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग हम साक्ष्य कहीं गुणवता पर विचार करेगा किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के निए बाध्य नहीं है।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा अपनी शैक्षिक योग्यताओं के समर्थन में किसी परीक्षा में उतीणं होने के संबद्ध विश्वविद्यालय के प्रमाण-पन्न की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि में परीक्षा के विषय नहीं विये गये हों, तो उसे विश्वविद्यालय के प्रमाण-पन्न की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त, प्रिसिन्न/विभागाव्यक से इस आशय का एक प्रमाणपन्न लोकर उसकी एक बांधन माणिस/प्रमाणित प्रतिलिपि अवस्य भेजनी चाहिए कि उसके नियम 8 में निर्दिष्ट विषयों में अर्ह्षक परीक्षा उत्तीणं कर ती है।

नोट :--- उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा से बैठ कुके हों जिसे
उसीर्ण कर लेने पर वे आयोग की उम्स परीक्षा के सिए
गंक्षिक दृष्टि के पाल हो जाते हैं किम्सु इस परीक्षा का
परिणाम सूचित न किया गया हो सथा ऐसे उम्मीदवारों
को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों,
आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

(iv) फोटोप्राफ : उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगमग 5 सें० मी० × 7 सें० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रसियों अवश्य मेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-प्रपक्ष के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थित प्रतक्ष में निर्धारित स्थान पर चिपक वेनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से इस्सामार करने चाहिए।

ध्यान दें :--- उम्मीववारों को चैसावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पक्ष के साथ उपर्युक्त पैराग्नाफ 3(2), 3(3) और 3(4) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पन्न में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन पन्न अस्वीकार किया जाएगा तथा इस अस्वीकृति के विश्वक्ष किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा ।

4. यदि कोई उम्मीदशर किसी अनुसूचित आति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करें तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले
के, जिसमें उनके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से
रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्निलिखित
किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे सम्बद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाणपत्न आरी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो,
नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण पत्न लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित
प्रतितिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदबार के माता और पिता
दोनों की मृत्यु हां गई हो तो यह प्रमाण-पत्न उस जिले के अधिकारी से
सिया जाना चाहिए जहां उम्मीदबार अपनी शिक्षा से फिन्न किसी अन्य
प्रयोजन से आम सौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेबन करने वाले अनु-सुचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रभाण-पत्न का फार्म :--

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती कुमारी*
राज्य/संच*/राज्य शोब
निर्वासी हैं

आसि/जन जाति के/की* है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुस्चित जातियां) आद श, 1950*
संविधान (अनुस्चित जन जातियां) आदेश, 1950*
संविधान (अनुस्चित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*
संविधान (अनुस्चित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश,

[अमुस्चित आतियां और अनुसूचित जन जातियां सूर्षा (आयोधन) आवेश, 1956, बम्बई पुनर्गंटन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गंटन अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वा केल पुनर्गंटन अधिनियम, 1970 और उत्तरी पूर्वा केल पुनर्गंटन अधिनियम 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित अधिनयम, 1976 हारा यथा संगोधित] संविद्यान (अम्मू और कथमीर) अनुसूचित जातियां जावेश. 1956* संविद्यान (अम्मूचित जातियां तथा अनुसूचित अव जातियां आवेश (अम्मूच्या अनुसूचित अप जातियां अयोश्वाच अनुसूचित अव जातियां आवेश (अस्मूच्या अनुसूचित अप जातियां अयोश्वाच अनुसूचित अप जातियां आवेश (अस्मूच्या अस्मूच्या अस्मूच

(संमोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित। संविधान (दादरा और नागर हुयेली) अनुसूचित जातियां आवेश 1962* संविधान (दावरा और नागर हयेली) अनुसूचित जन जासिया आदेश 1962* संविद्यान (पांडे चेरी) अनुसूचित जातियां आवेश 1964* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1964 संविधान (गोवा; दमन तथा दियु) अनुसूचित अन जातियां आदेश, संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां जादेश, 1968 संविधान (नागानैण्ड) अनुसूचित जातियां आदेश, 1970* संविधान (सिविकम) अनुसूचित आतियां आवेग, 1978* संविधान (सिविकम) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1978* श्री/श्रीमती/क्रुमारी*~-----जीर/या[#] उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्वा[#] -----से जिला/मॅडल*-----------र्षध[‡]———राज्य क्षेत्र ——— पहते/पहली* है।------

(कार्यालय की मोहर)

हस्ताक्षर*

. पदनाम**

तारीख-----

राज्य*/संघ राज्य क्षेत्र

*ओ **शब्द** लागून हो उन्हें कृपया काट दें।

मोव:---यहां भू भामतौर से रहते/रहती हैं भा अर्थ नहीं होगा जो "रिप्रेजेन्टेशन अरफ पीपुल एक्ट, 1950" की झारा 20 में है।

- **अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी:
- (1) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरियत जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/जिल्टी किम-यतर/एडिशनल जिल्टी किमियतर/डिल्टी कर्लैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/स्व विजित्तल मैजिस्ट्रेट/सालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जी-क्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमियतर ।

प्रयम श्रेणी का स्टाइमेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहंद का नहीं ।

(2) चीफ प्रशीर्वसी मणिस्द्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रसारवेसी मैजिस्ट्रेट :

- (3) रेंबेन्यू अफसर, जिनका बोह्दा तहुसीसदार य कम न में
- (4) उस इलाके का सब-बिविजनल अफसर जहां उम्मीदवार और या उसका परिवार भाम तौर से रहता हो।
- (5) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सम्बद्धाः अफसर, लक्षद्वीप।
- 5. (1) (क) नियम 5(ख) (2) अथवा 5(%) (3) के अन्त-गँत भागु में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार मुल्क से धूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला बा) के विभ्यापित ध्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक दि जिये गए प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगता देश) के वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हैं और 1 जनवरी, 1064 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अविधा में प्रवजन कर भारत आया है।
 - (1) दंडाकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न सक्यो में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समग्र निवास कर रहा है।
 - (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वात कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट ।
 - (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
 - (5) उप गरणार्थी पुतन्नीस आयुक्त, पश्चिमी वंगालं निदेशक (पुन-विस्त), कलकत्ता।
- (2) नियम 4(ख) (5) अथवा 5(ख) (5) के अन्तर्गत आष्ट्र में छूटू और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार शुस्क से छूट का दावा करचे देवाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले पूलतः भारतीय काकि के श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गए इस आयश्य के प्रमाणपत्र की अभिन्नमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जी अक्तूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या एसक आक्ष्म भारत आया है या आने वाका है।
- (3) नियम 5(ख) (6) अथवा 5(ख) (7) क अन्तर्गत आयु सीमा में छूट और/या नोटिस के पैरा 7 के अनुसार मुक्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यार्वातत मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राज-दूताबास, रंगृत द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-एक की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस स्रोत का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गंगे प्रमाण-पत्न की अधिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए, कि वह बर्मा से बादा हुना बास्तविक प्रस्वावतित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।
- (4) नियम 5(क) (8) अथवा 5(क) (9) के अन्तर्गत आयु-सीम्य में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदबार को जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से तीचे दिये गर्य निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए, विदेशी शनु देश के साथ संघर्ष अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मृपत हुआ।

_	उम्मीदवार	द्वारा	प्रस्तुत वि	हये जाने	वाले प्रम	गण-पत्न	काप	तमें)	
	प्रमाणित वि								
6	रैंक में '	• • • •	• • • • •			र्भाः		• • • • •	
(H)	सेवायों मं	कार्य	करते ह	ए बिदे	ती शब्	देश	के आ	थ सं ध र्व	में/

अशांतिप्रस्त* क्षेक्ष में फौजां कार्यवाई दौरान विकलांग द्वुए और उथ विकलागता के परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए ।

हस्ताक्षर
ादनाम
तारीख

*आ शब्द लागू न हो उसे क्रपया काट वें।

- (त) नियम 5 (ख) (X) या 5 (ख) (Xi) के अन्तर्गत आयु में लट का बावा करने वाले वियतनाम से प्रत्यावर्तित मूलत. भारतीय व्यक्ति को फिलहाल, जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मीजिस्ट्रेंब सिर्ग गये प्रमाण पन्न को अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिख्याने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वियतनाम से सामा हुआ वास्तविक प्रत्यावित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत करीं आया है।
- (6) नियम 5 (ए) (Xii) या 5 (ख) (Xiii) के अन्तर्गत आर्ग् में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य कंजानिया (भूतपूर्व टांगानीका तथा अंजीबार) से प्रवजन कर आये हुये या जाम्बिया, मलाबी, अरे तथा इथोयोपिया से प्रत्यावर्तित हुए उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मैंजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिये गए प्रमाण पत्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से प्रवजन कर आया है।
- (7) जो मूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्रार्थ्त अधिकारी (आपात कालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) नियम 5 (ख) (XiV) या 5 (ख) (XV) की शर्तों के अधीन आयु सीमाओं में छूट का दावा करते हैं उन्हें सबक प्रधिकारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपन्न में उन पर लागू होने वाले प्रमाण पत्र की एक प्रमाणित/अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी वाहिए ।

 (क) कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त कार्मिकों पर लागृ

 प्रमाणित किया जाता है कि स

 रैक नाम ने,

 जिनकी जन्म की तारीख है,

 तक सेना/नौसेना/वायू सेना में सेवः

 खी है और वे निम्नलिखित में से एक शर्त पूरी करते हैं:--

- (क) उन्होंने पांच या पांच से अधिक वर्षो तक सैनिक सेवा की है और कार्यकाल से समापन पर कवाचार या अक्षमता के कारण बर्खास्त या कार्यमुक्त होने के अलावा अन्य आधार पर कार्य पुक्त हुए हैं।
- (ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक अप्गता या अक्षमता के कारण को कार्यमुक्त हुए है । सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मुहर

स्थान :	
्रारीख :	

(ख) सेवारत कार्मिको पर लागू

प्रमाणित किया जाता है कि सं क्षा रिकार रिकार रिकार रिवार रहे हैं।

ैं 3. उन्हें ''''' से कार्यमुक्त/सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल '''''तक समाप्त होने की संभावना है। 3 उनके विश्व कोई अनुशासनात्मक मामला लम्बित नहीं है । , मक्षप्रप्राधिकारी का नग्म तथा पदनाम मृहर

स्थानः तारीकाः

प्रमाण पत्र जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्नतिखित हैं:---

(क) फमीशन प्राप्त अधिकारियों (आपात्कालीन कमीशन प्राप्त अधिकारियों/अस्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अधिकारियों सहित) के मामले में —

सेना कार्मिक सेवा निवेशालय, सेवा मुख्यालय, नई विल्ली ! गौसेना कार्मिक सेवा निवेशालय, गौसेना पृष्यालय, नई विल्ली । बायुसेना कार्मिक सेवा निवेशालय, वायुसेना मुख्यालय, नई विल्ली ।

(खा) होसेना बायु सेना के जूनियर कमीकन प्राप्त अधिकारयों/ अन्य रैकों तथा समकक्ष अधिकारियों के मामले में

सेना—विभिन्न रेजीमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा । नौसेना—नौसेना रिकार्ड, बम्बई ।

बायुसेना--वायु सेना रिकार्ड, नई दिल्ली ।

- (viii) नियम 5 (ख) (xvi) या नियम 5 (ख) (xvii) के अन्तर्गत आयु में छूट मीर या नीटिस के पैरा 7 के अन्तर्गत शुल्क में माकी चाहते वाले मतपूर्व पश्चिमी शाकिस्तान से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित में से किसी प्राधिकारी से इस आशय के प्रमाण पत्न की एक अनुग्रमाणित/प्रमाणित प्रति प्रस्तुत करनी चाहिये कि वह भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है जो जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अविध के वौरान भारत प्रशाजन कर चुका था:—
 - (1) विभिन्न राज्यों में द्राजिट केन्द्रों या राहत शितियों में शिविर कमांक्टें;
 - (2) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जिसमें यह फिलहाल रहता हों;
 - (3) अपने-अपने जिलों में शरणार्थी पुनर्वास के प्रभारी अतिरिक्ष जिला मजिस्ट्रेट;
 - (4) अपने प्रभारास्तर्गेत सब डिबीजन के अन्दर सब डिवीजनक अफमर, ;
 - (5) शरणार्थी पुनर्वासं का उपायुक्त।
- 6. जो उम्मीदवार उत्पर पैरा 5 (1) (2), (3) और (Viii) में से किसी भी वर्ग के अनुसार गुरूक से छूट का दाया करता है, उसको किसी जिला अधिकारी या सरकार के राज-पित्रत अधिकारी या संसद सबस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिये कि वह निर्धारित मुल्क देने की स्थित में नहीं है, इस आध्य का एक प्रमाण पढ़ लेकर उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. जिस व्यक्ति के लिये पालता प्रमाण-पत्न भावस्थक हो उसे परीका में प्रवेश दिया जा सकता है किन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार, कृष्टि मंत्रालय (कृषि और सहकारिता विभाग) (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक पालता प्रमाण पत्न जारी कर विये जाने के बाव ही दिया जाएगा!
- अम्मीदवार को जेताबनी दी जाती है कि वे आवेदन पत्न मस्ते समय कोई मुठा क्यौरा न दें और न ही किसी महस्वपूर्ण सुचना को छिपायें।

अम्मीदवारों को यह भी घेताबनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा अस्तुत किये गये प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि की किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये/अूटा प्रमाण पत प्रस्तुत करें। अदि देशे दी या अधिक प्रमाण-पक्षों या उनकी प्रतियों में कोई अधुद्धि अध्या विसंगति ही तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

- 9. अमेरा-ान देर से प्रस्तुत किये जाते पर देशी के कारण के रूप में यह नकें स्वीकार नहीं किया जायेगा कि आवेदन-प्रपन्न ही अमुक तारीख को भेजा गयाया । आवेदन-प्रपन्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का भूचक न होगा कि प्रपन्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पाक हो गया ही ।
- 10. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्न की जिसमें देर में प्राप्त आवेदन-पत्न भी सम्मिलित है पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्न की प्राप्ति से प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को खावेदन पंजी-करण संख्या सूचिन कर वी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को स्वक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिये निर्धारित अंतिम तारी खा में एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो जसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उस्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- 11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीवयार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता
 कि परिणाम कम सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरम्भ होने की
 तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदबार की अपने आवेदन-पत्न की परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले ती परिणाम की
 जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।
 यदि उम्मीदवार ने ऐसा न किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने
 के दावे से वंकित हो जाएगा।
- 12. संय लोक सेया आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वास्तुपरक परीकाओं हेतु उम्मीदयार विवरणिका" शीर्षक से एक समृश्य पुस्तिका छापी है। इसका डिजाइन ऐसा है जिससे सं० लो० से० आ० की परीकाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके।

यह पुस्तिका और पिछली परीक्षाओं की नियमांधली तथा पारंपरिक प्रकार के प्रथन-पन्नों का जुल्लेख करने वाले पैम्पलेटों की प्रतियो प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स देहली-110054 के पास बिकी के लिए सुलच है और इन्हें जनसे मीधे भेल आर्डर द्वारा या नकद मृगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद मृगतान पर (I) किताब महल, रिवौली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक बाबा खड़णसिह मार्ग, नई विल्ली-110001 और (II) ज्योग मनन, नई विल्ली-110011 स्यित प्रकाशन शाखा का बिकी काउँटर और (III) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनुअल/पैम्पलेट मारत सरकार प्रकाशनों के बिभिन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध हैं।

- 13. आवेदन-पत्त से मन्बद्ध पत्न क्ययहार:---आवेदन-पत्त से सम्बद्ध सभी पत्र आदि संचित्र, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा क्योरा अनिवार्थ कप से
 दिया जाए:---
 - (ा) परीक्षा का नाम ।
 - (2) परीक्षाका महीना और वर्ष।
 - (3) आवेदन पंजीकरण चं०/रोल नं० अथवा उम्मीववार की जम्म तिथि, यदि आवेदन पंजीकरण सं०/गैल नम्बर सूचित महीं किया गया हो।
 - (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अकारों में।
 - (5) आमेवन-पक्ष में विया गया पत्र-व्यवहारका पता।

हवान दें (1):—जिन पत्नों आदि में ग्रह म्योरा नहीं होगा संभव है जन पर ध्यान नहीं दिवा जाएगा।

विशेष ध्यान (2): - यदि किसी उम्मीयवार से कोई/एत संप्रेषण परीक्षा हो भुकते के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व अनुक्रमांक नहीं है तो इस पर स्थान न विष्टे इए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। 14. पते में परिवर्तनः उन्मोदनार की इस बात की अवस्या कर लेनी चाहिए कि उसके अधिवन-पत्न में उल्लिखित पते पर रंग गय पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसकी बवले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर शामिश की उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित ब्यारे के साथ यपाकीझ की जानी नाहिए। यथि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयक्त करता है किस्सु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता।

श<u>्रनुबन्ध II</u> उम्मीदवारों को सूचनार्थ विथरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण:

अप जिस परीक्षा में बैटनें वाले हैं उस परीक्षा के सामान्य ज्ञान का प्रश्नपत्न "बास्युपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नाण कहा जाएगा) के लिये कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आगे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) विये जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिये जापको एक उत्तर चुन क्षेमा है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जान-कारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वख्य से परिचित न होते के कारणे आपको कोई हानि न हो।

च. परीक्षण कास्वरूपः

प्रश्न पत "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संख्या 1, 2, 3— आदि के कम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युक्त र खिह्न होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से छिक प्रस्युक्त र सही क्षेगे सो उनमें से मर्वोक्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिये गये नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिये आपको एक सही प्रत्युक्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युक्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधिः

परीक्षा भवन में आपको प्रवेशाप्रमाण-पद्म के साथ अलग एक उत्तर प्रक्रक विया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पद के साथ वेजी जाएगी। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तर प्रक्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्सिका में या उत्तर प्रक्रक को छोड़कर अन्य जिन्मे काण्य पर क्रिकी गयेउत्तर नहीं जाने वार्येगे।

उत्तर पक्षक में प्रश्नाकों की संख्यायें 1 से 1200 तक चार खण्डों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रथनांश के सामने 0, b, C, ी, उ विञ्ल बाले आयताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रथनांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्यूक्तर सही या सर्वोक्तम है आपको उम प्रत्युक्तर के अपर वाले आयत को पेंसिल छ प्रपी सरह काना बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिये) नीचे विखाया गया है। उत्तर प्रक के जायत को काला बनाने के लिये स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

ر تق ت. ۲	c d o		ab	Œ
² .CŒ∷	(b _)		r d o	E ZWO
3.	دلط	UC	udb	17 7 1

यह असरी है कि--

 प्रश्नाशों के उत्तरों के लिये केवल अच्छी किस्म की एच० बी० वेंसिल (वेंसिकें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

- 2. गलत निगान को **बद**लन के लिये उसे **'पूरा मिटाकर फिर** से मही उत्तर पर निगान लगा द। इस ६ नि**ये** आप अपने साथ एक रखड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करने समय कोई ऐसी असावधावी व हो जिसने वह फट ग्रामें या उसमें मोर य निसमट आ**दि पड़ जाए मा व**ह खराब हो जाए।

थ. कुछ महत्यपूर्ण विनियमः

- 1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिये निर्मारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान गृष्टण करना होगा।
- परीक्षण मुक्क होने के 30 मिनट बाद किसी की परीक्षण मं प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाव, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेशक को सौप वें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर के जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा वेड विया जाएगा।
- 5. आपको उत्तर पत्रक पर कुछ विवरण परीक्षा संबत में भरता होगा। आपको कुछ विवरण उत्तर पत्रक पर कुटबदा भी करते होंगे। इसके बारे में आपके नाम अनुवेश प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजे जायेंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विये गये सभी अमुवेश आपको सावधानी से पड़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पद्धक पर कोई प्रविष्टि संविष्य हैं, तो उस प्रशांण के प्रत्यूतर के लिये आपको नोई नम्बर नहीं मिलेगा । पर्यवेकक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेकक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का शश्काख पालन करें।
- 7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्न साथ लायें, आपको अपने साथ एक एक बीठ पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल शार्पनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी । आपको सलाह वी जाती है कि आप अपने साथ एक एक क्लिप बोर्ड या हार्ड-बोर्ड या कार्ड होर्ड भी लायें जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई दाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी । मांगने पर कज्जे काम के लिये आपको एक अलग कागज दिया आएगा । आप कच्चा काम या शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेदाक की वापस कर दें।

ड. विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपन स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पक्षक देंगे। उत्तर पढ़क पर अपेक्षित सूचना भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका वेंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलन पर आप यह अवस्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। परीक्षण पुस्तिका खीलने से पहले परीक्षण पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर अपना भनुक्षमांक लिखें। आपको परीक्षण पुस्तिका तस तक खोलनेकी अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिये न कहे। ज. कुछ उपयोगी सुझाव:

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को आंचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का यद्यासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पांग हीं तो चिंता न करें। अपको जो प्रश्न अत्यस्त कठिन भालून पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की बीर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नामी के लंक समाम होंगे। उन सभी के उत्तर हैं। आदफ हारा अकित समी प्रत्युक्तरो की सख्या के आधार पर हो आपको अंक्ष दिये भागेंगे । गलश उत्तरीं के तिये अंक नही काटे आयेंगे।

७. परोक्षण का ममापन :

जैंसे ही पर्याष्ट्रेसक आपको लिखना बंद करने को कहें, आप लिखना मंद कर दें। आप अपने स्थान पर तम तक वैदे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर अध्यमे सभी आवश्यक वस्तुएं ले आर्ये और अपको **शास छोड़ने** की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर-पक्षक करूपे कार्य का कामज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनमति स्टी 81

नम्ने के प्रश्नांश (प्रश्न)

. (नोट–– *सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्विष्ट करता है)

सामान्य अध्ययनी

बहुत ऊंचाई पर पर्वेतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिशित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाब बायुमंडल के दाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाव वायुमंडल के दाव से अधिक होता है।
- (c) रक्त थाहिकाओं की अम्बरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाव समान होता है।
- (d) रनस का दाब थायुमंडल के दाब के अनुरूप घटना अध्या है।

2. (數權)

अरहर में, फुलों का झड़ना निम्नलिश्वित में से किस एक उपाय से कम कियाजा सकता है।

- *(a) वृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
 - (b) दूर-दूर पौधे लगाना
 - (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
 - (d) बोड-बोड़े फासले पर पौधे सगाना।

(रसायन विज्ञान)

H3VO4 का एनहाइड्राइड विम्नलिखित में से क्या होता है।

- $(a) V_3$
- (b) VO₄ (c) V₂O₃
- •(ď) V̄₂Ō₅
- 4. (अर्थेशास)

धर्मका एकाधिकार शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता

- (a) सीमांत राजस्व उत्पाद से मजतूरी कम हो।
- (b) मजबूरी तथा सीमात राजस्य उत्पादन दोनों बरावर हो ।
- (c) मजदूरी सीमात राजस्य उत्पाद से अधिक हो।
- (d) मजदूरी सीमांत भौतिक अत्याव के बराबर हो।

5. (वैखुत् इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को अपेक्षिक परावैधशांक 9 के पैरावैधृत से सम्प्रित किया गया है। यदि C मुक्त अम्तराल में संचरण वेग दशांता है तां लाइन में संचरण का थेग क्या होगा?

6. (मू-भिज्ञान)

- (a) 3C
- (b) C (c) C/3
- (d) C/9

ө. (भू-विज्ञाम)

बेसास्ट में व्लेजिओक्लेम क्या होता है?

- (a) मालिगोक्लेज
- *(b) ले**ब्टेडो**राइट
- (c) एस्वा**र**े
- (d) एवामाईट

7 **(मणि**न

 dv^2 dy मुल बिन्दु स भूजश्ने वाला और -- dx^2 dx

समीकरण को संगत रखने वाला अक्र-परिवार निम्मलि**वि**क में में किस **स** निदिग्ट है ?

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax
- (c) $y = ae^x \times be^{-x}$
- $^{*}(a) y = aex a$
- 8. (भौतिकी)

एक आदर्श ऊटमा इंजन 400°K और 300°K तापक्रम मध्य कार्य करता है। इसकी समता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)
- 9. (सांक्यिकी)

यदि द्विपद विचार का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c)∞
- $(\mathbf{d}) = 5$

10. (भूगोल)

बर्मा के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समिति का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खनिज साधनों का विपुत्र भण्डार है।
- *(b) बर्माकी अधिकांक्ष नदियों का डेस्टाई माग है।
- (ः) यहां श्रेष्ठ वन सम्पदा है।
- (d) देश के अधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में है।

11. भारतीय इतिहास

बाक्षाणयाय के राम्बंध में निम्नलिखित में से क्या संस्य नहीं है ?

- (a) वीद्रधर्म के उत्कर्षकाल में भी बाह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुस अधिक थी।
- (b) बाह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आडंबर से पूर्ण धर्म
- (c) भाह्मणवाद के अभ्युदय के साथ, दलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
- (d) व्यक्ति के जीवल-विकास की विभिन्न दशाओं की प्रकट करने के लिये धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (वशन)

निम्निर्शाखत में से निरीय्वरवादी दर्शन समूह कीन-सा है?

- (a) बीद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
- (b) स्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
- (c) अद्वेत, बेदांत, सांख्य, चार्चाक योग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विशान)

"मृत्तिगत प्रतिनिष्ठान" का अर्थ निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन
- (b) किसी समूह या किसी अ्थावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजवार संबंधी संगठन में प्रतिविधियों का चुनाय।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा सप्रत्यक्ष प्रतिविधित्यः

14 (मनाविद्यान)

लक्ष्य को प्राप्ति निम्ननिखित में से किम को निर्धित करता है ?

- (a) लक्ष्य गंबंधो भायश्कता में वृद्धि
- *(b) भावारमक अवस्था में स्यानशः
 - (c) व्यायहारिक अधिगम

NAME OF THE OWNER OWNER OF THE OWNER OWN

(b) पक्षपान पर्ण अधिगम

। इ. (समाजनास्त्र)

भारत में पंचायती राम संस्थाओं की निम्त में में कौन-मी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गी को शोपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) खूआ छूत कम हुई है।
- (c) विश्वत यर्गों के लोगों को भूस्यामित्व का लाभ मिला है। 😬
- (d) जन साधारण में शिका का प्रसार हुआ। है।

िष्पणां :--- उम्मीयवारों को यह प्यान रखना चाहिए कि उपयुक्त नमूने के प्रश्नांग (प्रश्न) केवन उताहरण के लिए दिये गये हैं और यह अक्षरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठयचयों के अनुसार हों।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS)

(CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION)

New Delhi, the 11th January 1984

No. M-6/73-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. Imaduddin, Public Presecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Sr. Public Prosecutor on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 23-12-1983, and till 31-12-1983 or till the regular appoint is made, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL, C.R.P. FORCE

New Delhi-110003, the 12th January 1984

No. F.2/32/83-Estt.(CRPF).—The President is pleased to sanction proforms promotion to Shri U. G. Mokhasi, Dy. SP presently on deputation with Civil Aviation Security to the rank of Assistant Commandant with effect from 28-6-83 (A.N.) i.e. the date when one of the senior officers took over charge of Assistant Commandant in the CRPF in the scale of Rs. 1200-50-1700. The seniority of Shri Mokhasi will however remain below Shri Raghubir Singh.

A. K. SURI Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA New Delhi, the 17th January 1984

No. 11/8/80-Ad.I(Vol.II).—The President is pleased to repatriate Shri M. T. Anaspure, an officer of the Government of Maharashtra and working as Assistant Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra, Ecombay on deputation basis, to the Government of Maharashtra with effect from the afternoon of the 30th November, 1983.

No. 11/37/80-AD.I(Vol.II).—In continuation of this Office Notification of even number dated the 14th June 1983 the President is pleased to extend the adlhoc appointment of the under-mentioned Investigators as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the offices as mentioned against their names for a further period upto the 29th February 1984 or till the posts are filled in on a regular basis whichever is earlier:

Sl. Name of the Officer No.	Office in which working
1. 2.	3.
1. Shri M.Tej Kishore Singh.	DCO Meghalaya Shillong.
 Shri K.S. Lyrgdh Shri S.S. Bahri Shri M.N. Sarkar Shri Samsher Singh Shri M L. Sharma Shri M.G. Mohril Shri K.R. Narayana Shri M.S. Ramachan- 	DCO Meghalaya Shillong. RGI New Delhi. DCO West Bengal Calcutta. DCO Rajasthan Jaipur. DCO Punjab Chandigarh. DCO Madhya Pradesh Bhopal. DCO Karnataka Bangalore. DCO Karnataka Bangalore.
dran 10. Shri H.S. Meena 11. Shri A.C. Reddy 12. Shri Nirmal Bhatta-charya.	DCO Bihar Patna. DCO Andhra Pradesh Hyderabad. DCO Assam Gauhati.

3
DCO Gujarat, Ahmedabad. Ianguage Division Calcutta. DCO Tripura, Agartala. DCO Uttar Pradesh, lucknow. DCO Punjab, Chandigarh. DCO Delhi, Delhi.
DCO Himachal Pradesh, Simla.
DCO, Goa, Daman & Diu Panaji.

2. The above mentioned ad-hoc appointments shall not bestow upon the officers concerned any claim to regular appointment to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical). The services rendered by them on ad-hoc basis shall not be counted for the purpose of seniority in the Grade nor for eligibility for promotion to the next higher grade. The aforesaid ad-hoc appointments may be reversed at any time at the discretion of the competent authority without assigning any reason therefor.

V. S. VERMA Registrar General, India

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 6th January 1984

No. 8-FC-2(28)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 25th November, 1983, Shri V. B. Tulasidhar is allowed to continue to officiate as Consultant on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1-2-1984 to 29-2-1984.

The 11th January 1984

No. 8-FC-2(25)-A/82.—In continuation of this Commission's Notification of even number dated the 25th November, 1983 Dr. Atul Sarma is allowed to continue to officiate as Economic Adviser on the same terms and conditions in the Eighth Finance Commission with effect from 1-2-1984 to 29-2-1984.

T. C. NANDA Administrative-cum-Accounts Officer

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (I), BIHAR

Ranchi, the 11th January 1984

- O.O. No. Admn.II/1306.—The Accountant General (I), Bihar, Ranchi, has been pleased to promote Shri Damodar Prasad a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 30-11-83 (F.N.).
- O. O. No. Admn.II/1307.—The Accountant General (I), Bihar, Ranchi, has been pleased to promote Shri Mihir Ranjan Choudhury, a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that office with effect from 22-11-83 (F.N.).
- O. O. No. Admn.II/1308.—The Accountant General I, Bihar, Ranchi, has been pleased to promote Shri Vishwanath Prasad Sinha, Accounts Officer a substantive Section Officer of this office to officiate until further orders as an Accounts Officer in that Office with effect from 25-11-83 (F.N.).

R. BASHYAM Senior Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 22nd December 1983

.No. Est/A/VII/9-86/VIII/542.—The Accountant General Kerala is pleased to ante-date the Substantive appointment of

the following Accounts Officers to the each :	e date mentioned against
S/Shri/Smt.	
1. A. R. Yesodhara	1-4-79
2. A Bhaskaran	1-4-79
3. G Ramamohana Kurup	1-10-79
4. K. M. Baby	1-10-79
5. T. L. Varkey	1-11-79
6. T. Velappan Nair	12-11-79
7. C. J. George	1-11-80
8. M. J. Mathew	1-1-81
9. P. Lakshminarayana Sarma	10-1-81
mb. A contract to the	

The A.G. Kerala is also pint the undermentioned officiating A Os (Audit & Lounts) of this office in substantive capacity in the AOs grade of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date shown against each:

S/Shri/Smt.

S/Snn/Smt,		
1. S. Narayanan Nair	-01-3-81	,
2. M. K. Madhavan Kutty Nair	01-5-81	
3. R. Sreedhara Warrier	01-4-82	
4. E. J. Mathew	01-4-82	
5. P. Doraiswamy	01-4-82	
6. C. M. Ramachandran	01-4-82	
(Retired on 30-6-83)		
7. K. G. Sankar	01-4-82	
. 8, N. Madhavan Nair	01-4-82	
9. C. C. Issac	01-4-82	
10. K. P. Ramakurup	01-4-82	
11. R. Neelakantan Nair	01-4-82	
(Retired on 30-9-83)		
12. K. V. Mathai	01-4-82	
13. L. Rajammal	01-4-82	
14. P. Vijayan	01-4-82	
15. K. Krishnan Nair	01-4-82	
16. C. Ramachandran Nair	01-4-82	
17. P. Hariharasu amonia Iyer	01-4-82	
18. Joseph Stephen	01-4-82	
19. S. Subramonia Iyer (No 3)	01-4-82	
20. K. Subramonia Iyer (No. 3)	01-4-83	
21. S. Sankarasubramonia Iyer	01-4-83	
22. R. Rama Varma	01-4-83	
23. S. Venkitaratnam	01-4-83	
(Absorbed in BHEL wef 10-6-83)		
24. K. Gopala Pillai	01-4-83	
25., N. Viswanathan (No 1)	01-4-83	
26. T. J. Xaviar	01-5-83	
27. K. K. Kuttappa Kurup	01-7-83	
/C Contract		

(S. GOPALA KRSIHANAN

Sr. Deputy Accountant General (ADMN.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

MADHYA PRADESH

Gwalior, the 6th January 1984

No. Admn.I/Depn. AO 5/372.—Shri A. Mukherjee, a permanent Accounts Officer of this office is deemed to have retired from Central Government service w.e.f. 30-9-1983 A.N. on his permanent absorption in Indian Road Construction Corporation Ltd. w.e.f. 1-10-83 F.N.

(Authority: Orders of Accountant General-I, M.P., Gwalior, dated 4-1-84)

No. Admn.I/Depa. PF G.L.R/373.—Shri G. L. Ram Chandra, a permanent Accounts Officer of this office is deemed

to have retired from Central Government service w.e.f. 1-7-1983 F.N. on his permanent absorption in Rural Electrification Corporation Ltd.

(Authority: Orders of Accountant General-I, M.P.

Gwalior, dated 4-1-84)

(Sd.) ILLEGIBLE

Sr. Dy. Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I, RAJASTHAN

Jaipur, the 12th January 1984.

No. Admn.II(G-Notfn.)/7024.—The Accountant General Rajasthan is pleased to promote the following Selection Grade Section Officers of this office and appoint them as officiating Accounts Officer w.e.f. the date noted against each till further orders.

S/Shri

- 1. Siya Ram Varshney-20-12-1983 (F.N.).
- 2. Morani Hiro Lilaram-20-12-1983 (F.N.).
- 3. Lal Chand Narang-20-12-1983 (F.N.).
- 4. Siree Paul Jain-20-12-1983 (F.N.).
- 5. Faquir Chand Syal-26-12-1983 (F.N.).

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
(OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER)
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 10th January 1984

No. 12(684)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri R. R. Fauzdar, Asstt. Director (Gr. I) (General Administrative Division) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Deputy Director (G.A.D.) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31-12-83 to 16-2-84.

H. L. JUNEJA Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION 6)

New Delhi-110001, the 13th January 1984

No. A-17011/243/84-A6.—The Director General of Supplies and Disposals is pleased to appoint Shri S. C. Goel, Examiner of Stores (Engg.) in Northern Inspection Circle, New Delhi to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in Headquarters Office of D.G.S. & D. at New Delhi with effect from the forenoon of 4th January, 1984 until further orders,

S. L. KAPOOR

Dy. Director (Administration)

for Director General, Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-V)

New Delhi-1, the 11th January 1984.

No. A.I.1/2 (440).—— the Director General of Supplies & Disposals horeby appoints the undermentioned officers to

officiate as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) on regular basis from the date mentioned against their names:

S.No.	Name	Office where working	Date from which appointed as AD (Admn.) (Gr. II) on regular basis.

	O.	04515.		
S/Shri				
J. P. Lhengra	D.I. Calcutta	13-10-83		
2. L. G. Kamble	DS&D Bombay	28-12-83		
3. A. K. Chakraborty	DS&D Calcutta	13-10-833		
4. V. S. Murdeshwar	DS (Tex.) Bombay	13-10-83		
	•	(since retired)		
•	•	(w.e.f. 30-11-83		
5. J. P. Das	D.I. Calcutta	13-10-8		
6. Y. V. Amin	D.I. Bombay	13-10-83		
7. M. M. Mahajan	D.I. (Met.) Burnpur.	29-12-83		

The above mentioned officers are placed on probation for a period of two years from the date mentioned above against their names.

S. BALASUBRAMANIAN

Deputy Director (Administration)

MINISTRY OF STEEL AND MINES IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 10th January 1984

No. El-12(30)/81(.).—On attaining the age of superannuation Shri Prayag Singh, Assistant Commissioner of Payments has relinquished the charge of the post with effect from 31-12-83 (afternoon).

the 12th January 1984

No. EI-12(30)/81 (.).—On attaining the age of superannuation Shri Amal Kr. Das, Assistant Iron & Steel Controller has relinquished the charge of the post with effect from 31-12-83 (afternoon).

> S. N. DASH Joint Iron & Steel Controller

DEPARTMENT OF MINES (INDIAN BUREAU OF MINES)

Nagpur, the 7th January 1984

No. A.19011(342)/83-E5tt.A.Vol.II.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Snri M. Y. Faza, Assistant Research Officer (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the afternoon of 19-12-1983.

No. A.19011(347)/83-Estt.A.Vol.II.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri Shyamji Singh, Assistant Chemist to the post of Chemist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 19-12-1983.

The 9th January 1984

No. A.19011(337)/83-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri P. D. Gangane, Assistant Research Officer (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity w.e.f. the afternoon of 19-12-1983.

The 10th January 1983

No. A-19011(338)/83-Estt.A.Vol.II.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. V. Rao, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 19th December, 1983.

A. R. KASHAV Senior Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

ANTHROPOLOGIC TUDINEY OF INDIA (INDIA USEUM)

Calcutta-16, the 3rd January 1984

No. 4-192/83/Estt.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Dr. (Smt.) Bharati Devi is appointed to the post of Assistant Anthropologist (Calcutta) Group-B, Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in this Survey at Central Regional Office, Nagpur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 20th December, 1983, until further orders.

M. S. RAJAGOPALAN Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-110 001, the 12th January 1984

No. 10/46/79-SIII/SIV,—Consequent upon acceptance of the request of Shri V. K. Chitnis, Assistant Engineer. Doordarshan Kendia, Bombay for voluntary retirement, he has been relieved of his duties in Doordarshan with effect from 30-11-1983 (AN).

Y. VARMA Dy. Director of Administration. for Director General

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-700 019, the 12th January 1984

No. 35-2/83/ESTT.—Shri k. K. Chakraborty, officiating in the post of Administrative Officer on ad-hoc basis, is promoted in the same post in the National Atlas And Thematic Mapping Organisation as per recommendation of the Departmental Promotion Committee with effect from 6-1-1984, until further orders.

G. K. DUTI Director

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 16th January 1984

No. A.12025/1/83-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri R. N. Khanna, a permanent Field Exhibition Officer and officiating as Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) on ad-hoc basis, in this Directorate, to the post of Assistant Production Manager (Outdoor Publicity) in the same organisation on a regular basis with effect from the forenoon of 2nd November, 1983, until further orders.

2. Shri Khanna will be on probation for a period of two years from the date of his regular appointment which may be extended at the discretion of the appointing authority.

J. S. TULI Dy. Director (Admn., for Director of Advertising & Visual Publicity

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Furidabad, the 28th December 1983

No. A.19025/9/83-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Avadhesh Chandra Agrawal has been appointed to officiate as Assis ant Marketing Officer (Group-II) in this Directorate at Faridabad with effect from 15th December, 1983 (F.N.), until further orders.

The 13th January 1984

No. A.19025/26/81-A.III.—The resignation tendered by Shri R. P. Gajbhiye from the post of A.M.O. (Group-I) in this Directorate has been accepted w.e.f. 17-5-83 (A.N.).

The 16th January 1984

No. A.19023/8/83-A.III.—On the recommendations of the D.P.C. (Gr. 'B') Sh. R. V. Kothe, A.M.O. is promoted to officiate as Marketing Officer (Gr.-II) on regular basis in this Directorate at Madras w.e.f. 14-12-83 (FN), until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shi Kothe relinquished charge of the post of Assit. Marketing Officer (Gr.-II) at Bombay on 12-12-83 (AN).

The 17th January 1984

No. A.19023/10/81-A.III.—Shri E. S. Paulose. Assistant Marketing Officer is promoted to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Faridabad w.e.f. 2-12-83 (FN) on purely ad-hoc basis for traperiod of three months or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

2. Consequent on his premotion as Marketing Officer Shri Paulose relinquished the charge of the post of Asset. Marketing Officer (Group-I) at Faridabad in the F.N. of 2-12-83.

Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 6th January 1984

No. PA/76(1)/83-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Subhash Waman Patil, Junior Accounts Officer from Indian Post & Telegraph Department, Maharashtra Telecon Circle, GPO. Bembay (Telegraph Engg. Division, Kulyan) on deputation as Assistant Accounts Officer in Bhabha Atomic Research Centre in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from December 22, 1983 (FN) to December 21, 1985 (AN) or until further orders, whichever is earlier.

B. C. PAL Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION Bombay the 29th December 1983

No. PPED/3(236)/83-Estt.I/1252—Director (Engg.)
Power Projects Engineering Division Bombay hereby appoints the underment oned personnel of this Division as Scientific

Officer/ Engineer Grac'e'SB' in the same Division in a temporary capacity with office from the forenoon of August 1, 1983 uhtil further orders:—

Sl. No.

Name
Present Grade

Scientific Assistant 'C'
(Pmt. S.A. 'B')
Scientific Assistant 'C'
(Pmt. S.A. 'B')
Scientific Assistant 'C'
(Pnt. S.A. 'B')
Scientific Assistant 'C'

(Pmt. S.A. 'B')

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 4th January 1984

Ref. No. DPS/41/1/83-Adm./292.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Krishanlal Ahluwalia, a Permanent Purchase Assistant to officiate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 17-10-1983 (FN) to -22-11-1983 (FN) in the same Directorate vice Shri K. V. Nair, Assistant Purchase Officer promoted as tr Purchase Officer (ad-hoc).

The 10th January 1984

Rcf. No. DPS/41/16/83-Adm./1351.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri P. Ramesh Chander a permanent Storkeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, on an ad-hoc basis, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 10-10-1983 to 12-11-1983 (AN) in the same Directorate vice Shri M. Banerji, Assistant Stores Officer granted leave.

P. GOPALAN Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603 102, the 21st December 1983

No. RRC/A 32014/7/83 P 19686.—The Director, Reactor Research Centre hereby appoints Shri N. G. Muthlidharan, a quasi-permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) of this centre as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in a temporary capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of August 1, 1983 and until further orders.

No. RRC/A 32023/1/83/R/18756.—Director. Reactor Research Centre hereby appoints Shri K. Javantheeswaran, permanent Senior Stenographer and officiating Stenographer Grade-III of this Research Centre as Assistant Administrative Officer in the same Centre for the period from 8-12-83 to 18-1-84 in an officiating capacity on an ad-hoc basis vice Shri M. Krishnomurthy, Asstt. Admn. Officer, proceeded on Training in ISTM, New Delhi.

S. PADMANABHAN Administrative Officer

CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 20th December 1983

No. C&SG/A/2(6).—The Director, Construction & Services Group. Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri K. Krishnan as Scientific Officer/Engineer Grade '8' in Construction & Services Group in a temporary capacity

with effect from the forenoon of December 13, 1983 further orders.

The 30th December 1983

No. C&SG/A/2/16,-The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy is pleased to appoint Shri K. Mahabub Basha, a Junior Accounts Officer of Indian Posts & Telegraph Department in Construction & Services Group on deputation basis for a period of two years in the first instance w.e.f. the forenoon of December 7,

> T. P. RAJASTH Administrative Officer-II

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 2nd December 1983.

No. VSSC/EST/A/83-The Director VSSC appoints the following officials as scientist/Engineer 'SB' in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/-in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders:

SI. Name No.	Divn.	Date of Appointment
Shri/Smt./Kum.	·	
1, R. Renuka	ELS	8-8-83
2. Raghavendra R. Patil	ISI	1-9-83
3. A. Somanathan	$\mathbf{E}\mathbf{FP}$	17-11-83
4. P. Jesammal	ELS	23-11-83
5. C. Athipagavan	IRS	23-11-83
6. K. Malarmani	IRS	24-11-83
7. J. Jessi Flora	ELS	25-11-83
8. K. Murugesan	SMD	25-11-83
9. B. Bharathi	ELS	25-11-83
10. Dharm Raj	ELS	30-11-83
11. R. Manohara Rao	ISI	30-11-83
12. A. Kaliswamy	IRS	12-12-83

K. P. R. Menon Admn. Officer-II (EST) For Director, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th January 1984

No. A-32013/6/82-EC (.)—In continuation of this Department's Gazette Notification No. A-32013/6/82-EC dated the 23rd July, 83 the President is pleased to continue the ad-hoc appointment of the following officers as Communication officer in the Civil Aviation Department upto the period shown against each or till the posts are filled on a regular basis whichever is carlier:

Period		
From	То	
3	4	
1-7-83	31-12-83	
••	7.7	
••	11	

1 2	3	4
5. S. Sarkar	1-7-83	31-12-83
6. S.K. Neogy	17	٠,
K.V. Vasudevan	17	••
8. V.R. Sriniyasan	**	**
9. K. D. Tuli	"	,,
10. C.L. Khera	.,	,,
 S.S. Chowdhury 	**	21
12. G.S. Vedi	••	12
13. K.K. Sidharthan	11	11
14. K.C. Biswas	11	•
15. P.R. Nair	,,	11
16. P. K. Dutta	,	,,
 J. Bhattacharjee 	,,	,,
18. N. S. Paul	17	22
19. P. Ramdass	,,	13
20. M. S. Sachdev	,,	12
21., V. Ranganathan	,,	11
22. B.B. Datta	11	11
23. Ramji Slagh	17	21
24. S.K. Sen	*1	13
25. K.C. Sengupta	,,	,,
26. H. Deb.	**	**
27. S. Govindarajan	,,	7,7
28. S. Basu	28	,,
29. R. V. Kharo	**	
30. P.N. Malik	••	33
31. S.S. Datta	,-	,,
32. S, N. Sen	*1	11
33. C.R Narayanan	,,	"
34. Saibal Gupta	,,	,,
35. A.K. Muknerjea	17	,,
36. K.S. Gopalan	,,	,,
37. P.M. Subbiah	,,	31-10-83
38, D. Paul	1,	31-7-83
39. T.V. Natarajan	3.7	30-9-83
49. S L. Cnodna	11	30-11 -83

The 10th January 1984

No. A-32014/2/83-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants at present working as Assistant Communication Officers on an ad-hoc basis to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis with effect from the 31st December, 1983 and until further orders:—

- S. No. & Name
 - 1: V. G. Sundararaman 2. G. N. Oka

 - 3. M. S. Gogate

 - 4. S. Burman 5. T. Paul
 - 6. M. K. Chakrapani
 - S. P. Sengupta
 - 8. H. S. Tuli
- 9. C. R. Guha 10. T. S. Krishnamoorthy
- 11. A. N. Biswas 12. B. N. Sarkar
- 13. R. K. D. Chowdhury
- J. P. Gupta
 M. S. Deol

- 16. N. R. Bose 17. M. T. Rajarshi 18. P. G. Chandrana
- 19. M. G. Sandell
- 20. Tirath Singh 21. J. R. Deshmukh
- 22. A. Periaswamy

K. L. Patwa
 P. K. Mujumdar
 V. J. Hudder

O. P. AGGARWAI Assistant Director of Administration

New Delhi, the 12th January 1984

No. A.12025/2/82-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri V. K. Arora, as Aircraft Inspector (Group 'A' post) in the pay scale of Rs. 700—1300 in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity with offect from 30-11-1983 and until further orders.

> B. BHAUMIK Assistant Director of A1mn.

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 11th January 1984

No. 16/118/66-Ests-I.—In accordance with the provisions of Rule 48 of C.C.S. (Pension) Rules, 1972 the President, Forest Research Institute and Colleges. Dehra Dun has been pleased to accept the Voluntary retirement from service of Shri S. K. Gupta, Research Officer, Forest Research Laboratory, Bangalore with effect from 8th Nov., 1983 (AN).

> G. S. GROVER Dy. Registrar, Forest Research Institute & Colleges

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Bombay, the 9th January 1984.

No. II/E3(a) 2/77 Pt. II-The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-1 with effect from the dates shown against their names :---

S.No. Name	Date of assumption of charge
1 2	. 3
S/Shri.	
1. R D. Gundale	9-12-1982 F. N.
2. S.R. Nikalji	2-4-1983 A.N.
3. M.S. Ghat Kamble	14-4-1983 F.N
4. D.H. Tare	31-3-1983 A.N
5. Y.K. Timanpalti	6-4-1983 F. N
6. A. B. Waghela	14-4-1983 F. N
7. L. M. Asher	7-4-1983 F. N
8. M. R. Salvi	30-4-1983 F, N
9. N. R. Narkhede	26-4-1983 F. N
10. L. V. Patankar	30-4-1983 F. N
11. M. M. Gailad	21-4-1983 F. N
12, M.A. Sawant	11-4-1983 F, N
13. H. G. Manjrekar	8-4-1983 F. N
14. J.N. Dabake	11-4-1983 F. N
15. M. K. Pansare	13-4-1983 F. N
16. V.K. Dekhane	16-7-1983 F. N
17. D.N. Bhojwani	16-7-1983 F. N.
18. V. B. Shanbhag	31-8-1983 F. N
19. V. R. Dhuri	31-8-1983 A. N
20. S.G. Phadnis	31-8-1983 F. N
21. D.T. Sawant	31-8-1983 F. N.
22. B.A. Sardesai	31-8-1983 F. N.
23. B.S. Ambeskar	31-8-1983 F. N.
24. R. W. Wagle	30-8-1983 F. N.

1	2		+	3
25. P.	M. Cnabiani	-		29-8-1983 A.N.
26 .M	L. Joshi			22-8-1981 A.F.
27. A.	S. Joshi			30-8-1983 F.N.
28. Y.	G. Samant		•	31-8-1983 F. N.
29. V.	L. Joshi			22-8-1983 F. N.

F.No. II/3E(a) 2/77 Pt.II—The following Office Superintendent of Central Excise Bombay-I are promoted on purely ad-hoc basis to officiate in the grade of Administrative Officers/Assistant Chief Accounts Officer/Examiner Accounts, Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-I with effect from the dates shown against their names.

S.No.	Name	Date of assum	nption of charge.
Exar 2. Shri	S.S. Kulkarni, miner of Accounts B.P. Shinde sistant Chief Accoun	nts Officer	16-6-83 F.N \ 17-8-83 A.N.

F.No. II/3E(a)2/77 Pt.II. The following Group 'B' Gazetted Officers Superintendents/Administrative Officers/ Examiner/Assistant Chief Accounts Officer in Bombay-I Central Excise Collectorate have retired on superannuation/voluntarily on the dates shown against their names.

S.No.	Name & designation	Date of retirement
 Shri Shri 	B.M. Gupte, Supdt. V.G. Rane, Supdt. M. J. Davar, Admn. Officer	31-12-82 A.N. 31-12-82 A.N. 31-12-82 A.N.
4. Shri 5. Shri 6. Shri	/oluntarily) M.R. Vazirani, Exam. of Acets. M.G. Waknis, Supdt. N. M. Chainani, Supdt. S.D. Mhatre, Examiner	31-1-1983 A.N. 30-4-83 A.N. 30-4-83 A.N. 30-4-83 A.N.
	oluntarily) V. K. Vaidya, A.C.A.O.	31-7-83 A.N.

No. II/3E(a)2/77/Pt. II. Shrl R.T. Nagrani, Superintendent, Central Excise Gr 'B' in Bombay-I, Central Excise Collectorate expired on the 9th January 1983.

No. II/3E(a)2/77 Part II.—The following Administrative Officers/Examiner of Accounts/Assistant Chief Accounts Officer are appointed on regular basis with effect from the dates shown against their names.

S.No. Name	Due of assumption of charge
1. Smt. Parvethy Ganeshan	7-4-83 F.N.
2. Shri R. S. Dhople	7-4-83 F.N.
3. Shri M.K. Mane	7-4-83 F.N.
4. Shri, S. G. Gupte	7-4-83 F.N.
5. Smt. S. D. Mhatre	7-4-83 F.N.
6. Slai, M. S. Sane	7-4-83 F.N. 7-4-83 F.N.
7. Shri P.S. Dive 8. Shri N.J. Karande	7-4-83 F.N.
9. Shri S.B. Mane	7-4-83 F.N.
10. Shri R. G. Wagh	7-4-83 F.N
11. Shri Ramaswamy Krishnar	nurthy 7-1-83 F.N

F. No. II/3E(a)2/77 Pt.II.—The following office Superintendents on promotion as Examiner/Administrative Officer of

The second secon

Central Excise. Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-I assumed the charge against a leave vactoricy with effect from the dates shown against his name and continued in the grade of Administrative Officer/Assistant Chief Accounts Officer/Fxaminer of Accounts from the same date. & Date of assumption of charge

1. Shri B, A. Kane-17-12-82 F.N.

H. M. SINGH Collector of Central Excise Bombay-1

CENTRAL WATER COMMISSION ,

New Delhi-110 066, the 12th January 1984

No. A-32012/1/84-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints the following Officers officiating as Extra Assistant Director / Assistant Engineer (Civil & Mechanical) on ad-hoc basis in the Central Water Commission, on a regular basis in the same grade in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-ER-40-1200 with effect from the forenoon of 26th December, 1983 until further orders:-

St. No., Name of Officer

S/Shri

- 1. K. C. Upadhyay
- D. Mazumdar
- 3. Sunil Jain
- 4. S. U. Bhaskar Rao
- 5. Prakash Chandra
- 6. Gurbachan Lal

- 7. R. S. Randhawa 8. K. C. Aggarwal 9. V. K. Mendiratta 10. B. B. Mathur
- 11. Ravi Kiran Khurana
- 12. S. C. Chopra13. S. C. Gunta14. P. K. Razdan
- 15. S. K. Aroita
- 2. The above mentioned officers will be on probation in the grade of FAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years from the aforesaid date.
- 3. The promotion of the above mentioned officers is subject to the result of the Civil Rule No. 10823(W) of pending in the Hen'ble High Court of Calcutte.

S MAHADEVA AYYAR

Under Secy. .

for Chairman, Central Water Commission

New Delhi-110 066 the 17th January 1984

No. A-19012/941/81-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman. Central Water Commission hereby appoints Shri C. D. Howli. Supervisor, who was on deputation to Chukha Hydel Project, Bhutan satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on derutation abroad on ex-cadre rost, to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer in the pay scale of Rs 650-30-740-35-810-FB-35-880 40.1000.FB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the 10th June, 1981, the date his junior had been premoted in the grade on remain basis until further orders.

2. Shri C. D Howli will be on probotion in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer for a period of two years with effect from the inforesai! date.

> S. MAHADEVA AYVAR Under Sent.

Central Water Commis in

DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 22nd November 1983

No. 44/4/71-Adm. B.—The President is pleased to grant extension in service to Shri Sunder Lal Deputy Director of Estates, Directorate of Estates, for a perical of six months with effect from 1-11-1983 to 30-4-1984 (AN).

VEENA BRAHMA, Dty. Dir. of Estates

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Shakuntala Trade Investment Private Limited.

New Delhi, the 27th October 1983

No. 490-27801.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Shakuntala Trade Investment Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the company will be dissolved.

> Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Osra Bottling Company Private Limited.

New Delhi, the 6th January 1984

No. 4733/320.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s Osra Bottling Company Private Ltd. unless causeis shown to the contrary, will be struck off the Register and the company will be dissolved.

> H.S. BHATIA Asstt. Registrar of Companies Delhi and Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Barhait Credit & Investment Company Private Limited

Patro, the 22nd December 1983

No. (1092)560/5914.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Barhait Credit & Investment Company Prevate Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolv-

> A. N. ANSARI, Registrar of Companies Bihar, Patna.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Sri Sivasubramaniam Transport Private Limited

Pendicherry, the 31st December 1983

No. 46/560(3).--Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that one expiration of three months from the date hereof the me of M/s. Sri Sivasubramaniam Transport Private Ltd., tless cause is shown to the contrary will be struck off the egister and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE

Registrar of Companies. Pondicherry.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Sanchar Publicity Consultants Private Limited

Bombay-400002, the 2nd January 1984

No. 645 [14661,7560(3).—Notice is hereby given pursuant sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 956 that at the expiration of three months from the date eneof the name of M/s Sanchar Publicity Consultants Pvt. 1d., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Addl. Registrar of Companies Maharashtra. Bombay-2

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 9th January 1984

No. F. 48-Ad(AT)/1983(II).—Shri N. C. Chaturvedi, ibstantive Hindi Translator, Income-tax Appellate Tribunal, illahabad Benches who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, on ad-hoc

basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from 16-8-1983 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1983, dated 24th October, 1983 is now permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi for a further period of 3 months with effect from 16th November, 1983 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri N. C. Chaturvedi, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

No. F. 48-Ad(AT)/1983(II).—Shi S. V. Narayanan, Sr. Stenographer, Income-tax Appellate Tribunal. Hyderabad Benches, Hyderabad who was continued to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches. Bombay on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of three months with effect from 19-83 to 30-11-83 vide this office Notification No. F. 48-Ad(AT)/1983, dated 13th October, 1983 is now permitted to continue to officiate in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay for a further period of three months with effect from 1-12-1983 to 29-2-1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. V. Narayanan, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 5th December 1983

G.I.R No. M-165.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. 116/121 situated at Ghasiari Mandi, Moti Lal Bose Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) technating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nerrons, namely '---

- (1) 1. Begum Badaruzzama Alias Saira Bano
- Snri Moinzzama
 Shri Sabirzzama

 - 4. Shri Wasizzama
 - Parveenzzama Nasreenzzama

(Transferor)

(2) Shri Munawwar Ali

(Transferee)

(3) Above sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

One house No. 116/121, measuring 1962.50 sq. ft. situated at Ghasiari Mandi. Moti Lal Bose Road. Lucknow. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9575, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar. Lucknow, on 3-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 5-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd December 1983

G.I.R. No. A-123/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 'Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storeyed House No. 106/118 situated at Block 'A', Birkettgani Road, Nazarbagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 25-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Kumar Bajaj

(Transferor)

(2) Dr3 Aisha Majecd

(Transferee)

(3) The above vendor and Tenant—Mrs. P. G. Sinha (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made ni writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 106/118. Block 'A', situated at Birkettganj Road, Nazarbagh, Lucknow (Plimh area—1440 sq. ft.), and all that double on of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6139, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 2-12-1933

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Eucknow, the 15th November 1983

G.I.R. No. S-285/Acq.-Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Portion of a Kothi and Open land situated at 7, Tilak Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Lucknow on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) I. Shri Banarsidas

Smt. Pramila Rani

3. Usha

Through Attorney, Shri Pradeep Kumar 4. Shri Pradeep Kumar

(Transferor)

(2) Swargiya Shri Sanjay Gandhi Sahkari Avas Samiti Limited, 10, Shivpuri, Lucknow. Through its Secretary, Shri Nripendra Kumar Pandey

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of a constructed Kothi and open land measuring 30,000 sq. ft. situated at 7, Tilak Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 10126, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 10-5-1983.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-11-1983

(1) 1. Yousuf Jahan 2. S. M. Alim

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

to g in Separation of the distinguish of the process of the following again to the common of the com

(2) Shri S. C. Baipai

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above vendec.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 21st November 1983

G.I.R. No. S-284/Acq---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 2s,000, and bearing No. Plot No. 3 situated at Radchi Road (Jopling Road), Luck-

now

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Lucknow in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3. measuring 5170 sq. ft. situated at Radchi Road (Jopling Road), Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 9902, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date : 21-11-1983

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAY

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 15th October 1983

G.I.R. No. S-293.-Whereas, 1.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One house situated at No. A-101 and A 102, Gandhi Nagat, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mozadabad on 5-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-ray Act. 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following . persons, namely:--

.(1) The Moradabad Co-operative Housing Society Ltd., Gandhi Nagar, Motadabad. Through

1. Shri Ram Kumar Singhal, President 2. Shri O. P. Vaish, Secretary

3. Shri Santosh Gupta, Treasurer (Transferor)

(2) M/s. Indian Art Enterprises, Gandhi Nagar, Moradabad. Through Partners,

1. Shri Suresh Chand Jain

2. Smt. Sashi Jain

3. Shri Arvind Kumar Jain

4. Smt. Renu Jain

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 448.40 sq. mtrs. situated at No. A-101 and A-102, Gandhi Nagai, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2168/10/83, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 5-5-1983

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-10-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE

(1) 1. Shri D. P. Bora 2. Shri Pankaj Bora

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumar

(Transferee)

(3) Ahove vendez.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 20th October 1983

G.I.R. No. V-61/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of thenecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the innervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Land Khasra No. I.A. of 469 situated at Sheikhpura, Allgani, Lucknow Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 20-10-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have expect to believe that the fair market value of the property as altoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration interests by niore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce, or the purnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of rotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Khasra No. I.A. of 469 situated at Sheikhpura. Aliganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deel and form 37G No. 5218, which have only been registered in the office of the Sun Registrar, Lucknow, on 13-5-1983

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date; 20-10-1983

(1) 1. Shrì D. P. Bora 2. Shri Pankaj Bora

(Transferor)

NOT CE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Maya Devi

a (Transferee)

(3) Above vendee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE.
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 20th October 1983

G.I.R. No. M-159/Acq.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Khasra No. I.A. of 469 situated at Sheikhpur Aliganj,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 13-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofObjections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasra No. I.A. of 469 situated at Sheikhpura. Aliganj, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5219, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 13-5-1983

> A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefrore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely-

Date: 20-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 24th November 1983

G.I.R. No. H-47/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

One House No. 117/166 situated at Jambur Khana, Ghasiari Mandi, PS. Kaiserbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—43—446GI/83

(1) 1. Smt. Mithilesh Mathur

2. Smt. Deepa Mathur

3. Smt. Geeta Verma

4. Kum. Arati Mathur

5. Kum. Roli Mathur

(Transferor)

(2) Haji Ali Ahmad

(Transferee)

(3) Above sellers.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. 117/166, measuring 11125 sq. ft. situated at Jamburkhana. Ghasiari Mandi, P. S. Kaiserbagh, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6156 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-5-1983.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 24-11-1983 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri Beta Krishna Ghosh of 4, Sitalatala Lanc, Calcutta-11.

(Transferor)

(2) Sri Gour Hari Maity of P. S. Sankrail, Vill.—Andolnessa, Dist. Howrah.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 2nd January 1984

AC-47/ACQ. R-II/CAL/83-84.—Whereas, I, Ref. No. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41/F situated at Sitalatala Lane, Narikeldanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act_ 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Scaldah on 6-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a five-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the connideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, nmaely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottabs 2 chittaks 14 square feet land with structs situated at 41/F, Sitalatala Lane, P. S. Narikeldanga, C cutta-11. More particularly described in deed No. 217 1983 of S. R. Sealdah,

> S. K. BANERJ Competent Autho specting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range 54, Rafi Ahmed Kidwai Rc Calcutta

Date: 2-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1983

Ref. No. A. C.-44/ACQ. R-II/CAL/83-84.—Wheraes, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

land situated at Mouja-Sriti. P. S. Benala, Dist.-24 Pgs. and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer at S. R. Alipore, on 18-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' is the following persons, namely:—

 Sri Haradhan Maity of 61/1, Biren Roy Road, East, Calcutta-8.
 P.S. Behala.

(Transferor)

(2) 1. Sri Ashoke Kumar Ghosh of 9, Dakshin Para Road, Calcutta-53.

 Sri Ambika Prosad Roy of 26E, Biren Roy Road, East, Calcutta-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottahs 4 Chittaks 24 Sq. ft. land situated at Mouja—Sirity, P. S. Behala, District-24 Parganas. More particularly described in deed number 1575 of 1983 of S. R. Alipore.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1983

Ref. No. Ac-45/ACQ. R-II/CAL/83-84.—Whereas, I, S. K. BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49/6 situated at Gopal Misra Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Alipore on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

of Registering Officer at S. R. Alipore on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Tarani Kanta Ghosh of 3, Brindaban Mallick 1st Lane, Calcutta-9.

(Transferor)

(2) Sri Moni Sengupta
 of 49/6, Gopal Misra Road,
 Calcutta.
 P. S. Behala,
 District-24 Parganas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 Cottahs of land with Building situated at 49/6, Gopal Misra Road, Calcutta, P. S. Behala, District-24 Parganas, more particularly described in deed No. 2829 of 1983 of S. R. Alipore.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date 1: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 28th December 1983

Ref. No. Ac-46/ACQ. R-II/CAL/83-84.—Whereus, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3A situated at Naba Baliapara Road, P. S. Behala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. A. Cal. on 18-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Sri Surjya Narayan Roy,
 Smt. Chitra Roy,
 all of 91/1A, S. N. Banerjee Road,
 Calcutta-14.

(Transferor)

1. Sri Deva Passad Mukherjee,
 2. Sri Pramatha Nath Mukherjee,
 all of 65/1, Surjya Sen Street,
 Calcutta-9.

(Transferee)

3(3) Sri Shakti Sarkar.

(Persons in occupation)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Cottahs 20 Sq. ft. land with Building situated at 3A, Naba Baliapara Road. Mouja-Murdapur, P. S. Behala, more particularly described in deed No. 4908 of 1983 of S.R.A. Calcutta.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2660

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1984

Rcf. No. AC-49/ACQ. R-II/CAL/83-84.—Whereas, S. K. BAN DIEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3C situated at Sura East Road, Calcutta-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 26-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Sadhaneshwar Chattopadhyay of P/21, C.I.T. Road, Soh-XM, P.O. & P.S.—Beliaghata, Calcutta-10.

(Transferor)

(2) Smt. Saraswati Devi Poddar of 1, Hanspukur 1st Lane, Calcutta-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 Cottahs 8 Chittacks 6 Square feet of land situated at 3C, Sura East Road. More particularly described in Deed No. 5174 of 1983 of S.R.A. Cal.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 5-1-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Baidya Nath Ghosh of 225, Satin sen Sarani, Calcutta-54.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/8. Allen Laboratories Private Limited of 4, Rampal Lane, Calcutta-700 005.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 5th January 1984

AC-48/ACQ. R-II/CAL/83-84.--Whereas, I. Ref. No. AC-4 S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

224-H situated at Satin sen Sarani, Narikeldanga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R.A., Calcutta on 12-5-1983

for an apparent consideraoitn which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

3 Cottahs 10 chittacks 40 square feet of land with Building situated at 224H, Satin Sen Saruni, P. S. Narikeldanga, Calcutta-54. More particularly described in deed No. 4698 of 1983 of S.R.A. Cal.

> S. K. BANERJEE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-1-1984

THE TAUS OF MENT THE STATE OF A PROPERTY OF THE STATE OF

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1983

Ref. No. 16/R/KNP/83-84/502,---Whereas I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

2662

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 30-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely:-

(1) Shrimati Vidya Devi, w/o Late Sh. Jagdish Narain, Shrimati Ramwati, w/o Late Shri Laxmi Narain, Shrimati Sumen Devi, w/o Shri Radhey Shyam, R/o Vill. Tikra, Kanpur, Smt. Kusum Devl, w/o Shri Kamlendra Kumar, R/o Vill. Riwadi, Distt. Fatehpur.

(2) 1. Sh. Ram Gopal, S/o Sh. Badri Prasad, 48/15, Lathi Mohal, Kanpur,

2. Smt. Radha Devi, w/o Sh. Ram Gopal, 48/15, Lathi Mohal, Kanpur.

(Transferee)

(Transferor)

931

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block 'C', Scheme No. 2, Govind Nagar, Kanpur.

> P. N. PATHAK Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 26-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1983

Ref. No. 19/R/KNP/83-84/503.—Whereas I, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25.000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 26-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Dhirendra Swaroop and Narendra Swaroop, A-9/13-B, Basant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. Fu Shing Chung, Fu Ching Chung, Fu Neyo Chung, Fu A Chung, K. Chung Jenny Chung. 15/96 Civil Lines, Kanpur.

(Transferce)

(3) No. 2.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

15/96 Civil Lines, Kanpur. (A Part)

P. N. PATHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the follows persons namely:—

--446GT/83

Date: 26-12-1983

(3)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1983

Ref. No. —Whereas I,

P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schodule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 27.4.1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or, which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrì Mahesh Kumar, Suresh Kumar & Nebh Raj Bhatia S/o Bchari Lal Bhatia, r/o 121/633 Shas.ri Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Bhatia, s/o Behari Lal Bhatia Bhushan Sunil & Anil Bhatia s/o Hans Raj Bhatia, r/o 119/1068 Darshan Purwa, Kanpur.

(Transferee)

-do-(Persons in occupation of the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in tha Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 119/588, Darshan Purwa, Om Nagar, Kanpur.

P. N. PATHA
Competent Au horInspecting Assistant Commissioner of Income-t
Acquisition Range, Kanp

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-12-1983

(3)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th December 1983

Ref. No. M-1401/83-84/1570.—Whereas 1, P. N. PATHAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 4-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair mp-ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Lucy Perkash, w/o Shri Sat Perkash, R/o 27-E. C. Road, (Now 54, E. C. Road), Dehradun & others.
- (2) Shri Gunjan Arora, s/o Shri Amar Nath and others, R/o 11, Malviya Road, Dehradun.
 - (Transferce)

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No part of 27, F. C. Road, I-Municipal Road, Dehradun.

P. N. PATHAK Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Pate: 26-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1983

No. IAC./ACQ/21/11/1983.—Whereas 1,

M. C. JOSHI,

b, ng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Northern Portion of H. No. 469 W. No. 60 New Colony.

Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer at Nagpur v.de regd. No. 2912/83 on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1932) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sabrabegum w/o Shabir Ahmed Ansari, Near Da.oga Majid, Kamptec, Dis. Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum w/o Madanlal Mehta, House No. 469 W. No. 60, New Colony, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern Portion of House No. 469 Ward No. 60, New | Colony, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1983

No. IAC./ACQ/22/11/1983.—Whereas 1, M. C. JOSHI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 33/2 City S. No. 869 Regional Police Training School Road Ajni Su endra Nagar, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liablify of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:---

(1) Dr. Smt. Prabhavati Kashnath Bhide, R.P.T.S. Road, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Bobde, 261/B Laxm Nagar, Nagpui and 18 members (Copy enclosed).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions ascd herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(1) Dr. Smt. Prabhavati Kasnath Bhide, No. 33/2 City S. No. 869 Regional Police Training School Road Aini Surendra Nage Nagpur Registered on 6-5-1983.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-1983

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1983

No. IAC./ACQ/19/11/83-84.—Whereas 1, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and hearing

Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 5 'H'-Block, Laxmi Nagar, Nagpur.
(and more fully describ d in the Schedule and

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the once of the Registering Officer at Nagpur vide Regd. No. 3844/83-84 on 5 5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri/Lt. Col. Madhukar Maroti, Dewa_thale (Retd.), R/o Ghorpodi, Pune-1.
- (2) Shri Keshaokumar Pusalal Agrawal, H-5, Laxmi Nagar, Nagpur.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building on Plot No. 5, 'H' Block, La

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-1983

Scal

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1983

No. IAC./ACQ/20 11/1983.—Whereas I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 378, Gandhi Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nagpur on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Govind R. Tatwadi, 378, Ganoni Nagar, Nagpur.

(Transferor)

1. Smt. Sadhnadevi w/o D. Khandelwal
 2. Shri Dineshkumar K. Khandelwal
 402. Sewasadan, C.A., Road, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 378, with Municipal Corpora ion House No. 1071/0-1 W. No. 73, Gandhi Nagar, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1983

No. IAC./ACQ/18/10/1983.—Whereas I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be leve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Agricultural Land Survey No. 3A/2 Gat No. 9 Measuring 5 Acres 2 Guntas

(and more fully described in the Schelule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nanded vide Regd, No. 2431/83-84 on 7-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Trimbak Dattatray Kale Res dent of Kautha, Dist. Nanded.

(Transferor)

(2) Sant Gadge Maharaj Sahkari G.N. Santha Ltd. Nanded.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land Survey No. 3-A/2 Gat No. 9, Mauzo Kautha, Dist. Nanded.

M. C. IOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Dam : 30-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

> > Nagpur, the 31st October 1983

No. IAC./ACQ/14/9/1983-84,--Whereas I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A hut having C.I. Sheet roof with plot out of Muni. House No. 159 Nazul plot No. 7/2, Sheet No. 51 from Western side situated at Akolain Municipal Ward No. 41 Area 3508

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 6-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid proof the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1. Shri Satischandra R. Sharma
 2. Smt. Godavaribai R. Sharma
 r/o Nanand Tah. Pusad. Distt. Yeotmal At present Kamaplot, Station Road, Akola.

(Transferor)

(2) Sau Vimal Tukaram Dhagewar, R/o Jawahar Nagar, Akola.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—*

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A hut having C.I. sheet roof with plot, out of Municipal House No. 159 Nazul plot No. 7/2 sheet No. 51 from western side situated at Akola in municipal ward No. 41 Area 3508 Sq. ft,

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-46-446GI/83

Date: 31-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Mangala W/o Shri Manohar Deuskar K/o Pune. (Transferor)

(2) Shri Makarand Nilkhant Naik R/o Onkar, Dhantoli, Nagpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 31st October 1983

No. IAC./ACQ/13/83-84.—Whereas I.

M. C. JOSHI, M. C. JOSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 1st Floor Building known as Onkar' on plot No. 13/2 & 14/1 Sheet No. 21-B Near Patwardhan Ground Post Office, Dhantoli Namur

Dhantoli, Nagpur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 17-5-1983

Nagpur on 17-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ma be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st Floor of Building known as 'Onkar' undivided 1/2 share on plot No. 13/2 & 14/2, Sheet No. 21-B Near Patwardhan Ground, Post Office, Dhantoli, Nagpur.

M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

Date: 31-10-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Yashwant Wasudeo Bhatta, R/o Mudholkar Peth, Amravati,

(Transferor)

 Dr. Jaybharat Laxman Patode, R/o Swastik Nagar, Amravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 23rd November 1983

No. IAC./ACQ/16/10/1983-84.—Whereas 1, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B on the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 Portion of the house of Nazul, S. No. 67-D, Plot No. 50/1 Rajapeth Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Portion of the house at Nazul sheet No. 67-D, Plot No. 50/1 Rajapeth, Amravati.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 23-11-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Yashwant Wasudeo Bhatta R/o Mudholkar Peth, Amravati.

(Transferor)

(2) Dr. Sau. Shobha Jaibharat Patode, R/o Swatik Nagar, Amravati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 23rd November 1983

No. IAC./ACQ/17/10/83-84.—Whereas I. M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

112, Portion of the house at N.S. No. 67-D, Plot No. 50/1, Rajapeth, Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesad exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as that Chapter.

THE SCHEDULE

112 Portion of the house situated at N.S. No. 67-D, Dn. Plot No. 50/1, Rajapeth, Amravati.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-11-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/5-83/32.--Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 152 Block-AL, situated at Shalimar Bagh, N. Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Shankar Misra 5/0 Shri Roshan Lal Misra 109, Govt. Flats, Hanuman Road, New Delhi. (Transferer)
- (2) Smt. Janak Rani Madan, E-86, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 152 Blcok-AL, Shalimar Bagh, New Delhi mg. 35 sq mts.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

'GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37EE/5-83.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Space No. 22 on ground floor in Plot A-2/1, situated at Naniwala Bagh, Azadpur, Delbi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC (Acq.) Range-II, in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I horeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. R. C. Sood & Co. (P) Ltd., Eros Cinema Bldg., Jangpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. C. Narang s/o Shri W. C. Narang & Shii K. S. Gambhir s/o Shri L. S. Gambhir, 6-Shashtti Mkt. Azadpur, Delhi.

(Transferee)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 22 or ground floor in Plot A-2/1, at Naniwala , Bagh, Azadpur, Delhi area approx. 197 sq. ft.

B. I., DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

(1) Shri Naresh Kumar Chawla. 29/30, Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar R/o Calcutta Battery Co., WH/79, Mayapuri Phase-I, New Delhi. (Transferee).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/37-EE/5-83/35,—Whereas, 1, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fai exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 167, situated at Shakti Vihar (Vill. Madipur), New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of Registering Officer

IAC (Acq.) Ronge-II, in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- hb) by any other person interested in the said immovable of property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the the purposes of the Iodian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 167, Shakti Vihar (Village Madipur), New Delhi mg, 186.66 sq. yds.

THE SCHEDULE

B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-1-1984.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. MACAcq. II/SR-I/83/81.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1557, 1558, 1594/Part 1595 to 1599 situated at Dariba Kalan, Dolhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ashok Kumar Gupta s/o Shri Ram Nath, 1551-54, Kucha Seth, Dariba Kalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Sanjeev Kumar Jain & Navneet Kumar Jain ss/s Shri Jugmandar Dass Jain r/o 1609, Gali Bahar Wali, Dariba Kalan, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubilication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Nos. 1557, 1558, 1594/Part 1595 to 1599, mg. 88.25 sq. yds. Dariba Kalon, Delhi-6.

B. I. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Date: 10-1-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/82. $\stackrel{\leftarrow}{-}$ Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority Under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H-49, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 7 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

46—446GI/83

(2) Smt. Krishna Devi, Kapoor W/o Shri Jagadish Kapoor, H. No. H-49, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Pritpal Singh Chawla s o late Shri Hari Singh Chawla r/o B/45-47, Connaught Place, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. H-49, mg. 315 sq. yds. Rajouri Garden., New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Amar Nath s/o Shri Ishar Dass r/o 92, Indra Market, Sabzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Ashok Kumar Gambhir and Rakesh Kumar Gambhir ss/o late Shri Manobar Lal Gambhir both r/o 79, Krishna Tola, Aligarh, U.P.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUII DING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. 1AC/Acq.II/SR-I/5-83/85.—Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 92, situated at Indra Market, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983. and the agreement is registered u/s. 269AB of the I,T. Act 1961, in the office of the Competent Authority, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officiel Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 92, at Indra Market, Subzi Market, Delhi.

THE SCHEDULE

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely

Date: 10-1-1984,

Seal;

200 L

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF .1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-83/98.—Whereas, I,

B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible in the competence of the competence property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Plot No. C-169, situated at Mansrover Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kesar Singh s/o S. Sujan Singh r/o N-46, Double Storeyed, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Bhupinder Singh, Shri Jagtar Singh and Shri Davinder Singh ss/o Shri Surjan Singh all r/o 2265/2, Mandir wali Gali, Shadipur, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-169, mg. 300 sq. yds. situated at Mansrover Garden, New Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-1-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC 'Acq.II/SR-I/5-83/131.---Whereas, I, B. L. DHAWAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 3526/A, Ward No. XII situated at Main Buzar, S/Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at New Delhi on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Lila Wati w/o Shri Satram Dass r/o 10/K Kohlapur Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor) (2) Shri Tara Singh s/o Shri Sant Ram 1/o E/9, Andha Mughal Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3526/A, Ward No. XII, situated at Main Bazar Opp. Post Office, Subzi Mandi, Delhi-8220 sq. ft.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, G-13, GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/182.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 3526/B, situated at Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the LT. Act. under the Régistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Lila Wati w/o Shri Sitaram Dasa r/o 10K. Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh s o Shri Sant Ram r/o G/63, Andha Mughal, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3526/8, Ward No XII, situated at Main Bazar Opp. Post Office Subzi Mandi, Delhi 220 sq ft.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

(1) Shri Parshotam Lal Anand s/o Shri Shiv Ram Anand r/o 20/23, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Patti Ram s/o Shri Molad Mal r/o 20/23, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-83/103.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 20/23, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1½ storeyed house, built on Plot No. 20 on Road No. 23, mg. 285.72 sq yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, G 13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/104.--Whereas, I, B. L. DHAWAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 1153 (Part) 1854 and 1855-3, situated at Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at New Delhi on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the trensferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Gainda Bai w/o late Shri Bishamber Nath of 1797 Bisumal Colony, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar (minor) 3 s/o Shri Sukbir Saran through his mother Smt. Pushpa Devi Aggarwal, Shop No. 1853 (Part), 1854 and 1855-8 Bhagirath Palace. Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1853 (Part), 1854 and 1855-8 Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mection (1) of Section 269D of the soid Act to the following persons, namely :--

Scal:

Date: 10-1-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/110.—Whereas, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7575, situated at Paharganj, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi, in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hem Chand Jain s/o Shri Data Ram Jain r/o 7575, Ram Nagar, Delhi Self and G.A. of Shri Harish Jain.

(Transferor)

(2) Shri Sanjeev Jain, Rajiv Jain ss/o Shri Kawar Bahadur Jain r/o 8518, Aiaksha Road, Ram Nagar, Pahargani, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. 7575 mg. 87 sq yds. Gali No. 1, Paharganj, Ward No. 15. New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Delhi/New Delhi.

Date : 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/113.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 500 situated at Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—446GI/83

- (1) Smt. Pista Devi Wd/o Jate Shri Laxmi Narain Verma, S/o Shri Narain, Vikramaditya, Ishwan Chander Ss/ L. Laxmi Narain Kum. Rajeshwari, Raj Dulari, Vijay Lakshmi Ds/o late Laxmi Narain Verma. All r/o WZ-173, Vill. Palam, Delhi. (Transferor)
- (2) Dr. Ravinder Chawla s/o Dr. Rajindar Chawla A-22, Gujranwala Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 500 situated in Main Bazar, Subzi Mandi, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

(1) Shri Santosh Kumar s/o Shri Mukut Ram, 4551, Aryapura, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferor) (2) Smt. Pushpa Jain w/o Shri Vinod Jain, 5320, Hnd floor, Sadar Thana Road, Delhi-6.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/116.-Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C/18, situated at Satyawati Nagar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regsitering Officer

at New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C/18, mg. 200 sq. yds. situated at Satyawati Nagar, Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-1-1984.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. G-13 GROUND FLOOR, C.R. BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-1/5-83/119.--Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proverty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop-cum-residential premises No. 10, situated at Punjabi Bagh, New Delhi

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subection (1) of Section 269D of the said Act, to the followig persons, namely :---

- (1) Shri S. Charanjit Singh s/o late S. Tarlochan Singh r/o A-2/6, Rajouri Garden, New Delhi, S. Parvinder Paul Singh s/o late S. Tarlochan Singh r/o A-2 /6, Rajouri Garden, New Delhi.
- (Transferor) (2) Shri Sushil Kumar s/o Shri Hans Raj r/o 39/6, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop-cum-residential premises, built on Plot No. 10, in Market Sector No. 1, mg. 119.33 sq. yds. at Punjabi Bagh. New Delhi.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Dolhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II G-13-GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Rcf. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/123.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 43, situated at Industrial Area Scheme, Najafgarh Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chand Parkash Dutta, Shri Inder Parkash Dutta, Sh Krishan La| uDtta Ss/o Sh. Sardari Lal Dutta, C/o Delhi Colour & Paints Mart, Fatehpuri, Delhi.

(Transferor)

(2) Delhi Iron & Steel Stockists (Civil) Supplies, Association (P) Ltd., 4634, Ajmeri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immsover able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 43, mg. 1091.5 sq. mts. (about 0.27 acres) Industrial Area Scheme, Najafgarh Road, Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI G-13-GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/5-83/131.--Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 266 Block-B, situated at W. zirpar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid proprty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jai Kumar, S/o Late Jashan Mal as Genl. Attorney of Sh. Ram Kumar Jolly, R/o D-14-A/19, Model Town, Dehli.

(Transferor)

(2) Shri Thakur Dass, S/o Sh. Jashan Mal, R/o C/109, New Subzi Mandi, Azadpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property No. 226 Block-B, Wazirpur Residential Scheme Delhi, area 487.463 sq. mts.

> B. L. DHAWAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely:--

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

· ACQUISITION RANGE-II . G-13-GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Ach.II/SR-I/5-83/143,---Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3908, situated at Gali Jagat Cinema, Ward No. 11, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which onlygt to be disclosed by the transferee fo the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

- (1) Sh. Hari Chand, S/o Sh. Ram Chand, R/o 2/29, Andhar7i, Road, Darya Ganj, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Mohd. Ilyas, S/o Shri Gyasuddin, R/o 1608, Gali Andhari Phari Bhajla Bazar, Chitli Qabar, Delhi-5. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3908 mg. 80.81 sq. yds. Gali Jagat Cinema, Ward No. 11, Delhi (Near Jama Masjid).

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13-GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.-II-SR-1/5-83/162.—Whoreas, I, B. L. DHAWAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000- and bearing

Rs. 25,000- and bearing
Shpo No. 525 Ward No. 3 situated at Khari Bali, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rekha Devi, W/o Shri Babu Ishwar Chand, R/o Charkhi Dadri, Distt. Bhiwani, (Haryana).

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Sh. Prithwi Raj Longani, Prop. M/s. Shalindera Export Corporation, 11/9, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 525 Ward No. 3 on G.F. situated in Katra Ishwar Bhawan Khari Bali, Delhi mg. 36 sq. yds.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II G-13-GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, J. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 10th January 1984

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-I/5-83/187.—Whereas, I, B. L. DHAWAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House on Plot No. 6-B, Rd. No. 12, situated at Punjabi Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Vinod Kumar Bhatia, S/o Dev Raj Bhatia for self and as attorney of his real brother Sh. Anil Bhatia, Sunil Bhatia, Smt. Kamla Bhatia, W/o Sh. Dev Raj Bhatia and Smt. Veena Kapoor, D/o Dev Raj Bhatia, all R/o 6-B/12, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor

(2) Sh. Subhash Chander Kathuria, Sh. Ramesh Chander Kathuria Vinod Kumar Kathuria, ss/o Sh. Ram Chand Kathuria R/o Λ-47, Kirti Nagar, New Delhi, (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 6-B, on Road No. 12, mg. 1048.70 sq. yds. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

B. L. DHAWAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 10-1-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th December 1983

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/1048/37G/83-84.—Whereas, I, SHASHIRANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-vand bearing No.

property at S. No. 646/6B/1-A1A/1-2 C.T.S. No. 6732,

Nasik situated at Nasik

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Nasik in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—446GI/83

(1) Smt. Deviraj Vijaysingh Thakore, Post Wadner, Khakurdi, Tal: Malegeon, Dist. Nasik.

(Transferor)

(2) Shri Dilip S. Shah Chairman & Others, (List enclosed as per Annexure-A) Dhanwantri Co-operative Housing Society, 989, Main Road. Nasik-422 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 646/6B/A-1|A1A|1-2 City survey No. 6732 admeasuring 725 sq. yards i.e. 629 sq. metres.

(Property as described in the sale deed registered, in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2620 in the month of July, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 16-12-1983,

FORM LT.N.S.-

(1) Shri A. Lobo and Sri G. Lobo, 12, Hill Range Apartments, Pali Mala Road, Bombay-400 050.

(Transferor)

(2) Smt. Vatsala S. Pitale. partner of M/s. Dongar Enterprises. Nasik.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 5th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1038/37G/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing property at S. No. 712/2A & 712/2D Plot No. 116 situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Nasik in July, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 712/2A & 712/2D, Plot No. 116, Nasik, (Area-472-67 Sq. meters)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik under document No. 2165 in the month of May, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 5-12-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23rd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1058/37-G/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at survey No. 83, Hissa No. 1, Tungarli situated at Lonavala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Maval on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (1) Shri Babu Sahadu Shivekar,

(2) Master Raju Babu Shivekar,
(3) Master Santosh Babu Shivekar At & Post Tungarli, Tal, Maval. Dist. Pune. (Transferor)

(2) The Chief Promotor—Mr. D. B. Khade, Indrayani Co-operative Housing Society Ltd., 2/23, Patrakar, Bandra East, Bombay-400 051. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 83, Hissa No. 1 Village Tungarli, Lonavala. (Area 1 Acre 31 gunthas)

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 917 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona

Date: 23-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 23th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1059/37-G/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7, Shah colony, chekan road, Talegaon Dabhade, Dist. Pune C.T.S. No. 705, 706 situated at Talegaon Dabhade; Dist. Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Maval in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Dr. (Mrs.) Vimal Anand Kelkar, 1062 Subhesh Nagar, Shukrawar peth, Pune-2.

(Transferor

(2) Mr. Dattatraya Sadashiv Kelkar and Mrs. Usha Dattatraya Kelkar 'Suvarna Nagari' G-13, Karve Road, Pune-411 004.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7, Shah colony, Chekan Road, Talegaon Dabhade, C.T.S. No. 705, 706. (Area—493.88 sq. meter).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Maval under document No. 68 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 23-12-1983

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 3rd January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1060/37G/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 383/1/2, Gunjalwadi, Land situated at Dist. Ahmednager

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Sangamner on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Shri Laxman Kisan Gunjal, Gunjalwadi, Rojapur, Tal. Saugamner, Dist Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Niyojit Sahyadri Sah, Griha Nirman Sanstha Maryadit. Chief promotor—Shri Tanaji Madhawrao Kanyde, Sangammer, Dist. Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 383/1/2, Gunjalwadi, Sangamner, Dist. Ahmedungar.

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Sangammer, under document No. 36 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 3-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 3rd January 1984

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G/1062/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNÍ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land-Gat No. 424, at Shirol, situated at Dist. Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at S.R. Shirol on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than illteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sou. Rukmini Pandurang Sankpal and others. at Shirol, Tal. Shirol, Dist, Kolhapur.

(Transferor) (2) M/s. Fluid Lines, and Saroj Engineers, Partner Shri S. V. Kulkarni, Jaysingpur, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur. Ward No. 10, Behind Filer House, Ichalkaranji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at Shirol, Gat No. 424, Tal. Shirol, Dist. Kolhapur. (Area-2 H-70A)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Shirol under document No. 808 in the month of May, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 3-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 4th January 1984

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/1064/37G/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

SHASHIKAN1 KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 12, final plot No. 194 of T.P.S. No. 1, Kisan Nagar Rd., Panchpakhadi situated at Thané (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at S.R. Thane on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Leela Yeshwant Gawand, Gawand Baug, Panchpakhadi, Thane-400 602, (Transferor)
- (2) The KeJar Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 12, Gawand Baug, Wagle estate, Thane-400 604.

Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing survey No. 461, Hissa No. 2 (Part) Part of Plot No. 12, of Final plot No. 194 of T.P.S. No. 1, Kisan Nagar Road, Wagle Estate, Panchpakhadi, Thane.

Area-1325.94 sq.mtrs).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Thane under document No. 1059 in the month of May, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 4-1-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 3rd January 1984

Ref. No. 1AC.ACQ/CA-5/37EE/313[83-84.—Whereas, 1. SHASHIKANT, KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Dadhe-Ruika 22, Mukundnagar. Punc-411 037.

(Transferor)

(2) Dr. Vijay K. Karnik, and Mrs. S. V. Karnik, Pushkaraj Goregaon Dist. Raigad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 9, 3rd floor, Plot No. 136 S. No. 89, 90, 91/2, Pune-9 (Area-740 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2135 in the month of May, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date . 3-1-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 3rd January 1984

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/315/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KUI.KARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. B-3, Kshilija Apartments, S. No. 116/1×2/150-53-A, Mohanwadi, Yerwada situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---49-446GI/83

M/s. 'K' Promotors and Builders, 58/A, Kasturba Housing society, Vishnantawadi, Pune-15.

(Transferor)

Mr. L. T. Mathai,
 Mrs. Ponnama L. Mathui,
 Bombay Pune Road, Khadki,
 Pune-411 003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8-3, Kshilija Apartments, surveys Nos. 116/1+2/150-1534A Mohanwadi. Yerawada, Pune. (Area-780 sq. ft.) (Property as described in the sale of agreement which is

registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 2709 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poone

Date . 3-1-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/1047/37G/83-84.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Proome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Land at survey No. 35/1A, Savedi, situated at District Ahmednagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Ahmednagar on 6-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Rachandra Vinayak Kulkarni at Takli,

2. Shri Bansilal Ramchandra Firodia at Deolali 3. Shri Vithaldas Motilal Bnival at Mandargai 4. Siri Hemraj Mohanlal, P.O. Kharna, Kambad

Shrigand. (Transferor)

(2) M/s. Trimurthi Builders, Partners-1. Shri Kanylal Motilal Munoth,

2. Shri Somnath Shyamrao Deolalikar at Zendigate, Sarosh Talkies, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Survey No. 35/1A-Savedi, Dist. Ahmednagar. (Area-1H-20R)

(Property as described in the sale deed which is registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar under document No. 263 in the month of May. 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 7-12-1983.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pure, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37-G[1051]83-84.—Whereas, 1, I, SHASHIKANT KUI KARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at S. No. 31, Gut No. 41/1-1, Mohadi, Loling situated at Dhule.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Dhule on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajendra Shankarlal Agrawal, Agrawaluagar, Vandana Building' Dhule. (Transferor)
- (2) Niyojit Guru Govindsing Co-op. Griba Nirman Society Ltd., Chief promotor—Shri Rajkumar Omprakash Basin, Punjabi Saw Mill, Parola Rd., Dhule. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning 4: given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at survey No. 31, Gut No. 41/1-1—Mohadi, Laling, Dhule—(Area—11500 sq. mts.).

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Dhule under document No. 2969 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARSII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 20-12-1983.

(1) M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-5.

(Transferor)

(2) Mrs. Vrushali Mahesh Prabhune, No. 259, Somwar peth, Punc-411 011.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, COMMIS-

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 19th December 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/G/1051/83-84.—Whereas, 1, SHASHIKAN'I KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 12. S. No. (9&10) (Parts) Building No. C-20 situated at Kothrud, Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Punc in December, 1983 fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Building No. C-20, S. Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud. Karve Road, Pune-29, (Area—527 sq. ft.)

(Property as described in the sale deed of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 145 in the month of December, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dafe: 19-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Poona, the 3rd January 1984

Rcf. No. IAC, ACQ/CA-5/37EE/316/83-84,—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. B-5, Survey No. 116/1 + 2 + 150 + 153-A situated at Mohanwadi Yerwada, Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1983

1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more has fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. 'K's Promotors and Builders, 58/A F Housing society, Vishrantwadi, Pune-411 015.

(Transferor)

(2) Mr. B, G, Kumar, Flat No. 2, Hill view 107/B 15th Lane, Prabhat Road, Punc-411 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-5, S. No. 116/1 + 2 + 150 + 153A Mohanwadi, Yerawada, Pune (Area—780 sq. ft. 200 sq. ft.).
(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the 1.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2723 in the month of May, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date . 3-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 7th December 1983

Ref. No. IAC/ACQ/CA-5/37EE/366/83-84.---Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.T.S. No. 1232, Apte Road, Success chambers, situated at 1st floor, Bearing No. B-9. Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Mr. M. B. Chitale, Sai Chhaya, 1233-A, Apte Road, Punc-411 004. (Transferor)
- (2) 1. Shri Shirish Vinayak Godbole, 33/10, Prabhat Rond, Pune-4.
 - 2. Shri Anil Waman Ketkar, Hindu colony, 2nd Lane, Dadar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at C.T.S. No. 1232, Apte Road, Success Chambers' 1st floor Building No. B-9, admeasuring 242.75 sq. ft. (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the LA.C. Acquisition Range under document No. 419 in the month of May, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc.

Dato: 7-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/342|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 2, Building No. C-20, ground floor, situated at Kothrud S. No. 9 & 10, Pune 29.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn., Range, Pune in May, 1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sectin 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) M/s. Muttha Associates, 1.184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-5.
- (Transferor)
- Mr. Ayajur Nazayanan, Subrahmanyan, 21, Mayur Colony, Kothrud, Pune-411 029,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter. .

THE SCHEDULE

Flat No. 2 Building No. C-20-Out of survey Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud, Pune-411 029. (Area—527 sg. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 215 in the month of December, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 19-12-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/343[83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, S. Nos. 9 & 10, Kothrud, situated at Pune-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

I.A.C. Acqn. Range, Pune on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pressuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Punc-5.
- (2) Mr. S. Narayanan, 21, Mayur Colony, Kothrud, Pune-411 029.

(Transferor)
(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Building No. C-20 Flat No. 4, Survey Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud, Karve Road, Pune-29.

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 269 in the month of December, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Purc.

Date: 19-12-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC.ACQ/CA-5/37EE/344|83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat Bldg. No. C-20, Kothrud situated at Pune. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. occurve that the lair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;— 50-446GI/83

(1) M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-5.

(2) Smt. Sumati H. Pargaonkar, C/o Chitra Naik, 47, Navketan Society, Kothrud, Punc-29.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Out of survey Nos. 9 & 10 (Parts) Kothaud, Flat, Bldg. No. C-20, Karve Road, Punc-411 029.

(Area-527 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 2033 in the month of December, 6th, 1983).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Punc.

Date: 19-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/345/83-84.—Whereas, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No 7., Building No. C-20, Kothrud situated at Pune-29. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Mutha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-411 005.

('Fransferor)

(2) Mr. Prakash Madbakar Purandare, c/o. M. T. Purandare, 1410, Sadashiv Peth, Bhagwat Wada, Pune.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property*
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Building No. C-20, Out of survey Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud, Pune.

(Area—527 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Punder document Noo. 1049 in the month of Dec. 1983.)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Punc.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-12-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/346/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 11. Building No. C-20 Kothrud situated at Pune-29 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Amarnath Rajaram Bhandwalkar, Minal society, 73/Erandawana, Pune-411 004.

. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Building No. C-20, Out of survey Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud, Karve Road, Pune-29. (Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1080 in the month of December, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 19-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/348/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 6, first floor, Building No. C-21 situated at Kothrud

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqu. Range, Pune, in June, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. S. D. Sancheti and K. D. Sancheti, at & Post Narayangaon, Tal. Junar, Dist. Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-Building No. C-21, S. Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud.

(Area-527 sq. ft.).

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune-under document No. 978 in the month of June, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 19-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Vinayak Bhaskar Page, 278, Guruwar Peth, Pune-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/359/83-84.—Whereas, I, SHASHIKAN'T KULKARNI, *

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, Building No. C-21 S. Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud situated at Dist. Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

LA.C., Acqn. Range, Pune in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7-Building No. C-21, S. Nos. 9 & 10, Kothrud, Punc.

(Area-527 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 163 in the month of June, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Date: 19-12-1983

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Sanjiv Rajaram Marathe, C/o. R. K. Marathe, 106/3, Erandawana,

(1) M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Road,

Pune-411 005.

(Transferor)

Pune-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/360/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3, Building No. C-24, S. Nos. 9 & 10 Kothrud

situated at Punc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. ACQN. RANGE, Pune on June, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Building No. C-24, S. Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud, Pune. (Area-527 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the l.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 860 in the month of June, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 19-12-1983

Scal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/361/83-84.—Whereas, J, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 5, Building No. C-24, S. Nos. 9 & 10 Kothrud situated at Pune-29,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acqn. Range, Pune in Sept., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivaji Nagar, F. C. Roud, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Jayant Vasudeo Gadgil, C/o. R. M. Kulkarni, 416/5, Raghuvir Society, Mukunduagar, Pune-37.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Building No. C-24, S. Nos. 9 & 10 Kothrud, Pune-29.

(Arca-527 sq. ft.)

(Property as described in the sale of lagreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1904 in the month of Sept., 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune.

Date: 19-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/362/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 1, Building C-21, S. No. 9 & 10 (Part) Kothrud

situated at Pune.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. ACQN. RANGE, Punc on Junc, 1983. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, memely:-

(1) M/s. Mutha Associates, 1184/4, Shiyaji Nagar, F. C. Road, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Madhay Hanmant Hasamnis, Kamala Nivos, Panurang wadi, Dombiyali, (E) Dist. Thane,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. C-21, S. Nos. 9 & 10 (Parts) Kothrud Pune.

(Area-527 sq. ft.)

(Property as described in the sale of ugreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 1040 in the month of June, 1983)

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poena

Date: 19-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 21st December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5'37EE'383/83-84.--Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 4, 1st floor, Nitin apartments Munjeri, situated at Pune.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

51.__446 GT/83

(1) Mr. Mohanlal Tarachand Parmar, 525/26, Phule Peth, Pune-411 002,

(Transferor)

(2) Mr. Mahendrasingh Malkitsingh Sunehara, 11/22, Yamuna Sadan, Wanorie, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Biulding to be constructed at C.T.S. No. 585 Flat No. 4, 1st floor, Nitin Aaprtments, Munjeri, Pune. (Area-996 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 400 in the month of May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 21-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 20th December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/384/83-84.—Wherens, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Plot No. 66, Navghar, Vasai situated at Dist. Thane. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registering Officer at IAC. ACQN. RANGE, Pune on 25-5-83.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madhav Achut Bhat, "Yeshwant, 4/B, Plot No. 10-11, G. V. Scheme Road, No. 2, Mulund (E) Bombay-400 081.

(Transferor)

(2) Mr. Joke Fransis Dias, Pro. M/s. Hema Enterprises, Veena Apptats, Plot No. 62, Navghar, Vasai Road (W), Vasai Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Non Agril. land—Plot No. 66, S. No. 43A, Navghar, Vasai Road, Thane Dsit.

(Area-382 sq. feter)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 726 dt. 25 May, 1983)

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 20-12-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 2nd December 1983

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/411/83-84.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 8, Building No. C-21, Kothrud situated at Pune-29, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority at 1A. ACQN. RANGE, Pune on July, 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Muttha Associates, 1184/4, Shivajinagar, F. C. Road, Pune-411 005.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Keshav Tambe and Mr. Arun Keshav Tambe, No. 855, Narayan Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O;cil Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Building Co. C-21, S. Nos. 9 & 10, Kothrud, Dist. Pune.

(Area-527 sq. ft.)

(Property as described in the sale of agreement which is registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune vide document No. 1097 in the month of July, 1983).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 2-12-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001 BIHAR

Patna-800 001, the 2nd December 1983

Ref. No. III-886/Acq/83-84.—Whereas I, P. K DUBLY being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 5854 Khata No. 152, Plot No. 447, Ward No. 2 situated at Mouza Rustampur Shahpur, Pargana Phulwari P.S. Danapur, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Danapur on 19-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sakal Deo Bhagat s/o
 Late Manohar Bhagat of Nasariganj,
 P.S. Danapur,
 P.O. Digha, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Modi Plastic Ltd. No. 107 Patliputra Colony, Patna-13, Through Shri Harish Kumar Modi, Director s/o Shri Harish Kumar Modi, Director s/o At 107 Patliputra Colony, P.S. Patliputra, Patna-13.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of these publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 9 decimals with building situated at Mouza Rustampur Shahpur, Pargana Phulwari, P.S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 2468 dated 19-5-1985 registered with S.R. Danapur.

P. K. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 2-12-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION KANGE-IJ, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2562/Acq.23/II/83-84.—Whereas, ...

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 357, 358, 359 situated at Khoraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at
Gandhinagar on 13-5-1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) 1. Jagjivanram Punjiram, 2. Manubhhai Punjiram Khoraj Distd Gandhinagar

(Transferor)

 (2) 1. Shri Rameshkumar Pishottamdas
 2. Bhaliben Parshottamdas
 21, Ranjan Socy. No. 1 Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 357, 358, 359 adm. Acre 3 Gurtha 29, Documents of transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 550, 548, 546 Dt. 13-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 8-12-1983

(1) 1. Dahyabhai Atmaram Panchal 2. Prahladbhai Atmaram Panchal

Kaliben Atmaram Panchal, 4. Maniben Atmaram Panchal,

(1) 1. Shri Rameshkumar Parshottamdas.

Smt. Bhaliben Parshottamdas,
 Ranjan Society No. 1
 Naranpura, Ahmedabad.

Khoraj Dist. Gandhinagar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FI OOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2563 Acq. 23/II/83-84.—Whereas I, R. R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and

S No. 356, 357, 358, situated Khoraj (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhiongar on 10-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269@ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 356, 357, 358 adm. total A 3 G 28. Document of transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 513, 511, 507 Dt. 10-5-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-12-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 369D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2564 Acq. 23/II/83-84.--Whereas I, R. R SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 357, 358, situated at Khorai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gandhinagar on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

· Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shankerbhai Nanjibhai

Manguben wd/of Shankerbhai
 Bhikhabhai Bababhei

4. Ambalal Bababhai Khoraj Dist : Gandhinagar

(Transferor)

(2) 1. Shri Rameshkumar Parshottamdas

2. Smt. Bhaliben Parshottamdas, 21, Ranjan Socy. No. 1 Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerely as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 357, 358 adm. A 2 G. 20. Documents of transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 483, 485 dt. 3-3-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmadabad

Date: 8-12-1983

FORM I.T.N.S.-

- (1) 1. Dahyabhai Atram Panchal 2. Prahladbhai Atram Panchal
 - 3. Kaliben Atram Panchal 4. Maniben Atram Panchal

Khorai Dist: Gandhinagar,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Navinkumar Parshottamdas 21, Ranjan Society No. 1 Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-LL, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2565 Acq. 23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 359, 378,

situated at Khoraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 359, 378 adn. A 1 G. 39 Document of transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 515, 509 Dt 10-5-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-12-1983

- (1) 1. Shankerbhai Nanjibhai
 - Manguben Bababhai
 Bhikhabhai Bababhai
 - 4. Ambalal Bababhai

Khoraj Dist : Gandhinagar

(Transferors)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi Ni vinki mar Parchottandas 21. Ranjan Sory, No. 1, Norang ata Marcelantal.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOCR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAPAD-380 09

Ahmedabad-380 009, 8th December 1983

Ref No. P.R No. 2566 Acq. 23/I/83-84.—Whereas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the schedule annexed hereto), the office of the 1908) in the office of the at Gandhinagar on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persone, namely :-

52-446GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 378, 379 adm. A 2 G-A Documents of transfer of property regd. with S.R. Gandhinagar under No. 486, 484 Dt. 3-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM RCAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1983

'Ref. No. P.R. No. 2567 Acq. 23/II/83-84.-Whereas I, R. R SHAH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reserved to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 378,

situated at Khoraj (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar o: 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Jagjivanram Punjiram

2. Shivabhai Punjiram

3. Manubhai Punjiram Khoraj Dist. Bhavnagar.

(Transferors)

(2) Shri Navinkumar Parshottamdas 21, Ranjan Socy. No. 1, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferce).

Objections, if any, to the acquisition of the said property the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Khoraj S. No. 378 adm. Gurtha 12, Document of transfer of property regd, with S.R. Gandhinagar under No. 552 Dt. 13-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-12-1983

PORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2568 Acq. 23/II/83-84.—Whereas I, R. R SHAH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 49, situated at Ambaji (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Danta on 27-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) inclinating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Joitaben Ambaram Patel, Ambica Colony, Ambaji.

(Transferor)

- (2) 1. Chinubhai Somnath Patel
 - 2. Shakrabhai Gordhan Patel
 - 3. Ashokbhai Pujiram Patel,
 - Ambaial Ishverdas Patel
 Babubhai Ambaial Patel
 - 6. Mahendrakumar Chaturbhai Patel

7. Dhanabhai Gokaldas

 Bhupendtakumar Mangalbhai, Kalakunj Socy. Ghatlodia, Ahmedabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ambaji S. No. 49 adm. 1138 sq. mtr. (1/2 of 2276 sq. mtr). Document of transfer regd. with S.R. Danta under No. 352 Dt. 27-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-12-1983

Seal z

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Abmedabad-380 009, the 8th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2569/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 49 situated at Ambaji

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dania on 27-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Smt. Bhagwatiben Uttemchand Vanjani Ambaji,

Tal: Danta Dist: Banaskantha.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Chinubhai Somnath Patel
 - 2. Shankerbhai Gordhan Patel
 3. Ashokbhai Pujiram Patel
 - 4. Ambalal Ishverdas Patel
 - 5. Babubhai Ambalal Patel
 - 6. Mahendrakumar Chaturbhai Patel

7. Dhanabhai Gokaldas

 Bhupendrakumar Mangalbhai Kalakunj Socy. Ghatlodia, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Ambaji S. No. 49 adm. 1138 sq. mtr. (1/2 of 2276 sq. mtr). Document of transfer regd. with S.R. Danta under No. 351 Dt. 27-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 8-12-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1983

Ref. No. P. R. No. 2570/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sayajiganj, Vrajvas situated at Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

(1) 1. Vada Development Corporation Cpo Vrajilal Muljibhai Talati

2. Devilaben Arunkumar Talati

3. M/s Amin Construction & Development 'Vraj Nivas' Kasturbanagar, Nr. Arunodaya Socy. Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar Ratilal Parmar 5B Vraj Vas, Opp: Dinesh Tiles, Alembic Road, Baroda.

(Trausferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Baroda Sayajiganj adm. 975 sq. ft. Document of transfer of property regd. with S.R. Baroda under No. 2410/May, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 3-12-1983

 Kalpna Corporation C/o Dinubhai Joshi Bahmanyas, Palanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Viral Co-op. Hsg. Socy. Ltd. C/o Bhavneshchand Shantilal Nandi Palanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2571/Acq.23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sheet No. 51, C. S. No. 10934 situated at Palanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the Registering Officer at Palanpur on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Palanpur C. S. No. 10934 Sheet No. 51 adm. 7499 sq. ft. Document of transfer of property regd, with S.R. Palanpur under No. 884 Dt. 3-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 3th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2572/Acq.23/II/83-94.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 235/1 situated at Kadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadi on 23-5-1985

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfers with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :---

(1) 1. Paliben Somabhai

- Bhikhabhai Somabhai Patel 3. Jasiben Somabhai Patel
- 4. Madhuben Somabhai Patel 5. Damodar Somabhai Patel
- 6. Kantaben Ramabhai Patel 7. Jiviben Ramabhai Patel

Kadi. Tal. Dist. Mesana.

(Transferor)

(2) Shital Co. Op. Hsg. Socy. (Proposed) C/o Gunvanthhai Joitaram Patel Karanagar (Karanpur) Tal. Dist. Mchsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Kadi S. No. 235/1 adm. 10941 sq. mtv., Document of transfer of property regd, with S. R. Kadi under No. 1213 Dt. 23-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahfnedabad

Date: 8-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAL AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2573/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. S. No. 235 situated Kadi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kadi on 23-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Paliben Somabhai Patel Enikitabhat Somabhai Patel

3. Jas.con Somathai Patel 4. Madhuben Somabhai Patel

- 5. Damodar Jivabhai Patel
- 6. Kantaben Ramabhai 7. Jiviben Ramabhai Patel Kadi, Tai : Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) L. B. Traders (Kadi)
C/o Shri Bhurabhai Motibhai Mistry Society, Anand, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION :are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDLE

Land at Kadi S. No. 235 adm. 3567 sq. mtr. Document of transfer of property regd. with S. R. Kadi under No. 1212 Dt. 23-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahniedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, \$2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2574/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 550 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kalol on 6-4-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (e) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

53---446GI/83

(1) Vinodchandra Jivanlal Shreenayar Socy. Nr. New Swaminarayan Mandir, Kalol Dist. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Vadilal Dosabhai Barot 72, Shree Ambicanagar Co. op. Socy. No. 2, Kalol, Dist, Mebsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & Bldg. at Kalol Ambicanagar Socy. No. 2 Block No. 72 Document of transfer of property regd. with S. R. Kalol under No. 450/83 Dt. 6-4-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Date: 8-12-1983

(Transferor)

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380009 the 8th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2575/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 252/192 situated at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalol on 10-5-1983

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Chauhan Ahmedbhai Amirbhai & Others Matva Kuva,

Kalol, Dist. Mehsana.

(2) Shri Kantılal Nathalal & Others Kalyanpura, Kalol, Dist. Mehsana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezetté or a period of 30 days fram the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo vable property within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazett

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herem are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chaoter.

THE SCHEDULE

Land at Kalol S. No. 252/192 adm. A4 G5. Document of transfer of property regd. with S.R. Kalol under No. 569 Dt. 10-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 8-12-1983

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. 1°, R. No. 2576/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

neing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Roperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

3. No. 562/2 situated at Karamsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annual on 23-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than item per cent of such apparent consideration and that the tonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Patel Kantibhai Raojibhai 2. Patel Kiritbhai Jashbhai Karamsad, Tal. Anand
 - 3. Patel Ishverbhai Chaturbhai Ajupura, Tal. Anand.

(Transferor)

(2) Kailash Co. Op. Hsg. Socy. C/o Shri Ashok R. Gajjar, Karamsad, Tal. Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Karamsad S. No. 562-2 adm. A1 G10. Document of transfer regd. with S.R. Anand under No. 2661 Dt. 23-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 8-12-1983

Scal:

FORM ITNO-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2577 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding .Rs. 25,000/- and bearing No.

TPS. 4 FP 221 situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Anand on 5-5-83

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Babubhai Harmanbhai Gohil & Others, Ruvapura,

Tal: Anand,

(Transferor) (2) Shri Satyendra Baldevraj Chaudhti & Others, Yogiraj Society, Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Anand TPS. 4 FP No. 221 adm. 805 sq. mtr. Document of transfer of property regd, with S.R. Anand under No. 2492 Dt.; 5-5-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 8-12-1983

FORM U.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,

UND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2578 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 818 situated at Vallabh Vidyanagar

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 3-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Jasodaben Ambalak Patel, White House, Vallabh Vidyanagar Tal: Anand.

(Transferor)

(2) Smt. Kumudiniben Chandrakant Patel, White House, Vallabh Vidyanagar, Tal: Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and at Vallabh Vidyanagar C.S. No. 818 adm. 410 sq. mt. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 2454/3-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 8-12-1983 Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 'INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 8th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2579 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 119 situated at Karamsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Anand on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Ayar Patel & Co. Vallabh Vidyanagar, Tal: Anond.

(Transferor)

(2) Nandanyan Co-op. Hsg. Socy. C/c Sanjiv Madhusudan Gandhi, Vidyanagar, Tal: Anand.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Karamsad R.S. No. 119 adm. 22 Guntha. Document of transfer of property regd. with S.R. Anand under No. 2475, 2476/17-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Dt.: 8-12-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th December 1983

Ref. No. P.R No. 2580 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

and bearing No.

Pratapnagar Road situated at Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Baroda in May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Parvati Commercial Estate, Pratapnagar Road, Baroda.

Transferor(s)

(2) M/s M. M. Vora & Co. Parvati Chambers, Pretapnagar Road, Baroda,

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective warrants whichever period overland the contractive warrants whichever period overland the contractive warrants. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Show room on ground floor at Parvaii Chambers, Baroda adm. 2705 sq. ft. Document of transfer of property regd. with S.R. Baroda No. 2529/May. 83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dt.: 9-12-1983

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, IIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 9th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2581 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 30 paiki situated at Bholay, Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 4-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ambalal Jadav & Others, at Zadeshwar, Tal: Bharuch.

Transferor(s)

(2) Muktanand Builders,
Partner: Bhupendrabhni Savajibhai Patel.
Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Bholav Bharuch, bearing S. No. 30 paiki Adm. 2123, 2124 and 2127 sq. mtrs. The documents are regd. at S.R. Bharuch vide No. 963, 964 & 965 Dt: 4-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dt.: 9-12-1983 Seal: FORM .I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. JIND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2582 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (here natter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 228|2|1 plus 212|1 and 229|2|1 plus 2|2|1 situated at Vijal-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Navsarl in May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, at pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely :--

54-446GI/83

(1) M/s Desai & Desai Associates, Partners:

(1) shri Balvantrai Haribhai Desai & Others, Andheri, Bombay.

Transferor(s)

(2) Smt. Bhartiben Remeshchandra Mistry & Others, 7/235, Madresa High School, Navsari, Dist: Valsad.

Transferce(s)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Vijayovur, Tal: Navsari bearing S. No. 228|2|1 plus 2|2|1 and 229|2|1 plus 2|2|1 adm. 476.50 sq. mtrs. The document is regd. at S.R. 1389 Dt: 2-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commesioner of Income-Tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad.

D*.: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2583 Acq. 23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

228|2|1+2|2|1 and 229|2|1+2|2|1 situated at Vijalpur, Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Navsari on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Desai & Desai Associates, Bombay, through B. H. Desai & Others.

(Transferor)

(2) Manoramaben Hareshlal Panchal, at Parshi Sheri, Vyara, Dist : Surat.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Vijalpur S. No. 228/2/1+2/2/1 and 229/2/1+2/2/1 amd. 525 sq. yd. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 1388 Dt. 2-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

Seni :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1901 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2584 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

665 & 710 situated at Dumas Tal: Choryasi, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 25-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income--tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely:—

 Jayantilal Hirachand Shah, Mandvi Bazar, Dist: Surat.

(Transferor)

- (2) (1) Krishnagopal Thakordas Jariwala, Rampura Main Road, Surat.
 - (2) Mohanlal Morarji Jariwala Varachha Road, Surat.
 - Morarbhai Makaji Jariwala Varachha Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ca 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 d of 0 and date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Dumas S. No. 665 & 710. Adm. 11 Acre—23 Gunthas. The document is redg. at S.R. Surat vide No. 4741/25-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2585 Acq. 23/II/83-84.—Whereas 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 2.8|2|1+2|2|1 & 229|2|1+2|2|1 situated at Vijalpur Tal : Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on May, 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the Wansferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Desai & Desai Associates & Partners, Andheri, Bomony.

(Transferor)

 Smt. Vibhaben Bharatbhai Panchal At Katohr Station Sayan, Surat.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Vijalpur Navsari S. No. 228/2/1+2/1 and 229/2/1+2/2/1 adm. 460.90 sq. mts. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 1390 Dt: 2-5-83

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2586 Acq. 23/II/83-84,—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Road No. 2 Block No. A-2 Plot 22 situated at Udhana, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 13-5-83

transfer with the object of-

and the agreement is registered u/s 269AB of the I.T. Act, 1961, in the office of the Competent Authority, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Emalakumar Babubnai Gandhi Valkeshver Road, Sarun Bidg, Bombay.

(Transferor)

(2) S. T. Gandhi & Co. Partner: Kartual Sakarlal Gandhi & Others. Ambaji Road, Surat. Mahandra Sakarlal Pravinchandra Sakarlal Hamendra Sakarlal At Ambaji Road. Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—Ine terms and expressions used nerem as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Udhna Road No. 2 Block A-2 Plot 22 adm. 501.67 sq. mtrs. The document in redg. at S. R. Surat vide No. 4734 Dt: 13-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authortly
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. 'No. 2587 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25.060/- and bearing

R. S. No. 136 Hissa No. 1 situated at Udhna, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 9-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under sub-secon (1) of Section 269D of the said Act, to the following process, namely:—

- (1) (1) Omay Sorabji Dadabhai
 - (2) Jamshidji Sorabji & Otners at Nanppila, Choki Sneri, Surat.
 - kodaben Sorabji at Nanpara, Choki Sheri, Surat.

(Transferor)

- (2) (1) Dineshchandra Chimanlal & Others at Luhar Pole,
 Opp: Darjini Wadi—Surat.
 - (2) Prakash Chimnalal
 - Pareth Chimanlal Lal Gate Khand Bazar, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Udhna R. S. No. 136. Hissa No. 1 Adm 603 sq. yd. The document is redg, at S. R. 6403 Dt: 9-5-83.

R. R. SHAH
Competent Auth riy
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rayge-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ghod-dod Road. Surat.

at Darshak Co.op. Hsg. Socy.

(1) Jyotiben Shankerlal Vaidya,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Chhaganbhai Rambhai Naik @ Shivdas Zaveri's Pole, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2588 Acq. 23/Π/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. o. 142 TPS. No. 6 F.P. No. 6A situated at Majura-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Majura R. S. No. 142 T.P.S. No. 6 F.P. No. 61-A Sankalp Co.op. Hsg. Socy. Adm. 170.71 sq. mtr. The document is redg. at S. R. Surat vide No. 4696 Dt: 13-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabati

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 15-12-1983

(1) Shirish Khandubhai Desai, Sujlam Fats, Athram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vadilal Hiralal Zandawala Sagrampura Sidharath Socy. Behind Rajeshri Talkies, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOIM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2589 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 2 Nondh No. 4476 situated at Ward No. 2, Strat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Surat May, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property situated at Ward Na. 2 Nondh No. 4476 Adm. 124 sq. yd. The document is reag, at S.R. Sura tvide No. 3586 May, 83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE . INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2590 Acq. 23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ward No. 1 Nondh No. 2780 to 2782 Nanpura situated at Amar Jyot Aptt. Flat A. Nanpura Opp: Gandhi Bag, Surat (and more fully described in the Scheduule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in 27-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the more all property in I have reason to believe that the fair market make of the reason was aforesaid exceeds the apparent consideration by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-446GI/83

Miraben Ashwinbhai Sisyawala
 At-13 Shyam Bhuvan No. 3,
 3rd Floor, Gazdar Street, Chira Bazar,
 Bombay-2.

(Transferor)

(2) Harshaben Sharadkumar Shah At Vav Tal: Kamrej, Dist. Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Amar Jyot Aptt. Opp: Gandhi Baug, Nanpura Surat Ward No. 1 Nondh No. 2780 to 2782 adm. 825 sq. ft., The document is redg, at S. R. Surat vide No. 5156 Dt: 27-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Almedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2591 Acg. 23/II/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imar/able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward o. 13, Nondh No. 23 situated at Athwa Lines, Nilgagan Co.-op. 11. Socy. Shop No. 9, 10, 11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act. 1908, 116 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of mansfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the constalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Shetti Thakkar Associates. Partner, Manoranjan Bhaskar Shetti, 17, Panchvati Society, Chod Dod Road, Surat.

(Transferor)

(2) Vijaykumar Keshavlal Shah, Gopipura, Motipole, Surat.

(Transferce)

· Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The shops situated at Athwa Lines, Ward No. 13 Nondh No. 23 Surat. The documents are registered at S. R. Surat vide No. 4081, 4082 & 4083 May, 83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said 4ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2592 Acq. 23/11/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 195 Nondh No. 1000 situated at Udhna, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 13-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shantaben Udhna Behind Rly. Yard. Surat.

(2) Abdyl Latif Abdul razak At Udhna Udhougnagar, Surat.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as me defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Udhna S. No. 195 Paiki Adm. 836.10 sq. mtr. The document is redg. at S. R. 4809 Dt: 13-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2593 Acq. 23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

S. No. 456 situated at Village Dumas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Surat on May, 83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Rambhai Prabhubhai Bhagat, & others seven at Dumas Dist: Surat.

(Transferor)

(2) Venilal. D. Dalal & Others, At 9/1302. Balaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Dumas S. No. 456 Adm. 2 Acre 25 Gunthas. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 439 May. 83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chandrakant Maganiai Amichandwala Ambica Aptt. Nanabhai Road, Surat.

(Transferor)

(2) Krishnakant Tribhovan Thakkar, Limda Chawk, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2594 Acq. 23/II/83-84.--Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3735/7 paiki Ward No. 1 situated at Ambica Aprt near Anj Resart Holl Surat

Aptt, near Ani Besant Hall-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 13-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The flat situated at Ambica Aptt. Nanabhai Rd., Surat S. No. 3735/7 paiki. The documents redg. at S. R. Surat vide No. 4701 Dt: 13-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FIOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2595 Acq.23/II/83-84.—Whereas, Ι, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1000 Plot No. 54 situated at Sanskar Co-op. Hsg. Majurn-Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kalavatiben Ratilal Parekh Havadia Sheri, Mahidharpura, Surat.

(Transferor)

(2) Janakkumar Champaklal Vyas,43, Anand Mangal Socy.Bhatar Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Majura S. No 1000. Adm. 183.67 sq. yd. The document is read. at S. R. Surat vide No. 1981 May, 1983.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND 1400R, HANDLOOM HOUSE. AS ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2596/Acq.23/11/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovas the said Act, having a fair market value exceeding R₅, 25,000/- and bearing No.

Ward No. 13, S. No. 4 Paiki Athwa Lines, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Pandol Hsg. Corp. Arachsha Ardesar Pandol, Opp: Nariman Hall, Surat.

(Transferor)

(2) Dungaishibhai Valabhai Shahpor Near Chintamani Dehrasar,

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Ward No. 13 Athwa Lines S. No. 4 paiki Plot No. 2 Paiki Adm. 1150 sq. ft. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 4448 Date 5-5-1983.

R. R. SHAH. Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-12 1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2597/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No 13, S. No 4 paiki plot No. 2 Sterling Aptt. Flat B-1-204 Athwa Lines, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 9-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evanion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Dungarshibhai Valubhai Shabpor, Surat.

(Transferor)

 Rashmiben Subhashchandra Bavishi, Rushikesh Aptt. Timaliavad, Nanpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The flat situated at Athwa Lines, Ward No. 13. S. No. 4 paiki sterling Aptt. 2nd Floor, Flat B-1-204 Adm. 104.051 sq. mt. The document is regd. at S.R. Surar vide No. 4604 Date: 9-5-1983.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, thesefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dharuona, Rambhai Naik, Shivdas Zaveri Pole Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Rameshchandra R. Naik, Shivdas Zaveri's Pole, Sagrampura,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No.P.R.No. 2598/Acq.23/II/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
R. S. No. 142 TPS. No. 6 F.P. No. 61A paiki
sankalp Co. Op. Hsg. Socy. Majura, Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 13-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property situated at Majura R. S. No. 142 T. P. S. No. 6 F. P. 61A paiki Sankalp Co. Op. Hsg. Socy., Surat Adm. 170.71 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4694 Date 13-5-1983.

R. R. SHAH Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-12-1983.

Seal:

56-446/83

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Narayan Geptalbhai Patel, R/o At Zadeshwar Tal. Dist, Bharuch.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Thakorbhai Motibhai Patel, R/o At Adol, Ted. Bharuch. Shri Ashok Madhusudan Mehta, R/o Bharuch.
Shri Jayesh R. Thakkar, R/o Bharuch.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2599 Acq.23/II/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

as the said Act, have reason to believe that the limitovale property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
R. S. No. 140 situated at Chavaj Tal. Bharuch
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land bearing R. No. 140 situated at Chavaj, Tak Bharuch. The document is regd, at S.R., Bharuch vide No. 1030, Dt. 13-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1983

· Ref. No. P. R. No. 2600 Acq.23/II/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

4. No. 5 paiki situated at Ali, Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bharuch on 11-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said .ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:—

(1) Shri Champaklal Purshottamdas Gurjar, R/o At Dholi kui, Bharuch

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopalji Vasanji Naik,
2. Shri Pandit Rao Sonu Patil, R/o
No. 1, At Desai Faliu,
Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions use are defined in Chapter XXA.

Act, shall have the same mean in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Ali, Bharuch, S. No. 5 paiki Adm. 218.50 sq., yd. The document is regd. at S.R., 1011, Dt. 11-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-12-1983

- (1) I. Shri Prabodhchandra Bhalchandra Shukla, R/o At Bharuch Lalbhai's Pat,
 - Shri Vejubhai Maganbhai Patel, R/o At Sarbhan, Tal. Amod.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2601 Acq.23/II/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 30/35 paiki situated at Bholav, Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 6-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Manisha Park Co.op. Hsg. Socy. President Shri Shankarlal Jinabhai Korawala, R/o At Vejalpor, Bharuch.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Bholav, Bharuch, S. No. 30/35 paiki adm. 1517.25 sq. mtr. The document is regd. at S.R., 983 Dt., 6-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2602 Acq.23/II/83-84.-

Whereas I, R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
S. No. 70 paiki Situated at Bholav, Sharuch
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dahyabhai Shankerbhai Patel, R/o 52, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Thakorbhai Parshottambhai Patel, R/o Λt Adol, Now, Shri Hira Kala Khadki, R/o Vejalpur, Jain Mandir. Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Bholav, Bharuch bearing S. No. 70 paiki adm. 34 Guntha. The document is regd. at S.R., Bharuch vide No. 948 Dt. 4-5-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASBRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2603 Acq.23/II/83-84.-Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 170 paiki situated at Chavaj, Tal. Bharuch (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharuch on 8-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1912 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri Isap Umar Suleman, R/o At Pagujan, Tal. Bharuch.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Saraswati Bausidhar Mehta, R/o Bombay-400 058, Andheri West.
 - Smt. Niranjan Arvind Mehta, R/o Bombay-400 058, Room No. 8,
 - Dikhelo Mahalaxmi Socy. Rd.,
 Miss Desai Rd., Andheri West.

 Smt. Bhanumati Narendra Mehta C/o
 Shri Narendra Mehta, R/o M/s. Grindmel Nortan Mora, Kolaba.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land bearing R. S. No. 170 paiki situated at Chavaj Tal, Bharuch, adm. 2 Acre, 16 Guntha. The document is regd. at S.R., Bharuch vide No. 1120 Dt. 8-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-12-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOUM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2604 Acq.23/II/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 321 paiki situated at Village Abrama, Tal. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on 12-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

 Shri Paragji Makanji Desal, R/o Self & HUF's Karta at Abrama, Tal. Valsad.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Hargovinddas Karsandas Vithlani,
 - 2. Shri Satish Dhirajlal Vithlani,
 - 3. Shri Dhirajlal Karshandas Vithlani,
 - 4. Shri Hasmukhrai Mavjibhai Mehta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Abrama R. S. No. 321 paiki Adm. 11940. The document is regd. at S.R., Valsad vide No. 871 Dt. 12-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2605 Acq.23/Π/83-84.— Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

R. S. No. 83/2 situated at Village Dhamdachi, Tal. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Valsad on 20-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Subodhrai Mohanlai Desai,

2. Shri Ambelal Dahyabhai Desai

3. Smt. Puspaben Mohanlal Desai,

Shri Satishchandra Mohanlal Desai,
 Smt. Shobhanaben Mohanlal Desai

6. Smt. Raxaben Mohanlal Desai,

 Smt. Ramilaben Mohanlal Desai, R/o At Village, Dhamdachi, Tal. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Ramonlal Nagarji Naik, R/o At Dhamdachi, Tal. Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at village Dhamdachi, R. S. No. 83/1 Adm. 2 Hector, 77 Are. 21 sq. mtr. i.e. 6 Acre, 34 Guntha. The document is regd. at S.R., Valsad vide No. 921, Dt. 20-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 16th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2606 Acq.23/11/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable appretty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-ind bearing

- s. S. No. 186/2 and 237/2 situated at Village Abitama not more fully described in the Schedule annexed hereto), is been transferred
 - der the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office the Registering Officer at sad on 5-5-1983
- r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforesaid ceeds the apparent consideration therefor by more than een per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the extless has not been truly stated in the said instrument of usfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the follow; persons, namely:—

-446GI/83

 Shri Lavjibhai Nagjibhai Ajugia, R/o At Abrama, Tal. Valsad.

(Transferor)

(2) Shri Tulsibhai Damjibhai At Attak Pardi, Tal. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Abrama, Tal. Valsad, R. S. No. 186/2 and 237/2 adm. 4 Acre, 12 Guntha and 23 guntha. The document is regd. at S. R. Valsad vide No. 458 Dt. 5-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 16-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedubad-380 009, the 19th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2608 Acq.23 $/\Pi/83$ -84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 591, 592 situated at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 5-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gangaben Parshottam Patel, R/o Laxmi Colony, Race Course, Baroda.

(Transfero

(2) 1. Shri Kamleshbhai Natubhai Patel,

 Smt. Nitaben Mayurbhai Patel,
 Shri K. Venkatta Chalam Ayar, R/o Tulsidas Mension, Third Floor, Opp. Govt. Press, Kothi, Baroda.

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days fro the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmo able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nandanvan Co.op. Socy. Sayajigani, S. No. 592 adm. 497.95 sq. mtr. i.e. 5378 sq. ft. Document transfer of property regd. with S.R., Baroda under No. 2, Dt. 5-5-1983.

R. R. SHAI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-th
Acquisition Range-II, Ahmedaba

Date: 19-12-1983

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2609 Acq.23/II/83-84. hereas I, R. R. SHAH,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the umovable property, having a fair market value exceeding 1. 25,000/- and bearing No. S. No. 3440-3449-3450 and 3519 situated at Desara, Tal.

nd more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the office of the Registering Officer at andevi on 10-5-1983

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afore-'1 exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that onsideration for such transfer as agreed to between e parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :-

(1) Shri Mohan'al Gelabhai Gandhi, R/o at Bilimora, Mahadev Nagar, Tal. Gandevi.

(Transferor)

(2) Shri Godavariben Manubhai Patel, R/o -At Vakati,

Tal. Chikhli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persont whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at ure defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Desara S. No. 3440-3449-3450 and 3519 paiki Plot No. 24 Adm. 3721 sq. ft. The document is regd. at S.R. Gandevi vide No. 587 Dt: 10-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ramesh Manilal Desai, R/o Billimora, Tal, Gandevi.

(Transferor

(2) 1. Damyanti Bipinchandra Patel, 2. Maniben Babubhai Patel, R/o Bilimora, Tal. Gandevi.

(Transferee

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2611 Acq.23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 417/22, C. S. No. 2872, 2873, 2874 situated at

Desara, Tal. Gandevi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a such to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said propert may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noite in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the saic Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land at Desara R. S. No. 417/21, 417/22, C. S. No. 2872, 2873, and 2874 Adm. 556 sq. yd. The document si regd. Let S.R., Gandevi vide No. 384 Dt. 9-5-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2612 Acq.23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. 438+439/1 +456/+456/2 situated at Desara, Navjivan

Socy.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Gandevi on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Kantaben Thakorbhai Desai, R/o Bilimora, Navjivan Socy, Tal. Gandevi, Dist. Valsad.

(Transferor)

 1. Sant. Taraben Dhirubhai Desai,
 2. Shri Ashok Dhirubhai Desai, R/o Mahadev Nagar, Navjivan Society, Bilimora,
 Tal. Gandevi, Dist. Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Desara R. S. No. 438+439/1+456+456/1+456/2 Adm. 226 sq. mtr. The document is regd. at S.R., Gandevi vide No. 386 Dt. 9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2613 Acg.23/11/83-84.--

Whereas J, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing
No. 171 & 169/10 situated at Village Vijalpore, Tal. Navsari and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Navsari on 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

. (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Chhotubhai Karsanji Naik, R/o At Vijalpor, Tal. Navsari.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mansukhbhai Manibhai Patel, 2. Shri Naginbhai Gelabhai Patel, R/o At Lunsikui, Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectivo persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at Vijalpor, Tal. Navsari S. No. 171 & 169/10 Adm. 1 Acre, 33 Guntha. The document is regd. at S.R., Navsari vide No. 1416 Dt. 4-5-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 27-12-1983

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2614 Acq.23/II/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 95/1, situated at Vijalpor, Tal. Navsari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Navsari on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Kiritkumar Ramjibhai Naik, R/o Par Faliyu, Navsari, Tal. Navsari.

(2) Shri Vijendrabhai Akberbhai Thakor, R/o Aru Char Rasta,/Tal. Navsari.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Vijalpor, Tal. Navsari S. No. 95/1, Adm. 49 Acre, i.e. 49000 sq. mtr. The document is regd. at S.R. Navsari vide No. 1663 Dt. 17-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2615 Acq.23/11/83-84.--

Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 286 & 287 situated at Ankleshwar, Hasot Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ankleshwar on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefol by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

(1) 1. Smt. Maniba W/o Shri Bhailalbhai Patel,

Smt. Laliben Naginbhai Patel, Shri Jagdish Naginbhai Patel, Shri V. K. Ramanlal Muljibhai Patel,

4. Shri Ramanlal Muljibhai Patel, R/o Vaghela Vad, Ankleshwar.

(Transferor)

(2) Jai Shri Krishna Nagar Co. op. Hsg. Socy. President :-Shri Dineshchandia Zverchand Modi, R/o Ankleshwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Hasot Rd., Ankleshwar, S. No. 286 & 287. Total land area is 9084 sq. yd. The document is registered at S. R. Ankleshwar vide No. 236, 810 & 857 Dt. 3-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Rhagwanji Keshavji Patel. Jamalpor Tal. Navsari, District Valsad.

(Transferor)

 (2) Nathubhai Dulrabhbhai Patel, At Sisodhara Ganesh, Tal. Navsari,
 District Bulsar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2616/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

97, 271/1 and 342 situated at Village, Chhapara Tal., Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at.

Navsari on 12-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land is situated at village Chhapara Tal. Navsari S. No. 97, 271/1 and 342 adm, 6 Hector 38 Acre. The documents regd. at S.R. Navsari vide No. 1628 Dated 12-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-12-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sloresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

58—446GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2617/Acq.23/11/83-84,—Whereas, I. R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 346 Village Chhapara Tal. Navsari

S. No. 346 Village Chhapara Tal. Navsari (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 26-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bhagwanbhai Keshavbhai Patel, At Italva Tal. Navsari, District Valsad.

(Transferor)

(2) Manubhai Dayahi Naik, At Chhapara Tal. Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.
 Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

The land is situated at village Chhapara Tal, Navsari S. No. 346 Adm. 3 Acre 6 Guntha. The document is regd. at S.R. Navsari vide 1705 Dated 23-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedahad

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2618/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 115 paiki plot No. 2-3 situated at Athwa Lines, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 19-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- 1. Profulbhai Nanubhai Majmudar and Others Hari Nivas Athwa Surat.
 - 2. Manjariben Jayantilal Majmudar.
 - Maheshji R. Partner of Construction Co. Partner Bhikhubhai Umedbhai Patel Reshamwala Bldg., 2nd Floor, Surat.

(Transferor)

(2) Lalbhai Narsinhbhai Patel, At Athwa—Surat. Jayrambhai Narsinhbhai Patel, Athwa-Surat.

(Transferec)

Objections, if any ,to the acquisition of the said property may be made oin writing to the unders ned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perioad of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and hereoin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines S. No. 115 paiki Plot 2-3 paiki adm. 572.60 sq mtrs. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4957 Dated 19-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2619/Acq.23/II/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

k. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 2288/11 situated at Athwa Vistar—Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat on May, 1983

at Surat on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Dahyabhai Paragjibhai Patel-At Vankaner.

2. Dipakkumar Durlabhbhai Patel. 3. Maganbhai Govindji Patel, Tal. Bardoli.

(Transferor

(2) 1. Prakash Pravinchandra Zaveri, At 542 Gandhi Building, 5th Floor, S.V.P. Road, Bombay. 2. Shila Amrish Parikh, Zaveri House,

62, Huiges Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The land situated at Athwa Vistar C.S. No. 2288/11. Adm. 934.50 paiki ½ Hisso. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 4058 May, 1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 28-12-1983.

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANG-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2755/Acq.23/J/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 52—S. No. 408, 409, 418, 419 situated at GIDC Naroda Industrial Township, Narboda, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

as per the intimation reed, in 37EE form in the office of the undersigned A'bad on 17-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/8 Jai Hind Metal Works, through Shri Shanji Kalyanji (HUF) & Others, C/o Shamji Kalyanji (Gujarat) Regal Building Relief Road, Ahmedabad-380 001.

(Transferor)

(2) Ms/ Jay Hind Metal Works, Through Shri J. Champalal Jain & Others, 52, Naroda (G.I.D.C.) Industrial Township, Naroda, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ractory Building & land of Jay Hind Metal Works at Plot No. 52, Naroda Industrial Township, Naroda, A'bud intimation of transfer of property vide 37-EE, received in the office of the undersigned on 17-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2756 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I.R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 6755 & 6756 SP No. 12 & 13 (Bldg.) Shahpur-II situated at Relief Road, Opp. Relief Cinema, A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 16-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Secton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dr. Ganpat Bapuji Mohile,
 Aboli Appartment Law College Road,
 Pune-4.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jagdish Ramnath Jaju (HUF).

2. Miss Rina Jagdish Jaju,

 Master Hemen Jagdish Jaju—through his fatherguardian Shri J. R. Jaju. Dafnalla, Shahibaug, A'bad.

(Transferees)

(3) 1. M/s Peter A. D'souza, Tailor, 2. Spencer & Co., 3. Dr. C. Dutt, 4. Gujarat Govt. Offices Registrar Money Lender's Act, 5. Dr. Nathubhai H. Patel Relief Road, Opp. Relief Cinema, Ahmedabad. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAGARION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 292 sq. yd. situated at Relief Road, Opp. Relief Cinema, A'bad, duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 7001/16-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SHONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2757/Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Building Block No. 10 situated at Alka Co.op Hsg. Society.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Wadhwan on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Pravinchandra Manilal Gandhi, Ishwarnagar Society, Surendranagar.

(Transferor)

 Shri Nagardas Laljibhai. Block No. 10, Alka Co.op Hsg. Society, Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 482 sq. yd.—situated at Surendranagar, duly regd. by S.R. Wadhwan vide sale deed R. No. 1585/9-5-1983.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. 2758/Acq.23/I/83-8.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.P.S. 6, F.P. No. 16-B, paiki SP No. 11T situated at Paldi, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at A'bad on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons. namely:—

(1) Shri Rohitkumar Vinubhai Desai, Bunglow No. 86, Lavanya Society, Vasna-Paldi-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Dhanvadanbhai Himatlal, Bunglow No. 4, Vishwakunj Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat adm. 105 sq. yd. situated at Paldi, A'bad, duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 4739/May, 1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. 2759/Acq.23/1/83-84.--Whoreas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 104-2-A-14, FP No. 104-2 paiki situated at Shaikhpur-

Khanpur alias Navrangpura, A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the other of the Registering Officer at A'bad on May, 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i--of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dhanlaxmiben Jashwantrai Shah, Through: Power of Attorney Holder-Shri Jashwant rai Probhedas Shah, Himalaya Park Society, Gujarat Ayurvedic Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Hastimal Himatmal Bohra, Himalaya Park Society, Near Gujarat Ayurvedic Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein) as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 123 sq. yds.—situated at Shaikhpur Khanpur, A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 6415/ May 1983.

> R. R. SHAH Competent Authority -Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-59-446GI/83

Date: 13-12-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. 2760/Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing F.P. No. 887 SP No. B TPS. 3—Kochrab (Flat) situated at

Block No. A-3 Neerant Co.op. Hsg. Society behind Dalia Bldg. Nr. V. S. Hospital, Ellisbridge, A'bad.

and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 9-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Amitaben Mahendrakumar Shah. Shri Narendrakumar Rasiklal Shah, A-3, Dalia Bldg., Near V. S. Hospital, Ellisbridge, Ahmedabad-380 006.

(Transferor)

(2) 1. Shri Narayandas Ramdayal Bldla.2. Shri Dwarkadas Fojmel, No. 3, Fifth Floor, Ravi Chambers, Salapas Road—Near Relief Cinema, Ahmedabad-380 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat-adm. 118 sq. yd.—situated at Ellisbridge, duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 6840/9-5-83.

> R. R. SHA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P. R. 2761/Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 54-1 & 56-B, TPS. 21 FP 413 paiki situated at Flat No. 4, Block No. 2 at Purvi Flat Asson, Chhadavad, Ambawadi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 9-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent 'consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Navinbhai alias Narendrakumar Bakorbhai Patel, Darbar's Dehla, Garnalani Pole, Shahpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hansaben Jayantilal Purohit, Block No. 2, Ground Floor, Flat No. 4, Purvi Flata, Chhadavad, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat adm. 92 sq yd.—situated at Chhadavad, Ambawadi, A'bad duly rogd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 6491/9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 13th December 1983

Ref. No. P.R. 2762/Acq.23/I/83-84.--Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. O-3 situated at New Sanyaj Co.op. H. Socy, Panchvati, Ambawadi, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 10-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Shri Chandrakent Bhailal Shah 40, Sarthy Row House, Nr. Drive-in-Cinema, Memnagar Road, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

 Jayeshbhai Suryakant Shah, 431; Jethbhai's Pole, Khadia, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 118 sq. yds.—situated at Panchwati, 2 lane, A'bad 380 009, duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 6921/10-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-12-1983

Soal:

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009,

Ahmaxlabad-380 009, the 14th December 1983

Ref. No. P.R. Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Landat Jamkambhalia situated at Station Rd. Ward No. 4. Plot No. 116

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering

Officer at S. R. Jamkhambhali on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Partners of Shri Bhagwati Spg. & Weaving Works Station Road, Jam Khambhalia, Dist; Jamnagar. Pin No. 361305

(Transferor(s)

 Pravinchandra Kalidas E/2, Manmohan Market, Jamnagar.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION s—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Jamkhambhalia Station Rd. Ward No. 4 Plot No. 116, regd. vide R. No. 701/82 May 83.

R. R. SHAH
Compensent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 14-12-1983.

 Shantagauri Maganlal Pandya, Loknath, 50, Baria Plot, No. 196-E Ghogha Road, Sardar Nagar, Bhavnagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dhanlaxmi Construction Co. Prop: Bhogilal Devshibhai Plot No. 1541 Ghogha Circle, Bhavnager.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSI'T. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1983

Rof. No. P.R. 2764 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 122, 1228A/1 situated at Behind Killol Balmandir. Bhaynagar

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

Officer at S. R. Bhavnagar on 23-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 ((11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Plot No. 1227-1228A/1 Killol Balmandir Ghogha Circle, Bhavnagar, regd. vide R. No. 1835 Dt. 23-5-1983.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1983

Ref. No. PR. 2765 Acq./23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Krishna Nagar, Ghogha Circle, situated at Bhavnagar, Unit No. 2, Shiv Indl. Estate situated at Byculla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bhavnagar on 31-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Babubhai Parmabhai

 Chunilal Parmubhai Ghogha Circle, Opp. Chhapru Hall, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Madhav Aptt. Co.op Socy. President: Talsibhai Ramjibhai Monpara, Opp: Muni Dairy, Plot No. 903 Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION S.—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Krishna nagar Ghogha Circle. Plot No. 1254. regd, vide R. No. 1949 Dt. 31-5-1983.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Date: 14-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1983

Ref. No. R.P. 2766 Acq.23/1/83-84.—Whereas, I,

being the competent authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bhavnagar Rajkot Road situated at Chitra S. No. 259-J to 280 Bhavnagar

of transfer with the object of-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bhavnagar on 31-5-1983

for an appreent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (1) Mrs. Parin Premursha (2) Miss Priti Bharucha Block No. C-5, Shahibaug, Waghawadi Road, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) (1) Chauhan Abdulrahim Jivabhai Vakil Nisarbhai Jafarbhai Shastrinagar, L. I. G. No. 147, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION S-The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bhavnagar Rajkot Chitra S. No. 259-1 to 280 S. P. No. 56 read, vide R. No. 1947 Dt. 21-5-1983.

> R. R. SHAH Compentent Authority . cting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-12-1983.

FORM TINS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, AND FIOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2767 Acq.23/1/83-84.-Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Godown at Kharakpara Vistar situated at Mahuva Distt. Bhaynagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at S.R. Mahuva Bhavnagar on 6.4.83 recd, in may 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

60--446GT/83

(1) Maturdas Tribhovandas Yogi HUF Karta Bhogilal Dhanjbhai Yogi Lati Bazar, Mahuva,

Dist: Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Chimanlal Dwarkadas Mehta Gol Bazar, Mahuva,

Dist: Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown at Kharak Para Vistar at Mahava regd. vide R. No. 727 Dt. 6-4-83.

> R. R. SHAH Compentent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2768.Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

PlotN o. 3 at Lati Bazar, situated at Amarshi Manji Dehlo, Dist. Bhavnagar.

at S. R. Mahuva on 31-5-83

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Feb., 1983

for an apparent consideration which is less than the fair solieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Hiren per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mathurdas Tribovandas Yogi, Karta of HUF Bhogilal Dhanjibhai Yogi Lati Bauyer, Mahuva. Dist. Bhayanagar.

(Transferor)

(2) Mavjibhai Ganeshbhai Bhadrod Tal: Mahuva Dist: Bhavanagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot at Mahuva. Lati-Bazar Amarshi Mavji Dehlo, regd. vide R. No. 1170 Dt. 31-5-83,

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhupatrai Kirchand Sheth, 'Gayatri Building' Arachana Society Near Aerodrome Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Smt. Jayaben Jagivandas Dhamochi 8, Vijay Estate, First Floor, Rajawadi, Ghatkopar Bombay.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2769. Acq. 23/I/83-84. -- Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat at Takshashila Co.op. Socy, situated at Bldg. No. 2 Third Flood, Flat No. 231. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), the hand transferred under the Pacietration Act. 1908, (16. of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 1-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat at Takshashila Co.op. Socy. Bldg. No. 2, 3rd floor Flat No. 231, Regd. vide R. No. 2547 May, 1983.

THE SCHEDULE

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2770.Acq.23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Bldg. behind Anand Nagar Co.op. Socy, situated at

Sadhana Mandir Co. op. Socy. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 13-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as affreed to between the parties has not been traily stated in agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Vasantiben Kantilal Vadgama, Gondal Road, Ajay Mension. Raikot.

(Transferor)

(2) Bapubhai Nagibhai Patel, 17. Gundawadi Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at behind Anand Nagar Colony, Sadhana Mandir Co.op. Socy. Rajkot regd. vide R. No. 3068 Dt. 13-5-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2771.Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 1159, Plot No. 12 situated at Satyagran Chhavani,

Vejalpur A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 16-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gulbahen Maherbanji Ram Mansuri Building, Mirzapur Rd. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dipakbhai Jayantilal Shah, B-J, Binita Appartment, Nchru Nagar Road, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

and ac g. vds—situated at Satyagrah Chhavanl, Vejalpur, A'bad duly regd. S. R. A'bad vide sale deed R. No. 7228/16-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 15-12-1983 Seal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2772.Acq.23/1/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 57, 58-1, 67-1, 67-2 & 68 S. No. 292 to 295 situated at C-4, Mayurpankh Co. op. Hsg. Socy. Ltd.

Sattelite Rd. A'had.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at A'bad on 13-5-83,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shirishandra Hiralal Shah. 1295, Sheth's Pole, Mandivini Pole, Ahmedabad.

(2) Shri Jashwantlal Ujamshbhal Malvania, C-4, Mayurpankh Society, Satellite Road, Jodhpur, A'bad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament adm. 90 sq. yd.—situated at Vejalpur duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 7126/13-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2773.Acq.23/I/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

S. No. 1141&1142 paiki SP No. 7 paiki situated at Sectionary Colon Ha. Socy. Voicing A'had

S. No. 1141&1142 paiki SP No. 7 paiki situated at Satyagrah Chhavani Co.op H.g. Socy. Vojalpur, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at A'bad on 17-5-83

of Arad on 17-3-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kanaiyalal Jethalal Panchal,
 G32, Gheekanta Road, Opp. R. C. High School,
 Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Haban Ashokbhai Shah, 74/13, Jagabhai Park, L. G. Hospital, Near Mahajan's Vanda, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the arquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 505.25 sq. mtr. situated at Satyagrah Chhavani, Vejalpur, A'bad—duly regd. by S.R. A'bad, vide sale deed R. No. 7351/17-5-83

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Renge-I
Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM, ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2774.Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 278/B/1/B parki situated at Tenament No. 11 Jai Mahavir Co-op. Hsg. Socy. Shahibaug, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the Agreement is registered under

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registering officer at A'bad on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Rajendrakumar Parshottamdas Agrawal.
 Jai Mahavir o.op. Hsg. Socy. Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferor)
) Shri Sunilkumar Gigraj Gupta,

(2) Shri Sunilkumar Gigraj Gupta, 116, Raghukul Co. op. Hsg. Socy. Shahibaug, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Tenament No. 11 adm. 110 sq. yd. situated at Shahibaug, A'bad, duly regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 7415/17-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Alimedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (2) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2775.Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
S. No. 96, TPS. 19, FP No. 325, paiki SP No. 325-A-2 situated at Kalpana Apartment, 2nd Floor, No. C-2-1 Shaikhnur, Khanpur, A'bad.

khpur, Khanpur, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 30-5-83/
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

61-446GI/83

 Shri Narankumar Amichand alias Amarchand, Agrawal, Shahibaug Road, 1453, New Madhupura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shri Abhay Kumar Raghukant Vasavda, 6-A, Shubham Society. Near Professor's Colony, Near Memnagar Fire Brigade Station, Navrangpura, Ahmedabad. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 115 sq. yds-situated at A'bad, duly regd. by S. R. A'oad vide sale deed R. No. 7997/30-5-1983.

Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.

AHMEDABAD-380009

Near Professor's Colony, Near Memnagar Fire

Ref. No. P. R. No. 2776.Acq.23/I/83-84.—Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 96 TPS. 19, FP No. 325 paiki SP No. 325-A-2 situated at Kalpana Aptt. 2nd Floor, No. C-2, 2, Shaikhpur-Khanpur, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amarchand Jankidas Agrawal, 1453, New Madhupura, Shahibaug Road, Ahmedabad.

(Transferors)

(2) Smt. Hina Abhaykumar Vasavada, 6-A. Shubham Society, Near Professors, Colony, Nawrangpura Ahmedabad.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 115 sq. yds.—situated at A'bad duly regd. by S.R. A'bad vide sale deed R. No. 8006/30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD.
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2777.Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

FP No. 166-6 & &166-7, TPS. 3 Flat No. 2, situated at Shaikhpur-Khanpur, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at A'bad on 31-5-83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Prabhawatiben Harilal Shah, Chir Trupti Park Society, Near High Court, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Shri Harivadan Himmatlal Gajjar, Near Dada Saheb's Pagla, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 120 sq. yd.—situated at T.P.S. 3—Shaikapur—Khanpur, A'bad, duly regd. by S. R. A'bad, vide sale deed R. No. 7478/31-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1983

Seal

· FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P. R. No. 2778.Acq.23./1/83-84.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 336 paiki situated at Vojalpur, A'bad.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 19-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Kokilaben Suryakantbhai Zaveri, Samir Appartment, Andheri, Bombay.

(Transferors)

(2) Shri Vinubhai Thakorlal Shah, B-3, Rajdeep Park Society, Kankaria, Shahalam, Ahmedabad-380 028.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat—adm. 90 sq. yd.—situated at Vejalpur—A'bad—duly regd. by S. R. A'oad vide sale deed R. No. 7486/19-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 15th December 983

Ref. No. P. R. No. 2779-Acq.23/I/83-84,---Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

FP No. 71 paiki—TPS 22—Flat No. 5 situated at Paldi,

A'bad.

(and morefully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at A'bad on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. B. D. Shah & Co.
 Harshanti Society,
 Narayan Nagar Road, Paldi,
 Ahmedabad,

(Transferors)

(2) Sh. Tarulatabén Rajendrabhai Shah, 7, Narayan Bhuwan, Near Swaminarayan Mandir, Kalupur, Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respoctive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat adm. 120 sq. yd.—situated at Paldi, A'bad, dw'y regd. by S. R. A'bad vide sale deed R. No. 7339/17-5-83. Date: 15-12-1983

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-12-83

 Shri Dahyabhal Lallubhai Desai, D-3, New Girdharpark Co-op. Hsg. Socy. Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Mrugankbhai Vijaydatt Desai, D-51, Gujarati Socy. Nehru Road, Villeparle, (East) Bombay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2780 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. F.P. No. 390 TPS. 20 situated at New Girdharpark, Ellisbridge, Madalpur Flat No. D-3 1st Floor, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

the Registering officer at Ahmedabad on 20-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat adm. 91 sq. yd.—situated at Madalpur—Ambawadi, Ahmedabad, duly regd. S.R. Ahmedabad, vide sale deed R. No. 7602/20-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the dssue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Sarojben Jaswantlal Kartiya, Sarunivas' behind Shahibaug Post Office, Ahmedabad-380 004.

(Transferor)

(2) Pareshkumar Vasudev Panchal, Flat No. 12, 3rd Floor, Jal Darshan Co-op, Hsg. Socy. Opp: Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 17th December 1983,

Ref. No. P.R. No. 2781 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. FP No. 499—TPS. 3 Flat No. 12 3rd floor, situated at Jaldar-

FP No. 499—TPS. 3 Flat No. 12 3rd floor, situated at Jaldarshan Co-op, H. Socy. Opp: Natraj Cinema, Ashram Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat—adm. 131 sq. yd.—situated at Ashram Road, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad, vide sale deed R. No. 7035/30-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-12-1983

" al:

FORM ITNS----

NÓTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE **INSPECTING ASSISTANT**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 15th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2783 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

FP No. 16-B, TPS, 6 SP No. 11 situated at Puldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 3-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Godavriben Jaabhai Amin, Through: Power of Attorney Holder Shri Jayantibhai Kalidas Amin, Lavanya Society, Vasna, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Champaben Chinubhai Shah
 (2) Smt. Linaben Chinubhai Shah
 1/4, Kashmira Society, Paldi,
 Ahmedabad 380 007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforemaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

· THE SCHEDULE

Flat adm. 105 sq. yd.—situated at Paldi, Ahmedabad, duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 1782/42/

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I. Ahmedabad.

Date: 15-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 14th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2784 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Schbaba Co-op. Socy, situated at Behind Mahila

College, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 2-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

62—446GI/83

(1) Shri Shankatlel Shambhuprasad Pandya, B-7, City S. Colony, Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Muktaben Jiyrajbhai Patel, Plot No. 863A Behind Mahila College, Bhaynagar (Saurashtra).

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Saibaba Co-op, Socy. Plot No. 7 Behind Mahila College, Bhavnagar regd. vide R. No. 1520 Dt.: 2-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 14-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2785 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'); have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat at Takshashilal Socy. situated at Opp: Girnar Cinema, Flat No. 474, 7th Floor, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 24-5-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rohitkumar Laxmidas, Ami Society, Rajkot.

Transferor(s)

(2) Shri Hirjibhai Muljibhai, Takshashila Socy. Flat No. 474, 7th Floor, Opp: Sirnar Cinema, Rajkot.

Transferee(s)

Objection, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at S. No. 403 at Takshashila Socy. Regd. vide R. No 3067 Dt: 24-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2786 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Takshashil. Socy. situated at Opp: Girnar Cinema Flat No. 473—7th Floor, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-5-83

Rajkot on 12-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; huni/or
- o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Laxmidas Ambavibhai, Ami Society, Rajkot.

Transferor(s)

(2) Shel Jamnadas Harjibhai Wachhani, Takshashila Society, Flat No. 473 7th Floor, Rajkot.

Transferce(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Takshashila Socy, S. No. 403, Land Flat No. 473, 7th Floor. Rajkot regd. vide R. No. 3066 Dt: 12-5-83.

R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2787 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I,

R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Flat at Takshashila Socy, situated at Flat No. 242 4th Floor,

Opp: Girnar Cinema, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 24-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Jamnadas Haribhai Wachani, Takshashila Socy. Flat No. 242, 4th Floor, Opp: Girnar Socy. Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Kiritkumar Gandalal Patel, Takshashila Socy, Flat No. 242 4th Floor, Opp: Girnar Cinema, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajkot Ward No. 15 at Takshashila Socy. Fla No. 242 4th Floor. Regd. vide R. No. 3065 Dt: 24-5-1983 Ahmedabad

> R. R. SHAF Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioiner of Income-Ta Acquisition Range-I, Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 20-12-1983 Seal: Seal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R.-No. 2788 Acq. 23/1/83-84,—Whereas, I. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Bldg, shed S. No. 180 paiki Sanad No 7 situated at Plot No. 180 Paikites.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Rajkot on 19-5-83

SR Rajkot on 19-5-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mulshankar Dharamshi Ashra, Umeshkumar Harilal Ashra, Near Panjarapole, Bedi Para, Rajkot.

Transferor(s)

(2) Kumar Harital Savlani
Jayesh Harital Savlani
17, Panchnath Plot,
Business Address: M/s Sushil Screen Printers,
3 Champak Nagar, Rajkot.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. shed at Rajkot S. No. 186 Sanand No. 7. Plot No. 18. Regd. vide R. No. 3217 Dt: 19-5-83. Ahmedabad

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-1983

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2789 Acq. 23/1/83-84.—Whereas I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Karanshiji Road situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 20-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Ambica Corporation, Partner: Bhadraben R. Khandaria Karansinhji Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Shaikh Family Trust Shoth Govindrao Smruti, 83, Dr. Ani Besant Road, Varli, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEOULE

Flat at Karanshiji Road, Rajkot Regd. vide R. No. 323 Dt.: 20-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-40X
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 20-12-1983

Scol: Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HAN HOUSE, ASHRAM ROAD, AH 380009.

Ahmedabad-3 the 19th December 1983

Ref. No. P.R. No. 275 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH, being the Competent Athofity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45% 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Vidyanagar Society Block-B situated at First Float. Flat No. 22, Jagnath Plot Sheri 23/39 Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 17-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chandrika Rejnikant Patel, 22/39, New Jagnath Plot, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Bharatkumar Ramniklal Vora, Vidyanagar Co-op. Socy. (Flat), Jagnath Plot, Sheri No. 23-39, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Vidyanagar Co-op. Socy. Jagnath Plot Sheri No. 23-39 regd. vide R. No. 2074 Dt.: 17-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmdeabad

De c: 19-12-1983 Seal: Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Bharat Jiyanlal Bhimani, Bhupendra Road, Rajkot-1.

(Transferor)

(2) M/s. Cosmate Private Ltd. Mavadi Plot—'Miteck', Raikot-4.

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM RCAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 20th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2791 Acq. 23/I/83-84,--Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible property beginning a fair and the impossible property beginning as fair. movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Bldg. Shed at Swaminarayan gurukul situated at Mavdi Plot No. 24, S. No. 402-4, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 18-5-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afores " within a period of 45 days from the date in the Official Gazet ecation of this notice period of 30 days from the service of not whichever period expire
- (b) by any other person in a d in the said immovable property, within wordays from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bldg. Shed at Industrial area Opp: Swaminarayan Gurukul, Rajkot Mavadi Plot No. 24. Regd. vide R. No. 3179 Dt.: 18-5-83. Ahmedabad

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issys of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 20-12-1983

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabed-380009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2793 Acq. 23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the limmovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat at Nandanvan Appartment situated at Kanta Vikas Gruh

Road, Rajkot

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred.

under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ba Shri Nandkuverba Madhavsinhji Kanta Street Vikas Gruh Road, Rajket.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben M. Doshi, C/o Bipin K. Shah, 32, Karanpara, Rajkot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Appartment situated on Kanta Street vikas Gruh Road Rajkot regd. vide R. No. 3442 Dt. 30-5-83.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of section, 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons. namely :-63-446GI/83

Date: 21-12-1983

Seal: Seal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2794 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. Flat at Kanta Street Vikas Gruh Road, situated at Nandan Van Appartment, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, it was bollowing persons, namely:—

 Ba Shri Nandkuvarba Madhavsinhji, Kanta Street Vikash Gruh Road, Rajkot.

(Transferor)

 Vasumati Sukhlal Bahmai Nandavan Appartment, Vikus Gruh Road, Rajkot,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandavan Appartment Kanta Street Vikas Gruh Road regd. vide R. No. 3443 dated 30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 21-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P. R. No. 2795.Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Flat at Nandanvan Appartment situated at
Kanta Street, Vikash Gruh Road, Rajkot,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot on 30-5-1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Ba Shri Nandkunvarba Madhavsinhji, Kanta Street, Vikas Gruh Road, Rajkot.

(2) Pankaj D. Shah, Nandanyan Appartment, Kanta Street, Vikas Gruh Road, Rajkot.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesad persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Appartment Kanta Street Vikas Gruh Road, Rajkot regd. vide R. No. 3444 dated 30-5-1983,

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notic under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-12-1983

Scal

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHR EDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P. R. No. 2796/I/83-84,—Whereus, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat at Nandanyan Appartment

Vikas Gruh Road, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market velue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Pa Shri Nandkuvarba Madhavsingji, Kanta Street, Vikas Gruh Road, Rajkot.

(Transferors)

(2) Jayvant Dharamdas Shah, Nandanvan' Appartment, Kanta Vikas Gruh Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Appartment Kanta Street Vikas Gruh Road, Regd. vido R. No. 3445 dated 30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

 Ba Shri Nundkuverba Madhavsinhji, Kanta Street, Vikas Gruh Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Pramod J. Jaju, Nandanyan Appartment, Kanta Street, Vikash Gruh Road, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2797 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

Flat at Nandanvan Appartment situated at Kanta Street Vikus Gruh Road, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 30-5-1983.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax. Act., 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act., 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Appartment at Kanta Street, Vikash Gruh Road, regd., vide R. No. 3446 dated 30-5-1983.

R. R. SHAH
Compentent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:---

Date: 21-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Ba Shri Nandkuvarba Madhavsinhji, Kanta Street, Vikash Gruh Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Kanaiyalal C. Shah, Ravi Kiran, Opp. Rashtra Shala, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009
Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2798 Acq.23/1/83-84,—Whereas, I R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat at Nandanvan Appartment situated at Kanta Street, Vikash Gruh Road, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Rajkot on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Appartment regd. vide R. No. 3454 Dt. 30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 21-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2799 Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Flat at Nandanvan Apartment situated at Kanta Street Vikash Gruh Rd. Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ba Shri Nandkunvarba Madhavsinhji, Kanta Street, Vikash Gruh Road, Raikot,

(Transferor)

(2) Smt. Ranjangauri Nanalal Kothari. Nandanyan Appartment, Kikash Gruh Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanyan Appartment regd, vide R. No. 3455 Dt. 30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmeda'

Date: 21-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM RUAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P. R. No. 2800.Acq.23/1/83-84.—Whereas, I. R. R. SHAH;

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Nandanvan Appartment situated at Kanta Street Vikash Gruh Rd. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 30-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ba Shri Nandkuverba Madhavsinhli, Kanta Street Vikesh Gruh Rd. Raikot,

(Transferor)

(2) 1. Javantilal K. Mehta. 2. Vasumati J. Mehta, Nandanvan Appartment, Kanta Vikash Gruh Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut at Nandanvan Aptt. Regd vide R. No. 3456 30-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 21-12-1983

Avenue To decide and the second second

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P/R. No. 2801 Acq. 23/I/83-84.—Whereas, T. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat at Nandanyan Appartment,

Vikash Gruh Rd. Rajkot, situated at 95 Vishal Bhawan, Nehru Place, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed have to). has been transferred under the Reclemation.

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-446GI/83

 Ra Shri Nandkuverba Madiravsinhji, Kanta Vikas Gruh Road, Rajkot,

(Transferor)

(2) Jay Kunverba, V. Jadeja, Nandanvan Appartment, Kanta Vikas Gruh Rd. Raikot

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Aptt. Regd. vide R. No. 3459 dated 30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 21-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 21st December 1983

Ref. No. P.R. No. 2802 Acq.23/I/83-84.--Whereas, 1, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat at Nandanvan Appartment situated at Kanta Street Vikash Gruh Road, Rajkot, fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Rajkot on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Ba Shri Nandkuvarba Madhavsinhji, Kanta Street Vikash Grub Road, Raikot.

(Transferor)

(2) Smt. Prabha P. Jaju, Nandanyan Aptt. Kanta Vikas Gruh Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Nandanvan Aptt. Kanta Street, Vikash Gruh Road Rajkot regd. vide, R. No. 3459 dated 30-5-1983.

> R. R. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedebad

Date: 21-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 24th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2803 Acq.23/1/83-84.—Whereas, [R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/-and bearing

S. No. 1077 & 1087, situated at

Naroda, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

as per 37EE form received in the office of the under signed at Ahmedabad on 16-5-1983 and 27-6-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Ashoka Mills Ltd. Naroda Road, Ahmedabad-380 025.

(Transferor)

(2) M/s, Shaktidhara Co.op, Hsg. Socy. Ltd. Shri Manubhai D. Kanani—Chier Promotor, 2/3, Shaktinagar Socy. Bapunagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Naroda vide 5. No. 1077 & 1087—Ahmedabad—vide intimation reed. as per 37EE Dt. 16-5-83 & 7-6-83 in the office of the undersigned.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-12-1983

 Shri Manhar Anupamlal Shah, A.V. Appartments, Mahalaxmi Char Rasta, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Through: partners.
1. Shri Umang Sumant Shah,
2. Smt. Chandrika, S. Shah,

(2) Uchem Chemicals.

 Mala Umang Shah, 'Umang' Panchvati, Ellisbridge, Ahmedabad. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2804 Acq. 23/I/83-84.--Whereas, IR. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 150 paiki & 151 paiki SP No. 153 and 154-A
Plot No. 153 & 154/A GIDC Industrial Estate, Naroda,
Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Ahmedabad on 9-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed: the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Shed standing on land 960 sq. yd. situated at Plot No. 153 & 154/A. C.I.D.C. Industrial Area, Naroda, Ahmedabad vide Sale deed R. No. 6897/9-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 26-12-1983

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF ENCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2805-Acq.23/I/83-84,—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. FP No. 139, 140 paiki plot No. 4, Adityanagar, Near Old Pilot Dairy, Piplawalo Khancho, Kankaria, A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the officer of the registering Officer at

Ahmedabad on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Ranchhodlal Kumbhaji, Ishwashya Society, In Mistry Jivrambhai Kumbhaji's House, Ranip, Ahmedabad.
 (Transferor)
- (2) M/s. Ambica Corporation, Through: Shri Shantilal Chhaganlal Dave, Opp.: Kamnath Mahadev Bus Stand, 2nd Floor, O/s Raipur Darwaja, Kankaria Road, Ahmedabad.

(l'ransferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from this service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 614 sq. yd. situated at Adityanagar, Kankaria, Ahmedabad duly regd. by S. R. A'bad, vlāc sale deed R. No. 6619/3-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSI, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2806-Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 230, Khadia Wd. No. 1, Mun. C. No. 151, Ghashiranmi Pole, Sarangpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registeration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmedabad 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bharatkumar Dazshrathlal & Others. 151, Ghashiramni Pole, Sarangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Hasumati Indravadan Dudhia,
 (2) Smt. Bharti Arvindkumar Dudhia,
 'Jitendranagar' Kamdhenu',
 Narayannagar Road, Near PT. College, Paldi, Ahmedabad.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 111 sq. yd. situated at 151 Ghasiram's Pole, Sarangpur, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 6623/4-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 26-12-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2807-Acq.23/I [83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 41, TPS. 4 FP No. 9 S.P. No. 37, Vishwakunj Society Balia Kaka Road, Near Dhor Bazar, Kankaria, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 24-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Savitaben Jamnadas Mistry, 22/3, Nehru Vasahat, Mahuva, (Dist. Bhavnagar), Saurashtra.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bhagwandas Khatanmal,
 (2) Shri Narandas Khatanmal,
 Both @ 37, Vishwa Kunj Socy,
 Balia Kaka Road,
 Nr. Dhor Bazar, Kankaria,
 Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 304 sq. yds. situated at Kankaria, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide sale deed R. No. 7794/24-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date : 26-12-1983

Seal 🏚

FORM I.T.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2808-Acq.23/1/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedingly Rs. 25,000/- and bearing

No. TP. S. 4 F.P. No. 44 paiki SP No. 3, Swaminarayan Socy. Near Rambaug, Kankaria, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

Ahmedabad on 18-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mensys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initaite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kiritkumar Dalsukhram Pandya & Others, 22, Jai Hind Socy. Juvahar Chawk, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferor)

 Priti Apartment Owners Association. Secretary, Shri Pravinbhai N. Patel,
 Swaminarayan Colony, Near Rambaug, Maninagar, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

Land adın. 788 sq. yd. situated at 3, Swaminarayan Colony, near Rambaug, Maninagar, Ahmedabad duly regd. by S.R. Ahmedabad vide R. Sale deed No. 7460, 7461, 7465, 7464, 7463, & 7437 i.e. property as fully described therein.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2809-Acq.23 /1/83-84.—Whereas, J. R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. FP No. 167, Hissa No. 5 SP No. 13 TPS 4 B-Patel Avenue, Rannapark, Near Dasini Socy. Maninagar, A'bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 30-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—65—446GI/83

 Shri Jashubhai Chaturbhai Patel, Through: General Power of Attorney Holder, Shri Jayantibhai Chaturbhai Patel, 243, Alcembic Glass Colony, Alembic Road. Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Maniben Manilal Shah, 167-5, B-Patel Avenue, Ranna Park, Near Daxini Socy. Maninagar, Ahmedabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 410 sq. yds. situated at Maninagar, Ahmedabad duly read. by S.R. Ahmedabad vide Regd. sale deed R. No. 8056/30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 26-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmcdabad-380 009, the 26th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2810-Acq.2341/83-84.—Whoreas, I, R. R. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beraing No. No. Flat at City Survey No. 1874/1868 Ward No. 15, Asopalav Aptt. Jagnath Sheri, Flat No. 301 Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 908 (16 of in the Office of the registering Officer at Rajkot on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Vimlaben Umarashi Shah, Asopalav Appartment, Jagnath Sheri No. 25-26, Flat No. 301, Rajkot.

(Transferor)

 Smt. Shantaben Bhagwandas Haranandani, Flat No. 301, Asopalav Appartment, 25, New Pagnath Plot, Rajkot.

(Transferce)

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Rajkot City S. No. 1878/1868 Ward No. 15 Flat at Asopalav Appartment 302 Sheri No. 25, New Jagnath Rajkot regd. vide R. No. 2785 Dt. 2-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Thmedabad

Date : 27-12-1983

Scal:

 Shri Lalitaben Vithaldas Kanani, Bhan gor Dist. Jamnagar.

(2) Shri Harshadrai Shantilal Chotai,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Alunedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2811-Acg.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building at Patel Colony Sheri No. 6, Road No. 1 Corner 'Raghunandan' Building,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S, R, Jamnagar on 4-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

'Raghunandan Building'
Patel Colony, Sheri No. 6, Road No. 1,
(Corner), Jammagar (Saurashtra).

- (a) by any of the aforesaid persons within a partial 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Patel Colony Sheri No. 6 City Survey No. 39, G. 5 Plot A-6 paiki Plot No. 31/1 at Jamnagar regd. vide R. No. 1355/4-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the persons, namely:—

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2812-Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

'No. Opp. Vijayraj Nagar, Gaurishankar Lake Road Dilhar Bag Co-op. Socy. Bhavnagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

S. R. Bhavnagar on 3-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Yusufali Sherali Varteji, Plot No. 87, Opp. Law College, Vidyanagar, Bhavnagar,

(Transferor)

(2) Shri Akhirhussein Yusufali Nayani, Sangediya Bazar, Dudhwala Khadki, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at ward No. 7 Sheet No. 237 S. No. 2261-2263 at Dilhar Baug Co-op. Socy. Gaurishankar Lake Road, Bhavnagar regd. vide R. No. 637/3-5-83.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 27-12-1983

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Ref. No. P.R. No. 2813-Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building situated at 1. Vasant Rajab Society, Surendra Mangaldas Road, Ambawadi, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Ahmedabad on 27-5-1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Ambalal Bhuralal Vyas, 'Yogashram' Behind Manck Baug, Ambawadi, Ahmedabad-15.

(Transferor)

Shri Ashwinbhai Ambalal Patel,
 Vusant Rajab Socy. Surendra Mangaldas Road,
 Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 741 sq. yd. situated at Surendra Mangaldas Road. Ahmedabad duly regd. by S. R. Ahmedabad vide R. No. 7958/27-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 27-12-1983

Scal:

FORM NO. J.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th December 1983

Rcf. No. P.R. No. 2814-Acq.23/I/83-84.—Whereas, I, R. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

Rs. 25,000/- and bearing S. No. 175/1/2 paiki TPS. 19-FP. 149-150 paiki S.P. No. 8 paiki 8-A Shaikhpur Khanpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurament of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any unoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babubhai Mulchand Patel, Durshan Society, Navrangpura, Ahmedabad-380 009.

(Transferor)

(2) Co-operative Bank of Ahmedabad, 'Ahmedabad Bank Chambers' Relief Road, Opp. Pathha Kuva, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land 403/1/2 sq. yd. situated at Shaikhpur-Khanpur, Ahmedabad duly regd. by S. R. A'bad vide sale ficed R. No. 8028/30-5-1983.

R. R. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I

^hmedabad

Date: 27-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Shri Narayana Ramchandraya Jifuri, (2) Shri Mohan Ramchandraya Jifuri, R/o Narayanahally Oni, Muruscviramath, Road, Hubli. (Transferor)

(2) (1) Shri Tukaramaya S/o Shri Tulajanasa Jifuri,
 (2) Smt. Ambubai W/o Shri Tukaramaya Jifuri,

(3) Shri Suresh Tukaramaya Jifuri (4) Shri Jayachand Tukaramaya Jifuri, R/o Narayanahally Oni, Muruseviramath, Road, Hubli.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 19th December 1983

C.R. No. 62/652/8-8/ACQ/B.—Whereas, I, K. L. TILAKACHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 97/4+5A Open plots situated at Krishnagar village Hubli Taluka,

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer-at

Hubli under Document No. 486/82-83 on 19-5-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 486/82-83 dated 10-5-1983] The open plots situated in rishnagar, village Hubli Taluka, bearing R. S. No. 97/4+5A' and agricultural land purchased for making plots situated in R. S. No. 97/2 about 2 acres and 2 gunthas.

> K. L. TILAKCHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 19-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 14th December 1983,

C. R. No. 62/38223/83-84/ACQ/B.—Whereas. I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. 565 situated at 22nd A cross, Banashankari II Stage Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the relatering Officer at Jayanagar on 15-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. V. Gopal, S/o Late A. Venkatesharah, No. 528/A, Sashivijaya, 17th cross, II Stage Indiranagar, Bangalore-38.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Sudhakara Gupta, S/o Shri K. N. Venkataramanalaih Setty, Gulur Village, Bagepalli, Taluk Kolar, District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 369/83-84 dated 15-5-1983]
All that property bearing No. 565, situated at Banashankari
II Stage Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore-560001.

Date: 14-2-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 0001

Bangalore-560 001, the 29th December 1983

C. R. No. 62/39651/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 543, situated at 16th 'A' main, Karamangala 'III Block, Bangalore-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred under the egistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the dability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---66-446GI/83

(1) Shri B. S. Mangiwath, No. 237, 40th Cross, V Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt.Kasturi B. Alua No. A/1-1, South Avenue, I.T.I. Township, Doorvaninagar, Bangalore-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable projecty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No .1342/83-84 Dated June, 83) All that property bearing No. 543, situated at 16th 'A' main, Karamangala III Block, Bangalore-34.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 29-12-1983

Scal:

FORM LT.N.S.---

(1) Smt. Kamala Rawauna & others, Church Road, Bangalore,

(Transferor)

(2) Shri A. K.Ahued, No. 106, Kambekar Street, Bombay-3.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 0001

Bangalore-560 001, the 26th December 1983

C.R. No. 62/38732/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the nx the said Act), have leasted to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing
No. 3/1 (Ml. D. No. 2729), situated at Church Road, Lashkar Mohalla, Mysore

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore city on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

dated 16-7-83) (Registered Document No. 1614/83-84 Property No. L.3/1 (Ml. D. No. 2729), situated Church Road, Lashkar Mohalla, Mysore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he follow-

ing persons, namely :-

Date: 26-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri B. L. Narde, G-644, HAL Colony, Bangalore.

(Transferor)

 Shri K. N. G. Nair Mrs. M. Sarojini Nair, No. 137, I Stage, Indiranagar, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th January 1984

C.R. No. 62/38768/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVΛN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 348 situated at HAL II Stage,

Indiranagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 30-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Lct. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dated 30-6-1983) (Registered Document No.799/83-84

All that property bearing No. 348 situated at HAL II Stage, Indiranagar, Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-1-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th January 1984

C.R. No. 62/38909/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the knome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Sy Nos. 40, 41/2 & 41/3 situated at Bannur road,
Nandahahally village Kasaba Hobli, Mysore Taluk
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Mysore on 23-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Airalli Gowda
 Hutchayya
 K. Shivanna,
 Ss/o· Shri Kale Gowda
 Nandanahally Kasaba Hobli,
 Mysore Taluk.

(Transferor)

(2) Rev Sr. Moni, Sccretary of the Society of Wrsaline, Sisters of Somasea Residing at Angela Merici D. No. 4377, 11th Cross, St., Mary's Road N.R. Mohalla, Mysore-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 519/83-84

dated 23-6-83)

All that property bearing Sy. Nos. 40, 41/2 & 41/3 situated at Nandanahally village, Kasaba Hobli, Mysore Taluk.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely:—

Dato: 4-1-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 0001

Bangalore-560 001, the 26th December 1983

C. No. 62/38733/83-84/ACQ/E.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

2729, situated at Bangalore Ooty Road,

Lashkar Mohaila, Mysore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the registering officer at Mysore City on 16-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Kamla Ramanna & others, No. 2729, Church Road, Mysore.

(Transferor)

 Shri Machingal Mohammed, Machingal House, Omachapurza, Thirur Tq. Mallapuram Distt.
 Kerala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned:—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1616/83-84 dated 16-7-83)
Property bearing No. 2729, situated at Bangalore Ooty
Road, Lashkar Mohalla, Mysore.

MANIU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Banglaore-560 001.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 0001

Bangalore-560 001, the 26th December 1983

C.R. No. 62/38188/83-84/ACQ/B.—Whereas, J. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No.

No. 12 (old No. 10A) situated at Magrath Road, Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Shivajinagar on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Flowrence L. Raitt,
 No. 12 (old No. 10A), Magrath Road,
 Bangalore-25,
 rcpd. by Peter J. Phillip,
 Berliest. Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Shri R. P. Dauid, Yercand, Salem Distt. C/o. N. S. Motar Transport, Omalur Road, Salem-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 222/83-84 dated May, 83). Property bearing No. 12 (Old No. 10A), situated at Magrath Road, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore-560 001.

Date: 26-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. Gawramma & others. No. 2, 13th Cross Road, Margosa Road, Malleswaram. Bangalore-3.

(Transferor)

(2) Shri N. Muralidhar and Smt. N. Meenakshi, No. 24, West Link Road, Malleswaram, Bangalore-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 29th December 1983

C.R. No. 62/39438/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 2 (old No. 164 & 202) situated at 13th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Gandhinagar in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-127 Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exelanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 141/83-84 dated May, 83).

Property bearing No. 2, old No. 164 & 202, situated at 13th Cross, Malleswaram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-12-83

fruit !

FORM ITNE--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 20th December 1983

C.R. No. 62/38782/83-84/ACQ/B.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 49, and situated at VI Block, Thonachikoppal Extn.

Saruswattipuram, Chamaraja, Mohalla Mysore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16. of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mysore in 15-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) R. L. Anantharanuaiah No. 49, 6th Block, T. K. Extension Saraswathiputam, Mysore.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Saliana No. 10. Bannimantap Extn. Mandi Mohalla, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 602/83-84 dated 15-5-83) All that property bearing No. 49, situate dat VI Block, Thouachikoppal Exto Saraswathipuram, Chamaraj-Mohalla, Mysore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 20-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 5th January 1984

C.R. No. 62/38844/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Rs. 25,000/- and bearing
No. 641 situated at Millers Road, Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhinagar on 30-5-1983
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Vummidiars (Mfrs) Pvt. Ltd. No. A7 & 8 Industrial Estate, Guindy, Madras.

(Transferor)

(2) M/s. Farah Builders Pvt. Itd. No. 83. Mahatma Gandhi Road, Bangalore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 678/83-84

dated 30-5-831

All that property bearign No. 64/1 situated at Millers Road Bangalore.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-1-1984

67-446GI/83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd January 1984

C.R. No. 62/39732/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable stoperty having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 34, situated at Binnamangala II Stage, Indiranagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivapinagar in June 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the soid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri K. S. Narayana Rao No. 45 Chaya' II Main Road, Yadavagiri, Mysore-20.

(Transferor)

(2) Dr. C. Sandill & Smt. Spyama Sandill No. 5. Basappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

(Registered Document No. 558/83-84 dated June 83)
All that property bearing No. 34 situated at Binnamangala
II stage, Indiranagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th January 1984

C.R. No. 62/38843/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 situated at Kuber House Building Co-op Society Gangenahalli Extn. Bangalore-560 024 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gundhinagair in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parr ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri S. N. Dyave Gowda No. 45 State Bank, Employees Colony, Anandanagar Hebbal, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri B. T. Chaniah, Coffee Planter "Bharath-Estate", Somwarpet, Coorg District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 653/83-84 dated May 83)

All that property bearing No. 5 situated at Sree Kuber House Building Co-op. Society Ltd., Gangenahalli Extn. Bangalore-24,

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 5-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. S. Rangamma, No. 10, Sriramamandiram Road, Basayangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri K. Hemanth Rao. Sri Sumant Krishnan No. 328, 6th A Cross, 9th Main 5th Block, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 2nd January 1984

C.R. No. 62/38826/83-84/ACQ/B.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. 214 situated at VI Main, IV Block,

Jayanagar, Bangalore-560011

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transfer under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering office at Jayanagar on 30-5-1983 office of the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 754/83-84 dated 30-5-83) All that property bearing No. 214, situated at 6th Main, 4th Block, Jayanagar, Bangalere-11.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-1-1984

(1) Shrimati M. N. Bhagyam No. 2, Wes, Park Road, Malleswaram, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. S. Constructions (Projects). 103, I floor, 18th Cross, Shashikiran, Malleswaram, Bangalore-3.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transiero)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAY

SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd January 1984

C.R. No. 62/38415/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, (Middle portion) situated at West park Road, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 15-5-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette period of 30 days from the service of noti e respective persons, whichever period expires

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXE_NATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 518/83-84 Dated 15-5-83] All that property bearing No. 2 (Middle portion) situated at West Park Road, Malleswaram, Bangalore-3.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 3-1-84

 Shrimati Salma Mohamed Janu No. 48/3, Marappa Block, Munireddy palyer, Bangalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SÉCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Syed Attricfulla No. 1 & 2, M. M. Road, Bangalore-5.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 3rd January 1984

C.R. No. 39599/83-84 O/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN the pacting Assistant Commissioner of income-Tax, Acquising tange, Bangalore being the Competent Act, 1961 (47 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. 4 (Portion) situated at Davis Road, Richards Town, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar under document No. 1198/83-84 on 9-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1198/83-84 Dated 9-5-83] All that property bearing No. 4 (Portion), old No. 7 situated at Davis Road, division No. 48 Richards Town, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of thaforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3:1-84 Scal:

3Ca1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 4th January 1984

C.R. No. 62/39688/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 99/D/14 in S. No. 31 & 32 situated at 1 Main Road, Mount Joy Extension Hanumanthanagar, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weatlh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kamala D/o Krishmachar, Krishnarajendra Road, Basavangudi, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri K. Ravindra Kumar S/o A. Krishnan No. 154, III Main Road, Chaniarajpet, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 852/83-84 Dated May 83]
All that property (Portion) bearing No. 99/D/14 in S. No. 31 & 32 situated at I Main road, Mount Joy Extension Hanumanthanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Bangalore, the 4th January 1984

C.R. No. 62/39689/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 99/D.14 on S. No. 31 & 32 situated at I Main Road, Mount Joy Extension, Hanumanthanagar, Bangalore, and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Basavangudi on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Kamala D/o Krishnachar, No. 10, Krishna Rajendra Road, Basavangudi, Bangalore.

(Transferor)

 Shrimati Saraswathi Krishnan, w/o A. Krishnan,
 HII Main Road, Chamarajpet, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 853/83-84 Dated May 83] All that property bearing No. 99/D/14 in S. No. 31 & 32, situated at I Main Road, Mount Joy Extension, Hanumanthanagar, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 4-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 2nd January 1984

C.R. No. 62/38829/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistan Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 588/30, situated at I Main, 44th Cross, VIII Block, Jayanagur, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jayanagar under document No. 768/83-84 on 15-6-1983

Jayanagar under document No. 768/83-84 on 15-6-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

68--446GI/83

 Shri N. Srinivasa Reddy & S. Mukund, No. 588/30, 44th C.oss, I Main Road, 8th Block, Jayanagar, Bangajore-11.

(Transferor)

(2) Shri S. V. R. Sastry, 66, 23rd Cross, III Block, East, Jayanagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 768/83-84 Dated 15-6-83] All that property bearing No. 588/30 situated at I Main, 44th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore.

MANIU MADHAVAN
Competen Authority
Inspecting Assistant Commission r of Incometax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-1-84

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 6th January 1984

C.R. No. 62/39622/83-84/ACQ/B.-Whereas, 1 MANJU MADHAVAN, In pecting Assistan Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafer referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 491, situated at Avenue Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registe ation Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 350/83-84 on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties was not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesnid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shr. N. Manjunath Nos. 33 & 34, Bugal Rock Road, Kalappa Block, Basavangudi, Bangalore-560004.

(Transferor)

 Shri C. R. Shivakumar
 Sri C. R. Mohankumar
 Shri C. R. Prashanth Kumar
 A. K. R. Road, Basavangudi, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 350/83-84 Dated 2-5-83] * share in p operty bearing No. 491 situated at Avenuc Road, Bangalore-2.

MANJU MADHAVAN
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commission r of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-1-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 6th January 1984

C.R. No. 62/39623/83-84/ACQ/B.—Whereas, I MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistan. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 491, situated at Avenue Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 353,83-84 on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195/ (27 of 1957);

 Sbri N. Badarinarayan Nos. 33 & 34 Bugal Rock Road, Kalappa Block, basavangudi, Bangalore-4.

(Transferor)

 1, Shri C. R. Shivakuma
 2, Sri C. R. Mohan Kumar
 3, Sri C. R. Pra hanth Kumar, No. 4 K. R. Road, Basavangudi, Bangalore-560004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 3 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 353/83-84 Dated 2-5-83] 3 shure in the proper y bearing No. 491 situated at Avenue Road, Division No. 17 Hangulore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 6th January 1984

C.R. No. 62/39624/83-84/ACQ/B.-Whereas, 1 MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistan. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 491, situated at Avenue roud, Bangalore-560 002 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offic r at Gandhinagar under document No. 352/83-84 on 2-5 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. N. Hemachandra, Nos. 33 & 34, Bugal rock road, Kalappa Block, Basavangudi, Bangalore-560004.

(Transferor)

 Shri C. R. Shivakumar
 Sri C. R. Mohan Kumar
 Chi. C. R. Pra hanth Kumar
 No. 4, K. R. read, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 352/83-84 Dated 2-5-83] 4 share in the property bearing No. 491 signated at Avenue food, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-1-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 6th January 1984

C.R. No. 62/39625/83-84/ACQ/B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, In-pecting Assistant Commissioner of income-1ax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. 491 (4th share) situated at Avenue road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar under document No. 351/83-84 on 2-5-1983 for an apparent consideration which is less than the fir market value of the aforesaid property, and I have re son to believe that the fair market value of the po crty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitlate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri K. N. Mahesh, Nos. 33 & 34 Bugal rock road Kalappa Block, Basavangudi, Bangalore-560004.

(Transferor)

1, Shri C. R. Shiva Kumar
 Sri C. R. Monan Kumar
 Chi, C. R. Parshan h Kumar
 No. 4, K. R. road, Basavangedi, Bangalore-4.
 (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be nade in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are 'defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 351/83-84 Dated 2-5-1983] \$\frac{1}{2}\$ share of the ploperty bearing No. 491 situated at division No. 17 Avenue road, Bangalore-560002.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-1-1984

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Prema, 24, I Cross St Ramakiishna iyaga, iyaaras-28.

(Transferor)

(2) T. Varalakshmi, 104, GN Chetty Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st December 1983

Ref. No. 18491.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/-and bearing

No. RS 4237/40 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 630/83) on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorgable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS 4237/40 Madras. (Doc. 630/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-II
Madras-600 006

Date: 1-12-83

 \$. Arumugam, 8, Ellaimmankoil St. Madras-33.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) S. Sundaravalli 3, Madiey First St. Madras-17.

(Fransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 1st December 1983

Ret. No. 18495.—Whereas, I, R. P. PILLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refe red to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fuir market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Madras situated at

"(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Alandur (Doc. 1588/83) on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monkeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein os are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building at Madras. (Doc. 1588/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Ircome-tyx
Acquisition Range-II
Mad, as-600 006

Date: 1-12-83

· FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. C. Srceramulu Chetty 37, Ramanuja Iyer St Madras-21,

(Transferòr)

(2) Tam'lnadu A.G.'s office Staff Co-op. Building Society 261, Anna Salai, Madras-18.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II. MADRAS-600-006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18497.—Whereas, 1 R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Madipakkam situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of of the Registering Officer at:

Alandur (Doc. 1715/83) on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) faciliting the concentment of any income or any moneys or other astets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Madipakkam. (Doc? 1715/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Incomedax
Acquisition Range-1
Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soled Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-83

FURM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R. Jayaraman, 9, 5th Main Road, Madras-28

(Transferor)

(2) T. K. Viswanathan, 2, Gopalapuram, 6th Street Madras-86

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18489.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 263B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and

bearing No. 2, Bheemanna Mudali Garden Street situated at Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Mylapore (Doc. 678/83) on May 1983.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937) 1/

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

69-446GI/83

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at 2, Bheemanna Mudali Garden Street, Madras-18. (Dec. 678/83)

> R. P. P.ILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 1-12-1983. Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1983

Ref. No. 12914.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

S. No. 384/2, 384/4,/384,/5, situated at Podanur, Road, Kyruchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Coimbatore (Doc. 1990/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Paraschand Ranka,5, Chandrappa Mudali StreetSowcarpet, Madras-1

(Transferor)

(2) Mahaveer Chand Ranka, 14/17, Mill Road, Coimbatore-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 384/2, 384/4, 384/5, Kurichi. (Doc. 1990/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1983.

(1) N. M. Srinivasan Chettiar, 17/43, NH Road, Coimbatore

(Transferor)

INSTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. S. Narasimhan, Saroja Narasimhan 102/B, Devis Delis, Appaju New Lines, Ooty Nilgiris.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madres-600 006, the 5th December 1983

Ref. No. 12805 .- Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
GS No. 194/1, 194/2, situated at Kurichi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the Office of the Registering
Officer at Coimbatore (Doc. 2312/83) on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration interestor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 194/1, 194/2, Kurichi. (Doc. 2312/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) JKI Stone ndustries (P) Ltd. 48, Vanguard House, II Line Beach,

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferor)

(2) LVR and Dong In Stone (P) Ltd. 2, Thatha Muthiappan Street Madras-1

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1983

Ref. No. 12788.-Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
S. No. 55/1, Egattur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Thiruporur on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appairnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land and building at S. No. 55/1, Egattur (Doc.677/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in purchase of course accept Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 13016 .-- Whereas, I,

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1,2,3, Kongalamnian Koil Street situated at

E: ode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office, at Errole (Doc. 1619/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) EKMA. Saliya Bibi, MSAM Raihanma Bibi, MSAM Dhardha Bibi, MSAM Aribama, MSAM Faridama, Kaspa Brahmin Big Agraharam, Erode

(Transferor)

(2) K. Murugesan, K. Subramani,
 P. Thilagar, P. Vijayakumar, 35,
 Chinnamuthu St., Edayankattuvalasu,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 1,2,3, Kongalamman Koil St., Erode (Doc.1619/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II. Madras-600 006

Date: 1-12-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

48, Sathiyamurthy Road, Ramnagar, Coimbatore-9

(1) S. Krishnan,

(Transferor)

(2) M. Ramesh, Mathi Ammal, 7, Sivananda Colony, Coimbatore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 13046.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the ancome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and

bearing No. TS 56/2A2, Sanganur situated at (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Gandhipuram (Doc. 1971/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at TS 56/2A2, Sanganur. (Doc. 1971/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-1983.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R. Jagadeesan, J. Rajagopal, Yegneswaran, 21, P.K Mutt Road, Madras-4

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M. Karuppaswami, 14, Sreeman Srinivasan Road, Madras-18

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, MADEAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18583.—Whereas, I, R. P. PHLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

RS No. 205/3, Thinuvanniyur situated at said more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 1441/83) on May, 1983

for an attracent consideration which is less than the fain

for an apprient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land in RS. No. 205/3, Thiruvanmiyur (Doc. 1441/83).

R. P. PILLAT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18759.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 7, situated at Kotturpuram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Adyar (Doc. 1203/83) in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) R. Balasubramanian, 16, Molony Road, Madras-17

(Transferor)

(2) J. Parthasarathy, 24, Ramanujam St., Madras-17

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7, Ketturputara (Doc. 1203/83)

R. P. PIL. Competent Autho Inspecting Assistant Commissioner of Income-ua. Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 1-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1983

Ref. No. 12910.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS 1828/8, situated at Souripalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering
Office at Coimbatore (Doc. 2041/83) in May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby infitinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 70-446GI/83

(1) Saraswathi Ammai, 71B, Park Road, Dharapuram, Periyar Dt.

(Transferor)

(2) P. Soundararajan,

4. Krishnaswamy Nagar, Coimbatore-45

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 1828/8, Souripalayam. (Doc. 2041/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 5-12-1983. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref .No. 18758.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

19, Temple Avenue, Srinagar situated bt Colony, Madras

Colony, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 1206/83) in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Janaki Lehanathan 19, Temple Avenue Srinagar Colony, Sallapet, Madias

(Transferor)

(2) Dr. Polachirakal Verkey Abraham, Mrs. Sarah Abraham, Polachirakal Cherinad, Alaramanuram Mavelikkara Kerala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19, Temple Avenue, Srinagar Colony, Saidapet, Madras (Doc. 1206/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

he said of the sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-12-1983.

/ (1) Robert Barton-wright and Mrs. Dorothy Parton-Wright, North Lake Road, Ooty, Nilgiris,

(Transferor)

(2) Voltas Ltd. 19, J. N. Heredia Marg, Ballard Estate, Bombay-400 038.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION.RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006; the 12th December 1983

Ref. No. 13000.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

RS No. 3064/1A1A, 1B1A, situated at Ooty

RS No. 3064/1A1A, 1B1A, situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office at Ooty (Doc. 377/83) on May 1983

of 1908) in the Office of the registering office at
Ooty (Doc. 377/83) on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 3036/1A1A, 3063/1B1A, Ooty. (Doc. 377/83)

R. P. PII
Competent Auth
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-83

George John Nellimala,
 Aaryes St, Selaiyur, Madras-73.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) KGT Gurulingam, 46, Main Road Madipakkam, Madras-91. (1ransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 6th December 1983

Ref. No. 18823.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
S. N. 102/Koilancherry situated Koilancherry

S. N. 102/Kollancherry situated Kollancherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Tambaram (Doc. 4697/83)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 102 Kollancherry. (Doc. 4697/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-83

 Meco Builders, 83A, Anna Salai, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) C. N. Basha, 3, Shanmugham Chetty St., Panruti (SA Dt.)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd December 1983

Ref. No. 18492.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11/A7, Anna Salai, Madras situated at Anna Salai (and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 368/83) on May 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 11/A7, Anna Salai, Madras. (Doc. 368/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 2-12-1983

 S. Ranganayaki,
 IV Main Road, Gandhinagar, Madras-20.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Sasidhara Prabhu.
MIG Flat 12,
II Avenue, Adyar Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No.\18764.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') hav reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20, S. No. 9, situated at Kottur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Romantian Act, 1938 (16 of 1908) in the office of the Registrian Contex at Adyar (Doc. 1031/83) in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); may be made in writing to the undersigned:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 5. No. 3, Kouur. (Doc, 1031/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600,006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-1983

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 13047.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30A, Ansari St., Udumalpet situated at Udumalpet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet (Doc. 975/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sad? Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

V. Jayaraman,
 Subramania Nagar
 Socramangalam, Salem.

(Transferor)

(2) Khaleel Ramman Rowther, Mahmudha Bibi, Sakthi Automobiles, Meenchanda, Calicut, Kerala,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lord and building at 30A, Ansari St., Udumalpe (1966, 975/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 005.

Date: 1-12-83

(1) A. Subramanian S/o Alaguppa Gr. Mahelingaputane, Truppur.

(Transferor)

(2) R. Varadarajan, 15A, Muthugoundan Pudur II St. Tiruppur-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 005, the 2nd December 1983

Ref. No. 13045.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

140/9, Kamaraj Road situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 768/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 140/9, Kamaraj Road, Tiruppur. (Doc. 768/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 2-12-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Ganesh Savithri,
 19, 12th Cross St., Indira Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Mohammed, 15, Crescent Park St., Gandhi Nagar, Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18756.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS. No. 9/1, Untur situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. 1334/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the sald Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 9/1, Urur. (Doc. 1334/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-11.
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (

Date: 1-12-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Mrs. Saraswathi,
 19, 12th Cross St. Indira Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri N. K. Aboobakar 15, Crescent Park Road, Gandbinagar, Madras-20.

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18756.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 9/1, Urur situated at Urur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Advar (Doc. 1336/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 9/1, Urur. (Doc. 1336/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 1-12-83

Scal:

(1) Triloknath, 19, 12th Cross St., Indiranagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) T. P. Nissar, T. P. Hancel, 15, Crescent Park II St., Gandhinagar, Madras-20.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18756.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 9/1, Urur situated at Urur
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Adyar (Doc. 1335/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 9/1, Urur. (Doc. 1335/83)

> R. P. PILLAI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range-11, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 1-12-83

(1) Saroja Bai, 6. Venkatachala Chetty, St., Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

K. Geethanath,
 Venkatammal Samadhi St.,
 Madros-7.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 2nd December 1983

Ref. No. 18585.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R... 25,000/- and bearing No.

S. No. 195/13 Plot No. 3-B situated at Saidapet Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras South (Doc. 1455/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 3B S. No. 195/13, Saidapet Ik.
(Doc. 1455/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II.
Madras-600 006.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 2-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE - INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18810.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 154/2A Mogappair situated at Mogappair (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambattur (Doc. 2300/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the croperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) P. Sivaprakasam, 233, Padi Raj St. Madras-60,

(Transferor)

(2) S. Venkoteswaram, 255/7, HIG, 7th Avenue, West Anna Nagar, Madras-101.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 154/2A, Mogappair. (Doc. 2300/83)

R. P. PILLA!
Competent Authority
Inspecting Lessistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date: 1-12-83

FORM I.T.N.S .---

(1) Ragho Bhall Rao, G. Mohan Rao, 16, II Main Road, CIT Colony,

(Transferor)

Madras-4.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bharath N. Doshi, 91, Wall Tax Road, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18760.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 320/2, situated at Kottivakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 1167/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 320/2, Kottivakkam, (Doc. 1167/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II.
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-83

(1) Rejesh Enterprises, 834, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) S. Yogesh, S. Sukesh, Rep. by L. Suresh, 26, Thirumurthy St., Madras-17.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18493.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 834, Anna Salai, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Triplicane (Doc. 354/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objection, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

I and at 834, Anna Salai, Madras. (Doc. 354/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date :1-12-83 Scal :

FORM ITNS ---

(1) Mahalakshmi Chambers, 601, Mount Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sanco Estates & Farms (P) Ltd., 90, Moore St., Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18580.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33, Devasigamani Mudaliar situated at Road, Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on April, 1983 Madras South (Doc. 1377/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 33, Devasigamani Mudaliar Road, Madras-14. (Doc. 1377/83).

R. P. PILLAl
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Mixtras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 13048.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 192, Rangey Gowder St., situated at Coimbatore-1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 3067/83) on July 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—
72—446GI/83

(1) B. Selvaraj, 192, Rangey Gowder St., Combatore.

(Transferor)

K. S. Muthukali Chettiar,
 12th Cross, 6th Main Road,
 Malleswaram, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 192, Rangey Gowder St., Coimbatore.
(Doc. 3067/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-12-83 Seal;

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18232.—Whereas I, R, P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 1558, 1577/1, Krishnaswamy situated at Garden, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 450/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair tracket value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitation the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth —— Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

(1) P. Vijayakumar, 54-1-4A, Jaganasikpur, Kakinada, A.P.

(Transferor)

(2) R. V. Sekhar, 81, Luz Church Road, Madros-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS 1558, 1577/1, Krishnaswamy Garden, Madras-18. (Doc. 450/83).

R. P. PILLAI
Component Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 1-12-83 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 12905.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

28/164B, Co-operative Colony situated at Hospital Road, Valparai 642 127

(and more fully described in the Schedule annexed hereto., has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Anamalai (Doc. 125/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) D. Seethalakshmi, Anandbagh, Hospital Road, Valparai-642 127.
- (2) Manual Thangaraj, Lilly Thangaraj 68, Annamalai Pillai St., Erode-2, Periyar Dt.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 28/164B, Co-operative Colony, Hospital Road, Valparai 642 127.

(Doc. 125/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 1-12-83 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18343.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 25,000/- and bearing No.

52, Chitrakulam North St., situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 618, 619/83) on May 1983

mylapore (Doc. 618, 619/63) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) D. Pattammal, 52, Chitrakulam North St., Madras-4.

Madras-4.

(2) R. Meerakshi, 60. Chitrakulam North St., Madras-4. K. Kumudavalli, 58, Solaippa Mudali St.,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share in Land at 52, Chitrakulam North St., Madras-4.

(Doc. 618, 619/83).

R, P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-12-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18811.—Whereas, I, R. P. Pillal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kommampakkam, Bahur, Pondy situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pondy (Doc. 1500, 1501/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Arul Devadoss Gandhi Armel & Vennasi, Arul Armel Maria Eziline, 51, Ranga Pillai St., Pondy.

(Transferor)

N. Mohamed, Director, Pondy Leather Industries
 (P) Ltd. Pillayarkuppam, Pondy.
 K. P. Abdulla, Director, Francoise Leather Industries, Pillayarkuppam, Pondy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 165, Kommampakkam, Bahur. (Doc. 1500, 1501/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date :1-12-83 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 14th December 1983

Ref. No. 18766.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 230/3, 224/4, situated at Kottivakkam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 1406 to 1408/83) on May 1983

for an apparent 'consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

(1) Savithri, Kuppuswamy, 403C, Kottivakkam, Madras.

(Transferor,

 P. Balasubramanian, B. Aruna, B. Rajesh, 24, III St., RH Road, Madras-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 230/3, 224/4, Kottivakkam. (Doc. 1406 to 1408/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 14-12-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd December 1983

Ref. No. 18776.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

M. C. Road, Shastrinagar, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet (Doc. 913, 914/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

Sandaper (Doc. 913, 914/83) on May 1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to be ever that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Vasanthi Subramanian, 146, Luz Church Road, Madras 4.

(Transferor)

(2) Natesan Kalyana Raman, H 112, Flat No. 10, 18th Cross St., Besant Nagar, Madras-90. K. E. Narasimhan, L118, 11th West St., Kamaraj Nagar, Madras-41.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at M. C. Road, Shastri Nagar, Madras. (Doc. 913/83 and 914/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-12-83

IOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18482.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. RS 1585 Mylapore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 670, 671/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) C. Manmohan Reddy, C. Ramalinga Reddy, C. Rammanohar Reddy, 38, Bishop Garden Avenue, Madras-28.
- (2) Narahari Reddy, Usha Reddy, 14, Commander-in-chief Road, Madras-8. (Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS. No. 1585/1, Mylapore. (Doc. 670, 671/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-12-83

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 10328.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, situated at Bakthapuri, Kumbakonam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Doc. 970, 971/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:——
73—446GI/83

(1) R. Krishnasmamy, R. Buvaneswari, R. Revathi, 43, Bakthapuri St., Kumbakenam. (Transferor)

(2) Mumtaz Bivi w/o N. Tazuddin, Muslim St., Chikkalnaickenpet, Thiruvidaimarudur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 43, Bakthapuri, Kumbakonam. (Doc. 970, 971/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 1-12-83 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18230.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 8, situated at Kasturi St., Madras-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering office at Thousandlights on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gopichand Idandas, Gordhaindas Idandas, 10, George Avenue, Madras-18.

(Transferor)

(2) R. Chandrashekar, 293, Mowbrays Road, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 8, Kasturi St., Madras-86. (Doc. 424/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date :1-12-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Madras-18,

(2) S. Jaffer, 11/6, Hayes Road, Bangalore-25.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later:

G. Hareshchand, 10, George Avenue

(1) Sh. Göpichand Idandas, Gordhandas Idandas.

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Ref. No. 18230 .- Whereas, J, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 186, Lloyds Road, situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

at Thousandlights (Doc. 412/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tradeferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 186, Lloyds Road, Madras. (Doc. 412/83).

> R. P. PILLA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-12-83

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1983

Ref. No. 12933.-Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 169, Kumaran St., situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. 1397/83) on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer winth object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following cersons, namely:—

(1) K. Indirani, Balaji, 24E, Udamalai Road, Dharapuram, Periyar.

(Transferor)

(2) P. Abraham, A. Sakuntala, 5, Vellayammal Lay Out, Uthukadu Road, Pollachi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 169, Kumaran St., Pollachi. (Doc. 1397/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Madras-600 006.

Date: 3-12-1983

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1983

Ref. No. 10341.—Whereas, 1, R. P. PILLAI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 132, Thangaraj Nagar situated at Thiruppapuliyur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc., 880/83), on June 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that, the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) B. Lakshmi Ammal, 81, Subburaya Chetty St., Thiruppapuliyur, Cuddalore-2.

(Transferor)

(2) A. Ganesan, 36, Bharathi Road, Cuddalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 132, Thangaraj Nagar, Thiruppapuliyur Cuddalore. (Doc. No. 883/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madras-600 006.

Date: 3-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 1st December 1983

Rcf, No. 18230.—Whereas, I, R. P. PILLAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. RS 1570/15, 1973/20 situated at Kasturi St., Madras-86. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 425, 426/83) on May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Gopichand Idandas, Gordhandas Idandas, G. Hareshchand, 10, George Avenue Madras-18.

(Transferor)

(2) G. K. Wassan, Meona Wassan,
 59, Lloyds Road, Madras-14.
 P. R. Chandrana, 128, V. M. St.,
 Royapettah High Road, Madras-14.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at RS Nos. 4570/15, 1573/20, Kasturi St., Madras-86. (Doc. 425, 426/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Madras-600 006.

Date: 1-12-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 28th December 1983

Rcf. No. 52/May/83.—Whereas, I.R. P. PILLAI being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Vilpatti Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Kodaikanai (Doc. No. 202/83 to 204/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Gigimal Kuriakose W/o Sri K. C. Kuriakose Pallangi, Kodaikanal.

(Transferor)

(2) Sri A. Kabireal
Sti A. Peter
Sri A. Rusaia
Sons of Sri Amirtham
Attuvampatti Village
Kodaikanal Madurai Di,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vilpatti Village, Kodaikanal, Madurai Dt. (Doc. No. 202/82 to 204/83)

R. P. PILLAI
Competent *Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, 1/C
Madrus-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1983

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 2nd September 1983

Ref. No. 18231,---Whereas, f R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. S. No. 547/A, Sterling Road, situated at Madvas-34

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at Thousandlights (Doc. 447/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Moher Singh Hasa Singh Chandani Doulat Gobird Singh Chandani Lakshmi Bai Luthria, J. New Avadi Road, Madras-10.

(Transferor)

(2) Vinod Bhatla, 138A, St. Mary's Road, Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land at S. No. 547/A, Sterling Road, Madras-34. (Doc. 447/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 2-9-83

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 28th December 1983

Ref. No. 53/May/83.—Whereas, J. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. -- situated at Thandikkudi Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodaikkanal (Doc. Nos. 206/83 to 213/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issued of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
74—446GI/83

(1) Smt. Kamatchi Ammal alias Pappathiammal

Sri Kandaswamy Pillai Sri K. Hariharan

Sri T. Purushothaman

Sri V. P. Thangovel Pillai

Sii Shnmugam Smt. Pakyalakshmi

Thandikkudi Village, Madurai Dt.

(Transferor)

(2) Sri R. Vijayaragunatha Thondaiman S/o Sri Ramachandra Thondaiman Kodaikanal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in movable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thandikudi village, Kodaikanal (Doc. No. 206/83 to 213/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Bange-I, I/C
Madras-600 006

Date: 28-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

· COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th December 1983

Ref. No. 60/May/83.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. 1447, situated at Vannarpettai, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at
Madras North-II, (Doc. No. 1850/83 on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration * therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Manjula Ammal, W/o Devarajan, Nallappa Vathiyar Street, Vannarpettai, Madras-21.

(Transferor)

(2) Rajalakshmi Ammal. W/o Subburaman, 7, Venkatachala Naicken Street, Royapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at R.S. No. 1447, Vannarpettai, Madras. Doc. No. 1850/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, I/C Madras-600 006

Date: 12-12-1983.

 M. S. Ganesa Nudar & Others, 543, T.H. Road, Madras-21.

(Transferor)

(2) M. S. K. Nagarajan, 12, G.A. Road, 4th Street, Madras-21.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 12th December 1983

Ref. No. 63/May/83.—Whereas, I R.P.PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 543, situated at T. H. Road, Old Washermanpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

No. 543, situated at T. H. Road, Old Washermanpet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras. (Doc. No. 764/83) on May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. building at No. 543, T.H. Road, Old Washermannet, Madras. Doc. No. 764/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, I/C
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1933.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Mndras, the 12th December 1983

Ref. No. 68/May/83.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 654, situated at T.H. Road, Madras-81 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Royapuram, Madras. (Doc. No. 858/83) on May 1983, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. P. K. Dharmarajan, 28, Appasamy Thottam, Madras-600 021.

(Trafseror)

(2) Master R. Murugavel, Master K. Chandru, Master J. Soundarapandian, 95, G. A. Road, Madras-600 021,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at No. 654, T.H. Road, Madras-21. Dec. No. 858/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, I/C
Madras-600 006

Date: 12-12-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 73/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 31 & 31/2, situated at Ritherdon Road, Verery, Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North-I, (Doc. No. 1976/83) on May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Sheela Devi, W/o Mr. Shyamlal, No. 1, Brethept Road, Vepery, Madras-7.

(Transferor)

Mis. Usha Bagaria,
 W/o Mi. Ghanshyam Bagaria,
 Hunters Road,
 Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 31 & 31/2, Ritherdon Road, Vepery, Madras-7.
(Doc. No. 1976/83)

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M. S. Srimivasalu & Others, 129, Varadamuthiappan Street, George Town, Madras.

(Transferor)

(2) P. M. Deivasigamany Chetty, 19, Nainiappan Street, George Town, Madras.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 84/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 129, situated at Varadamuthiappan Street,

George Town, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the
registering Officer at
Sowcarpet, Madras (Doc. No. 240/83) on May 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at No. 129, Varadamuthiappan Street, George Town, Madras. (Doc. No. 240/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said . Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 12-12-1983

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 88/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 55, situated at Audiappa Naicken Street, Madras-I, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madras (Doc. No. 216/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M1. V. U. Parasurama Chetty, S/o Vaithi Chetty, C. V. Aramudhan, S/o C. V. Varadachari, 21, Vinayaka Maistry Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Mis. B. Madanial Jain, S/o Bhmrajji Jain, Mrs. Maina Bai, 57, Erullappan Street, Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. New No. 55, Audiappa Naicken Street, Madras-1, (Doc. No. 216/83)

R. P. PHLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

P. Gnanasundaram, Ruthrakoti, P. G. Shanmugham, Kumarappa Mudali Street, George Town, Madras.

(Transferor)

(2) V. Ramanathan, 14, Kumarappa Mudali Street, George Town, Madras.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I

MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 89/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act"), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

No. 14, situated at Kumarappa Mudali Street,

George Town, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet, Madrus (Doc. No. 218/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 14, Kumarappa Mudali Street, George Town, Madras. (Doc. No. 218/83)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-12-1983

FORM I.T.N.S.--

Smt. Subhashini,
 Saravanaperumal Mudali Street,
 Purasavakkam, Madras-84.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Babiola Rodrigo,
 19, 4th Street, Railway Colony,
 Aminjikarai, Madras-29.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 106/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 240, situated at Kilpauk, Garden Road, Madras-10 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at

Pariamet, Madras (Doc. No. 517 & 524/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or THE SCHEDULE

Land and building at 240, Kilpauk Garden Road, Madras-10, (Doc. No 517& 524/83)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
75—446GI/83

Date : . 12-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 121/May/83.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 39, situated at Mookathal Street, Madras-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 503/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heavy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) L. Ramesh, 39. Mookathal Street, Madras-7.

(2) Mrs. Jayanthi Antony Isidore, 49, Sterling Road, Nungambakkam, Madras-34. (Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 39, Mookathal Street, Madrast 7.
(Doc. No. 503/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D1 OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Rajapattur,
 73, Panchali Amman Koil Street,
 Madras-29.

(Transferor)

(2) Shri Belia Raju Isidore, 49, Sterling Road, Mungambakkam, Madras-34.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 122/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39, situated at Egmore High Road, Madras-8, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet, Madras (Doc. No. 564/83),

in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 39, Egmore High Road, Madras-8, Doc. No. 564/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (1/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-12-1983

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D1 OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 124/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Plot No. 2651, situated at Naduvakkarai village, Annanagar, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar, Madras (Doc. No. 416/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Kamala,
 W/o Shri Vissumal Chawla,
 5-A, Ganapathy Colony,
 2nd Street,
 Gopalapuram,
 Madras-86.

(Transferor)

(2) Shri N. Devarajan, S/o B. Narayanasamy, AL. 80, 4th Cross Street, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant Land at Plot No. 2651, Naduvakarai village Annanagar, Madras-40. Doc. No. 416/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Date : 12-12-1983 Scal :

oca:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 125/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 2698 of the Prome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Plot No. 371, situated at Villivakkam village, Annanagar, Madras-101

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar, Madras (Doc. No. 1755/83), in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri M. Sadasiva Reddy, 11, Raja Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Shri Molakala Tulasamma, Penagalur, Rajampet T.K., Cudappan Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 371, Villivakkam village, Annanagar, Madras-101. Doc. No. 1755/83)

> R. P. PILLAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (i/c) Madras-600 006

Date: 12-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 10/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 17, College Hostel Road, situated at Gandhi Nagar, Namakkal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Uamakkal (Doc. No. 365/83),

in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri K. Parthiban, S/o Shri Kuppana Gounder, 158, Salem Road, Namakkal.

(Transferor)

(2) Shri T. Ponnusamy Gounder, S/o Shri Deva Gounder, Perumapalayam, Muthugapatti village, Namakkal T. K. Salem Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 17, College Hostel Road, Gandhi Nagar, Namakkal. Doc. No. 365/83)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, (i/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

FORM LT.N.S.-

T. K. Ranganatham Pillai,
 R. Srinivasan, R. Sankarbabu,
 R. Murali, S. Gulasekaram Pillai,
 262, Advaith Assiraman Road, Alagapuram,
 Salem T.K.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983

Ref. No. 22/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Block No. 3, Ward No. T, situated at Ariseepalayam, Salem

Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem-III (Doc. No. 575/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) K. P. Ramasamy Chettiar, R. Muthuveeran Chettiar, M. Venkatachalapathy, M. Ramasamy, 216, K. K. V. Compound, Ariseepalayam, Salem Town,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Block No. 3, Ward No. T, Arisee-palayam, Salem Town. Doc No. 575/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. (i/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

P. I. Ram, S/o Lakshmanaiyer, Tholuvar Nandavanam Street, South Somapuri Agaharam, Salem Town,

(Transferor)

(2) S. Subbaiah, S/o Sampatham Chettiar, 7, Trighy Main Road, Salem Town,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th December 1983 Ref. No. 27/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovably property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

and bearing Block No. 22, Ward No. 'C', situated at Komarapalayam village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Saliem-I (Doc. No. 1011/83) in May 1983

Saliem-I (Doc. No. 1011/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Block No. 22, Ward No. 'C', Komarapalayam villagt, Salem Town, Doc. No. 1011/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 12-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFINCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th January 1984

Ref. No. 93/May/83.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 115/1, situated at Sivagirinatty village, Palani T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Pacistering Officer at Palani-I (Doc. No. 510 to 512/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—446 GI/83

(1) Jalaram Theatre,
Proprietors,
P. G. Nagusamy Naidu,
V. Narayanasamy,
V. Rajaram, I.T.O. Giriraju,
K. Narayanasamy, S/o Konddusamy Naidu,
Power Agent,
No. C5, Building Society Colony,
Shanmugapuram,
(Transferor)

(2) R. Sakunthala, R. Sivaraman, R. Suriya Narayanan, S. Usha, S. Vasantha Kumari, G. Indirabai, P. Parameswari, No. 209, Gandhi Road, Palani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at S. No. 115/1. Sivinger party Village, Palani T.K., Doc Nos. 510 to 512, 63).

R. P. PILI AI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date: 5-1-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 1847.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

T.S. No. 7028, Sir Thyagaraya Road situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 507/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Madathil Brothers, C. V. Velayuthan,
 Madathil Ashokh Kumar, Madathil Manoj Kumar,
 M s M. Pu h aratha, Madathil Anil Kumar,
 Jayakumar, Hemalatha, Madathil Anil Kumar,
 Madathil Aneetha, 158, Arcot Road, Madras-26.

 (Transferor)
- · (2) M/s. Suresh Arts, 58, Pantheon Road, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.S. No. 7028. Sir Thyagaraya Road, Madras-17. (Doc. 507/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-II. (1/c)
Madras-600 006

Date: 2-1-184.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18377.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. TS 11, Babu Rajendraprasad Road situated at Mad as-33 (and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Modern North (Doc. No. 1602 (82)) in May 1923

Madras North (Doc. No. 1692/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresain property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M. Balasubramani Achari, Appavu Nagar, Saldapet, Madras-15.

(Transferor)

(2) R. Velayudham, 3, Venugopal Chetty Street, Madras-15.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 11. Babu Rajendraprasad Road, Madras-33. (Doc. 1692/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition PangeII. (i/~)
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

FURM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Subramania Asari, Balasuhramania Asrai, Appavu Nagar, Saidapet, Madras-15.

(Transferor)

(2) Avudia Ammal, 3, Venugopal Chetty St., Madras-15.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 1839.--Whereas, J. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. TS 11, Mambalam situated at Mambalam (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1926/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 11, Mambalam (Doc. 1926/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assti. Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeII. (i/c)
Madras-600 006

Date : 2-1-1984

P. T. Sampathkumaran, A. Balasubramanian, 43, Big St., Madras-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) K. K. Shaik Ismail Rowther, 21, Naluthonnai St., Thirumuzhi, Madras-56. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras-600 006, the 2nd January 1984

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 18393.—Whereas, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 43, Wallers Road situated at Madras-2

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. No. 1877/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 43, Wallers Road Madras-2, (Doc. 1877/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rangell_ (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date :2-1-1984

Sear :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18394.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, Padmanabha Pillai Street, sitluted at Madras-24 (and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1866/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act. In respect of any income arising from the transfer and/or

(h) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) K. Subturature by hors, 8. Padamanabha Pillai Street, Madras-24. (Transferot)
- (2) R. Paramasiyam, Parvathy, 19, Pidariar Koil Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 8, Padamanabha Pillai Street, Madras-24 (Doc. 1366/83)

R. P. PIJLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition PangeII (1/c)
Madras-600 006

Date: 2-1-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18397—Whereas I, R., P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17, Solaimman Koil Street, situated at Madras-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) A. K. Rudramurthy, 452, R. K. Shanmugham Road, Madras-78. (Transferor)

(2) N. Sasidharan & Usha Sasidharan, 15, N. M. Street, Madras-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 17 Solaiamma Knoil Street Madras-7, (Doc. 209/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange-II. (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, fo the following persons, namely...

Date: 2-1-1984.

FORM IINS-

(1) Bezawada Anand Reddy, 20/1, Rajagari Street, Moolapet, Nellort.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2 Unimax International, 54, Perambur Baracks Road, Madras-7.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18457.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 /- and bearing No. 18, 19, Nungambakkam High Road, situated at

Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 460/83) on May 1983

for up apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 18, 19, Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 460/83).

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. (i/c) Madras 600 006

Date: 2-1-1984.

Sent

 P. S. Mohammed Sulaiman, Dharka Street, Kayalpatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mohammed Shihabdeen, P. M. A. Zahira, Dharka Street, Kayalpattinam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref No. 18461.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 645, Mount Road, situated at Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 486/83) in May 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at 645, Mount Road, Madras-2, (Doc. 486/83).

THE SCHEDULE

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition RangeII, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
77—446 GI/83

Date: 8-1-84

Sonl ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref No. 18464.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 26,000/and bearing

TS No. 8372 104, G. N. Chetty Road situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 470/83) in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following or rooms, namely:—

(1) P. T. Baghavathi, T. Varalakshmi, 104, GN Chetty Road, Madras-17.

(Transferor)

)2(V. N. Thangappan, 154, Usman Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afermald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at 104, GN Chetty Road, Madras-17 (Doc. 470/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeII, (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-1-1984. Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18468.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 88, South West Boag Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 498/83) on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay test under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New, therefore, in presented of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) A. Halir Rahman, A. Arabia Beevi, 88, South West Boag Road, Madras-17. (Transferor)

(2) M/s. Goutham Constructions, 238, Ramakrishna Mutt Road, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 88, South West Boag Road, Madras-17 (Doc. 498/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition RangeII, (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-1-1984.

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18463.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Nungambakkam High Road situated at Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 497/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kalpatharu Enterprises
 Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Anil Kumar Goel,
 7A, Tower Block Nandanam
 Madras-35.
 Mrs. Uma D. Gupta, Ruprivas
 10th Road, Chembur, Bombay-400 071.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nungambakkam High Road, Madras-34. (Doc. 497/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (i/c)
Madras-600 006

Date: 2-1-1984.

Scal:

FORM ITNS----

(1) Miss Mary Janet James, 162, Beruca Road, Madras-10.

(Transferor)

 Ceylon Pentecostal Mission, 45A, 5th St., Padmanabha Nagar, Madras-20.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18396.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 162, Baraca Road, situated at Madras-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Purasawalkam (Doc. 204/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 162, Beraca Road, Madras-10. (Doc. 204/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 2-1-1984.

Scal:

FORMS ITNS

Ramaswamy Gr. M. Saraswathi,
 A. Karthikeyani, Dhivansapudur,
 Pollachi Tk. Marchanaickenpakayam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Eappan, Mathew, Rani Mathew, Eappan Varghese, Eappen Sebastian, Akkathara house Puttengun village Kuttanad Tk Alleppey Kerala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 12904.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Marchanaickenpalayam situated at Anamalai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. 554/83) on May, 1983

Anamalai (Doc. 554/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice, in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Marchanaickenpalayem. (Doc. 554/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the same Act, I have by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 2-1-1984 Seal :

OCAL .

A. N. Kathare & others,
 Nainiappa Mudali St.,
 Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vijaya Narayanaswamy, D/135/E, Rajamannar Road, KK Nagar, Madras-78.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18472.—Whereas, I,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

n North Road, Madras-17 situated at T. Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 513/83) on May, 1983

T. Nagar (Doc. 513/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 4, North Boag Road, Madras-17. (Doc. 513/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18473.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

2934

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

- 5, Thanickachala Chetty St. situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
- T. Nagar (Doc. 522/83 in May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Kay Bee Constructions, 26, Rakkiappa Mudali St., Madras-4.

(Transferor)

PART III--SEC. 1

(2) L. Jayam, AA 144, Main Road, Madras-40.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 5, Thanickachala Chetty St., Madras-17. (Doc. 522/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18474.—Whereas, I, R. P. PILLAL

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5. Thanikachalam Chetty St. situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 523/83) in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3, Kesavaperumal Koil Southward St., Madras-4. (Transferor) (2) Alamelu Rajagopalan, R. Mangalam, R. Meenakshi, R. Srinivasan, R. Murali, R. Shavani, Lakshmi, R. Sridhar, A-1, Sullivan Apartments, 22, Sullivan Garden Road, Madus-4.

(1) M/s. Kay Bee Constructions.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 5, Thanikachalam Chetty Road, Madras-17. (Doc. \$23/83).

> 'R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 78-446 GI /83

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18475.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinofter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sadullah St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 469/83) in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. K. Vadivllu, Vijaya Constructions, 65, Harrington Road, Madras-35.

(Transferor)

(2) R. Panchanatham, 1A, Juvali St., Koranad, Mayuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Sadullah St., Madras-17. (Doc. 469/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S. Rangaswamy, 33, Babu Rajendraprasad St., Madras-33.

(Transferor)

(2) V. Rajagopalan, R. Vasudevan, 19, Rakkiappa St., Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18477.-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. Nos. 281, 284 and 285 situated at Virugambakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Virugambakkam (Doc. 1462/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 XPLANATION: -- The ferms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land at S. Nos. 281, 284 and 285, Virugambakkam. (Doc. 1462/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 2-1-1984

Small:

FORM NO. J.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

- ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Rcf. No. 18779.-Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot Nos. 27, 28 & 29, situated at Tambarum,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. 1822/83) in May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Alladi Kuppuswamy, Retd. Chief Justice Andhra Pradesh, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) V. T. John, Varghese Thomas, Kuttipuramilil House, Ward No. 2, Edakadathy, Kottayam, Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Plot Nos. 27, 28 and 29, Tambaram. (Doc. 1822/83).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 2-1-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

 Shri N. Padmavathi, 15, Ranganathapuram, Srirangam, Trichy-6.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Balan, 220, Arcot Road, Madras-26.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-H,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18500.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the intermovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 7, 14, situated at Poliyur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam in May 1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposés of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said. Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 7/14, Puliyur. (Doc. 1492/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mrs. R. Jayalakshmi, 4, Dr. Sadasivam Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. V. I akshmi, 28, Taylors Estate 11 St., Madras-24.

whichever period expires later;

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18774.-Whereas, I.

R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. 4, Dr. Sadasivam Road situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 453/83) on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 4, Dr. Sadasivam Road, Madras-17. (Doc. 453/83).

> R. P. PILLAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 2-1-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18773.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. 43, Ramanujam St., situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar (Doc. 440/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concenlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) R. Padmavabha Iyer, R. Rangaswamy, R. Rajagopal, Saraswathy, Vasanthalakshmi, Shantha, 43, Ramanujam St., Madras-17. (Transferor)
- (2) Vishva Hindu Vidyakendra, 37, Aravamudhu Garden St., Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 43, Ramanujam St., Madras-17. (Doc. 440/83),

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date: 2-1-1984

Scal :

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18462.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.

RS No. 2/19, 20 situated at Cathedral Garden Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 492, 493, 494/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. S. Bashir Ahamed, 10, Puliyangudi South St., Koothanathu, Tanjore Dt.

(Transferor)

(2) K. S. B. Mohamed Nasirudeen,
K. S. B. Naseema,
k. S. B. Shameema,
10, Puliyangudi South St., Puliyangudi,
Koothanallur, Tanjore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at RS, No. 2/19, 20, Cathedral Garden Road, Madras-34. (Doc. 492, 493, 494/83).

R. P. PILLAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox
Acquisition Range-II
. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of 1 aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-500 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18762.—Whereas, I,
R. P. PILLAI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Palavakkam of antion of No.
(and more interpretable in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Adyar (Doc. 1246 to 1250 and 1252/83) on May, 1983
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
 79—446OI/83

(1) A. M. Hassan Ali Maractair,
Bashira Bivi, Sharifa Bivi, Illias,
Sattar, Aisha Bivi, H. Mumtaz,
16, Palace Road, Basha Garden St., Madras-4.
(Transferor)

(2) T. G. Gopinathan,6, Dhanalakshmi Avenue, Kasturba Nagar,Madras-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Palavakkam. (Doc. 1246, 1247, 1248, 1249, 1250, 1252/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Sivakamu Subramanian, I St., Abhiramapuram, Madras-28.

(2) Shri R. S. Mohan, P.E.D. Badar Almulla Bros. Ltd. Safat Kuwait.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Ref. No. 18342.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

29, II Main Road, situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 602/83) on May, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the /transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29, II Main Road, Madras-28. (Doc. 602/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd January 1984

Rof. No. 12823.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00 0/- and bearing No.

Ikkaraiholurampatti situated at Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 198 in the office of the Registering Officer at

Coimbatore Thoudamuthur (Doc. 365, 366/83)

in May 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
80—446GI/83

(1) T. P. Athimuthu Gr.
T. P. Ramaswamy S/o Perumal Gr.,
Thombilipalayam, Madhuvarayapuram, Colmbatore.
(Transferor)

(2) Mrs. Shanthi D/o Kongarar Jagannathan, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL.

Land at Ikkaraibolucampatti. Coimbatore Tk. (Doc. 365, 366/83).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madrus-600 006

Date: 2-1-1984

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 065, the 2nd January 1984

Ref. No. 18459.—Whereas, I,

R. P. PILLAI.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

252, Mowbrays Road, situated at Madrus-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights (Doc. 476, 477/83) on May, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- C. Sudarsana Srinivasan,
 C. Sunandan, C. Kaliyan, 809, Poonamallee High Road, Madras-10.
- (2) Atchyut and Associates, 101, Royapettah High Road, Madras-14. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cuzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Apr., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 252, Mowbrays Road, Madras-18. (Doc. 476, 477/83).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 2-1-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961-(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE, OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RONGE, COCHIN-662 016 Cochin-662 016, the 9th January 1984

Ref. No. L. C. 673/83-84.—Whereas, I, P. J. THOMAS-KUTTY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Kottarakkara

(and more fully described in the Schedule annexed hercto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kottarakkara on 3-6-1983

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, It hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri K. P. Kottarakkara
 (Kuttan Pillai)
 105/Habeebulla Road,
 Thyagaraja Nagar-Madras.

(Transferor)

(2) Meenakshi Amma Ambika Kumari W/o K. Chandrasekharan Nair, Asha Bhavan, Kizhakkekara—Kottarakkara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38 cents of land with a building in Syl. No. 139/9 of Kottarakkara Village, document No. 2014/83 of S. R. O. Kottarakkara.

P. J. THOMASKUTTY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-1-1984

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION 1984

No. F. 13/2/83-EI(B)

New Delhi, the 4th February 1984

A competitive examination for recruitment to the Indian Forest Service will be held by the Union Public Service Commission at AGARTALA, AHMEDABAD, AIZAWL, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CHANDIGARH, COCHIN, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR, JAMMU, JORHAT, KOHIMA, LUCKNOW, MADRAS, NAGPUR, PANAJI (GOA), PATNA, PORT BLAIR, RAIPUR, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR, TIRUPATI, TRIVANDRUM and VISHAKHA-PATNAM commencing on the 22nd July 1984 in accordance with the Rules published by the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) in the Gazotte of India dated the 4th February, 1984.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure I, pare 11).

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of this examination is 200 (Includes 30 vacancies reserved for Scheduled Castas and 15 vacancies reserved for Scheduled Tribes candidates). This number is liable to alteration.
- 3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 (Rupees two) which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi-General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two) will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINT. ED FORM PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1984 APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE INDIAN FOREST SERVICE EXAMINATION, 1984 WILL NOT BE ENTERTAINED.

4. A candidate should indicate in Col. 24 of the Application Form the order of preferences for State/Joint Cadres of the Service to which he would like to be considered for allotment.

No. request for alteration in the order of preferences for the State/Joint Cadres indicated in the Application Form would be considered unless he request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commusion within 30 days of the publication of the result of the written examination in the Employment News. No communication either from the Commission or from the Government of India would be sent to the candidates asking them to indicate their revised prefrences, if any, for various State/Joint Cadres after they have submitted their applications.

- 5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd April, 1984 (16th April 1984 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 2nd April 1984 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application receives after the prescribed date will be considered.
- A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalays, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State Lahaul & Spiti District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd April 1984.
- Note (i):—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time, (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of I&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Note (ii):—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 48.00 (Rupees fortycight) [Rs. 12.00 (Rupees twelve) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India pay able to the Scretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi,

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 7 BELOW.

- 7. The Commission may at the discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March 1971, or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1983 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ccylon Agreement of October, 1964 or is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 8. A refund of Rs. 50.00 (Rupees Thirty) [Rs. 8.00 (Rupees eight) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination or selection.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 9 below nor can the fee be held in reserve for any other examination by the Commission.

- 9. If any candidate who took the Indian Forest Service Examination held in 1983 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1983 examination his candidature for the 1984 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within 30 days from the date of publication of the final result of the 1983 examination in the Employment News.
- 10. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 11. The question paper in General Knowledge as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Infomation Manual" at Amexure 11.

M. BALAKRISHNAN
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HF WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, now-ever, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 22nd June, 1984, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form and the acknowledgement card, must be completed in the candidates own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or the equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambliguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

Candidates should further note that under no circumstances will they be allowed a change in any of the subjects they have indicated in their application form for the Examination

All candidates, whether already in Government Service of in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government Service whether in a scrmanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily-rated employees or those serving under the Public Enterprise, are however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

- 3. A candidate must send the following documents with his application—
 - CROSSED Indian Postal Orders or Bank Drafts for the prescribed fee or attested/certified copy of certificate in support of claim for fee remission (See paras 6 and 7 of Notice and para 6 below).
 - (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
 - (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.

- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. aprpox.) photograph of the candidate, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space proided therein.
- (v) Two self-addressed unstamped envelopes of size approximately 11.5×27.5 cms.
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vii) Attested/Certified ocpy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 5 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled.

NOTE (i)—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) AND (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF NOVEMBER 1984. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW, THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Note (ii) Candidates are further required to sign the attested/certified copies of all the certificates sent along with the application form and also to put the date,

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) above are given below and in para 6 and those of items (vl) and (vli) are given in paras 4 and 5:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee-

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED BANK Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

- Note—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their application. In the case of Postal Orders the names and addresses should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.
- (ii) Certificate of age.—The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate.

No other document relating to age like horoscopes, vis-a-vis, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age of completed years of completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution framination, showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete preef of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

- Note 1:—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLET-ED SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEED SUBMIT ONLY AN ATTESTED/CER-TIFIED COPY OF THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.
- NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
 THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
 THE MATRICULATION/HIGHER SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR
 AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
 DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
 WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION,
 AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS
 CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.
- NOTE 3:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION. NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT A SURSEQUENT EXAMINATION.

(iii) Certificate of Educational Qualification: —A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualification prescribed in Rule 6. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient. it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the degree examination submitted by a candidate in support of his educational qualifications does not indicate the subjects of the examination an attested/certified copy of a certificate from the Principal/Head of Department showing that he has passed the qualifying examination with one or more of the subjects specified in Rule 6 must be submitted in addition to the attested/certified copy of University Certificate.

Note.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

- (iv) Photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size 15 cm × 7 cm. approximately), photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(il), 3(ili) and 3 (iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained,
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in port of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate: if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own f-education.

The form of certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shri-son/daughter* of—	————of village/
town*——in Dis of the State/Umon Territory* of—belongs to the—	trict/Division*
is recognised as a Scheduled Caste/S	scheduled Tribe* under:—
the Constitution (Scheduled Castes)	
the Constitution (Scheduled Tribes) the Constitution (Scheduled Caste	
Order, 1951*	
the Constitution (Scheduled Trib. Order, 1951*	es) (Union Territories)

ian amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes List (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976]. the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956* the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Order (Amendment) Act, 1976.* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes, Order, 1962* the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964* the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968* the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968* the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970* the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*. the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Ordes, 1978* Shri/Shrimati/Kumari*... his/her* family ordinarily reside(a) in village/town*.. of the State/Union Territory*of......District/Division* Signature..... **Designation...... Place.....

(with seal of office)

Date.....

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The term '(ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning, as in Section 20 of the Repre-sentation of the People Act, 1950,

- **Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.
 - (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/ Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/tsub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendlary Magistrate).
 - (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate,
 (iii) Chief Presidency Magistrate,

<u> and the contract of the state of the state</u>

- (iii) Revenue Officer not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer (Lakshadweep).
- 5.(i) A displaced person from eratwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concessions under Rule 5 (b)(ii) or 5(b)(iii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to Indai during the period between 1st January, 1964, and 25th March. 1981:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
 - Additional District MagIstrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director ((Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5 (b) (iv) or 5(b) (v) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a bona fide repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.
- (iv) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate
Certified that Rank No. Shri of Unit was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area and was released as a result of such disability.

Signature-	
Designation-	<i></i>
Date-	

*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)'(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganylka and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia, claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being be resident, to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(b)(xiv) or 5(b)(xv) should produce an attested/certified copy of the certificate, as applicable to them, in the form prescribed below from the authorities concerned.
- (A) Applicable for Released/Retired Personnel.

Name whose date of birth is nas rendered service from in Army/Navy/Air Force and he fulfils ONE of the following conditions:

- (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge of account of misconduct or inefficiency.
- (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on invalidment on

Name and Designation of the Competent Authority

۲,	at	i	'n
D	at	•	

SEAL

(B) Applicable for serving personnel.

lt is	certified	that No.		Rank	
Name		whose	date of birth	of in	is
serving	in the	Army/Na	vy/Air Force	from	

2. He is due for release/retirement w.e.f. and is likely to complete his assignment of five years by

3. No disciplinary case is wonding against him.

Name and Designation of the Competent Authority

Station

Fate

SEAL

Authorities who are competent to issue certificate are as follows:—

- (a) In the case of Commissioned Officers including ECOs/SSCO3.
 - Army-Directorate of Personnel Services, Army Hqrs., New Delhi.
 - Navy-Directorate of Personnel Services, Naval Hqrs., New Delhi.
 - Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hqrs., New Delbi.
- (b) In the case of JCOs/ORs and equivalent of the Navy and Air Force.

Army-By various Regimental Record Offices.

Navy-Naval Records, Bombay.

Air Force-Air Force Records, New Delhi.

- (viii) A dsplaced person from erstwhile West Pakistan claiming age concession under Rule 5(b) (xvi) or 5(b) (xvii) and/or remission of fee under paragraph 7 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973:—
 - (1) Camp Commandant of the Transit Centres or of Relief Camps in various States;
 - (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being, be resident;
 - (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division, is his charge;
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner.
- 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in paragraph 5(i), (ii), (iii) and (vili) above, and seeking remission of the fee under paragraph 7 of the Notice should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Office or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.
 - 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required may be admitted to the examination but the offer of appointment shall be given only after the necessary eligibility certificate is issued to him by the Government of India. Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation).
 - 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fast that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of application for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidates for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections.

This publication as also the copies of pamphlets containing rules and conventional type question papers of the preceding examinations are on sale with Controller of Publications; Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 and (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001, The Manual/pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussit towns.

- 13. Communications regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - 1. NAME OF EXAMINATION.
 - 2. MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
 - 3. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
 - 4. NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
 - 5. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.--(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIFICATED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE—II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General knowledge paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,.....etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you also with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, rectangular spaces marked, a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the rectangle, containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the Answer Sheet.

V) [[2]	क्यू		(d)	
3000	(b c)	(ದ)	ැත්	
3.	(d b))	· c ć	c d b	c. e n

IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- 2. To change a wrong marking, erase it completely and re-mark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

 Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it,

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- 1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have clapsed after thei commencement of the examination.
 - 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously, If any entry in the Answer Sheet is ambiguous, you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificates with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-broad or a card-board on which nothing should be written. you are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this the nivigilator will give you the Test Boolet on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. Write your Roll Number on the first page of the Test Booklet before opening the Test Booklet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor to do so.

P. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry good marks. Attempt all of them. Your scote will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

CLUSION OF TEST

Supervisor asks you to stop. Sinain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave ale Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the stamination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -- *denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers, because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure
- 1-*(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
 - (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure,

2. English)

(Vocabulary-Symonyme)

There was a record turnout of voters at the municipal ettions.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3(Agriculture)

I FURTHER

- n Arhar, flower drops can be reduced by one of the mea-
- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

Chemistry)

The anhydride of H₃VO₄ is

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (c) V₂O₃
- *(d)}V₂O₅

(Economics)

Monopolisticfexploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product ar equal
- (c) [wage] is more than the marginal revenue product
 (d) [wage] I to marginal physical product

t of the

Plagioclase in a basait is

- (a) Oligociase
- *(b) Labradorite

6. (Electrical Engineering)

(a) 3C (b) C

*(c) C/3

(d) C/9

- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

A coaxial fine is filled with a dielectric of relative permitivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free

space, the velocity of propagation in the line will be

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y = ax

(c)
$$y = ac + bc$$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300° K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance can be

- (a) 4^2
- •(b) 3
- (c) ∞
- (d) -- 5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism aiways claimed a very large following even in the heyday of Buddhiga
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, fire was relegated to the b
- (d) Sacraments were prescribed stages in the growth of an '

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of following

- (a) Buddhism, Nyaya, C Mimamsa
- (b) Nyāya, Vais "
- (c) Advaita, V____
- *(d) Buddhism, ST Carvaka.

(Political Science)

'Functional representation' means

- •(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15/ (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state

- (c) instrumental lostging
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought the following:

- (a) formal representation of women and weater section in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

Note:—Candidates should note that the above sample item (questions) have been given merely to serve a examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.